विभाग द्वारा ऐतिहासिक महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन

7	05.09.2020	राधाकृष्णन जन्म दिवस	जूम मिटिंग द्वारा ऑनलाइन महाविद्यालय में अध्ययनरत इतिहास के अध्येयताओं को महत्वपूर्ण दिवस पर कार्यक्रम कर उल्लेखित दिवसों पर प्रकाश डाला गया
8	03.10.2020	गांधी जयंती	
9	31.10.2020	राष्ट्रीय एकता दिवस	
10	14.11.2020	बाल दिवस	
11	19.12.2020	गुरूघासीदास जयन्ती	
12	28.12.2020	कांग्रेस की स्थापना दिवस	
13	12.01.2021	विवेकानंद जयंती का आयोजन	
14	23.01.2021	सुभाष चन्द्रबोस जयंती	
15	30.01.2021	महात्मा गांधी पुण्य तिथि	
16	05.06.2021	विश्व पर्यावरण दिवस	

विभागाध्यक्ष
इतिहास
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग)

//शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में संत गुरूघासीदास जी का 264 वां जयंती का आयोजन//

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. आई.आर. सोनवानी के मार्ग निर्देशन में इतिहास विभाग के तत्वाधान में डॉ. फुलसो राजेश पटेल के द्वारा दिनांक 19/12/2020 को गुरूघासीदास जयंती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.आर. सोनवानी ने किया, इस अवसर पर भारतीय नवजागरण में संत गुरूघासीदास का योगदान पर विचार रखते हुए उन्होंने कहा भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन 19वीं. शताब्दि एवं 20वीं शताब्दि के पूर्वाद्ध में संपूर्ण भारत में राजा राममोहन राय स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद सरस्वती के नेतृत्व में राष्ट्रीय संचेतना सामाजिक सुधार आन्दोलन का संचालन किया जा रहा था जिससे राष्ट्रीयता की भावना का राष्ट्र में जागरण हुआ। छत्तीसगढ़ अंचल में संत गुरू घासीदास 19वीं सदी से पहले ही इनके द्वारा राजनीतिक जागरण तथा समाज सुधारक आन्दोलन का शंखनाद किया गया इन्होंने कठीन तपस्या के उपरांत सतनाम पंथ की स्थापना कर समाज सुधार का आन्दोलन का संचालन किया जिसकी पुष्टी इतिहासकार डॉ. हिरालाल शुक्ल ने छत्तीसगढ़ का इतिहास में उल्लेख किया है । गुरू घासीदास जी ने छत्तीसगढ़ में **सात चरणों** में नव जागरण समाज सुधार आन्दोलन चलाया जिसका प्रभाव मध्यप्रदेश तथा भारत के विभिन्न भू-भागों पर पड़ा। जिसका परिणाम राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के रूप में स्वाधीनता प्राप्त करने के लिए संघर्ष का सूत्रपात हुआ। संपूर्ण भारत में आजादी के लड़ाई के लिए जगह-जगह आन्दोलन, धरना आयोजित किया गया और हम लंबे संघर्ष के बाद आजादी को प्राप्त किये। इसकी नींव सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ में संतगुरू घासीदास जी ने ही आन्दोलन की पृष्ठभूमि का सूत्रधार प्रारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. एस.आर. कन्नोजे प्राणीविज्ञान विभागाध्यक्ष ने अपने विचार पर प्रकाश डालते हुए गुरूघासीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर उल्लेख किया । मध्यकाल में पूर्णतः भारतीय समाज छुआ-छुत, जाति-पाँति, भेद-भाव में जकड़ा हुआ था उस समय इन्होंने इन असमानताओं को समाप्त करने का बीड़ा उठाया और गृहस्थ आश्रम में रहते हुए भी कठिन तपस्या के उपरांत सतनाम पंथ की स्थापना कर **सात सिद्धांतों** पर आधारित दिनचर्या व्यतित करने का **संदेश** दिया। इन्होंने घूम-घूम कर समाज पर व्याप्त बुराईयों को दूर करने का संदेश दिया । आज सही मायने में देखा जावे तो उनके द्वारा ही समरसता का पाठ पढ़ाया गया और आज सभी वर्ग जाति-पाँति की दीवार को तोड़कर कदम से कदम मिलाते हुए सभी लोग अपने अपने पसंद के अनुरूप कार्यक्षेत्र का चयन

कर राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं । डॉ. एलिजाबेथ भगत समाज शास्त्र विभाग के द्वारा इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने उनके महत्वपूर्ण विचार **"मनखे–मनखे एक समान"** इनके संदेश का मूल मंत्र रहा है। आज भी इसकी आवश्यकता है, इन्होंने समाज में असामाजिक चक्र को तोड़ा और जगह–जगह संदेश दिया स्त्रियों के उद्धार के लिए कई कदम उठाये आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किये महिला सुधार कार्यक्रम का मंत्र भी इनके द्वारा ही सर्वप्रथम रखा गया था। यही कारण है कि, आज महिलाऐं भी घर से बाहर निकलकर कई क्षेत्र में अपनी सेवाऐं दे रही हैं इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अधिकारी प्रो. श्रीमती निर्मला जैन, डॉ. निर्मला उमरे, डॉ. नागरत्ना गनवीर, डॉ. अबध किशोर झा, श्री गिरीश सिंह यादव, दीपक हरिहारणो, उमा हेड़ामे, श्रीमती नंदिनी कुर्रे, महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी तथा विद्यार्थी ऑन लाईन से जुड़कर कार्यक्रम के सहभागी बने। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग डॉ. फुलसो राजेश पटेल के द्वारा संपादित एवं कार्यक्रम का आभार अभिव्यक्ति डॉ. एस.आर. कन्नोजे द्वारा किया गया ।

साइंस कॉलेज में मनाई गई जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

हरिभूमि 26/12/2020

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. आईआर सोनवानी के मार्गनिर्देशन में इतिहास विभाग के तत्वावधान में डॉ. फुलसो राजेश पटेल द्वारा 19 दिसंबर को गुरू घासीदास जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आईआर सोनवानी ने किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सोनवानी ने कहा कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन 19वीं एवं 20वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में संपूर्ण भारत में राजा राममोहन राय स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद सरस्वती के नेतृत्व में राष्ट्रीय संचेतना सामाजिक सुधार आंदोलन का संचालन किया जा रहा था। जिससे राष्ट्रीयता की भावना का राष्ट्र में जागरण हुआ। छत्तीसगढ़ अंचल में संत गुरू घासीदास 19वीं सदी से पहले ही इनके द्वारा राजनीतिक जागरण तथा समाज सुधारक आंदोलन का शंखनाद किया गया। इन्होंने कठिन तपस्या के उपरांत सतनाम पंथ की स्थापना कर समाज सुधार का आंदोलन का संचालन किया। जिसकी पुष्टि इतिहासकार डॉ. हीरालाल शुक्ल ने छत्तीसगढ़ का इतिहास में उल्लेख किया है। इस दौरान डॉ. एलिजावेथ भगत ने अपने विचार रखे।

इस दौरान प्रो. निर्मला जैन, डॉ. निर्मला उमरे, डॉ. नागरत्ना गनवीर, डॉ. एएन माखीजा, डॉ. अवध किशोर झा, गिरीश सिंह यादव, दीपक हरिहारणों, टीआर चंद्रवंशी, लोकेश वर्मा, सचिन श्रीवास्तव, हेमंत साहू, किशन कुंजाम, विनोद वुराडे, उमा हेड़ामे, नंदिनी कुर्रे, महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी तथा विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़कर कार्यक्रम के सहभागी बने।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. फुलसो राजेश पटेल द्वारा संपादित एवं कार्यक्रम का आभार अभिव्यक्ति डॉ. एसआर कन्नोजे द्वारा किया गया।

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में सुभाष जयंती मनाया गया

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 23/01/2021 रा.से.यो. एवं को इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. आई.आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में नेता जी सुभाषचंद्र बोस जी के 125 वीं जन्म जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर डॉ. आई.आर. सोनवानी ने कहा कि नेता जी ने क्रांतिकारी आन्दोलन में उत्कृष्ट एवं अहम भूमिका निभाई है, उनकी अदम्य साहस एवं वीरता की पहचान पूरी दुनिया में है। नेता जी की शिक्षा भारत व इंग्लैण्ड में हुई, वे देश सेवा व भारत को स्वतंत्र कराने की भावना से ओतप्रोत रहे हैं, वे 1940 में फारवर्ड ब्लॉक के गतिविधियों में शामिल होने से बंदी बनाये गये जो वास्तव में माडर्न इंडियन आर्मी के संगठक थे । नेताजी अहिंसा से अलग रास्ता अपनाकर देश को स्वतंत्र कराना चाहते थे। वे जर्मनी व जापान की सहायता लेकर भारत को आजाद कराना चाहते थे ।

डॉ. एस.आर.कन्नोजे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि नेताजी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सबसे अधिक साहसिक व्यक्ति थे, उन्हें भारतवासी नेता जी के नाम से जानते हैं। नेताजी ने 1940 में लिखा कि, मैं स्वप्नों दृष्टा हूं, मेरा सपना है, कि मैं भारत को स्वतंत्र कराऊं, अपने सपने को साकार करने के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया, उनके द्वारा दिया गया **जय हिंद** का नारा वर्तमान में भारत का अमिट राष्ट्रीय नारा बन गया है।

डॉ. फुलसो राजेश पटेल इतिहास विभाग ने सभा का संचालन करते हुए कहा देश की आजादी के लिए नेताजी ने लोगों से आव्हान किया कि, **तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा** । नेताजी ने 05/07/1943 को सिंगापुर में सुप्रीम कमाण्डर के रूप में **दिल्ली चलो** का नारा दिया। स्वतंत्रता के पूर्व विदेशी शासक नेता जी के सामर्थ से घबराते रहे तो स्वतंत्रता के बाद देशी सत्ताधीश उनके व्यक्तित्व व कृतित्व से घबराते रहे । आज नेता जी हमारे बीच नहीं है पर जय हिंद का नारा हर भारतीयों के दिल पर बसा हुआ है, वे सच्चे मायने में देश भक्त थे ।

इस अवसर पर पूर्ण महाविद्यालय स्टॉफ व 30 विद्यार्थी ऑनलाईन से जुड़कर कार्यक्रम में सम्मिलित हुए ।

डॉ. आई.आर. सोनवानी
प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

महाविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में महावि. इतिहास विभाग के तत्वाधान में आयोजित दिनाँक 13.1.2021 को विवेकानंद जयंती

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

राजनांदगांव:- शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 05 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई, इतिहास विभाग व वनस्पति विभाग के तत्वाधान में मनाया गया। डॉ. आई.आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने महाविद्यालय के संयुक्त 5 पौधे गुलमोहर व आम के रोपे। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सोनवानी ने कहा की प्रदूषण की समस्या पर सन् 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने स्वीडन में पहला सम्मेलन आयोजित किया था, जिसमें विश्व भर के 119 देशों ने भाग लिया था। पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना है। पर्यावरण दिवस प्राकृतिक संपदाओं के अंधाधुंध दोहन, जंगलो की कटाई व ग्लोबल वार्मिंग से बचाव और भविष्य में आने वाले खतरा से निपटने की इच्छा से मनाया जाता है, प्रतिवर्ष एक नया विषय का चयन किया जाता है, य 19 नवम्बर 1986 से लागू किया गया, इस वर्ष का विषय है – "ईको सिस्टम को मूल रूप में लाना है।" सभी से कहा कि हम प्रकृति से सामंजस्य बनाकर चले, हम प्रकृति के दास है स्वामी नही। पर्यावरण दिवस के दिन वाहन उपयोग न करने के संकल्प के साथ महाविद्यालय पैदल चल कर आये तथा इस तरह के कार्य में हाथ बाटने हेतु सभी से अपील की।

डॉ. एस.आर. कन्नोजे रासेयो अधिकारी ने कहा कि देश प्रदूषण की मार से कराह रहा है, इससे पर्यावरण तेजी से बिगडते जा रहा है, हरियाली की कमी के कारण पर्यावरण संतुलन बिगडने से प्रकृति का प्रकोप बार–बार सामने आ रहा है, वृक्ष की महत्ता को बतलाते हुए कहा कि ये हमे प्राणवायु देते है, जीवन भर के लिए फल–फूल शांति, छाया, लकडी देते है तथा मिट्टी का संरक्षण करते है। डॉ. स्वाती तिवारी वनस्पति विज्ञान विभाग ने कहा कि इगो नही इको सिस्टम के साथ चलना होगा, प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन हमारा लक्ष्य होना चाहिए। श्री मुरारी उपाध्याय हिन्दी विभाग ने कहा कि बेहतर पर्यावरण हमें दीर्घायु जीवन देगा, हम नही सुधरे तो प्रकृति हमे सुधार देगी। डॉ. फुलसो राजेश पटेल इतिहास विभाग ने कहा कि जल है तो कल है, धरती के तीन भाग में जल है, शरीर के प्रत्येक अंग में 70 प्रतिशत पानी है, 97 प्रतिशत समुद्र मे खारे जल के रूप में है, 2 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप मे जमे हुए है, व मात्र 1 प्रतिशत पानी पेयजल के रूप में है, हमे बूंद–बूंद जल बचाकर जल से भरा जहान बनाना होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

(डॉ. आई.आर.सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

पर्यावरण संरक्षण को लेकर किया जागरूक

कालेज परिसर में रोपित किए गए पौधे। ● नईदुनिया

राजनांदगांव (नईदुनिया न्यूज)। शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, इतिहास विभाग व वनस्पति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया। प्राचार्य डा. आइआर सोनवानी ने महाविद्यालय के गार्डन में पांच पौधे गुलमोहर व आम के रोपे।

सभा को संबोधित करते हुए डा. सोनवानी ने कहा कि पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना है। पर्यावरण दिवस प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन, जंगलों की कटाई व ग्लोबल वार्मिंग से बचाव और भविष्य में आने वाले खतरों से निपटने की इच्छा से मनाया जाता है। प्रतिवर्ष एक नया विषय का चयन किया जाता है। इस वर्ष का विषय-इको सिस्टम को मूल रूप में लाना है। उन्होंने सभी से कहा कि हम प्रकृति से सामंजस्य बनाकर चलें, हम प्रकृति के दास हैं स्वामी नहीं। पर्यावरण दिवस के दिन वाहन का उपयोग न करने के संकल्प के साथ महाविद्यालय पैदल चलकर आएं तथा इस तरह के कार्य में हाथ बांटने के लिए सभी से अपील की।

प्रदूषण की मार से कराह रहा पर्यावरण: रासेयो अधिकारी डा. एसआर कन्नौजे ने कहा कि देश प्रदूषण की मार से कराह रहा है, इससे पर्यावरण तेजी से बिगड़ते जा रहा है। हरियाली की कमी के कारण पर्यावरण संतुलन बिगड़ने से प्रकृति का प्रकोप बार-बार सामने आ रहा है। वृक्ष हमें प्राणवायु देते हैं। डा. स्वाति तिवारी ने कहा कि ईगो नहीं इको सिस्टम के साथ चलना होगा। प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन हमारा लक्ष्य होना चाहिए। मुरारी उपाध्याय ने कहा कि बेहतर पर्यावरण हमें दीर्घायु जीवन देगा, हम नहीं सुधरे तो प्रकृति हमें सुधार देगी। डा. फुलसो राजेश पटेल ने कहा कि जल है तो कल है।

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में

सुभाषचन्द्र बोस की जयंती मनायी

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के संस्था प्राचार्य डॉ. गन्धेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग के तत्वाधान में डॉ. फुलसो राजेश पटेल द्वारा सुभाष जी के जन्म दिवस के अवसर पर सुभाष जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्यगीत के द्वारा किया गया। सुभाष चन्द्र बोस के छायाचित्र पर पुष्प, माल्यार्पण, धुप–दीप महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. निर्मला जैन, डॉ. एस.आर. कन्नोजे द्वारा किया गया। उद्देश्य, कार्य, बलिदान के बारे में जानकारी देते हुए अपने उदबोधन में कहा कि "सुभाषचन्द्र बोस" ने राष्ट्रहित सर्वोपरि है की भावना कूट–कूट कर भरा हुआ था। राष्ट्र हित सर्वोपरि है। आई.सी.एस. की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर सुख और समृद्ध उसके कर कमलों में अलिंगनबद्ध था, सर्वोच्च पद, मान सम्मान को ठुकराकर राष्ट्रप्रेम से वशीभूत होकर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के यज्ञ में अपने आपको समर्पित किया। काँग्रेस की अध्यक्षता की अधिवेशन में फारर्वड ब्लॉक की स्थापना, आजाद–हिन्द फौज की स्थापना कर भारत माता की आजादी के लिए उन्होंने जनता से आव्हान करते हुए कहा था कि "तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूँगा" का प्रसिद्ध नारा दिया था। ब्रिटिश सत्ता को भारत से भगाने के लिए इन्होंने जर्मनी के तानाशाह हिटलर तथा इटली में मुसो–लिनी तथा जापान के मुत्सो हितो से सहायता मांगी थी और सैन्य शक्ति द्वारा भारत पर अधिकार करने के लिए "दिल्ली चलो" का नारा दिया था।

सुभाष चन्द्र बोस की राष्ट्रभक्ति का पाठ अपने जीवन में अंगीकार करेंगे तो हमारा राष्ट्र अग्रिम स्थान प्राप्त कर सकेगा। इस अवसर पर डॉ. कन्नोजे द्वारा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को अनुकरण करते हुए राष्ट्र के विकास में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया था। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने सम्बोधन करते हुए कहा कि देश के महान सपूतों की आजादी के लिए कुर्बानी को याद करते हुए अपने राष्ट्र के सेवा के लिए आगे आकर अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करें। इस अवसर पर महाविद्यालय के (छात्र–छात्राऐं) विद्यार्थी तथा प्राध्यापकवृंद उपस्थित थे।

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय क्र०..... दि०..... राजनांदगांव (छ.ग.)

डॉ. गन्धेश्वरी सिंह
प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

सुभाषचन्द्र बोस जयंती का आयोजन

दिनांक –23.01.2019

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में दिनांक 23.01.2019 को सुभाषचन्द्र बोस जी की जयंती महाविद्यालय के बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के इतिहास के विद्यार्थियों के द्वारा कक्ष क्रमांक 02 में जयंती का आयोजन किया गया। बी.ए. प्रथम से कु. नम्रता जनबंधु द्वारा सुभाषचन्द्र बोस के जीवन परिचय तथा राष्ट्रहित में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। कु. निखत परवीन के द्वारा आजाद हिन्द फौज की स्थापना के महत्व पर विचार व्यक्त किया गया। कु. झमिता साहू के द्वारा सुभाषचन्द्र बोस के द्वारा स्वाधीनता आंदोलन में योगदान विषय पर अपना विचार व्यक्त की। बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा कु. गामिनी बघेल द्वारा सुभाषचन्द्र बोस द्वारा स्थापित आजाद हिन्द फौज पर अपने विचार रखे गये। हेमन्त निषाद बी.ए. तृतीय वर्ष ने राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन में सुभाषचन्द्र बोस के उत्तर दायित्व पर अपना विचार रखा।

इस कार्यक्रम में अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. निर्मला उमरे ने विद्यार्थियों को आर्शीवचन देते हुए सुभाषचन्द्र बोस के कर्त्तव्यनिष्ठ एवं देश प्रेम की जज्बा को ग्रहण करने की सीख दी और अपने जीवन में उनके कार्यों को अनुकरण करने का प्रयास करने के लिए प्रेरित की तथा उन्होंने विद्यार्थियों को उनके प्रसिद्ध कार्य आजाद हिन्द फौज की स्थापना पर विचार व्यक्त करते हुए जय हिन्द का नारा की महत्व पर अपना विचार व्यक्त की। डॉ. एलिजाबेथ भगत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उल्लेख किया कि सुभाषचन्द्र बोस ने राष्ट्रहित में अपने आप को समर्पित किया है। उनके कार्यों का अनुकरण करने का संदेश दिया। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि राष्ट्र भक्तों के स्वाधीनता आंदोलन में कठिन संघर्ष के कारण भारत को आजादी मिली और आज हम आजाद भारत में आजादी की चैन ले रहे हैं। इसलिए राष्ट्र भक्तों की कुर्बानी को सदैव स्मरण रखना चाहिए। अंत में डॉ. फुलसो राजेश पटेल ने सुभाषचन्द्र बोस की 122 वाँ जयंती के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए उनके उल्लेखनीय योगदान की महत्ता के बारे में अपने विचार रखी तथा राष्ट्र प्रेम की भावना सर्वोपरि है इसे हम सबको स्मरण रखना होगा।

जय हिन्द जय भारत

विभागाध्यक्ष
डॉ. फुलसो राजेश पटेल
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में मातृभाषा दिवस का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 21 फरवरी 2018 को मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम प्रात:11.00 बजे प्रारंभ हुआ। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्‌बोधन में विद्यार्थियों को अपने मातृभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने एवं उसके महत्व को बनाये रखने हेतु प्रेरित किया। भारतीय संस्कृति में भाषा की विविधता, सार्थकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. फुलसो राजेश पटेल ने उल्लेख किया कि विश्व में लगभग 7000 से अधिक भाषाएँ प्रचलित हैं। भारत में 222 भाषाओं का उल्लेख है संविधान के 8वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है तथा लगभग 38 भाषाएँ इस सूची में शामिल होने वाली है। भारतीय संस्कृति–भाषा, क्षेत्र, धर्म, रहन–सहन, खान–पान, पहनावा, श्रृंगार तथा वेश–भूषा में विविधता है। विश्व के सभी भाषा एवं संस्कृति को संरक्षित करने एवं प्रचार–प्रसार करने के उद्देश्य से संपूर्ण विश्व में मातृभाषा दिवस मनाया जा रहा है। साइंस कॉलेज में भारतीय संस्कृति एवं भाषा में विविधता पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम जैसे– भाषण, प्रतियोगिता, चित्रकला, वाद–विवाद, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर मातृभाषा दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर दुर्गेश कुमार पटेल बी.एससी. भाग–दो बायो, जतिन कुमार यादव बी.एससी. भाग–दो द्वितीय तथा अनिल कुमार साहू बी.एससी. भाग–दो तृतीय स्थान प्राप्त किया है। चित्रकला प्रतियोगिता में जतिन यादव प्रथम, दुर्गेश कुमार पटेल द्वितीय तथा कु. पूजा साहू बी.एससी भाग–एक गणित तृतीय स्थान प्राप्त की। भाषण प्रतियोगिता में पूजा साहू प्रथम, खिलेन्द्र कुमार द्वितीय तथा शुभम बघेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों में डॉ. नागरत्ना गनवीर, डॉ. एलिजाबेथ भगत, सुश्री हेमलता ठाकुर तथा सुश्री रूपाली बुरान्डे उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन की घोषणा तथा आभार व्यक्त डॉ. फुलसो राजेश पटेल के द्वारा किया गया।

प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

शहीदी दिवस 23.1.2022 को आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापकगण

कार्यक्रम में रैली का आयोजन
'इन्कलाब जिन्दाबाद' रैली महाविद्यालय प्रांगण में।

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में गांधी जयंती मनायी

राजनांदगांव। दिनांक 02.10.2018, दिन मंगलवार को महात्मा गांधी जी एवं लालबहादुर शास्त्री जी के तैलचित्रों पर माल्यार्पण करने के बाद महाविद्यालय की प्राचार्य उमरे मैडम ने इनके योगदान एवं त्याग से छात्रों को अवगत कराते हुए इनके सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए आव्हान किया। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में गांधी जी के 150 वीं वर्षगाठ के उपलक्ष्य पर स्वच्छता अभियान के तहत पूरे महाविद्यालय परिसर की साफ–सफाई हेतु विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें प्राध्यापकों, छात्रों और पूरा महाविद्यालय परिवार बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। स्वच्छता की महत्ता को समझते हुए, महाविद्यालय को सभी तरह से गंदगी मुक्त करने के लिए मिलकर सफाई किया गया। कार्यक्रम प्रभारी पटेल मैडम के नेतृत्व में कार्यक्रम सफल रहा। पूरे कार्य को नियोजित ढंग से प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों में विभाजित कर दिया गया था। प्राध्यापक छात्र–छात्रों की सहायता से अपने–अपने दायित्वों का सफल निर्वहन किया। महाविद्यालय के प्रवेश द्वार से प्रारंभ होकर साइकिल स्टैण्ड, गार्डन, ऑफिस, बरामदा, कमरें, सभी लैब और बाथरूम का भी सफाई अभियान चलाया गया। जिससे हमारा महाविद्यालय परिसर स्वच्छ दिखाई दे रहा है। पूरा कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती उमरे मैडम की सफल दिशा निर्देश का पालन करते हुए इतिहास विषय की प्राध्यापिका पटेल मैडम ने सम्पन्न कराया।

PRINCIPAL
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

दिनांक 23.1.2019 को सुभाष चन्द्र बोस जयंती के
अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

सुभाष चन्द्र जयंती के कार्यक्रम में सहभागी
प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ, डॉ. एस. आर. कन्नौजे
द्वारा विचार अभिव्यक्ति।

साईन्स कॉलेज में सुभाषचन्द्र बोस की जयंती मनायी गई

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. गन्धेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग के तत्वाधान में डॉ. कुलमी राजेश पटेल द्वारा सुभाष के जन्म दिवस के अवसर पर सुभाष जयंती का आयोजन किया गया. सुभाष चन्द्र बोस के छायाचित्र पर पुष्प, माल्यार्पण, धूप-दीप महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. निर्मल जैन, डॉ. एस.आर. कान्नोजे द्वारा किया गया. डॉ. पटेल द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य, कार्य, बलिदान के बारे में जानकारी देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि सुभाषचन्द्र बोस के जीवन में राष्ट्रहित सर्वोपरि है की भावना कूट-कूट कर भरा हुआ था. आईसीएस की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर सुख और समृद्ध उसके कर कमलों में आलिंगनबद्ध था, सर्वोच्च पद, मान सम्मान को ठुकराकर राष्ट्रप्रेम से वशीभूत होकर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के यज्ञ में अपने आपको सर्मपित किया. कांग्रेस की अध्यक्षता की. फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना, आजाद-हिन्द फौज की स्थापना कर भारत माता की आजादी के लिए उन्होंने जनता से आव्हान करते हुए कहा था कि तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूँगा का प्रसिद्ध नारा दिया था.

नवभारत 04.2.2020

साइंस कॉलेज में मनाई गई पुण्यतिथि

हरिभूमि 04.2.2020

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में 30 जनवरी को सुबह 11 बजे महाविद्यालय प्रांगण में प्राध्यापकगण, कर्मचारी, अधिकारी तथा छात्र-छात्राओं ने महात्मा गांधी की 72वीं पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन धारण कर आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

साईंस कॉलेज में बसंत पंचमी मनाई गई

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के संस्था प्राचार्य डॉ. गन्धेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में बसंत पंचमी के अवसर पर माँ सरस्वती जी का पूजा-अर्चना धूमधाम से किया. इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी तथा अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राऐं माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर जल, पुष्प, अक्षत, धूप-दीप प्रज्वलित कर माँ सरस्वती से ज्ञान, विद्या एवं सद्विचार सम्पूर्ण विश्व में संचारित हो की मंगलकामना करते हुए वर दे वर दे माँ वीणा वादनी, की गुंज से महाविद्यालय प्रांगण सुरभित हो उठा और हर्षोल्लास के साथ बसंत पंचमी का त्यौहार मनाया गया.

नवभारत 4.2.2020

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में

सुभाषचन्द्र बोस की जयंती मनायी

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. गन्धेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में इतिहास विभाग के तत्वाधान में डॉ. फुलसो राजेश पटेल द्वारा सुभाष जी के जन्म दिवस के अवसर पर सुभाष जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्यगीत के द्वारा किया गया। सुभाष चन्द्र बोस के छायाचित्र पर पुष्प, माल्यार्पण, धूप–दीप महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. निर्मला जैन, डॉ. एस.आर. कन्नोजे द्वारा किया गया। डॉ. पटेल द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य, कार्य, बलिदान के बारे में जानकारी देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि "सुभाषचन्द्र बोस" के जीवन में राष्ट्रहित सर्वोपरि है की भावना कूट–कूट कर भरा हुआ था। आई.सी.एस. की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर सुख और समृद्ध उसके कर कमलों में अलिंगनबद्ध था, सर्वोच्च पद, मान सम्मान को ठुकराकर राष्ट्रप्रेम से वशीभूत होकर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के यज्ञ में अपने आपको समर्पित किया। कॉंग्रेस की अध्यक्षता की। फारर्वड ब्लॉक की स्थापना, आजाद–हिन्द फौज की स्थापना कर भारत माता की आजादी के लिए उन्होंने जनता से आव्हान करते हुए कहा था कि "तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूँगा" का प्रसिद्ध नारा दिया था। ब्रिटिश सत्ता को भारत से भगाने के लिए इन्होंने जर्मनी के तानाशाह हिटलर तथा इटली में मुसो–लिनी तथा जापान के मुत्सो हितो से सहायता मांगी थी और सैन्य शक्ति द्वारा भारत पर अधिकार करने के लिए "दिल्ली चलो" का नारा दिया था।

सुभाष चन्द्र बोस की राष्ट्रभक्ति का पाठ अपने जीवन में अंगीकार करेंगे तो हमारा राष्ट्र अग्रिम स्थान प्राप्त कर सकेगा। इस अवसर पर डॉ. कन्नोजे द्वारा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को अनुकरण करते हुए राष्ट्र के विकास में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने सम्बोधन करते हुए कहा कि देश के महान सपूतों की आजादी के लिए कुर्बानी को याद करते हुए अपने राष्ट्र के सेवा के लिए आगे आकर अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करें। इस अवसर पर महाविद्यालय के (छात्र–छात्राऐं) विद्यार्थी तथा प्राध्यापकवृंद उपस्थित थे।

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.) क्र०..... दि०.....

प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

शा० शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव

पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर डॉ. आई. आर. सोनवानी (प्राचार्य) द्वारा उद्बोधन।

पर्यावरण संरक्षण के अवसर पर डॉ. एस. आर. कन्नौजे रासेयो कार्यक्रम अधिकारी, व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए।

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में मनाया शहीद दिवस

राजनांदगाव @ पत्रिका. शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में 23 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. निर्मला उमरे संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में शहीदी दिवस मनाया गया। डॉ. निर्मला उमरे ने उपस्थित सभा को देश भक्ति की शपथ दिलाई तथा उन्होंने कहा कि 23 मार्च 1931 की मध्य रात्रि को अंग्रेजी हुकुमत ने तीन भारतीय सपूतों सरदार भगत सिंह, सुखदेव और शिवराम राजगुरू को फांसी पर लटका दिया था, इन तीनों वीरों की शहादत को श्रद्धांजली देने के लिए ही शहीदी दिवस/शहादत दिवस मनाया जाता है। डॉ. एसआर कलोजे, रासेयो अधिकारी ने कहा कि ये वीर सपुतों ने मातृभूमि के लिए अपना बलिदान दिया है, यह युवाओं के प्रेरणा स्रोत है, इतनी कम उम्र में वे आगे आये और स्वतंत्रता के लिए उन्होंने बहादूरी के साथ संघर्ष किया। डॉ. फुलसो राजेश पटेल, इतिहास विभाग ने कहा कि क्रांतिकारी मार्ग पर चलते हुए अंग्रेजी शासन मुर्दाबाद, इनकालाब जिंदाबाद का नारा देते हुए देश के युवाओं को आजादी के लिए जूनून, जज्बा, राष्ट्र प्रेम की भक्ति के लिए अपने आप को समर्पित किया। आजादी के गीत गाते हुए खुशी-खुशी फांसी के फंदे को आज के ही दिन गले लगाया और मातृभूमि के लिए इतिहास में अमर हो गए, हमें इनसे देशभक्ति की प्रेरणा लेना चाहिए।

संविधान दिवस का आयोजन

दिनांक 25-11-2021

आज दिनांक 25-11-2021 को शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. आई. आर. सोनवानी के मार्ग दर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा "संविधान दिवस" का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता - अतिथि - माननीय श्री देवाशीष ठाकुर - न्यायाधीश एवं सचिव - जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव थे। विशेष वक्ता श्री गजेन्द्र बख्शी

गजेन्द्र बख्शी
25/11/2021

(R. S. ...)
प्रो.

(देवाशीष ठाकुर)
25/11/2021
न्यायाधीश
सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

वरिष्ठ अधिवक्ता राजनांदगांव एवं विशेष वक्ता के रूप में माननीय श्री राजेश चंदेल - अधिवक्ता राजनांदगांव रहे। अतिथियों के स्वागत के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रगान से हुआ। इसके पश्चात राज्य गीत को सभी ने गाया तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा संविधान की शपथ दिलाई गई।

"संविधान दिवस" 25.11-2021

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1)	रोशन नागपुरे	BA-III	[illegible]
(2)	सुकांत वर्मा	B.A.II.	[illegible]
(3)	जानकी टंडन	B.A.III	[illegible]
(4)	राकेश कुमार वर्मा	B.A.(I)	[illegible]
(5)	विश्वनाथ निषाद	B.A.I.	[illegible]
(6)	हेमंत कुमार	B.A.I	[illegible]
(7)	Sagar Ram verma	B.A.I	[illegible]
(8)	[illegible]	B.A.III	[illegible]
(9)	[illegible] साहू	B.A.I	[illegible]
(10)	दीपक चंद्रवंशी	B.A.I	दीपक चंद्रवंशी
(11)	[illegible] कुमार ठाकुर	B.A.II	[illegible]
(12)	[illegible] साहू	B.A.II	[illegible]
(13)	[illegible] यादव	B.A.II	[illegible]
(14)	[illegible] पटेल	B.A.III	[illegible]
15	[illegible]	BA III	[illegible]
(16)	[illegible]	BA.II	[illegible]
(17)	लोकेश्वर	B.A.I	लोकेश्वर
(18)	yogesh mirgama	B.Sc.I	yogesh
19)	तोरण लाल	B.A.I	तोरण लाल
20	[illegible] दास साहू	B.A.I	[illegible]
21	भूषण कुमार	B.A.I	[illegible]
22	विमल	B.A.I	विमल
23	उदित कुमार साहू	B.A.I	[illegible]
24	मनीष कुमार	B.A.I	[illegible]
25	[illegible]	B.A.I	[illegible]
26	जितेन्द्र कुमार	B.A.I	[illegible]
27	चुरामन साहू	B.A.I	[illegible]
28	[illegible] कुमार	B.A.I.	[illegible]
29	रोहन कुमार	B.A.I	[illegible]

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
30)	दुर्गेश कुमार साहू	B.A.I	Durgesh sahu
31)	SUBHASH	B.A.I	[illegible]
32)	Yuvraj Sahu	B.A.(I)	Yuvraj
(33)	Piyush Dewangan	B.A.(I)	Piyush
(34)	Surendra Kumar	B.A.(I)	[illegible]
(35)	Harsh das sahu	B.A.(I)	हर्ष दास
(36)	Lokesh Kumar	B.A.(I)	Lokesh kumar
(37)	Bhagat Singh Salame	B.A.(III)	[illegible]
38)	KAMESH KUMAR CHANAP	B.A.III	[illegible]
(39)	Om Prakash Sahu	B.A.III	[illegible]
(40)	Chandan Kumar	BA III	[illegible]
(41)	Sunil Kumar Sakare	B.Sc.I	[illegible]
(42)	Bhupendra kumar Sahu	B.Sc.I	[illegible]
(43)	Chandresh verma	BSC.I	[illegible]
(44)	Kunal Sahu	B.SC.I	[illegible]
(45)	chetan	BSC.I	[illegible]
(46)	Santoshi Sinha	B.A.I	Santoshi Sinha
(47)	Brita Sahu	B.A.I	[illegible]
(48)	ku. Gopeshwari sahu	B.A.I	Gopeshwari Sahu
(49)	Swati Nirmalkar	B.Sc.I	Swati
(50)	kumari Hemin Sahu	B.SC.I	Hemin Sahu
(51)	Hemlata Netam	B.Sc.I	Hemlata
(52)	Priyanka [illegible]	B.Sc.I	Priyanka
53)	Hameshwari Sahu	B.SC.I	[illegible]
54)	Vasudha Dhyankar	B.SC.I	[illegible]
55	Roshni Ramteke	B.Sc.I	[illegible]
56)	Laxmi kashe	B.SC.I	Laxmi
57)	Yogita Nishad	B.SC.I	[illegible]
58)	Kimika Sahu	B.SC.I	[illegible]

संविधान दिवस · 25-11-2021 (72)

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
59	Priyanka Sahu	B.Sc I	Sahu
60	Khileshwari Markam	B.Sc I	Khileshwari
61	Dipti Dewangan	B.Sc I	Dipti
62	Isha Purane	B.Sc I	Isha
63	Vidhi Bamkar	B.A. II	[illegible]
64	Lukesh sahu	B.A II	[illegible]
65	Aishwarya Roy	B.A II	ऐश्वर्या रॉय
66	Sanya Chandrakar	B.A II	Sanya
67	Tripti Sahu	B.A II	Tripti Sahu
68	Duleshwari chandravanshi	B.A II	Duleshwari
69	Nilima Sahu	B.A II	Nilima
70	Jayshree Sahu	B.Sc I	Sahu
71	Dimpal Nandeshwar	B.Sc I	Dimpal
72	Aanchal Patel	B.A II	Aanchal
73	Vaishika Bharti	B.A II	Vaishika Bharti
74	Preeti Sahu	B.A II	P.Sahu
75	Divya Sahu	B.A. II	Divyasahu
76	Soniya Gupta	B.A II	Soniya Gupta
77	Bindu Thakur	B.Sc I	Bindu Thakur
78	Nandini Kumre	B.Sc I	Nandini Kumre
79	Surbhi Netam	B.A I	Surbhi Netam
80	Kiran Salame	B.A I	Kiran Salame
81	Unitapadoti	B.Sc I	Unitapadoti
82	[illegible] Bandhav	B.A III	[illegible]
83	Manisha chandravanshi	B.A I	Manisha
84	Rupeshwari Thakur	B.A I	Rupeshwari Thakur
85	Neha Netam	B.A I	Neha
86	Dileshwari yadav	B.A I	Dileshwari yadav
87	Dipti Shende	B.Sc I	Dipti
88	Karun sahu	B.Sc I	Sahu

(73)

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
89	Leena Verma	B.A I	लीना वर्मा
90	Roshni	B.A I	रोशनी
91	Neha Deshmukh	B.A I	Neha Deshmukh
92	Swati Khare	B.A I	Swati Khare
93	Laxmi Sahu	B.A I	Laxmisahu
94	Reshma Salam	B.A III	रेशमा सलाम
95	Dolee Markam	B.A III	Dolee
96	Divya Mandavi	B.A III	Divya
97	Dimpal [illegible]	B.A III	Dimpal
98	Bhumika Sahu	B.A III	Bhumika
99	Santoshi Verma	B.A III	[illegible]
100	Pooja Sahu	B.A III	Poojasahu
101	Arshad Mithu	B.Sc I	[illegible]
102	Harish Kumar [illegible]	B.A II	Harish Kumar
103	Laman Pal	B.A I	[illegible]
104	सोनल	B.A III	Sonal
105	[illegible]	B.A III	[illegible]
106	[illegible]	B.A III	[illegible]
107	Manish Verma	B.Sc III	[illegible]

२५-११-२०२१-राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संविधान दिवस का आयोजन

संविधान की शपथ लेते हुए महाविद्यालय के प्राध्यापक, न्यायाधीश, वकील एवं विद्यार्थी

साहित्यिक समिति बैठक

2-8-2019

दिनांक 02-08-2019 को स्टॉफ रूम में साहित्यिक समिति की बैठक का आयोजन किया गया। सभी समिति के सदस्यों ने [illegible] कि महाविद्यालय में होने वाले सभी कार्यक्रमों को मिल कर बहुत अच्छे ढंग से करेंगे। इस अवसर पर [illegible] और होने वाली साहित्यिक गतिविधियों पर चर्चा की गई। महाविद्यालय में निबंध लेखन, पोस्टर, रंगोली, वाद-विवाद, प्रश्न मंच, कवि गोष्ठियों का आयोजन समय-समय पर करवाया जायेगा इसके साथ ही गायन, डांस, नाटक, विषय संबंधी कार्यक्रमों [illegible] में यह निर्णय लिया कि समिति में महाविद्यालय के सक्रिय विद्यार्थियों को रखा जाये। निम्न विद्यार्थियों को कमेटी में शामिल किया जायेगा—

संयोजक — डॉ. नागरत्ना गनवीर

सदस्य
(1) डॉ. एस. आर. कन्नौजे
(2) डॉ. [illegible] राजेश पटेल
(3) डॉ. एलिजाबेथ भगत
(4) श्री परेश वर्मा
(5) श्रीमती शोभा ए. जोन

विद्यार्थी का नाम
(1) डेविड साहू BSC I (बायो)
(2) लोकेश्वर BSC II (बायो)
(3) कल्पेश्वरी साहू BSC-II (बायो)
(4) चैतन्य बैताल B.SC II
(5) ममता जनबंधु B.A. III
(6) कुलेश्वर सिन्हा B.SC I

Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

शिवनाथ साईंस कॉलेज में "सद्भावना दिवस" मनाया गया

(2)

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 20.08.2019 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी के जन्मदिवस को "सद्भावना दिवस" के रूप में डॉ. [illegible] सिंह संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में मनाया गया। प्रातःकाल राजनांदगांव नगर के शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थी एवं स्टॉफ तथा जिला कलेक्टर एवं प्रशासनिक अधिकारी म्युनिसिपल स्कूल में एकत्रित हुये, जहाँ से "सद्भावना दौड़" का प्रारंभ हुआ। नगर के प्रमुख मार्गों में दौड़ते हुये स्कूल में समाप्त हुई। माननीय श्री जयप्रकाश मौर्य जिला कलेक्टर ने सभी को सद्भावना शपथ दिलाया तथा श्री राजीव गांधी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं स्टॉफ सद्भावना दौड़ में सम्मिलित हुये।

महाविद्यालय में सभा को संबोधित करते हुये डॉ. [illegible] सिंह संस्था प्राचार्य ने कहा कि भारत में जाति, भाषा, क्षेत्रीयता के आधार पर विविधता है, अपने राष्ट्र को हर क्षेत्र में सुदृढ़ बनाना है। हम एकता के बल पर राष्ट्र को मजबूत व शक्तिशाली बना सकते हैं, अपनी प्रतिभा को पहचान कर राष्ट्रहित में योगदान दें, समाज व राष्ट्र का कल्याण सद्भाव के रास्ते पर चलने से ही है। प्राचार्य महोदय ने उपस्थितजनों को "सद्भावना शपथ" दिलाई। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर सहायक प्राध्यापक ने इस अवसर पर कहा कि सद्भावना का मतलब है एक दूजे के प्रति अच्छी भावना। हम सभी जाति, धर्म के प्रति शुभभावना रखें, लोगों में प्यार बाटें और प्यार पायें। उन्होंने कहा इस दिन को जीने का पाठ सिखाया जाता है, वृक्षारोपण जैसे पुनीत कार्य कर धरती को हरा भरा बनाया जाता है। डॉ. एस.आर. कन्नौजे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि जहाँ मेल होता है वहीं हरियाली होती है, और जहाँ हरियाली होती है वहाँ खुशहाली होती है। रा.से.यो. के सद्भावना गीत "गूंजे गगन में महके पवन में" प्रस्तुत किया। डॉ. ए.एन. भाकोडा सहायक प्राध्यापक ने अपनी बात रखते हुये कहा कि विद्यार्थियों को सत्र के प्रारंभ में पर्यावरण संबंधी प्रोजेक्ट कार्य दिये जावें, उन्हें कार्य के आधार पर अंक प्रदान किया जावे।

सद्भाव दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता में छात्र डेविड साहू बी.एससी. भाग-01 (बायो) प्रथम व रीतेश कुमार बी.ए. भाग-01, द्वितीय रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में छात्र मंजित आकले बी.एससी. (भाग-03) गणित, प्रथम, केशव कुमार बी.एससी. (भाग-03) बायो, द्वितीय तथा नवीन कुमार बी.एससी. (भाग-01) गणित, तृतीय रहे। इस सभा में महाविद्यालय स्टॉफ व अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)
Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

20-08-2019 - सद्भावना दिवस कार्यक्रम (3)

क्रमांक	छात्रों के नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
	[illegible]	B.Sc-II	[illegible]
1	चन्द्रकांत साहू	B.Sc-II	[illegible]
2	हरीश सिन्हा	B.Sc.I	Shinha
3	[illegible] कुमार सिन्हा	B.Sc.I	Chetan
4	[illegible] कुमार [illegible]	B.Sc.I	[illegible]
5	[illegible] कुमार साहू	BSc I	[illegible]
6	Bhupendra [illegible]	B.S.C.I	[illegible]
7	[illegible] कुमार वर्मा	B.S.C-I	[illegible]
8	[illegible] कुमार	B.Sc-I	[illegible]
9	[illegible] कुमार साहू	B.Sc-I	[illegible]
10	[illegible]	B.Sc-I (Math)	[illegible]
11	[illegible] कुमार साहू	B.Sc I (Math)	[illegible]
12	[illegible]	B.Sc-II	[illegible]
13	[illegible]	B.Sc-II	[illegible]
14	[illegible]	B.Sc-II	[illegible]
15	[illegible] कुमार	B.Sc-II	[illegible]
16	[illegible]	B.Sc-III	[illegible]
17	[illegible] कुमार	BSc III	[illegible]
18	[illegible] कुमार	B.Sc. III	[illegible]
19	Manjit Achale	B.Sc III	[illegible]
20	Deepchand Yadav	B.Sc I	Yadav
21	Bhupendra Kumar	BSc I	[illegible]
22	Nemdas	BSc-I	Nemdas
23	KUNAL Dhruw	BSc I	[illegible]
24	Mukund chand	B.A. I	Mukund
25	Bhishmadev	B.A. II	[illegible]

(4)

क्रमांक	छात्रों के नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
26	[illegible] कुमार साहू	BSc-III	[illegible]
27	[illegible] साहू	BSc-II	[illegible]
28	MEJAR Kumar	BSc-I	Kumar
29	प्रदीप कुमार देवांगन	BSc I	[illegible]
30	Gagan patel	BSC-I	[illegible]
31	[illegible] कुमार [illegible]	BSc-I	[illegible]
32	NAVEEN kumar	B.Sc (I)	[illegible]
33	Nitin Kumar Verma	B.Sc (I) (maths)	[illegible]
34	Rakesh Kumar verma	BSc I (maths)	[illegible]
35	Manoj Kumar [illegible]	BSc-II	[illegible]
36	HARSH Kumar Jangde	B.Sc. II	[illegible]
37	[illegible]	B.Sc I (M)	[illegible]
38	Vikas Sahu	B.Sc. I (M)	[illegible] साहू
39	Md. muslim Ansari	B.Com I yr	[illegible]
40	Indrajit Sahu	BSc 1st year	[illegible]
41	[illegible]	BSc I	[illegible]
42	Jai Prakash Sahu	B.Sc. 1st year	[illegible]
43	[illegible]	BSc I (M)	[illegible]
44	नरेन्द्र कुमार	B.Sc. I (M)	[illegible]
45	[illegible] साहू	B.Sc. I (M)	Likesh
46	[illegible]	B.Sc I (M)	Chaman
47	[illegible] साहू	B.Sc I (M)	[illegible]
48	[illegible]	BSc I (M)	[illegible]
49	[illegible]	B.A (I)	[illegible]
50	[illegible]	B.A (I)	[illegible]
51	[illegible] कुमार [illegible]	B.Sc (I)	[illegible]
52			

	निशा साहू	B.S.C.(I)	[illegible]
(52)	हिमांशी निराला	B.S.C.(I)	[illegible]
(53)		B.S.C.(I)	Diksha
(54)	Diksha Jain	B.S.C.(I)	Yanjani
(55)	Yanjani Sahu	B.S.C.(I)	MADHVI
(56)	MADHVI BHARDWAJ	B.S.C.(I)	[illegible]
(57)	Meenakshi Sahu		
(58)	तेजस्वी साहू	B.S.C.(I)	[illegible]
(59)	Gayatri Sahu	B.S.C.(I)	[illegible]
(60)	Ritesh Kumar	B.A.(I)	Ritesh
(61)	Durgesh Sahu	B.Sc. I	[illegible]
(62)	[illegible] साहू	B.S.C. I	[illegible]
(63)	सोनू साहू	BSC I	[illegible]
(64)	नागेश्वर प्रसाद	B.S.C I	[illegible]
(65)	दीपिका [illegible]	BSC I	Deepika
(66)	देविका [illegible]	B.SC. II	Devika
(67)	खुशबू वर्मा	B.S.C. II	Khushboo
(68)	[illegible]	BSC II	[illegible]
(69)	चन्द्रकला [illegible]	B.SC II	Chandrakala
(70)	Shivany Turukula	B.Sc II	Shivany
(71)	[illegible] साहू	B.S.C. II	[illegible]
(72)	Chetna Sahu	B.S.C. II	Chetna sahu
(73)	Mansi Nimmalkar	B.Sc II	Mansi
(74)	Devesh Sahu	BSC II	Devesh
(75)	Neha Suryawanshi	B.SC II	Neha
76	आशा	B.S.C. II	Asha
77	Khomin Sahu	B.S.C. II	K.Sahu
78	Gaminee Sahu	BSc II	G.Sahu

79	[illegible] साहू	B.S.C.(I)	Jashu
80	Divya Sahu	B.SC.(I)	Sahu
80	Yashwant Kumar	B.SC.(I)	[illegible]
81	[illegible]	B.A. I	[illegible]
82	[illegible]	B.A. I	[illegible]
83	Shreya Sharma	"	[illegible]
84	Gayatri Singh	"	[illegible]
85	[illegible] साहू	"	[illegible]
86	[illegible]	"	[illegible]
87	प्रतिमा	"	Pratima
88	[illegible]	"	[illegible]
89	[illegible]	"	[illegible]
90	[illegible]	"	[illegible]
91	[illegible]	"	[illegible]
92	डिम्पल गोस्वामी	"	Dimpal
93	नीलम [illegible]	"	Neelam
94	[illegible]	"	[illegible]
95	ललिता साहू	"	Lalita Sahu
96	बीनू वर्मा	"	Binu Verma
97	[illegible] साहू	"	[illegible]
98	दिव्या	"	Divya
99	तेजेश्वरी [illegible]	"	Tejeshwaree
100	Somya Bandhai	"	[illegible]
101	[illegible]	"	[illegible]
102	[illegible]	"	[illegible]
103	[illegible]	"	[illegible]
104	[illegible]	"	[illegible]
105	[illegible]	"	[illegible]
106	[illegible]	"	[illegible]
107	[illegible] कुमार	"	[illegible]

शिवनाथ साइंस कॉलेज के छात्रों ने निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में आंखों की जांच कराई

राजनांदगांव। यह दुनियां बहुत खूबसूरत है, हमारे आसपास की हर वस्तु में एक अलग ही सुंदरता छिपी होती है जिसे देखने के लिए एक अलग नजर की जरूरत होती है, दुनियां में हर चीज का नजारा लेने के लिए हमारे पास आंखों का ही सहारा होता है। अतः इसी उद्देश्य को लेकर शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के यूथरेडक्रास इकाई द्वारा विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के लिए 19 सितम्बर से लेकर 30 सितम्बर तक निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने शासकीय जिला अस्पताल राजनांदगांव (बसंतपुर) में आंखों की जांच कराई। जांच के बाद कुछ विद्यार्थियों को चश्मा बनाने का सुझाव दिया और आंखों में लगाने हेतु आईड्राप्स दिये गये। शिविर में शासकीय अस्पताल के नेत्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. डुलानी, डॉ. विनोद लोहिया, नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. यामिनी रावटे तथा नेत्र विभाग के समस्त कर्मचारियों का इस कार्य में सकारात्मक योगदान रहा।

नेत्र परीक्षण शिविर का बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने लाभ उठाया। महाविद्यालय के अधिकारियों ने भी आंखों की जांच कराकर आंखों की स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता दिखाते हुए विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस कार्य में महाविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

शा. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
क्र. ....
दि. ....
राजनांदगांव (छ.ग.)

प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

शिवनाथ साइंस कॉलेज के छात्रों ने रक्तदान किया

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के विद्यार्थियों ने दिनांक 01.10.2019 को स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में प्रो. निर्मला जैन, प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा भारतीय रेडक्रास सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय जिला मेडिकल हॉस्पिटल में कुल 16 छात्रों ने 16 यूनिट रक्तदान किया।

रक्तदान–महादान–जीवनदान को चरितार्थ करते हुये महाविद्यालय के विद्यार्थी मिथलेश कोडापे, ललित शर्मा, करण कुमार आचले, ललित धनकर, निलेश साहू, गणेश मरकाम, डुलेश्वर, केशव कुमार, तपन यादव, अभिषेक साहू, टाकेश्वर, पुरूषोत्तम हरमें, आशीष बोगा, चन्द्रकुमार नेताम, किशन कुमार उइके, विश्वनाथ कोरेटी ने रक्तदान किया।

रक्तदान जैसे पुण्य कार्य में डॉ. एस.आर. कन्नोजे रासेयो अधिकारी तथा यूथ रेडक्रास प्रभारी डॉ. एलिजाबेथ भगत, श्रीमती सीमा ए.लाल ग्रंथपाल, छात्र निलेश साहू, एन.एस.एस. दलनायक तथा जिला मेडिकल हास्पिटल की ओर से डॉ. बाम्बेसर, श्री सोनी ब्लड बैंक काउंसलर, श्रीमती उषा बोरकर, श्री जोशी आदि जिला चिकित्सालय स्टॉफ का पूर्ण सहयोग मिला। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य प्रो. निर्मला जैन एवं महाविद्यालय स्टॉफ ने रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों का शासकीय अस्पताल जाकर उत्साहवर्धन किया एवं बधाई दी।

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

लायंस - लायनेस
दंत / नेत्र परीक्षण

लायंस

कोरोना संक्रमण से बचाव एवं जन-जागरूकता - कार्यक्रम

दिनांक 25-5-2021

दिनांक 25-5-2021 को शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में । कोरोना संक्रमण से बचाव संबंधी जनजागरूकता अभियान का आयोजन प्राचार्य डॉ० आई० आर० सोनवानी के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा IQAC सेल के अंतर्गत किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ० उदय धाबर्डे इंचार्ज बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय सेक्टर 9 भिलाई ने कोविड महामारी से बचाव के कई उपाय बताये तथा वैक्सीन लगाना प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है बताया। उन्होंने कोरोना के बाद होने वाले साइड इफेक्ट भी बताये तथा सावधानियाँ बताई।

मनोरोग विशेषज्ञ डॉ० दीपक घोड़मोड़े (एम० डी०) शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज भिलाई ने कोरोना पेंडेमिक के कारण भय, उदासी, और नकारात्मक भाव मन में आ गये हैं उन्हें कैसे दूर किया जाए बहुत ही सरल और सारगर्भित ढंग से बताया। उन्होंने कहा जिन घरों में मृत्यु हुई है वे बहुत

अनाया

ऑनलाईन उपस्थित महाविद्यालय के प्राध्यापकों के हस्ताक्षर

(1) डॉ. एस. आर. कन्नौजे
(2) डॉ. फुलसो पटेल
(3) डॉ. एलिजाबेथ भगत
(4) प्रो. अनिल चन्द्रवंशी
(5) प्रो. धीरज वर्मा
(6) डॉ. स्वाति तिवारी
(7) डॉ. अनुपम झा
(8) श्रीमती नीता एस. लाल

संयोजक
डॉ. नागरत्ना गनवीर

प्राचार्य
Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

दिनांक
25-5-2021

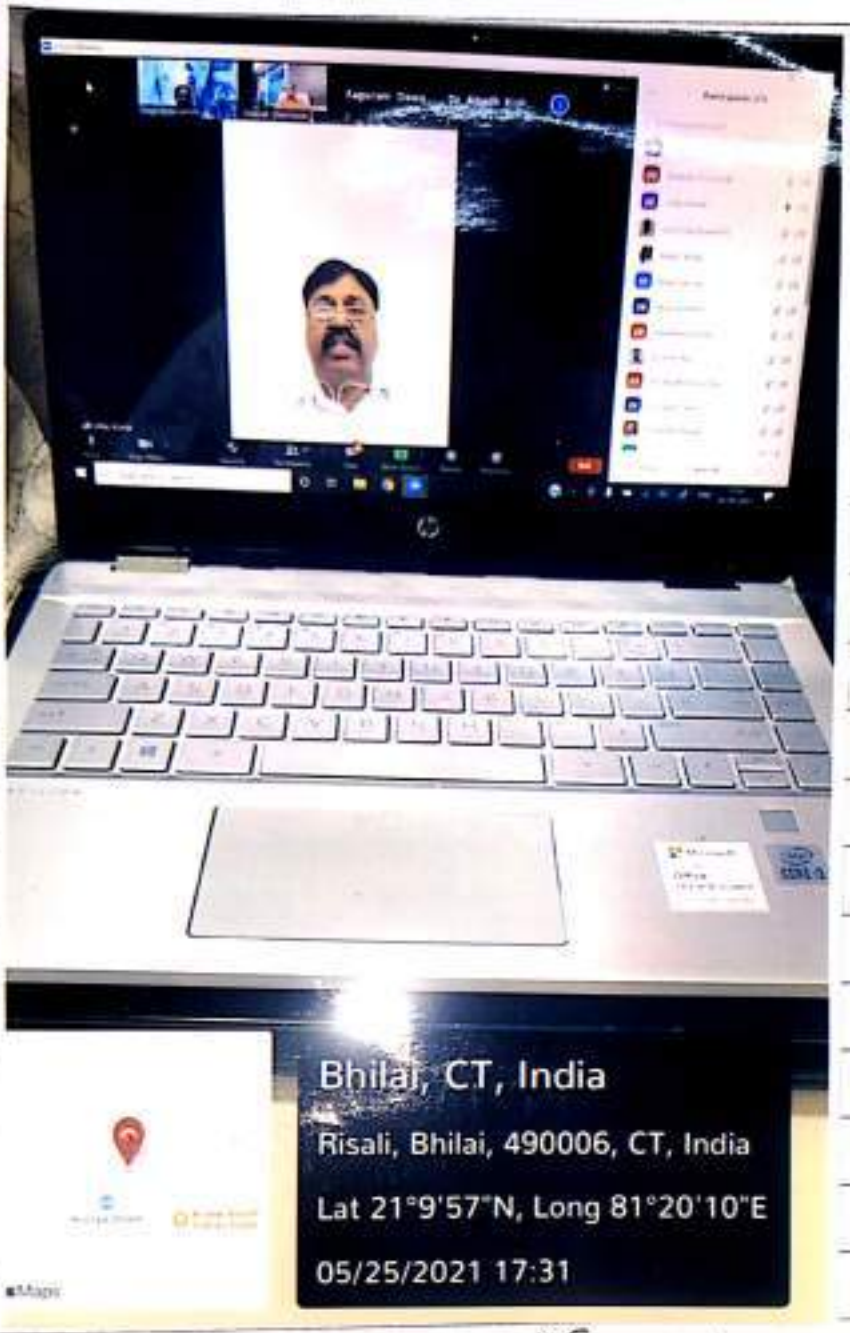

डॉ उदय कुमार धाबर्डे - डायरेक्टर
इंचार्ज बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय
सेक्टर 9 भिलाई - द्वारा जागरूकता
"कोविड - 19 से बचाव, सावधानियां

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में हिन्दी दिवस का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में दिनांक 14 सितम्बर, 2022 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक श्री गुणवंता दास खरे, हिन्दी विभागाध्यक्ष ने हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि भारत की प्राचीनतम भाषा संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश से विकसित होते हुए हिन्दी भाषा 14 सितम्बर, 1949 ई. को संविधान सभा द्वारा भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया। जिसे 26 जनवरी, 1950 को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर संस्था प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) सुमन सिंह बघेल ने संबोधित करते हुए कहा कि भाषा अभिव्यक्ति की सशक्त माध्यम है, राजभाषा हिन्दी हमारी राष्ट्रीय एकता की पहचान है। हम सबको इसे व्यवहार में लाने की आवश्यकता है। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि हिन्दी भाषा संसद से सड़क तक, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, साहित्य, सिनेमा, मीडिया में फैली हुई है। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने हिन्दी को सेतु भाषा की संज्ञा दी। जो भारतीय जनमानस को जोड़कर रखे हुए है। हिन्दी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में ओपन क्वींज प्रतियोगिता का संचालन करते हुए श्री कपिल सूर्यवंशी ने विद्यार्थियों से हिन्दी विषय पर प्रश्न पूछे, जिसके विजेता छात्र/छात्राओं प्रफुल्लिता कोसरिया, देविका मेश्राम, चेतनपाल, पुष्पेन्द्र साहू, वर्षा अग्रवानी, लोमन पाल, तुषार कुमार, कनिषा शर्मा, नीरज प्रसाद, सागर, पुष्कर साहू, सावित्री साहू, संतोषी सिन्हा, मोनिका वर्मा, विरेश साहू को संस्था प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. एस.आर.कन्नोजे, डॉ. फुलसो राजेश पटेल, डॉ. एलिजाबेथ भगत, श्री अनिल चन्द्रवंशी, डॉ. स्वाति तिवारी, कु. मोनिका महोबिया, कु. प्रियंका साहू, श्री षडानन वर्मा, श्री अंशुल श्रीवास्तव, सुश्री पुण्यप्रदा सिंह उपस्थित रहे।

श्रीमान ब्यूरो चीफ,

अपने लोकप्रिय समाचार पत्र में प्रकाशित करने की कृपा करेंगे।

(डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

साइंस कॉलेज में मनाया हिन्दी दिवस

राजनांदगांव। शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 14 सितंबर को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक गुणवंता दास खरे ने कहा कि भारत की प्राचीनतम भाषा संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश से विकसित होते हुए हिन्दी भाषा 14 सितंबर 1949 ई. को संविधान सभा द्वारा भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया, जिसे 26 जनवरी 1950 को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ।

प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल ने कहा कि भाषा अभिव्यक्ति की सशक्त माध्यम है। राजभाषा हिन्दी हमारी राष्ट्रीय एकता की पहचान है। हम सबको इसे व्यवहार में लाने की आवश्यकता है। डॉ. निर्मला ठमरे ने कहा कि हिन्दी भाषा संसद से सड़क तक, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, साहित्य, सिनेमा, मीडिया में फैली हुई है। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने हिन्दी को सेतु भाषा की संज्ञा दी, जो भारतीय जनमानस को जोड़कर रखे हुए है। कार्यक्रम में डॉ. एसआर कन्नोजे, डॉ. फुलसो राजेश पटेल डॉ. एलिजाबेथ भगत, अनिल चंद्रवंशी, डॉ. स्वाति तिवारी मोनिका महोबिया, प्रियंका साहू, षडानन वर्मा, अंशुल श्रीवास्तव, पुण्यप्रदा सिंह उपस्थित रहे।

विजेता हुए पुरस्कृत

हिन्दी दिवस पर महाविद्यालय में ओपन क्वीज प्रतियोगिता का संचालन करते कपिल सूर्यवंशी ने विद्यार्थियों से हिन्दी विषय पर प्रश्न पूछे, जिसके विजेता छात्र-छात्राओं प्रफुल्लिता कोसरिया, देविका मेश्राम, चैतनपाल, पुष्पेन्द्र साहू, वर्षा अवधानी, लोमश पाल, तुषार कुमार, कनिषा शर्मा, नीरज प्रसाद, सागर, पुष्कर साहू, सावित्री साहू, संतोषी सिन्हा, मोनिका वर्मा, विरेश साहू को प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया।

हरिभूमि 16-9-2022

साइंस कालेज में हिंदी दिवस मनाया गया

हरिभूमि 25.9.2022

राजनांदगांव। शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय 14 सितंबर को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक गुणवंता दास खरे हिंदी भाषा की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि भारत की प्राचीनतम भाषा संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश से विकसित होते हुए हिंदी भाषा 14 सितम्बर, 1949 ई. को संविधान सभा द्वारा भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया। जिसे 26 जनवरी, 1950 को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। प्राचार्य डा.सुमन सिंह बघेल ने कहा कि भाषा अभिव्यक्ति की सशक्त माध्यम है, राजभाषा हिंदी हमारी राष्ट्रीय एकता की पहचान है। हम सबको इसे व्यवहार में लाने की आवश्यकता है।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मानव अधिकार दिवस का आयोजन/ 10 दिसम्बर 2021
पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

Scanned with OKEN Scanner

साइंस कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन
महिलाओं के प्रति सामाजिक सोच में बदलाव

राजनांदगांव। दिनांक 08.03.2022 को शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में, महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वक्ता आदरणीय श्री देवाशीष ठाकुर, न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, राजनांदगांव, विशेष अतिथि वक्ता, श्रीमती प्रिया कांकरिया, अधिवक्ता राजनांदगांव, श्री राजेश चंदेल सीनियर अधिवक्ता, राजनांदगांव एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति अध्यक्ष, श्रीमती प्रज्ञा पंकज गुप्ता ने की।

कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों को गुलाब के पौधे देकर किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर श्रीमती प्रज्ञा गुप्ता द्वारा राज्य गीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि शिक्षा, सत्ता और आर्थिक स्वतंत्रता से ही महिला सशक्त हो सकती है, अतः महिला शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं देना आवश्यक हैं। मुख्य अतिथि माननीय देवाशीष ठाकुर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का महत्व तब और बढ़ जाता जब सामाजिक सोच में बदलाव आये और महिलाओं को बराबरी का हक दें। उन्होंने कहा महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने की आवश्यकता है। प्रिया कांकरिया (अधिवक्ता) ने कहा कि इस प्रकार के महिला दिवस के आयोजन से महिलाओं को प्रेरणा मिलती है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए संविधान एवं सरकार अनेक कानून बनाये गये है लेकिन लड़कियों को अपनी आवाज खुद उठानी होगी, महिला पुरूष बराबर हैं इसकी शुरूआत घर से ही संस्कारों द्वारा की जा सकती है। श्री राजेश चंदेल ने कहा कि समाज को अपनी सोच बदलना ही होगा क्योंकि महिलाओं में पुरूषों की तरह ही कार्यक्षमता है इसमें कोई संदेह नहीं है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही श्रीमती प्रज्ञा पंकज गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण दिवस केवल एक दिन के लिए नहीं है। केवल एक दिन मनाने से कुछ नहीं होगा। प्रतिदिन महिला को सशक्त करने और बराबरी का हक देना होगा तभी परिवार, समाज और देश का विकास होगा। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि महिलाओं के शोषण के विरूद्ध 1909 में न्यूयार्क में पहली बार पन्द्रह हजार महिलाओं ने आवाज उठाई। मार्च 1911 में अधिकांश यूरोपियन देशों में महिला दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्रसंघ ने 1975 में 08 मार्च को अधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की घोषणा की तभी से भारत एवं दुनिया के सभी देशों में महिलाओं को सम्मान देने के लिए महिला दिवस मनाया जाता है। कु. संजना ने स्लोगन, पुष्पेन्द्र ने मातृगीत, नेहा ने महिला शक्ति गीत गाकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर आभार एवं धन्यवाद डॉ. फुलसो पटेल द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक डॉ. ए.एन.माखीजा, डॉ. एलिजाबेथ भगत, श्रीमती सीमा ए. लाल, प्रो. गुणवन्ता खरे, प्रो. परमेश्वर वर्मा, प्रो. मोनिका महोबिया, प्रो. सीमा पंजवानी, प्रो. प्रियंका साहू, श्रीमती नंदिनी कुर्रे, श्रीमती उमा हिड़ामे, श्री परेश वर्मा, प्रो. परमानंद बंधे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने सभी को बधाई दी।

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
क्र०.....
दि०
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

सत्र 2021-2022 IQAC

(6)

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

राजनांदगाँव, दिनांक :18/11/2021

//आवश्यक सूचना//

फोटोयुक्त मतदाता कार्ड बनाने प्रशिक्षण

महाविद्यालय के समस्त बी.ए., बी. कॉम., बी.एससी के छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनाँक 20/11/2021 (शनिवार) को समय 11:20 से 2:00 बजे तक प्रशासनिक भवन में ऑनलाईन वोटर कार्ड बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बी.ए., बी. कॉम. (समय– 12.00 से 12.40 बजे तक), बी.एससी. (12.40 से 2.00 बजे तक)।

अतः सभी विद्यार्थी अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर ऑनलाईन वोटर कार्ड बनाने हेतु फार्म भरें। फार्म भरने के पूर्व निम्नलिखित दस्तावेजों की फोटो खींचकर मोबाइल में रखें।

1. राशन कार्ड की प्रथम पेंज की फोटोकॉपी।
2. 10वी. की अंक सूची की फोटोकॉपी।
3. माता या पिता के वोटर कार्ड की फोटोकॉपी (इपिक नं.)।
4. स्वयं का आधार कार्ड की फोटोकॉपी।
5. स्वयं की फोटो।

नोडल अधिकारी (स्वीप)
डॉ. नागरत्ना गनवीर
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

(डॉ. आई. आर. सोनवानी)
प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
क्र.....
दि.
राजनांदगांव (छ.ग.)

E/OMHARI/GANVEER MADAM

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 20-12-2021, फोटोयुक्त मतदाता
कार्ड बनाने प्रशिक्षण

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
क्र०.....
दि० .....
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com, website - www.shivnathcollege.com, Phone no. 07744-291599

दिनांक–16.12.2021

//आवश्यक सूचना//

"मतदाता जागरूकता (जागव बोटर)"

महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि स्वीप कार्यक्रम के तहत दिनांक 28 एवं 29 दिसम्बर, 2021 को मतदाता जागरूकता पर विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम संबंधित प्राध्यापक के पास अतिशीघ्र दर्ज करायें–

क्र.	प्रतियोगिता का नाम	संयोजक का नाम	दिनांक	समय
1	रंगोली	श्रीमती सीमा ए.लाल कु. सीमा पंजवानी	28-12-2021	10.00AM TO 11.00AM
2	निबंध	डॉ. एलिजाबेथ भगत श्रीमती मोनिका देवांगन	28-12-2021	11.00AM TO 12.30PM
3	पेंटिंग/नारा लेखन	डॉ. स्वाति तिवारी कु. निक्की	28-12-2021	12.30PM TO 01.30PM
4	भाषण	डॉ. एस.आर.कन्नोजे श्री कपिल सूर्यवंशी	29-12-2021	01.30PM TO 02.30PM

टीपः– रंगोली, पोस्टर मेकिंग व नारा लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का विषय– मतदान का महत्व एवं मतदाता जागरूकता पर होगा।

डॉ. नागरत्ना गनवीर
नोडल अधिकारी,स्वीप

प्राचार्य
शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगाँव (छ.ग.)

E-mail - shivnathcollege@gmail.com, website - www.shivnathcollege.com, Phone no. 07744-291599

दिनांक–16.12.2021

//आवश्यक सूचना//

"मतदाता जागरूकता (जागव बोटर)"

महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि स्वीप कार्यक्रम के तहत **दिनांक 28 एवं 29 दिसम्बर, 2021** को मतदाता जागरूकता पर विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम संबंधित प्राध्यापक के पास अतिशीघ्र दर्ज करायें–

क्र.	प्रतियोगिता का नाम	संयोजक का नाम	दिनांक	समय
1	रंगोली	श्रीमती सीमा ए.लाल कु. सीमा पंजवानी	28-12-2021	10.00AM TO 11.00AM
2	निबंध	डॉ. एलिजाबेथ भगत श्रीमती मोनिका देवांगन	28-12-2021	11.00AM TO 12.30PM
3	पेंटिंग/नारा लेखन	डॉ. स्वाति तिवारी कु. निक्की	28-12-2021	12.30PM TO 01.30PM
4	भाषण	डॉ. एस.आर.कन्नोजे श्री कपिल सूर्यवंशी	29-12-2021	01.30PM TO 02.30PM

टीपः– रंगोली, पोस्टर मेकिंग व नारा लेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का विषय– मतदान का महत्व एवं मतदाता जागरूकता पर होगा।

डॉ. नागरत्ना गनवीर
नोडल अधिकारी,स्वीप

प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 24-12-2021 मतदाता जागरूकता पर विविध कार्यक्रम- नोडल अधिकारी डा. नागरत्ना गनवीर के निर्देशन में

दिनांक 24-12-2021 मतदाता जागरूकता पर रंगोली प्रतियोगिता

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 08 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि महिलाओं का जीवन त्याग, धैर्य और संघर्ष की मिशाल है। पुरूष व महिला एक गाड़ी के दो पहिये है, जीवन रूपी गाड़ी को चलाने के लिये दोनों का सामंजस्य जरूरी है। डॉ. सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य ने कहा कि महिलायें हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। आज महिलायें कई कंपनियों की मालिक है, सी.ई.ओ. है, ऐयर होस्टेज है, सेल्समेन है, खेल व राजनीति में भी आगे बढ़ रही है। श्रीमती सीतारमन, सुषमा स्वराज, स्मृति ईरानी, मेनका गांधी केन्द्रीय मंत्री है। उन्होंने महिलाओं को अपने आत्मबल बनाये रखने की बात की। डॉ.एस.आर.कन्नोजे ने महिलाओं पर किये जा रहे मानसिक व शरीरिक प्रताड़ना की बात की। यह समाज की भयावह सच्चाई है कि महिलाये आज भी लैंगिक असमानता की शिकार हो रही है, पुत्र व पुत्रियों में भेद किया जाता है। पुरूषों को अपनी मानसिकता बदलनी होगी तभी समानता आ सकती है।

डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि आज स्वरोजगार के क्षेत्र में महिलायें काफी आगे आयी है, आर्थिक रूप से मजबूत हुई है, आर्थिक विकास से ही देश का विकास संभव है, महिला समूहों के माध्यम से रोजगार किये जा रहे है। डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि शिक्षा ही वो हथियार है जिससे लड़के–लड़की में असमानता को मिटाया जा सकता है। लड़कियों को भरपूर शिक्षा दी जावे, महिलायें पढ़ाई के साथ–साथ पारिवारिक जिम्मेदारी भी निभाती है और मेरिट में भी स्थान पाती है। डॉ. फुलसो राजेश पटेल ने कहा कि समाज में घरो के काम महिलाओं से ही कराये जाते है, उनकी घरों में सामाजिक व आर्थिक भागीदारी नाममात्र की होती है उन पर ढेरों पाबंधियाँ लगाई जाती है, पराया धन समझकर ठीक से शिक्षा भी नहीं देते। महिलायें अपने नजरियें में बदलाव लाये, अपने को किसी से कम न समझें। श्री लिकेश्वर सिन्हा ने स्वरचित कविता के माध्यम से बेटी, बहु नारी की भूमिका को उजागर किया। छात्रा दीपाली ने कहा कि महिलायें खुद के जीवन को महत्व दे, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे। स्वाति तिवारी ने कहा कि महिलायें अपने खिलाफ होने वाले अत्याचारों का विरोध करे, निरंतर बदलाव के लिये प्रयास करें। देश का विकास महिलाओं के विकास से ही संभव है। धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती सीमा ए. लाल ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं प्राध्यापक उपस्थित थे।

प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

साइंस कॉलेज में मना महिला दिवस

आयोजन

- महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं- बघेल

नवभारत संवाददाता। राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि महिलाओं का जीवन त्याग, धैर्य और संघर्ष की मिशाल है. पुरूष व महिला एक गाड़ी के दो पहिये है, जीवन रूपी गाड़ी को चलाने के लिये दोनों का सामंजस्य जरूरी है. डॉ. सुमन सिंह बघेल ने कहा कि महिलायें हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है.

डॉ.एस.आर.कन्नोजे ने महिलाओं पर किये जा रहे मानसिक व शरीरिक प्रताड़ना की बात की. वह समाज की भयावह सच्चाई है कि महिलाये आज भी लैंगिक असमानता की शिकार हो रही है, पुत्र व पुत्रियों में भेद किया जाता है. डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि आज स्वरोजगार के क्षेत्र में महिलायें काफी आगे आयी है, आर्थिक रूप से मजबूत हुई है, आर्थिक विकास से ही देश का विकास संभव है, महिला समूहों के माध्यम से रोजगार किये जा रहे है. डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि शिक्षा ही वो हथियार है जिससे लड़के-लड़की में असमानता को मिटाया जा सकता है. डॉ. फुलसो राजेश पटेल ने कहा कि समाज में घरो के काम महिलाओं से ही कराये जाते है, उनकी घरों में सामाजिक व आर्थिक भागीदारी नाममात्र की होती है उन पर ढेरों पाबंधियाँ लगाई जाती है.

Scanned with OKEN Scanner

प्रेस विज्ञप्ति

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण पर विचार संगोष्ठी का आयोजन

राजनांदगांव। प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में दिनांक 08/03/2017 अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सशक्तिकरण पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल ने हार्दिक बधाई देते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस वर्ष UNO द्वारा वूमेन्स डे थीम– वूमेंस इन द चेजिंग वर्ल्ड आफ वर्क प्लानेट 50–50 बाय 2030 विषय पर जोर देते हुए अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वैदिक काल में स्त्रियों की स्थिती बहुत अच्छी थी स्त्रियों और पुरूषों को बराबरी का दर्जा था मध्यकाल में स्त्रियों कि स्थिती बहुत बदतर हो गई थी। वर्तमान काल में स्त्रियों कि स्थिती सुधार करने कई प्रयास किये गये आज हर क्षेत्र चाहे राजनैतिक, विज्ञान आद्यौगिक, सामाजिक महिलायें बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रही है। परन्तु वर्तमान में पुरूषों की तुलना में महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम है इसको हमें बढ़ाना है महिलाओं को अधिक से अधिक शिक्षित करना महिलाओं की भावनाओं की भी कदर करना है इसकी शुरूआत परिवार से करे फिर समाज में। डॉ निर्मला उमरे में कहा कि महिलाओं को अपने निर्णय लेने की भी आजादी होना चाहिए। श्रीमती डॉ. नागरत्ना गणवीर ने कहा कि हर लड़की की ख्वाइस होती है–

"एक बार तो मुझको, अपने सपने बोने दो,
लिख देने दो अपनी किस्मत, फिर जो होता है होने दो।

आर्थिक विकास में महिलाओं को बराबर का हक और विकास की प्रकिया में महिलाओं का बराबर का योग दान देने की तरफदारी की और महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रण किया गया। अंत में कार्यक्रम प्रभारी निर्मला द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. श्रीमती निर्मला उमरे, डॉ एस आर कन्नौजे, डॉ नागरत्ना गणवीर, डॉ फुलसो राजेश पटेल, डॉ एलिजाबेथ भगत, स्मृति, नमिता, दिव्या राजपूत, नंदनी और उमा सभी ने अपने बहुत सुन्दर विचार रखकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

शास. शिवनाथ विज्ञान महावि. राजनांदगांव (छ.ग.)
रा.से.यो. नियमित गतिविधि
सत्र 2017-18

DATE:.................

1. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया — शा. शिवनाथ विज्ञान महावि. में दिनांक 21.6.2017 को "विश्व योगदिवस" मनाया गया, सर्वप्रथम प्रार्थना की गई, तत्पश्चात ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, कटि चालन, घुटना संचालन, योगासन के तहत ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, बैठकर आसनों में भद्रासन, वज्रासन, अर्धवक्रासन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन किये गये। लेटकर किये जाने आसनों में मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादहस्तासन, अर्द्धहलासन, पवनमुक्तासन, शवासन किये गये। प्राणायाम के तहत कपालभाँति, अनुलोम-विलोम, शीतली, भ्रामरी किये गये। अंत में संकल्प के साथ शांति पाठ किये। महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी स्टाफ व प्रशिक्षक के रूप में श्री रविकांत उपाध्याय, श्री किशन साहू, श्री मनोज साहू उपस्थित रहे।

2.

Scanned with OKEN Scanner

Camlin Exam
DATE:..................

7. महावि. में शिक्षक दिवस मनाया -

दिनांक 05/09/2017 को रा.से.यो. इकाई द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को "शिक्षक दिवस" के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य ने कहा कि व्यक्ति के जीवन को संवारने में उनके माता पिता से ज्यादा एक सच्चे शिक्षक का योगदान होता है, हमारे देश में शिक्षक को भगवान से बढ़कर माना जाता है। व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाने में शिक्षक का योगदान महत्व रखता है। डॉ. एस. आर. कन्नौजे ने कहा कि छात्र अपने स्कूल, कॉलेज के दिनों में अपने गुरु द्वारा किये गये निर्देश कार्य को हमेशा ध्यान रखता है। डॉ. नागरत्ना गगनेर ने कहा कि शिक्षक पाठ्येतर गतिविधी से भी छात्रों को जोड़े रखता है। डॉ. एन. के. भारतीया तथा डॉ. शिवानी तिवारी ने भी सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर महावि. स्टाफ व विद्यार्थिगण उपस्थित रहे।

8. विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया -

दिनांक 08.09.2017 को रा.से.यो. के तत्वाधान में महाविद्यालय में "अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस" मनाया गया, डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य ने कहा कि निरक्षरता की निशानी अंगूठा लगाना है, हम सभी थोड़ा सा समय निकालकर उन्हें अक्षरज्ञान कराये। डॉ. एस. आर. कन्नौजे ने कहा कि देश में साक्षरता का प्रतिशत 65% है याने 35% जनसंख्या अभी भी निरक्षर है, जब तक अनपढ़ है इंसान, तब तक नहीं बनेगा साक्षरता अभियान। डॉ. श्रीमती तुलसी पटेल ने कहा कि देश में 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन आरंभ किया गया, अभी सर्व शिक्षा अभियान के तहत "सब पढ़े-सब बढ़े" के तहत शिक्षा दी जा रही है, सभा को कु. [illegible] गजभिये, कु. [illegible] ठाकुर अतिथि व्याख्याताओं ने भी संबोधित किया।

2. विश्व ओजोन संरक्षण दिवस मनाया –

दिनांक 16.09.2017 को महाविद्यालय में रा.से.यो. के तत्वाधान में "विश्व ओजोन संरक्षण दिवस" मनाया गया। महावि. के प्राचार्य डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल ने कहा कि धरती से 15 किमी. की दूरी पर ओजोन परत है, जो हमारी रक्षा कवच है, O_3 के तीन परमाणु मिलकर बनते हैं, यह सूर्य से आने वाले पराबैंगनी किरणों को रोकती है, प्रदूषित गैसों के कारण ओजोन परत खतरे में है, समय रहते जागने की जरूरत है। डॉ. एस. आर. कन्नौजे ने कहा कि महारोग कैंसर जैसे रोग हानिकारक किरणों से होती है, फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ता है, सूक्ष्मजीव मर जाते हैं प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जेनेटिक परिवर्तन आ जाती है। अधिक से अधिक पौधे लगाये, CFC व हैलोजन गैसों का उत्पादन कम करें। ओजोन बचाये, पर्यावरण बचाये, पर्यावरण बचाये, जीवन बचाये।

Camlin Exam
DATE:

11. 24 सितम्बर को एन.एस.एस. स्थापना दिवस –

दिनांक 24 सितम्बर 2017 को एन.एस.एस. के तत्वाधान में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. सुरेश पटेल, जिला संगठक एन.एस.एस. मुख्य अतिथि तथा अध्यक्षता डॉ. श्रीमती कुसुम सिंह बघेल संस्था प्राचार्य ने किया। दक्ष अक्षय वर्मा व युगलकिशोर ने "हम होंगे कामयाब" गीत गाया। डॉ. एस. आर. कुर्रे ने एन.एस.एस. अधिकारी ने एन.एस.एस. के इतिहास, दर्शन, प्रतीक, बैज, गीत, नारे, स्लोगन, नियमित व शिविर गतिविधि के बारे में विस्तार से बतलाया। श्री लिकेश्वर सिन्हा ने एन.एस.एस. के लक्ष्य व उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

सुश्री रूपा तिवारी सहा.प्रा. वनस्पति ने कहा कि यह स्वानुशासन सिखाता है, व्यवहार कुशल बनाता है, व्यक्तित्व का निर्माण करता है, समाज के कुरीतियों को दूर करने में विद्यार्थी आगे आये। डॉ. ए.एन. भारद्वाज ने कहा कि निःस्वार्थ सेवा की दृष्टि से किया गया कार्य प्रशंसनीय होता है, शासन प्रशासन द्वारा सौंपे कार्य को पूर्ण किया जाता है। डॉ. निर्मला कुर्रे ने कहा कि एन.एस.एस. में कोई कार्य असंभव नहीं होता, पल भर में कार्य हो जाता है। संगठन शक्ति से हर मुश्किल कार्य सरल हो जाता है।

प्रो. सुरेश पटेल ने कहा कि यह 48 वर्ष का युवा हो गया है, समाज के साथ मिलकर कार्य करने का सुगम माध्यम है एन.एस.एस.। समाज में जागरूकता का कार्य विद्यार्थी करते हैं। डॉ. श्रीमती कुसुम सिंह बघेल ने कहा कि एन.एस.एस. के विद्यार्थी को निरंतर सिखने मिलता है, उनमें व्यक्तित्व में निखार लाता है, झिझक दूर होता है, गाँव की वास्तविक स्थिति से अवगत होते हैं। कु. प्रियंका साहू ने गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महावि. स्टाफ व एन.एस.एस. स्वयंसेवक काफी संख्या में उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

कौमी एकता सप्ताह दिनांक 19. से 25 नवम्बर तक मनाया जाता है।

18. **विश्व एड्स दिवस मनाया गया** –

दिनांक 01.12.2017 को महावि. में रा.से.यो. के तत्वाधान में "विश्व एड्स दिवस" मनाया गया, प्रातःकाल में विद्यार्थियों ने बसंतपुर वार्ड में एड्स के प्रति जनजागरूकता जगाने के उद्देश्य से रैली निकाली, रैली में बैनर, पोस्टर, स्लोगन, नारों का प्रयोग किया गया। सभा में डॉ. बी.एल. कुमरे, जिला चिकित्सालय राजनांदगांव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। देश में तेजी पाँव पसार रहे एच.आई.वी. वायरस ने चिंता की लकीर खींच दी है राजनांदगांव जिले में इस वर्ष 134 प्रकरण दर्ज किए गया है। डॉ. कुमरे ने कहा कि यह रोग केवल 4 कारणों से होता है, असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई, संक्रमित खून चढ़ाने से, गर्भवती संक्रमित माता से शिशु को। एड्स के लक्षणों को बताया व समाज को जागरूक करने का आह्वान किया श्रीमती सुमन सिंह बघेल ने कहा कि हाथ मिलाने से, गले लगाने से, साथ में सोने से, एक दूसरे के कपड़े पहनने से, नहीं होता, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जानकारी ही बचाव है। डॉ. एलिजाबेथ भगत रेडक्रास प्रभारी ने अशिक्षा, अज्ञानता को कारण बताया, पलायन करने वाले लोग अधिक जिम्मेदार हैं। इस अवसर पर महावि. के शिक्षक स्टॉफ व विद्यार्थी अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

19. मानव अधिकार दिवस मनाया गया –

दिनांक 10.12.2017 को रा.से.यो. - इकाई के तत्वाधान में "मानव अधिकार दिवस" महाविद्यालय में मनाया गया। प्रो.रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 10 दिसम्बर 1948 को मानव अधिकार दिवस मनाने का निर्णय लिया गया, व्यक्ति को समान काम, समान वेतन की स्वतंत्रता, निवास तथा सामाजिक भरण पोषण का अधिकार, शिक्षा के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार, जीने का अधिकार, इसकी प्रस्तावना में मानव जाति की जन्मजात गरिमा और सम्मान तथा अधिकारों पर बल दिया गया है। प्राचार्य डॉ. [illegible]कुमार गौर पटेल ने इस अवसर पर शपथ दिलाई, डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि अधिकारों के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती, राज्य का सर्वोत्तम लक्ष्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का पूर्ण विकास है। विश्वशांति तथा सुरक्षा को बनाये रखने के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाने की मंशा को स्वीकार किया गया।

25. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया –

डॉ. सुमन सिंह बघेल, संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में महावि. में दिनांक 08/03/2018 को "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया गया। डॉ. नागरत्ना गनवीर संयोजक ने कहा कि पुरुष व महिला एक गाड़ी के दो पहिये हैं, जीवन रूपी गाड़ी को चलाने के लिये सामंजस्य जरूरी है। डॉ. सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य ने कहा कि महिलायें हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं कई महिलायें महत्वपूर्ण पदों पर कार्य रही हैं, हर क्षेत्र- सिनेमा, क्रिकेट, खेल, राजनीति, बिजनेस में अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं। डॉ. एस.आर. कन्नौजे प्रो.से.फो. ने कहा कि महिलाओं पर हो रहे शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना चिंता का विषय है, महिलायें लैंगिक असमानता की शिकार हो रही हैं। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि आज स्वरोजगार के क्षेत्र में महिला तेजी से आत्मनिर्भर हो रही हैं, आर्थिक विकास हो रहा है, डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि शिक्षा ही सारी कुरीतियों की चाबी है। सभा को डॉ. कुलमनी पटेल, लिकेश्वर सिन्हा, स्वाती तिवारी, कु. डीपाली ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे।

26. "विश्व वानिकी दिवस" मनाया –

दिनांक 21.3.2018 को महावि. में "विश्व वानिकी दिवस" मनाया गया, प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल ने कहा कि मानवीय गतिविधि एवं उनके जंगलों में हस्तक्षेप के कारण पेड़ों की संख्या में निरंतर गिरावट आ रही है, जहाँ मानव की आबादी बढ़ी है वहाँ पेड़ों का घनत्व घटा है, विश्व में अनियंत्रित औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, बांध, राजमार्गों के कारण जंगल सिमट रहे हैं, जीवजन्तुओं पर संकट आ गया है। वन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जाता है, सभा को डॉ. एस.आर. कन्नौजे, श्री लिकेश्वर सिन्हा, कुमारी संगीता त्रिपाठी ने संबोधित किया।

Scanned with OKEN Scanner

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)
सत्र 2018-19
गतिविधियाँ (Activities)

(1) विश्व पर्यावरण दिवस मनाया -

दिनाँक 05 जून 2018 को ग्राम - बागतराई में रा.से.यो. के तत्वाधान में "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस बार मेजबानी भारत को दिया है, भारत ने प्लास्टिक के दुष्प्रभाव को देखते हुये शीर्षक दिया है - "प्लास्टिक प्रदूषण की समाप्ति"। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री भुवन लाल वर्मा, सरपंच, ग्रामपंचायत बागतराई रहे।

कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुये डॉ. एम.आर. कन्नौजे, रा.से.यो. ने कहा कि विश्व में बड़ी समस्या प्लास्टिक कचरा है, भारत में स्पष्ट प्रभाव दिखाई दे रहा है, नागरिकों में प्लास्टिक कचरे के प्रबंध हेतु तत्परता एवं सजगता नहीं है। श्री लिकेश्वर सिन्हा ने कहा कि प्लास्टिक में मौजूद रसायनिक विषाक्त पदार्थ होता है जो पर्यावरण पर खतरनाक प्रभाव डालते हैं, ये कैंसरकारक होते हैं, ये काफी सस्ते होने के कारण लोकप्रिय हैं, ये तो मिट्टी, भूमि को प्रदूषित करते हैं।

श्री भुवनलाल वर्मा, सरपंच ने कहा कि हमें हवा, पानी, भूमि को संरक्षित रखना है, बूंद बूंद जल को बचाना है, जल रहेगा तभी कल रहेगा, सभा को यामिनी साहू छात्र ने भी संबोधित करते हुये स्वच्छ पर्यावरण बनाये रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर रा.से.यो. स्वयंसेवकों ने नृत्य, गीत, नाटक, प्रहसन के माध्यम से पर्यावरण को स्वच्छ रखने व प्लास्टिक का उपयोग न करने का आह्वान किया। ग्राम पंचायत के पंचगण, सचिव, महिला समूह, उपसरपंच व कोटवार सैकड़ों में ग्रामीण जनसमूह उपस्थित रहे। संचालन अभय वर्मा, उद्घोषक विजय साहू ने किया। 32 छात्र उपस्थित रहे।

(2)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया –

महाविद्यालय में दिनांक 21 जून 2018 को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" मनाया गया, डॉ. निर्मला उमरे, प्राचार्य के मार्गदर्शन में श्री हरिकांत उपाध्याय, योग प्रशिक्षक के निर्देशन में योग किया गया। सर्वप्रथम प्रार्थना की गई, शिथिलीकरण क्रिया के तहत ग्रीवा चालन, स्कंधचालन, कटिचालन, घुटना संचालन सम्मिलित किये गये। योगासन के तहत ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, शवासन, पवनमुक्तासन किये गये। कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, शीतली प्राणायाम किये गये, ध्यान करवाया गया, संकल्प दिलाया गया, सभी ने शांतिपाठ किये। इस अवसर पर महावि- के स्टॉफ व अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। (प्रोटोकाल के तहत योग किये गये। इस कार्यक्रम कुल 34 लोग उपस्थित रहे)

पेड़ लगाओ - देश बचाओ
पेड़ लगाओ - जीवन बचाओ
जीवन खुशहाल बनाओ

Scanned with OKEN Scanner

17. **विश्व खाद्य दिवस मनाया –**

Date: ....

दिनांक 16.10.2018 को रा.से.यो. इकाई द्वारा "विश्व खाद्य दिवस" मनाया गया। डॉ. एस. आर. कन्नौजे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि प्रकृति द्वारा प्रदत्त खाद्य पदार्थ का मनुष्य द्वारा उपयोग कर उत्पन्न किये जाने वाले खाद्य पदार्थ "खाद्य संसाधन" कहलाते हैं शरीर की वृद्धि तथा ऊतकों के मरम्मत के लिये भोज्य पदार्थ जरूरी है, संतुलित आहार से शारीरिक व मानसिक विकास भलीभांति होता है। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि विश्व की जनसंख्या लगभग 7 अरब है, आवश्यकता के अनुरूप उत्पादन इतना अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता जिससे समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। डॉ. मंजेश्वरी सिंह, प्राचार्य ने कहा कि विश्व खाद्य समस्या के अनेक कारण हैं जिनमें प्रमुख हैं – जनसंख्या वृद्धि, भौगोलिक दशायें, प्राकृतिक आपदा, युद्ध, पोषक तत्वों का अभाव, असंतुलित आहार, निर्धनता, भूमि का विभाजन, अपर्याप्त सिंचाई सुविधा; जल की कमी है इसे दूर कर खाद्य उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। डॉ. एलिजाबेथ भगत रेडक्रास प्रभारी ने कहा कि भारत की जनसंख्या 1 अरब 25 करोड़ है। सन 2050 तक 1 अरब 35 करोड़ हो जायेगी, इस अनुपात में कृषि भूमि की उपलब्धता कम होगी जिसका प्रभाव खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा। 42 विद्यार्थी उप. रहे।

11. शिक्षक दिवस मनाया -

दिनांक 05-8-2018 को रा-से-यो- के तत्वाधान में "शिक्षक दिवस" का आयोजन किया गया, छात्रों ने गुरु की महिमा का बखान किया, छात्रों ने गीत व प्रहसन प्रस्तुत किया। सभा को डॉ- नागरत्ना गनवीर, डॉ- एस-आर- कन्नोजे, श्रीमती निलिमा जैन, श्रीमती पटेल, श्री उमरे, कु- शिवानी ठाकुर, श्रीमती सविता गुप्ता ने संबोधित करते हुये कहा कि शिक्षक मोमबत्ती की तरह होता है, जो जलकर प्रकाश देता है। गुरु, अंधकार को दूर करता है, प्रकाश का मार्गदिखाता है, अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाता है। हर व्यक्ति के जीवन में गुरु अवश्य होता है, उनके मार्ग दर्शन में शिष्य निरंतर प्रगति करता है इस अवसर पर महावि- के विद्यार्थी व स्टॉफ उपस्थित रहे।

12. अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया -

दिनांक 08-9-2018 को रा-से-यो- के तत्वाधान में "अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस" मनाया गया- मुख्यअतिथि श्रीकांत पांडे, समन्वयक नेहरू युवा केन्द्र राजनांदगांव रहे। डॉ- एस- आर- कन्नोजे रा-से-यो- अधिकारी ने कहा कि साक्षरता वो हथियार है जो निरक्षरता रूपी अंधकार को मिटाता है, निरक्षरता पिछड़ेपन की निशानी है, साक्षरता मानव को सभ्य, ज्ञानवान, बलवान, विवेकशील बनाता है। डॉ- निलिमा उमरे प्राचार्य ने कहा कि निरक्षरता के कारण शासन की सामाजिक व कल्याणकारी योजनाएं ग्रामीणजनों तक नहीं पहुंच पाती। शिक्षा सभ्य व असभ्य में भेद कराता है। श्रीकांत पांडे मुख्यअतिथि ने कहा कि "अंधकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा हो एक दीप जलायें"। राजनांदगांव प्रदेश में सर्वाधिक साक्षर जिला है, साक्षरता प्रतिशत में वृद्धि से जनसंख्या वृद्धि दर कम होती है। इस अवसर पर महावि- स्टॉफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

3. **विश्व एड्स दिवस मनाया** – दिनांक 01.12.2018 को महावि. में "विश्व एड्स दिवस" मनाया गया, सर्वप्रथम "एड्स जनजागरूकता रैली" महाविद्यालय से लालपुर वार्ड में निकाली गई। सभा को डॉ. एस. आर. कन्नौजे ने संबोधित करते हुये कहा कि यह केवल 4 कारणों से होता है, असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित खून चढ़ाने से, संक्रमित सुई से, संक्रमित गर्भवती माँ से बच्चे को। डॉ. योगेश्वरी सिंह आचार्य ने कहा कि भारत के बहुत से राज्यों में एड्स पाँव पसार चुका है, छ.ग. के 25000 लोग संक्रमित हैं। सभा को श्री धर्मेन्द्र वर्मा, एड्स काउन्सलर जिला हास्पिटल, श्री जगदीश सोनी ब्लडबैंक काउन्सलर, श्रीमती मिताली मेश्राम STI काउन्सलर जिला हास्पिटल ने संबोधित किया। जागरूकता हेतु भाषण, निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कुल 86 विद्यार्थीयों ने इसमें भाग लिये।

Scanned with OKEN Scanner

23. मानव अधिकार दिवस मनाया गया — दिनांक 10 दिसम्बर 2018 को महावि० में "मानव अधिकार दिवस" मनाया गया, डॉ० गंधेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं श्री निर्मल सिंह जिला एवं सत्र न्यायाधीश रतनगढ़ के मुख्यआतिथ्य में कार्यक्रम हुआ। श्री सिंह ने कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा के लिये आवश्यक है कि व्यक्ति अपनी समस्या को स्पष्ट बताये, समस्या नहीं बताने के कारण उलझ जाती है और मानव अधिकार का हनन होता है, जिससे असमानता पैदा होती है, जागरूकता के अभाव में छोटे 2 गलतियों के कारण दोनों ही पक्षों को परेशान होना पड़ता है, हमें अपने अधिकार के साथ कर्तव्यों को पालन करना चाहिये। प्रत्येक व्यक्ति को स्वतंत्रता, समानता एवं उनकी प्रतिष्ठा की सुरक्षा की गारंटी दी जा सकती है। सभा को डॉ० गंधेश्वरी सिंह, डॉ० नागरत्ना गंगाधर, श्री बी०सी० साव लोक अभियोजक, श्री कीर्ति श्रीवास द्वितीय अपर जिला न्यायाधीश ने संबोधित किया। इस अवसर पर सुश्री अंजली सिंह — सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रमेश चौहान - व्यवहार न्यायाधीश, राहुल शर्मा व्यवहार न्यायाधीश रतनगढ़ उपस्थित रहे। कुल 92 विद्यार्थी भाग लिये।

24. "राष्ट्रीय युवा दिवस" मनाया गया — दिनांक 12.1.2019 को स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस को "राष्ट्रीय युवादिवस" के रूप में मनाया गया। मुख्यअतिथि श्री हरीश गांधी, सचिव गायत्री शिक्षण समिति, अध्यक्षता डॉ० गंधेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य, विशेष अतिथि श्री प्रभुर, परिव्राजक गायत्री मंदिर, श्री नगेश साहू वरिष्ठ स्वयं सेवक रहे। डॉ० एस०आर० कन्नौजे रा०से०यो० अधिकारी ने स्वामी जी के जीवन परिचय देते हुये कहा कि उनके गुरू परमहंस रहे, वे 39 साल जीवित रहे। सेवा कार्यों को जीवन का हिस्सा माना। श्री हरीश गांधी ने कहा कि देश में 65% युवा है, युवा चाहे तो हवा का रूख बदल सकता है। डॉ० गंधेश्वरी सिंह ने कहा कि स्वामी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति व राष्ट्रभक्ति ने भारत को महान बनाया। श्री नगेश साहु ने कहा कि आज युवाओं को मरने के लिये नहीं जीने की जरूरत है। 1966 के प्रथम छात्रों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थी व स्टाफ उपस्थित रहे।

(74) विद्यार्थी भाग लिया

25 **राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया –**

दिनांक 25.1.2019 को महाविद्यालय में "राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दिवस" मनाया गया। डॉ. एस.आर. कुल्लोदे राष्ट्रे.से.यो. अधिकारी ने निष्पक्ष रूप वोट करने व अपना प्रतिनिधि चुनने हेतु अपने विचार रखे, डॉ. नागरत्ना गनवीर नोडल अधिकारी मतदाता जागरूकता (स्वीप कार्यक्रम) ने कहा कि वोटर भाग्य विधाता है, उनके पास सरकार बनाने की शक्ति है. अपने वोट का उपयोग करें, और लोगों को भी मतदान शत-प्रतिशत करने की अपील करें। डॉ. गंधेश्वरी सिंह प्राचार्य ने कहा कि संविधान में यह व्यवस्था है कि प्रत्येक व्यक्ति वोट देकर सरकार चुने. वोट देने का सभी को अधिकार है, किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न फंसे, सही नेतृत्व का चुनाव करे, जो 18 वर्ष के हो चुके हैं उन्हें मतदान करने का हक अधिकार है वे अपना नाम वोटर लिस्ट जुड़वा लें। मुख्य समारोह आडिटोरियम में हुआ, यहां विद्यार्थियों को ले जाया गया।

26 **महावि. में गणतंत्र दिवस मनाया –**

दिनांक 26 जनवरी 2019 को महावि. में 70 वां गणतंत्र दिवस डॉ. गंधेश्वरी सिंह प्राचार्य के उपस्थिति में उत्साहपूर्वक मनाया गया, प्राचार्य द्वारा ध्वजारोहण किया गया, राष्ट्रगान गाया गया, डॉ. गंधेश्वरी सिंह प्राचार्य ने गणतंत्र दिवस की शुभकामना दी व कहा कि देश की स्वतंत्रता हेतु वीर जवानों देशभक्तों ने बहुत तकलीफें झेली है, शहीद हुये हैं उन्हीं के बदौलत हम स्वतंत्र श्वास ले रहे हैं। डॉ. गनवीर ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने भारत में कानून के रूप में लिखित संविधान दिया है, संविधान के ऊपर कोई भी नहीं है, समय समय पर आवश्यकता के अनुरूप संशोधन होते रहते हैं। डॉ. एस आर. कुल्लोदे ने युवाओं को स्वच्छता अभियान को सफल बनाने की अपील की, छात्रों ने गीत भी गाये, एन.सी.सी. स्टाफ व विद्यार्थी उप० रहे। कुल 43 छात्र एवं स्टाफ ने कदमताल की।

सत्र 2019-20

गतिविधियाँ (Activities)

① विश्व पर्यावरण दिवस मनाया -

शा० शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के गोद ग्राम "रामपुर" में दिनांक 05 जून 2019 को "विश्व पर्यावरण दिवस" को पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. श्रीमती गंगेश्वरी सिंह प्राचार्य के मार्गदर्शन में हुआ. श्री किशोर यादव सरपंच के अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। सर्वप्रथम श्री किशोर यादव सरपंच ने स्वच्छताशपथ दिलाया, सभी से ग्राम के गली, मोहल्ले, घर, आंगन को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया।

डॉ. एस. आर. कुम्हारे सहा.प्रा. एवं एनएसएस अधिकारी ने कहा कि इस वर्ष का विषय रखा गया है — "वायु प्रदूषण को रोके"। पेड़ों के कण-कण में देवता का वास होता है, डूमर, कोहा, नीम, प्राकृतिक रीचार्जर हैं. जो ज्यादा देर तक पानी रोकते हैं, पौधे दूषित वायु को सोखकर बदले में प्राणवायु देते हैं।

श्री लिकेश्वर सिन्हा, अतिथि व्याख्याता ने कहा कि जल, जंगल, जमीन जीवन के आधार हैं, इसके बिना जीवन अधूरा है, आज शुद्ध हवा मिलना मुश्किल हो गया है. पेट्रोल, डीजल फूंके जा रहे हैं, कोयले जलाये जा रहे हैं, ये प्रदूषण कैंसर जैसे महारोग को जन्म देते हैं, बूंद बूंद बचाकर पानी का सम्मान करने कहा।

श्री किशोर यादव सरपंच ने प्लास्टिक से होने वाले खतरों से अवगत कराया. प्लास्टिक के स्थान पर थैला का उपयोग करने कहा। सभा को चन्द्रकुमार विश्वकर्मा, अजय वर्मा, नितेश साहू ने संबोधित किया। इस अवसर पर श्री वीरबल सिन्हा, पंच, महिलासमूह, मितानिन, व रा.से.यो. स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

(2) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया -

21.6.2019

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस डॉ. गोमेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में मनाया गया। श्री हरिकांत उपाध्याय, योग प्रशिक्षक ने योगाभ्यास कराया। श्री उपाध्याय ने कहा कि योग आध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर बीच सामंजस्य स्थापित करता है। डॉ. गोमेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य ने कहा कि योग विद्या का उद्भव हजारों वर्ष प्राचीन है, योग मात्र व्यायाम नहीं है, बल्कि स्वयं के साथ विश्व व प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है। डॉ. एस.आर. कन्नोजे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि योग जीवन के सभी पहलुओं में सामंजस्य बैठाता है, यह स्वास्थ्य संवर्धन, और जीवनशैली संबंधी विकारों को दूर करता है। योग निश्चित रूप से सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति प्रदान करने का साधन है।

श्री उपाध्याय ने अभ्यास के तहत ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, कटिचालन, घुटना चालन। योगासन के तहत ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्धउष्ट्रासन, शशांकासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, सेतुबंधासन, अर्धहलासन, पवनमुक्तासन कराया। प्राणायाम के तहत कपालभांति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, ध्यान करवाया, अंत में सभी को संकल्प दिलाया व शांति पाठ कराया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समस्त अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं रा.से.यो. के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया -

दिनांक 8.9.2019 को महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर डॉ. निर्मला डमोर प्रभारी प्राचार्य ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि मनुष्य प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ रचना है, मानव के अंदर छिपी विशेषताओं का विकसित होना आवश्यक है, आंतरिक विशेषताओं का उन्नयन शिक्षा के माध्यम से होता है, जिस समाज में शिक्षा का प्रचार प्रसार जितना ज्यादा होता है वह उतना ही उन्नत, सम्पन्न और विकसित होता है, उन्नत राष्ट्रों में शिक्षा की उत्तम व्यवस्था है। डॉ. एस. आर. कलमे रा.से.यो. अधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि साक्षरता, शिक्षा की पहली सीढ़ी है, और शिक्षा किसी भी समाज या राष्ट्र के विकास की आधारशिला है, ऐसा माना जाता है कि निरक्षरता और निर्धनता एक ही सिक्के के दो पहलू है, निरक्षरता और निर्धनता का समानुपातिक संबंध भारत में दिखाई देता है। इस अवसर पर महावि. के स्टॉफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे। 35 छात्रों ने भाग लिया।

55 छात्रों ने भाग लिया।

3. विश्व ओजोन संरक्षण दिवस मनाया -

दिनांक 16.9.2019 को महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जनजागरूकता हेतु "विश्व ओजोन संरक्षण दिवस" पर "निबंध प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया, विषय - "ओजोन परत - धरती की सुरक्षा कवच" महाविद्यालय के 29 विद्यार्थियों ने निबंध में भाग लिया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे।

प्रथम स्थान - कु. प्रियंका शुक्ला - बी.एस.सी. 3 वर्ष

द्वितीय स्थान - लितेश डिल्लीवार - बी.एस.सी. 2 वर्ष

तृतीय स्थान - कु. हेमलता उइके - बी.एस.सी. 1 वर्ष

36 छात्रों ने भागीदारी की।

20. **महावि. में मानव अधिकार दिवस मनाया -**

दिनांक 10 दिसम्बर 2019 को "मानव अधिकार दिवस" मनाया गया, डॉ. गन्धेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के मुख्यअतिथि श्री मनोज चौधरी, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, विशेष अतिथि श्री राजेश सिंह चंदेल प्रतिधारक अधिवक्ता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतना रहे। डॉ. सिंह ने सभी को मानव अधिकार दिवस पर शपथ दिलाई, उन्होंने कहा कि सभी मनुष्य जन्म से स्वतंत्र हैं और अधिकारों एवं मर्यादा में समान है सभी को जीवन, स्वाधीनता व सुरक्षा का अधिकार है। श्री चौधरी ने कहा कि प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध में मानव जाति का विनाश हुआ उसे देखते हुये संयुक्त राष्ट्र संघ ने 10 दिस० 1948 को मानव अधिकारों की सार्वलौकिक घोषणा की। छात्रसंख्या (65)

आयोजित गतिविधियाँ

सत्र - 2020-21

1. महावि. में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया –

दिनांक 05.6.2020 को महावि. में "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया गया। संस्था प्राचार्य डॉ. आई. आर. सोनवानी ने गार्डन में फलदार पौधे जामुन, चिकू, सीताफल, करौंदा, आँवला के लगाये। उन्होंने कहा कि प्रकृति व मानव के मध्य संतुलन रहना नितांत जरूरी है, संतुलन बिगड़ने से पर्यावरणीय संकट उत्पन्न होता है, हर मानव का कर्तव्य है कि प्रकृति व पर्यावरण की सुरक्षा के लिये अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे व मानव जीवन को बचाने में मददगार बनें। डॉ. एस. आर. कन्नोजे सहा. प्रा. ने कहा कि दिनोदिन प्राकृतिक संसाधन कम होते जा रहे हैं, बढ़ती हुई जनसंख्या के सामने संसाधन कम पड़ते जा रहे हैं, हम प्रकृति के साथ चलें, इसी में हम सभी की भलाई है। इस अवसर पर महावि. के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शास. शिवनाथ विज्ञान महा. राजनांदगांव

2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया –

दिनांक 21.06.2020 को 6वाँ "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" महावि. स्टॉफ व विद्यार्थियों ने अपने घर व परिवार के साथ मनाया। इस वर्ष का थीम था – "योगा एट होम एण्ड योग विद फैमिली"। योग सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन व शरीर के बीच सामंजस्य बनाता है। प्राचार्य महोदय व स्टॉफ ने अपने घर में परिवार के साथ योगा के प्रोटोकाल को पालन करते हुये ग्रीवाचालन, कटिचालन, घुटनाचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, मकरासन, भुजंगासन किया। प्राणायाम के तहत भ्रामरी, कपालभाति, अनुलोम–विलोम, नाड़ी शोधन, उज्जायी, किया।

शास. शिवनाथ विज्ञान महा. राजनांदगांव

Scanned with OKEN Scanner

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 08 मार्च को "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव में 08 मार्च को प्राचार्य डॉ. **गन्धेश्वरी** सिंह के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने महिलाओं को अधिक से अधिक शिक्षित होने तथा संघर्ष से न घबराने हेतु प्रेरित किया। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि ईश्वर की हर रचना में स्त्री का खाश महत्व है। आप अपने आप को प्यार करो, अपने आप को डेव्हलप करो तभी आप दूसरों को भी प्यार कर सकते हैं। उन्होंने कहा पहले पितृसत्तात्मक समाज था, पर आज समय बदल गया है लड़कियाँ पढ़ कर आपके बराबर नौकरी कर रही हैं। ऐसे में दोनो को साथ मिलकर काम करना होगा तभी परिवार खुशहाल हो पायेगा।

प्रो. निर्मला जैन ने कहा कि महिलाओं को हर बाधा पार करके पढ़ना है, दूसरों से सहायता लेना भी सीखना होगा तभी आप संसाधनों के न होने पर भी आगे बढ़ सकती है। प्रो. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि गाड़ी के दोनों पहिये में हवा बराबर होने से ही गाड़ी अच्छी चलती है वैसे ही परिवार रूपी गाड़ी दोनों के सामंजस्य से मिलकर काम करने से ज्यादा अच्छी चलती है। प्रो. फुलसो पटेल ने प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय की शक्ति सम्पन्न विद्वान महिलाओं के बारे में बताया और कहा कि महिलाएं सशक्त हैं उनकी शक्ति पर संदेह का प्रश्न ही नहीं है, जरूरत है समाज में पुरूषों की सोच में परिवर्तन लाने की।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर ने सभी महिला अधिकारी, कर्मचारियों व छात्राओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनायें देते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुरूआत 1908 में न्यूयार्क से हुई थी। दरअसल यहीं कई हजार महिलाओं ने जो उद्योगों में काम करती थी रैली निकाली तथा नौकरी के घंटे कम करने और वेतन बढ़ाने के लिए मांग की थी। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 08 मार्च 175 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की घोषणा की। 2014 तक सौ से अधिक देशों ने महिला दिवस मनाना प्रारंभ कर दिया। उन्होंने महिलाओं के लिए साहस का प्रतीक बैंगनी कलर दिया और महिला दिवस मनाने का एक मात्र कारण महिलाओं के खिलाफ होने वाले भेदभाव को समाप्त करना था। महिलाओं के विकास पर ध्यान केन्द्रित कर उनकी समस्याओं पर विचार कर जेंडर इक्वालिटी की दिशा में प्रगति हेतु अभियान चलाने यह दिवस मनाया जाता है। भारत सरकार ने 2001 को महिला सशक्तिकरण वर्ष घोषित किया और महिलाओं के विकास के लिए राष्ट्रीय नीति बनाई। प्रो. स्वाति तिवारी ने कहा कि पुरूष अपनी मानसिकता बदले और स्त्रीयों को हर क्षेत्र में सहयोग करेगा तभी परिवार, समाज और देश का विकास होगा। अंत में संयोजक डॉ. गनवीर ने सभी को हार्दिक बधाई और धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रो. निर्मला जैन, प्रो. निर्मला उमरे, प्रो. फुलसो पटेल, प्रो. भगत, प्रो. स्वाति, मोनिका, उमा, नंदिनी एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ एवं छात्र उपस्थित रहे।

डॉ. गन्धेश्वरी सिंह
प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

Scanned with OKEN Scanner

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2020

08-मार्च 2020 / अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन, समस्त प्राध्यापकों द्वारा प्राचार्य का स्वागत

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विद्यार्थी उपस्थित

प्रेस विज्ञप्ति

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

राजनांदगांव– दिनांक 09.03.2021 को शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. आई.आर. सोनवानी के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ट एवं एन.एस.एस. द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आदरणीय सुरेशा चौबे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव थी। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं में सशक्त है, उन्हें अपने रहन–सहन बोलने के तरीके, काम करने के तरीके में एक आत्म विश्वास होना चाहिए। लडकियां अपने पूरे परिवार समाज और राष्ट्र का स्वाभिमान है। वे किसी की बराबरी करने की कोशिश न करें, बल्कि लोग उनकी बराबरी में दौड़ लगाएं। महिलाओं को स्वयं का सम्मान करना होगा तभी समाज भी उनका सम्मान करेगा।

सरेशा चौबे मैडम ने महाविद्यालय की छात्राओं को स्वयं की सुरक्षा के लिए डेमों कक्षाऐं बताया। उन्होंने मोबाईल, पेन, बाटल द्वारा आत्म सुरक्षा के तरीके सीखाए। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आई.आर. सोनवानी ने कहा कि नारी बिना अधुरा है नर और नारी से ही बसता है घर। उन्होंने ने कहा नारी की स्वतंत्रता के लिए भारत में सर्वप्रथम महात्मा बुद्ध ने आवाज उठाई। उन्होंने महिलाओं स्वतंत्रता के लिए भी आवाज मुखरित किया। पश्चिमी समाज में नारीवादी आंदोलन लैंगिक समानता की बात करता है, जबकि भारत में नारीवादी आंदोलन महिलाओं के सशक्तिकरण और उत्थान से संबंधित है। उन्होंने कहा वैश्वीकरण के युग में छात्राएं पश्चिमी संस्कृति का अनुकरण न करें। भारत में नारीवादी आंदोलन के विचारक प्रीती से प्रीत उत्पन्न कर नारी का सम्मान और प्रगति करना चाहते है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रज्ञा गुप्ता (अध्यक्ष जन–भागीदारी समिति) ने किया उन्होंने कहा की आज का दिन महिलाओं के सम्मान का दिन है। भारत में इंदिरा गांधी, प्रतिभा पाटिल, मीरा कुमार, सुमित्रा महाजन जैसे शीर्ष नेताओं ने अपने काम के कारण भारतीय राजनीति में नाम कमाया है। भारतीय संविधान नें हम सब महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाया है। पुरूषों की मानसिकता में बदलाव आना आवश्यक है क्योंकि महिलाएं कंधे से कंधा मिला कर परिवार समाज और देश के उत्थान में अपना योगदान दे रहीं हैं।

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि महिला–पुरूष में कोई भेदभाव नहीं होने पर ही मानव समाज का विकास हो सकता है। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों के स्वागत से किया उन्होंने कहा कि विश्व की शुभ मंगलकारी, कल्याणकारी, शक्ति स्वरूपा नारी के सम्मान में आज का यह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की ऐतिहासिकता को स्पष्ट किया। सन् 1975 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के घोषणा की। इस अवसर पर फलेश्वरी (बी.एस.सी. तृतीय) में राज्य गीत–अरपा पैरी के धार की प्रस्तुती दी। कु. ईशिका (बी.ए. प्रथम) ने **मैं नारी हूं** कविता पढ़ी। इस अवसर पर बिल्किस खान (सब इंस्पेक्टर) मैडम तारम (टी.आई.) राजनांदगांव, सुनिता चौरसिया–पुलिस (काउंन्सलर) रानू गढ़पांण्डे–महिला आरक्षक, समारू राम–हेड कान्सटेबल तथा डॉ. निर्मला उमरे, प्रो. निर्मला जैन, प्रो. एस. आर. कन्नौजे, प्रो. अनिल चंद्रवशी, प्रो. पटेल प्रो. स्वाती, प्रो.पूजा, प्रो.मोनिका, प्रो.सीमा और बड़ी संख्या में छात्राएं एवं कर्मचार उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाए।

प्राचार्य
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक- 09-03-2021 को शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन- मुख्य अतिथि- सुरेशा चौबे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव

साइंस कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन
महिलाओं के प्रति सामाजिक सोच में बदलाव

राजनांदगांव। दिनांक 08.03.2022 को शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में, महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वक्ता आदरणीय श्री देवाशीष ठाकुर, न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, राजनांदगांव, विशेष अतिथि वक्ता, श्रीमती प्रिया कांकरिया, अधिवक्ता राजनांदगांव, श्री राजेश चंदेल सीनियर अधिवक्ता, राजनांदगांव एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति अध्यक्ष, श्रीमती प्रज्ञा पंकज गुप्ता ने की।

कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों को गुलाब के पौधे देकर किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर श्रीमती प्रज्ञा गुप्ता द्वारा राज्य गीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि शिक्षा, सत्ता और आर्थिक स्वतंत्रता से ही महिला सशक्त हो सकती है, अतः महिला शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं देना आवश्यक हैं। मुख्य अतिथि माननीय देवाशीष ठाकुर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का महत्व तब और बढ़ जाता जब सामाजिक सोच में बदलाव आये और महिलाओं को बराबरी का हक दें। उन्होंने कहा महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने की आवश्यकता है। प्रिया कांकरिया (अधिवक्ता) ने कहा कि इस प्रकार के महिला दिवस के आयोजन से महिलाओं को प्रेरणा मिलती है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए संविधान एवं सरकार अनेक कानून बनाये गये है लेकिन लड़कियों को अपनी आवाज खुद उठानी होगी, महिला पुरूष बराबर हैं इसकी शुरूआत घर से ही संस्कारों द्वारा की जा सकती है। श्री राजेश चंदेल ने कहा कि समाज को अपनी सोच बदलना ही होगा क्योंकि महिलाओं में पुरूषों की तरह ही कार्यक्षमता है इसमें कोई संदेह नहीं है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही श्रीमती प्रज्ञा पंकज गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण दिवस केवल एक दिन के लिए नहीं है। केवल एक दिन मनाने से कुछ नहीं होगा। प्रतिदिन महिला को सशक्त करने और बराबरी का हक देना होगा तभी परिवार, समाज और देश का विकास होगा। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि महिलाओं के शोषण के विरूद्ध 1909 में न्यूयार्क में पहली बार पन्द्रह हजार महिलाओं ने आवाज उठाई। मार्च 1911 में अधिकांश यूरोपियन देशों में महिला दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्रसंघ ने 1975 में 08 मार्च को अधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की घोषणा की तभी से भारत एवं दुनिया के सभी देशों में महिलाओं को सम्मान देने के लिए महिला दिवस मनाया जाता है। कु. संजना ने स्लोगन, पुष्पेन्द्र ने मातृगीत, नेहा ने महिला शक्ति गीत गाकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर आभार एवं धन्यवाद डॉ. फुलसो पटेल द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक डॉ. ए.एन.माखीजा, डॉ. एलिजाबेथ भगत, श्रीमती सीमा ए. लाल, प्रो. गुणवन्ता खरे, प्रो. परमेश्वर वर्मा, प्रो. मोनिका महोबिया, प्रो. सीमा पंजवानी, प्रो. प्रियंका साहू, श्रीमती नंदिनी कुर्रे, श्रीमती उमा हिड़ामे, श्री परेश वर्मा, प्रो. परमानंद बंधे सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने सभी को बधाई दी।

प्राचार्य
शास.शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

8 मार्च 2022 / अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रिया कांम्बले - अधिवक्ता राजनांदगाँव, उद्बोधन

महिला दिवस पर नेहा गीत प्रस्तुत करते हुए

Scanned with OKEN Scanner

Comfin Exam
DATE:..................

विश्व वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह मनाया -

दिनांक 02 से 08 अक्टूबर 2020 तक महावि. में विश्व वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह मनाया गया, डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने कहा कि वन्यजीव धरती के श्रृंगार है, हर हाल में हमें इनकी सुरक्षा करनी है. इनके अनुपस्थिति में धरती रेगिस्तान बन जायेगा। डॉ. एस. आर. कन्नौजे ने कहा कि तेजी से हो रहे वन विनाश, औद्योगीकरण, के कारण जीवजंतु लुप्त हो रहे है, पहले इनके दर्शन आसानी से हो जाते थे लेकिन अब नहीं। डॉ. कुलस्ते राजेश पटेल ने कहा कि जीवों के रक्षा व महत्व को जीवों को भगवानों के वाहन बनाया गया है, यदि इसी प्रकार से जीव लुप्त होते रहे तो जीवों के दर्शन सिर्फ मूर्तियों में व फोटो में भी दिखेगें।

10. **विश्व खाद्य दिवस मनाया –**

दिनांक 16.10.2020 को "विश्व खाद्य दिवस" मनाया गया। डा. आई. आर. सोनवानी सस्य प्राचार्य ने कहा कि जनसंख्या में तेजी से हो रही वृद्धि, भौगोलिक दशायें, प्राकृतिक आपदा, निर्धनता, सिंचाई सुविधा का अभाव आदि ऐसे कारण हैं, जो खाद्य समस्या बनकर उभर रही हैं, इन्हें दूर कर खाद्य उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। डॉ. निखिला दुमरे ने कहा कि तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या समस्या संकट का कारण बन सकता है। डा - एस. आर. कन्नौजे स.सं.भो. अधिकारी ने कहा कि जनसंख्या के अनुपात में कृषि उत्पादन कम हो रहा है, जिसका [illegible] उत्पादन पर पड़ रहा है। मनुष्य द्वारा [illegible] उपभोग किये जाने वाले खाद्य पदार्थ खाद्य संसाधन कहलाते हैं।

[stamp] ... विज्ञान ... राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

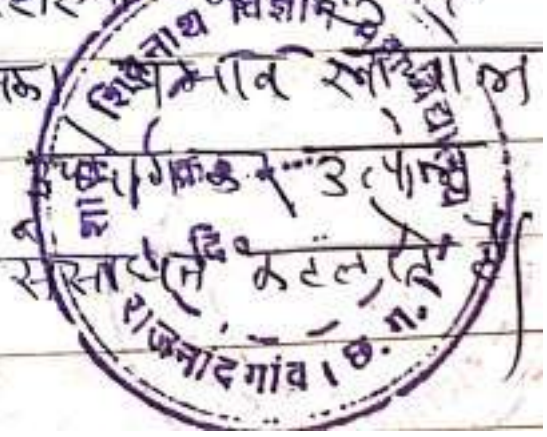

12. **राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया** -

दिनांक 31.10.2020 को सरदार वल्लभ भाई पटेल (लौहपुरुष) के जन्मदिवस को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाया गया। प्रो. आई. आर. सोनवानी सहा. प्राचार्य ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व व कृतत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला, सरदार पटेल ने लगभग 600 देशी रियासतों को एक में मिलाकर राष्ट्रीय एकता का परिचय दिया। डॉ. सोनवानी ने सभी उपस्थित जनों को "राष्ट्रीय एकता शपथ" दिलाई। डॉ. कन्नौजे ने कहा कि सरदार पटेल का एकता का मंत्र देश का जीवन संस्कार है और उनकी जयंती भारत की एकता का पर्व है, सरदार पटेल ने देश की एकता को एक सूत्र में पिरोने का महत्वपूर्ण कार्य किया, उन्हें विचार हमें जीने की प्रेरणा देते हैं। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि लौह सरदार की प्रतिमा गुजरात के केवडिया में नर्मदा नदी के किनारे स्थापित की गई है जो हमें एकता का संदेश देते हैं।

13. **कौमी एकता दिवस मनाया गया** - 15.

दिनांक 19.11.2020 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के जन्मदिवस को "कौमी एकता दिवस" के रूप में मनाया गया। डॉ. आई. आर. सोनवानी सहा. प्राचार्य ने सभी को कौमी एकता की शपथ दिलाई तथा कहा कि श्रीमती गांधी ने सभी जाति, धर्म, सम्प्रदाय के लोगों को एक साथ लेकर चलने का गुण था, वो गरीबों की मसीहा कहलाती थी, उन्होंने सिंडिकेट को अलग किया, बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया, बांग्लादेश का निर्माण किया वे 20वीं सदी की विश्व राजनीतिक मंच की एक महान राजनेता थी, उनका जीवन उपलब्धियों से भरा रहा, उन्हें "भारत रत्न" जैसे नागरिक सम्मान से भी प्रदान किया गया, उनकी याद सदैव भारतीयों के दिल में बना रहेगा। इस अवसर पर अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

14. संविधान दिवस मनाया गया –

महावि. में दिनांक 26/11/2020 को डॉ. आई. आर. सोनवानी सहा. प्राचार्य के मार्गदर्शन में रा.से.यो. व राजनीति विभाग के तत्वाधान में "संविधान दिवस" मनाया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय ने सभी को संविधान के उद्देशिका को पढ़ा जिसे सभी ने दोहराया, प्राचार्य महोदय ने कहा कि संविधान भारत के लिये राष्ट्रीय ग्रंथ है, इसे समाज के हर व्यक्ति को जानना जरूरी है, इसमें सभी महत्वपूर्ण तथ्यों का समावेश किया गया है, इसमें स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व की भावना भरी हुई है यह देश की जीवन रेखा है। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि इसे बनाने में 2 वर्ष 11 माह व 18 दिन लगे हैं यह पूरे विश्व का सबसे विस्तृत संविधान है, समय व परिस्थिति के अनुसार इसमें संशोधन होते रहते हैं। डॉ. एस. आर. कुर्रे ने कहा कि 26 नवम्बर 1949 को संविधान को अंगीकार किया गया और इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया।

15. विश्व एड्स दिवस मनाया गया –

महावि. में दिनांक 01.12.2020 को एड्स के प्रति जागरूकता लाने की दृष्टि से डॉ. आई. आर. सोनवानी सहा. प्राचार्य के मार्गदर्शन में रा.से.यो. इकाई व यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा "विश्व एड्स दिवस" मनाया गया। डॉ. सोनवानी ने कहा कि यह रोग अशिक्षा व अज्ञानता के कारण तेजी से पाँव पसार रहा है, वर्तमान में लोग आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं, यदि हम ब्रम्हचर्य व गृहस्थ आश्रम का ईमानदारी से पालन करें तो हम स्वयं को व समाज को बचा सकते हैं। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पैदा हुआ यह रोग हमारे लिये चुनौती है, अनदेखी व लापरवाही ने इस रोग को बढ़ाने में मदद की है। डॉ. [illegible] एच.आई.वी. फैलने के इसके कारण लक्षण व बचाव के उपाय बताये। [illegible] के लिये जरूरी बताया।

16. मानव अधिकार दिवस मनाया —

महावि. में 10 दिसम्बर 2020 को राजनीति विज्ञान विभाग व एन.एस.एस. द्वारा मानव अधिकार दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉ. आई. आर. सोनवानी ने कहा कि 12 अक्टू. 1993 को भारत में मानव अधिकार आयोग का गठन किया गया तभी से यह आयोग क्रियाशील है, मानव के जो अधिकार है वो मानव के सर्वांगीण विकास के लिये आवश्यक है। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि मानव अधिकारों की माँग का प्रारंभ सर्वप्रथम इंग्लैंड में 15 जून 1215 से हुआ, इसे मैग्नाकार्टा के नाम से जाना जाता है। इतिहास विभाग की डॉ. कुलश्री राजेश पटेल ने कहा कि मानव अधिकारों की सुरक्षा के उपाय पर प्रकाश डाला। डॉ. सुरेश कुमार कन्नौजे रा.से.यो. अधिकारी ने मानव अधिकारों के घोषणा पत्र की 30 धाराओं की जानकारी दी। इस प्रकार स्टॉफ व 100 से अधिक विद्यार्थी online जुड़े रहे।

शास. शिवनाथ वि. महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

17.

18. **स्वामी विवेकानंद जयंती मनाया —**

दिनांक 12.1.2021 को

स्वामी विवेकानंद जयंती "राष्ट्रीय युवा दिवस" के रूप में डॉ. वाई.आर. सोनवानी संस्था प्रमुख के मार्गदर्शन में रा.से.यो. रेड रिबन क्लब, व इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मनाया गया। डॉ. सोनवानी ने कहा कि स्वामी जी के विचार युवाओं को प्रेरणा देने वाले व सफलता का मार्ग दिखाने वाला है, युवाओं के जोश व होश युवाओं के सोच, समाज व देश को एक नई दिशा दे सकते हैं। डॉ. एस. आर. कन्नोजे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि मेहनती व महत्वाकांक्षी युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति होते हैं, किसी भी स्थिति में चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं। डॉ. स्वाति तिवारी ने कहा कि युवा, जल की दिशा को मोड़ सकता है, युवा कभी भी खुद को कमजोर न समझे, युवाओं की शक्ति समाज व देश की धरोहर है। प्रो. अनिल चंद्रवंशी ने कहा कि युवाओं को चेतना सम्पन्न होना चाहिए, जो जैसा सोचता है वैसा ही बन जाता है।

डॉ. कुलसी राकेश पटेल ने कहा कि स्वामी जीने युवाओं से आव्हान किया कि "उठो, जागो और तब तक ना रूको जब तक कि लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए"। उनका "मुझको नहीं तुमको Not me But You" वाक्य को एन.एस.एस. में अंगीकार किया गया है, स्वामी जी एन.एस.एस. में प्रेरणा पुरूष के रूप अपनाये गये हैं। परोपकार की भावना यह वाक्य सिखाता है, युवाओं की सोच हमेशा सकारात्मक होना चाहिए, नकारात्मक नहीं।

इस अवसर पर "विश्व एड्स दिवस" के अवसर पर आयोजित निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता तथा "राष्ट्रीय युवा दिवस" पर आयोजित निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले, विद्यार्थियों को नगद राशि व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महावि. के स्टॉफ, विद्यार्थी व ऑनलाइन से जुड़े रहे।

DATE 21

19. 23 जनवरी को सुभाष जयंती मनाया —

दिनांक 23.1.2021 को डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में सुभाषचन्द्र बोस के जन्मदिवस को "पराक्रम दिवस" के रूप में 125वीं जन्म जयंती रा.से.यो. एवं इतिहास विभाग के तत्वाधान में मनाया गया। डॉ. सोनवानी ने कहा कि नेता जी ने क्रांतिकारी आंदोलन में उत्कृष्ट एवं अहम भूमिका निभाई। उनकी अदम्य साहस एवं वीरता की पहचान पूरे दुनिया में है, नेताजी की शिक्षा भारत व इंग्लैंड में हुई। वे जर्मनी व जापान की सहायता लेकर भारत को आजाद कराना चाहते थे। डॉ. एस. आर. कुलोत्ते रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि नेताजी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सबसे अधिक साहसिक व्यक्ति थे, पूरे भारतवासी उन्हें "नेताजी" कहते थे, भारत को स्वतंत्र कराने का उनका सपना था। उन्होंने "जयहिन्द" का नारा दिया। सभा को डॉ. फूलबासी राकेश पटेल इतिहास विभाग ने संबोधित करते हुये नेताजी के योगदान को बतलाया। इस अवसर पर महावि. के प्राध्यापक, कर्मचारी व विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़े रहे।

20. राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया —

दिनांक 25.1.2021 को महावि. में डॉ. आई. आर. सोनवानी, संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में "राष्ट्रीय मतदाता दिवस" मनाया गया। प्राचार्य ने सभी को मतदान हेतु शपथ दिलाया तथा कहा कि जिन्हें 18 वर्ष पूर्ण हो रहा है वे अपना मत का प्रयोग करें। मतदान का अधिकार हमें संविधान ने उपहार में दिया है। चुनाव के समय उम्मीदवार प्रलोभन देते हैं, हमें इससे बचके रहें। डॉ. एस. आर. कुलोत्ते रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि फार्म नं. 6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में अंकित करवायें, वोट के प्रति स्वयं सजग रहें व समाज को भी जागरूक करें। डॉ. एलिजाबेथ भगत समाजशास्त्र विभाग ने कहा कि हमें जाति, धर्म, लिंग, वर्ग के आधार पर मतदान नहीं करना है। विद्यार्थी शिक्षित, बौद्धिक व शारीरिक रूप से सशक्त हो। इस अवसर पर महावि. के स्टॉफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव

191/धक/

Camlin Exam
DATE:......................

21. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया —

दिनांक 8.3.2021 को महाविद्यालय में श्रीमती सुरेखा चौबे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के मुख्य आतिथ्य व श्रीमती प्रभा गुप्ता अध्यक्ष जनभागीदारी समिति की अध्यक्षता में "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया गया। सर्वप्रथम कु. कलेश्वरी साहू विद्यार्थी ने राज्यगीत गाया। डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने कहा कि नारी बिना अधूरा है नर और नारी से ही बसता है घर, सर्वप्रथम महात्मा बुद्ध ने नारी की स्वतंत्रता के लिये आवाज उठायी। श्रीमती सुरेखा चौबे ने कहा कि महिला स्वयं में सशक्त है उन्हें अपने आप में आत्मविश्वास होनी चाहिये। लड़कियाँ पूरे समाज, व राष्ट्र का स्वाभिमान है, किसी की बराबरी करने की कोशिश न करे बल्कि हम उनकी बराबरी करने के लिए दौड़ लगाये। श्रीमती प्रभा गुप्ता ने कहा कि भारत में अनेक विदुषी महिलायें हुई हैं। भारतीय संविधान ने हमें अधिकार सम्पन्न बनाया है, पुरुषों के समाज में बदलाव आना आवश्यक है।

22. गणतंत्र दिवस मनाया —

दिनांक 26.1.2021 को डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने महावि. में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया तथा संबोधन में कहा कि आज के दिन देश का कानून (26 जन-1950) लागू हुआ है। कानून का सभी भारतवासी को पालन करना होता है, अपने अधिकार के साथ ही अपने कर्तव्य को समझें। सभा को प्रो. नागरत्ना गनवीर, डॉ. निर्मला उमरे, डॉ. एम. आर. कन्नौजे, डॉ. स्वाती तिवारी ने संबोधित किया। इस अवसर पर देश के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दिया गया, महावि. के सभी स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे।

राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

आयोजित गतिविधियाँ
सत्र-2021-22

(1) विश्व पर्यावरण दिवस मनाया -

दिनाँक 05-06-2021 को महावि. में "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया गया। प्राचार्य महोदय डॉ. आई.आर. सोरवाली ने गार्डन में गुलमोहर व आम के 05 पौधे लगाये। डॉ. सोरवाली ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि प्रदूषण की समस्या पर 1972 में संयुक्त राष्ट्रसंघ ने स्वीडन में पहला सम्मेलन आयोजित किया था, जिसमें विश्वभर के 119 देशों ने भाग लिया। पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना है। प्रतिवर्ष एक वर्ष एक विषय लिया जाता है, इस वर्ष का विषय है - "ईको सिस्टम को मूल रूप में लाना है।" सभी से कहा कि प्रकृति से सामन्जस्य बनाकर चले, हम प्रकृति के दास हैं स्वामी नहीं। सभी पौधों की देखभाल महावि. कर्मचारी और सभी से इस प्रकार के कार्य करने की अपील की।

डॉ. एस. आर. कनोज रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि देश प्रदूषण की मार से कराह रहा है, पर्यावरण तेजी से बिगड़ते जा रहा है, हरियाली की कमी के कारण प्रकृति का प्रकोप बार-बार सामने आ रहा है। वृक्ष हमें प्राणवायु देने के साथ ही फल-फूल, औषधि, छाया, कुंकुम, लकड़ी व मिट्टी का संरक्षण करते हैं। डॉ. स्वाति तिवारी वनस्पति विज्ञान विभाग ने कहा कि हमें ईगो नहीं ईको सिस्टम के साथ चलना होगा, प्रकृति का संरक्षण व संवर्धन हमारा लक्ष्य होना चाहिये। श्री कुमारी उपाध्याय हिन्दी विभाग ने कहा कि बेहतर पर्यावरण हमें दीर्घायु जीवन दे सकता है, हम नहीं सुधरे तो प्रकृति हमें सुधार देगी। डॉ. कु. सो. राजेश पटेल इतिहास विभाग ने कहा कि जल ही जीवन है, शरीर के प्रत्येक अंग में 70% पानी है, धरती के दो भाग में पानी है, 97% पानी समुद्र में, 2% पानी बर्फ के रूप में, 1% पानी पेयजल के रूप में है, हम सभी बूंद बूंद पानी का संरक्षण करें। इस अवसर पर महावि. के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

6. स्वतंत्रता दिवस मनाया -

दिनांक 15.8.2021 को महावि. में स्वतंत्रता दिवस (75 वाँ) अमृत महोत्सव के रूप में मनाया गया। डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने ध्वजारोहण किया, डॉ. सोनवानी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुलामी की जंजीर ने भारत को जकड़ लिया था, भारत के वीर सपूतों ने अपने प्राण देकर देश को स्वतंत्र कराया है, उन महापुरूषों के प्रति श्रद्धांजली अर्पित किया। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि भारत के युवाओं ने हर क्षेत्र में प्रगति किया है, देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। डॉ. पुष्पा राजेश पटेल ने कोरोना वेक्सीन के प्रति समाज को जागरूक होने की बात कही। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि युवा देश की स्वच्छता, अंधविश्वास, रूढ़िवादिता, दहेजप्रथा, बालविवाह जैसी कुप्रथा पर समाज को जागृत करे। डॉ. डब्लोजे ने कहा कि नक्सलवाद की समस्या बलवती हो रही है, रोकने का प्रयास करें। इस अवसर पर देशभक्ति गीत गाये गये।

7. सद्भावना दिवस मनाया गया -

भारत के सातवें प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी का जन्मदिवस 20 अगस्त 2021 को "सद्भावना दिवस" मनाया गया। डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने सभा में उपस्थित लोगों को सद्भावनादिवस पर प्रतिज्ञा दिलाया कि मैं जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किए बिना सभी भारत-वासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करूँगा। मैं हिंसा का सहारा लिये बिना सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यमों से सुलझाऊँगा। इस अवसर महावि. के पूरे अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

9. रा.से.यो. स्थापना दिवस मनाया गया -

दिनांक 24/9/2021 को रा.से.यो. स्थापना दिवस महावि. में डा. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य के उपस्थिति में मनाया गया। डॉ. सोनवानी ने कहा कि विद्यार्थी आत्मनिर्भर बने, समाज के बुराईयों को दूर करने में अग्रिम भूमिका निभाये, कर्मवीर बनकर अपने व्यक्तित्व का विकास करें। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि रा.से.यो. मेहनत प्रदान करने के साथ ही प्रतिकूल परिस्थिति में जीना सिखाता है, स्वयं सेवक हर कार्य को स्वयं करता है। रा.से.यो. अधिकारी डॉ. एस. आर. कन्नौजे ने रा.से.यो. के इतिहास, लक्ष्य, उद्देश्य, नियमित व शिविर गतिविधी, बेज, डायरी, गीत, अधिकारी गण, गोदग्राम के बारे में विस्तार से बतलाया। एबीसी प्रमाण पत्रों का महत्व बतलाया, खेल व महत्वपूर्ण दिवसों के बारे में जानकारी दी, विद्यार्थियों को NSS से जुड़ने का आव्हान किया।

Scanned with OKEN Scanner

17. **राष्ट्रीय एकता व अखंडता – "सरदार जी की जंयती मनाया गया –**

दिनांक 30/10/2021 को सरदार वल्लभ भाई पटेल (लौहपुरुष) की जन्म जंयती मनायी गयी। डॉ. आई. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने "राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता" हेतु सभी लोगों को शपथ दिलाया। उन्होंने कहा कि विश्व में राष्ट्रीय एकता के लिये भारत सदियों से अग्रणी रहा है और आज भी प्रत्येक क्षेत्र में विश्वगुरु का उदाहरण प्रस्तुत किया है इसे बनाये रखना है। डॉ. एस. आर. कुर्रे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि देश के एकीकरण में सरदार का भरपूर योगदान है। डॉ. कुलसो राजेश पटेल, इतिहास विभाग ने कहा कि सरदार पटेल का परिचय, स्वतंत्र संग्राम में उनके योगदान तथा स्वतंत्र भारत के नवराष्ट्र को स्थापित करने में एक गृहमंत्री के रूप में प्रमुख भूमिका रही है। डॉ. शैलजा बेथ भगत समाजशास्त्र विभाग ने कहा कि हमारा देश विविधता में एकता का प्रतीक है।

18. **कौमी एकता सप्ताह –**

रा.से.यो. द्वारा दिनांक 19 से 25 नवम्बर 2021 तक स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के जन्म दिवस को "कौमी एकता सप्ताह" के रूप में मनाया जावेगा। दिनांक 19.11.2021 को डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने सभी को "कौमी एकता" की शपथ दिलाई तथा कहा कि श्रीमती गांधी ने राजनीति में अपना परचम लहराई तथा दुनिया में भारतीय लोकतंत्र के साथ अपने व्यक्तित्व का लोहा भी मनवाई, उनकी जीवन यात्रा देश का अविस्मरणीय इतिहास है। उन्होंने प्राचीन राष्ट्र को आधुनिकता की ओर ले जाने में विकास प्रक्रिया को प्रेरित कर उसे तीव्रता प्रदान की। सभा को डॉ. एस.आर. कुर्रे रा.से.यो. अधिकारी, डॉ. कुलसो राजेश पटेल, डॉ. नागरत्ना गनवीर, डॉ. शैलजा बेथ भगत ने संबोधित किया।

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 24.11.2021 को कौमी एकता सप्ताह के तहत "महिला दिवस" के रूप में मनाया गया। डॉ. जुलेखा राजेश पटेल, इतिहास विभाग ने इस अवसर पर कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं, आज नारी आत्मनिर्भर बन रही है, अपने पैर में खड़ी हो रही है, स्वयं के रोजगार से आर्थिक रूप से सबल हो रही है। अपने परिवार व देश की सेवा कर रही है, बालक की प्रथम गुरु माँ ही होती है। हर गाँव में महिलाओं ने राशि बचत कर बड़ी पूंजी बना ली है। डॉ. एस. आर. कन्नोजे ने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में जागरूक होना होगा, सजगता और जागरूकता से ही महिलाओं की स्थिति बेहतर हो सकती है। अपने भीतर के आत्मविश्वास को जगाकर संघर्ष करते हुये बेहतर मुकाम पा सकती है। हिम्मत रखें, खुद को तैयार रखें।

दिनांक 25.11.2021 को कौमी एकता सप्ताह के तहत "पर्यावरण संरक्षण दिवस" के रूप में मनाया गया। सभा को संबोधित करते हुये डॉ. निर्मला उमरे अर्थशास्त्र विभाग ने कहा कि हमें अपनी जिम्मेदारी निभाते हुये स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण बनाने की दिशा में प्रयास करना होगा, सरकार के ऊपर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहा जा सकता, प्लास्टिक से नाता तोड़े थैला से नाता जोड़े, समाज में स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता जगायें। डॉ. जुलेखा राजेश पटेल ने कहा कि हवा, पानी, जमीन, मिट्टी प्रदूषित न हो, प्रकृति में संतुलन रखकर ही हम लम्बी उम्र जीवन जी सकते हैं, असंतुलित होने पर कई तरह के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा। डॉ. एस. आर. कन्नोजे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा हमें हवा, जल, को प्रदूषित होने से बचाना होगा, यही समय की माँग है।

Scanned with OKEN Scanner

नवम्बर को संविधान दिवस मनाया गया —

दिनांक 26 नवम्बर 2021 को डॉ. आई. आर. सोनवानी सेवा प्राचार्य के मार्गदर्शन में "संविधान दिवस" मनाया गया। मुख्यअतिथि श्री देवाशीष ठाकुर न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक प्राधिकरण, विशेष वक्ता के रूप में श्री गजेन्द्र बक्शी अधिवक्ता, तथा श्री राजेश चंदेल अधिवक्ता शामिल रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रगान व राज्यगीत से हुआ, प्राचार्य महोदय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। श्री ठाकुर ने कहा कि संविधान हमें शिक्षा देता है कि हमें एक दूसरे का सम्मान करना चाहिये और अनुशासन में रहना चाहिये, प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा व सम्मानपूर्ण जीने का अधिकार है। श्री राजेश चंदेल अधिवक्ता ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर द्वारा निर्मित संविधान सभी व्यक्ति को अच्छे नागरिक बनना सिखाता है। श्री गजेन्द्र बक्शी अधिवक्ता ने दृष्टांत के द्वारा संविधान के महत्व को समझाया। प्राचार्य महोदय ने तीसरे जागरण की आवश्यकता पर बल दिया तथा अधिकार व कर्तव्यों को जानने से ही सभी का कल्याण होगा।

20. **विश्व एड्स दिवस मनाया** — दिनांक 01.12.2021 को महाविद्यालय में "विश्व एड्स दिवस" मनाया गया, डॉ. आई. आर. सोनवानी सेवा प्राचार्य ने कहा कि भारत में लगभग 21 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं प्रमुख कारण अशिक्षा व अज्ञानता नजर आता है, सभी को एड्स के वैज्ञानिक पहलुओं को समझने व बचाव हेतु प्रयास करने की जरूरत है, नैतिक शिक्षा व शिष्टाचार पर ध्यान आवश्यक है। डॉ. एस. आर. कन्नौजे रा.से.यो. कार्य. ने कहा कि HIV वायरस शरीर के प्रतिरोधक सेल्स को नष्ट करता है, एच.आई.वी. का अगला चरण एड्स है जो कि अधिकतर असुरक्षित यौन संबंध से होता है। डॉ. ... भगत ने कहा कि एड्स पीड़ितों के लिये समाज में दृष्टिकोण के साथ संवेदनशीलता व सहयोग की ... आयोजन किया गया।

26. **राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया -**

दिनांक 25.1.2022 को महावि. में डॉ. निर्मला उमरे संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस (12वाँ) मनाया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय ने शपथ दिलाई तथा कहा कि हमें निर्भय होकर, बिना डर के, घर से निकलकर अवश्य मतदान करने जाना है, हमारे सही प्रतिनिधी के चुनाव से सही लोकतंत्र मजबूत होगा व देश को सही प्रतिनिधी मिल सकेगा। डॉ. एस.आर. कलोसे रासेयो अधिकारी ने कहा कि हमारा वोट महत्वपूर्ण है, वोट देने से न चूके, हर काम को छोड़कर पहले मतदान करें। डॉ. नागरत्ना गणवीर नोडल अधिकारी (स्वीप कार्यक्रम) ने कहा कि हमें जाति, धर्म, सम्प्रदाय, लिंग, वर्ग से ऊपर उठकर मतदान करने जाना है, सही व उपयुक्त प्रतिनिधी का चुनाव करना है। इस अवसर पर [illegible] कुमार लाडे B.Sc III (Bio) कैंपस एम्बेसडर को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महावि. के अधिकारी, कर्मचारी व अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

27. **गणतंत्र दिवस मनाया -** दिनांक 26.1.2022 को 73वाँ गणतंत्र दिवस डॉ. निर्मला उमरे प्राचार्य के उपस्थिति में उल्लासपूर्वक मनाया गया। डॉ. उमरे ने ध्वजारोहण किया, तथा सभा को संबोधित करते हुये कहा कि भारत को नियमबद्ध तरीके से चलाने के लिये कानून की आवश्यकता थी, सो देश का कानून 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। कानून का पालन सभी भारतीयों के लिये सर्वोपरि है। डॉ. एस. आर. कलोसे रा.से.यो. अधिकारी ने बताया कि संविधान को तैयार करने में 2 वर्ष 11 महीने व 18 दिन का समय लगा है, डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में समिति का गठन किया गया। सभा को डॉ. नागरत्ना गणवीर व डॉ. कुलसो राजेश पटेल (इतिहास) ने संबोधित किया। इस अवसर पर महावि. में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

28. शहीदी दिवस मनाया —

दिनांक 23.3.2022 को रा.से.यो. व इतिहास विभाग के तत्वाधान में डॉ. निर्मला उमरे प्राचार्य के मार्गदर्शन में शहीद भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहादत दिवस को शहीदी दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ. उमरे ने उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता व देशभक्ति की शपथ दिलायी। डॉ. एच.आर. कुलाले रासेयो अधिकारी ने कहा कि ये वीर सपूत मातृभूमि के लिये अपना बलिदान दिये है यह युवाओं के लिये प्रेरणास्त्रोत है, इतनी कम उम्र में आगे आये और स्वतंत्रता के लिये इन्होंने बहादुरी के साथ संघर्ष किया। डॉ. फुलमो राजेश पटेल इतिहास विभाग ने कहा कि क्रांतिकारी मार्ग पर चलते हुये, इंकलाब जिंदाबाद का नारा देते हुये देश के युवाओं को आजादी के लिये जुनून, जज्बा, राष्ट्रप्रेम की भावना के लिये अपने आप को समर्पित कर दिया।

29. रामपुर में तंबाकू विरोध दिवस मनाया —

दिनांक 31.5.2022 को ग्राम रामपुर में नशा उन्मूलन अभियान के तहत डॉ. निर्मला उमरे संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में "विश्व तंबाकू विरोध दिवस" मनाया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती रत्ना बोरकर सरपंच ग्राम पंचायत रामपुर थी। डॉ. एच.आर. कुलाले रासेयो अधिकारी ने कहा कि प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता है इस बार का विषय है — "पर्यावरण की सुरक्षा करें"। भारत में लगभग 27 करोड़ लोग तंबाकू का सेवन करते है, भारत में तंबाकू के कारण प्रतिवर्ष लगभग 13.5 लाख लोग मर जाते हैं जो चिंता का विषय है। श्रीमती रत्ना बोरकर, सरपंच ने कहा कि तंबाकू तन व मन को खोखला कर देता है, सोचने व समझने की शक्ति समाप्त हो जाती हैं, बुरे बुरे ख्याल आते है, अपराध की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। इस पर पूर्ण प्रतिबंध जरूरी है। सभा को डॉ. शैलेन्द्र भगत, डॉ. फुलमो राजेश पटेल, प्रो. सुषमा खरे ने भी संबोधित किया।

Scanned with OKEN Scanner

विश्व पर्यावरण दिवस मनाया -

दिनांक 5/6/2022 को महाविद्यालय में डॉ. निर्मला उमरे प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया गया, डॉ. उमरे ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि इस बार का विषय है - "केवल एक धरती" (Only one Earth) धरती हमारी माता है अपने माँ के प्रति पुत्रवत व्यवहार रखना है, धरती हमें अन्न, जल व वायु प्रदान करती है, पेड़ पौधों को अपने कोख में स्थान देती है। सब मिलकर धरती को हरियाली की चादर ओढ़ाये, धरती बचेगी तो हम बचेंगे।

डॉ. एस.आर. कन्नौजे रासेयो. अधिकारी ने कहा कि धरती में सभी जीवों का अपना महत्व है, इकोसिस्टम में खाद्य श्रृंखला के आधार पर सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, जैव विविधता को बनाये रखना है, हम जीवन शैली में सुधार करें।

इस अवसर पर महावि. के गार्डन में 05 कलदार रोपे गये तथा वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

विद्यार्थियों हेतु निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया - विषय :- "केवल एक धरती"। निबंध प्रति. में प्रथम कु. करूणा साहू बी.एस.सी. - I (B) द्वितीय - कु. ईशिका गुनवानी बी.ए.-2, तृतीय कु. सुरभि देवांगन बी.एस.सी.-2 (गणित) रही। पोस्टर प्रति. में प्रथम कु. अमनदीप रनक बी.कॉम.3, द्वितीय कु. सुरभि देवांगन बी.एस.सी.-2 (गणित) तृतीय अजय कुमार साहू बी.एस.सी.3 (B) रहे।

गोद ग्राम - कोटरासरार में "पर्यावरण सभा" का आयोजन किया गया, मु.अ. श्री [illegible] कोरिम सरपंच कोटरासरार रहे। डॉ. एस.आर. कन्नौजे ने दिवस की महत्ता को बतलाते हुये हवा, पानी, धरती, भोजन को स्वास्थ्य व स्वच्छ रखने की अपील की। सभा को श्री परमेश्वर वर्मा (गणित विभाग), श्री [illegible] (हिन्दी विभाग) ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर श्री मोहन लाल साहू उपसरपंच, श्री टाहन साहू पूर्व सरपंच व ग्रामीण महिला व पुरुष अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

DATE:

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया-

दिनांक 21.6.2022 को डॉ. सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" मनाया गया। डॉ. बघेल ने कहा कि योग शारीरिक व मानसिक संतुलन को बनाये रखने में मददगार है, योग शारीरिक स्वास्थ्य, स्नायुतंत्र व कंकालतंत्र को सुचारूरूप से करने हेतु प्रेरित करता है, हृदय व नाड़ियों के स्वास्थ्य के लिये हितकर आधार है। यह मधुमेह, श्वसन संबंधी विकार, उच्च व निम्न रक्तचाप, जीवनशैली संबंधी विभिन्न विकारों के प्रबंधन में लाभकर है। योग अवसाद, थकान, चिंता संबंधी विकार व तनाव को कम करने में सहायक है। योग शरीर व मन के निर्माण की ऐसी प्रक्रिया है जो समृद्ध व परिपूर्ण जीवन की उन्नति का मार्ग है, सभी योग करें व स्वस्थ रहें।

योग प्रशिक्षक श्री शेखर वर्मा, श्री अनीष बारेकर श्री जयंत खुराटे, व सुनील सोनकर ने योगाभ्यास के प्रोटोकाल के तहत ग्रीवाचालन, स्कंध संचालन, कटिसंचालन, घुटना चालन, ताड़ासन, वृक्षासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्धउष्ट्रासन, शशांकासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, सेतुबंधासन, अर्धहलासन, पवनमुक्तासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम प्राणायाम, शीतली, भ्रामरी प्राणायाम कराया तथा सभी को स्वस्थ रहने हेतु संकल्प दिलाया व शांति पाठ कराया। इस अवसर पर महावि. के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
क्र. ....
दि. ....
राजनांदगांव (छ.ग.)

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस दिनांक 10.10.2018

डॉ. मोना माखीजा (मनोविश्लेषक) का शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में व्याख्यान

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में दिनांक 10.10.2018 को यूथरेडकास इकाई एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती गन्धेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के युवा विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्द्धा के इस युग में मानसिक तनाव कम करने, संतुलित, सुखद एवं स्वस्थ जीवन हेतु व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस कार्यकम में मुख्य वक्ता के रूप में मनोविश्लेषक डॉ. मोना माखीजा राजनांदगांव रही। इस कार्यकम के शुभारंभ में डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कार्यकम का संचालन एवं कार्यकम के उद्देश्य पर विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। सर्वप्रथम प्राचार्य का स्वागत पुष्प गुच्छ से महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. निर्मला उमरे के द्वारा किया गया। डॉ. मोना माखीजा का स्वागत डॉ. फुलसो राजेश पटेल यूथ रेडकास सदस्य द्वारा पुष्प गुच्छ से किया गया। मनोविश्लेषक डॉ. मोना माखीजा ने छात्र–छात्राओं से प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत करते हुए कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति की पहचान क्या है? क्या कोई व्यक्ति शतप्रतिशत स्वस्थ हो सकता है? सकारात्मक विचार और नकारात्मक विचार व्यक्ति को कैसे प्रभावित करता है? इन सारे प्रश्नों का उत्तर बड़े ही रोचक ढंग से कई घटनाओं का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों से कई सारी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के कई टिप्स दिये। इस कार्यकम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे और कई मानसिक स्वस्थ संबंधी प्रश्नों के माध्यम से नई–नई जानकारी प्राप्त किया। विद्यार्थियों से फीडबैक लिया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने क्लीन माइंड, क्लीन बॉडी, क्लीन इन्वायरमेंट और क्लीन सोसायटी के लिए इस तरह के कार्यकम को व्यक्ति के जीवन के लिए लाभप्रद बताया तथा समय–समय पर इस तरह के व्याख्यान का आयोजन को होना जरूरी कहा।

कार्यकम के अंत में यूथरेडकास प्रभारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यकम में मुख्य रूप से डॉ. श्रीमती निर्मला उमरे–अर्थशास्त्र, डॉ. नागरत्ना गनवीर–राजनीति विज्ञान, वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष– डॉ. ए.एन. माखीजा, प्रो. अनिल चन्द्रवंशी तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।

यूथ रेडकास प्रभारी
डॉ. एलिजाबेथ भगत

(डॉ. गन्धेश्वरी सिंह)
प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

मनोविश्लेषक डॉ. मोना मारपीना का मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान

नई दुनिया 13/10/2018

मानसिक तनाव से दूर रहने विद्यार्थियों को दिए गए टिप्स

राजनांदगांव। नईदुनिया न्यूज

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के यूथरेडक्रास इकाई एवं वाणिज्य विभाग द्वारा प्रतिस्पर्धा के इस युग में मानसिक तनाव कम करने, संतुलित, सुखद एवं स्वस्थ जीवन के लिए व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मनोविश्लेषक डा.मोना मार्डीजा रही। डा. एलिजाबेथ भगत ने कार्यक्रम का संचालन एवं कार्यक्रम के उद्देश्य पर विद्यार्थियों का

राजनांदगांव। व्याख्यान में विद्यार्थियों ने जिज्ञासा से कई सवाल भी पूछे।

ध्यान आकर्षित किया। मनोविश्लेषक डा. मोना मार्डीजा ने छात्र-छात्राओं से प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत करते हुए कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति की पहचान क्या है? क्या कोई व्यक्ति शतप्रतिशत स्वस्थ हो सकता है? सकारात्मक विचार और नकारात्मक विचार व्यक्ति को कैसे प्रभावित करता है? इन सारे प्रश्नों का उत्तर बड़े ही रोचक ढंग से कई घटनाओं का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों से कई सारी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के कई टिप्स दिये। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे और कई मानसिक स्वास्थ संबंधी प्रश्नों के माध्यम से नई-नई जानकारी प्राप्त किया।

विद्यार्थियों से फीडबैक लिया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने क्लीन माइंड, क्लीन बॉडी, क्लीन इन्वायरमेंट और क्लीन सोसायटी के लिए इस तरह के कार्यक्रम को व्यक्ति के जीवन के लिए लाभप्रद बताया तथा समय-समय पर इस तरह के व्याख्यान का आयोजन करते होना जरूरी कहा। कार्यक्रम के अंत में यूथरेडक्रास प्रभारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. निर्मला उपरे, डा. नागरत्ना गनवीर, डा.एम माखीजा, प्रोफेसर अनिल चन्द्रवंशी व अन्य उपस्थित थे।

नई दुनियाँ 13/10/2018

Scanned with OKEN Scanner

संविधान की 70 वीं वर्षगांठ में मौलिक कर्तव्य जागरूकता कार्यक्रम

17-12-2019

आदेश क्रमांक 3107/133/आउशि दिनांक 13/12/2019 - कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा ब्लॉक-3 द्वितीय एवं तृतीय तल इन्द्रावती भवन नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

(1) आज दिनांक 17.12.2019 को प्राचार्य डा. गंधेश्वरी सिंह के निर्देशन में शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में भारतीय संविधान की 70 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नागरिकों मौलिक कर्तव्य पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डा. नागरत्ना गनवीर ने सर्वप्रथम भारतीय नागरिकों के मूल कर्तव्य के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि - 1976 में संविधान में नागरिकों के मूल कर्तव्य जोड़े गये संविधान के भाग 4 में "चतुर्थ अ" जोड़ा गया जिसमें नागरिकों के 10 मूल कर्तव्य बताये गये। 86 वें संवैधानिक संशोधन 2002 के आधार पर अनुच्छेद 51 (क) को संशोधित करते हुए 11 वां मूल कर्तव्य जोड़ा गया है-

((माता-पिता या संरक्षक का यह कर्तव्य होगा कि 6 से 14 वर्ष की उम्र के अपने बच्चों को शिक्षा के लिए अवसर प्रदान करे।)

इस अवसर पर महाविद्यालय में प्रश्न मंच का आयोजन किया गया जिसमें अरविन्द (बी.ए. III) प्रथम आशीष वर्मा (बी.ए. I) द्वितीय एवं खुशबू (बी.ए. I) तृतीय रहीं।

— भारतीय नागरिकों के मौलिक कर्तव्य पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें नरेश कुमार उइके (B.Sc III बायो) प्रथम एवं अरविन्द कुमार सिन्हा (B.A III) द्वितीय एवं डाली मानकर (B.A I) तृतीय रहीं।

— इस अवसर पर पेंटिंग प्रतियोगिता भी रखी गई थी

विजयी (1) केशव - B.Sc III बायो - I
नरेश उइके (B.Sc III बायो) प्रथम रहे

→ अल्पसंख्यक आयोग के निर्देशानुसार महात्मा गांधी जी की 150वीं वर्षगांठ पर निबंध प्रतियोगिता रखी गई थी जिसमें

(1) मनीष वर्मा (B.A I.) प्रथम
(2) सोनल (B.A. I) द्वितीय रहे

कार्यक्रम ज्ञानवर्धक रहा। प्रश्नमंच में सभी छात्र उत्साहित और जागरूक प्रतीत हुए। इस अवसर पर डॉ. फूलसो पटेल डॉ. [illegible] नायक, प्रो. कुमारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उपस्थित

होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्राध्यापकों के हस्ताक्षर

डॉ. फूलसो पटेल
डॉ. [illegible] नायक —
प्रो. कुमारी उपाध्याय — कुमारी उपाध्याय

संयोजक

प्राचार्य

Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

संविधान दिवस

~~अंतर्महाविद्यालयीन प्रतियोगिता~~

संविधान दिवस के सम्बंध में वाद-विवाद प्रतियोगिता

शास० दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में संविधान दिवस के सम्बंध में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 07/01/2020 को किया जा रहा है।

जिसमें निम्नलिखित प्रतिभागी पक्ष एवं विपक्ष में चयनित किये गये हैं-

पक्ष - अनुष्का कोशले मो० नं. 9685013425 Kosare

विपक्ष - प्रियंका शुक्ला मो० नं. 8839885483 [signature]

संयोजक
डॉ० नागरत्ना गनवीर

Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

शास० शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

संविधान विषय पर अन्तर्महाविद्यालयीन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

संविधान दिवस के 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के निर्देशानुसार महाविद्यालय द्वारा दिनांक [illegible] को प्रातः 11 बजे संविधान पर आधारित अन्तर्महाविद्यालयीन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में निम्नलिखित विद्यार्थी सहभागिता निर्वहन करेंगे।

विद्यार्थियों का नाम	कक्षा		फोन नं.
1- लिलेश दिवलीवार	BSC II	BIO	7974538991
~~2- केवल कुमार~~	BSC III	BIO	9171368976
3 जितेन्द्र वर्मा	BSC III	BIO	8319645052
4 अरविन्द	B.A. III		769795276

आयोजक — सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय दुर्ग

आजादी की 75 वीं वर्षगांठ

"अमृत महोत्सव"

दिनांक
25-10-2021

आज दिनांक 25-10-2021 को प्राचार्य डॉ. आई. आर सोनवानी के निर्देशन में 'आजादी का अमृत महोत्सव" पर कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर के कुशल मार्गदर्शन में छ. ग. के 'स्वतंत्रता सेनानी" पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 6 (छात्रा) विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संयोजक डॉ. गनवीर द्वारा छ. ग. के स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी दी गई। डॉ. एलिजाबेथ भगत ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम को सफल बनाया।

→ दिनांक 28-10-2021 को छ. ग. के स्वतंत्रता सेनानियों की जीवन गाथा पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 09 विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया।

आजादी का अमृत महोत्सव

क्र.	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	दिव्या मडावी	B.A. III	Divya
2	लक्ष्मी माणिकपुरी	B.A. III	Laxmimanikpuri
3	रुमेश्वर वर्मा	B.A. III	रुमेश्वर वर्मा
4	मिथलेशा कोडापे	B.A. III	[signature]
5	प्रमोद कन्नौजे	B.A. III	[signature]
6	सिद्धार्थ गायकवाड़	B.A. III	[signature]
7	नेहा साहू	B.A. II	[signature]
8	दुलेश्वरी चंद्रवंशी	B.A. II	Duleshwari
9	आकाश कुमार	B.A. II	आकाश कुमार
10	देवनारायण नलिया	B.A. II	[signature]
11	सूरजलाल डोंडरे	B.A. II	[signature]
12	वैभव बागडे	B.A. II	[signature]
13	सागर साहू	B.A. II	Sagar
14	रेखा साहू	B.A. II	[signature]
15	निलिमा साहू	B.A. II	Nilima
16	दिव्या साहू	B.A. II	Divya
17	सोनिया गुप्ता	B.A. II	Soniya Gupta
18	दालेश्वरी वर्मा	B.A. I	दालेश्वरी वर्मा
19	छवि यादव	B.A. I	छवि यादव
20	बरखा यादव	B.A. I	बरखा यादव
21	शारदा यादव	B.A. I	Sharda yadav
22	प्रिया साहू	B.A. I	प्रिया साहू
23	नेहा देशमुख	B.A. I	नेहा देशमुख
24	संजना सिसोदिया	B.A. I	संजना सिसोदिया
25	सोनम चन्द्राकर	B.A. I	[signature]
26	लक्ष्मी साहू	B.A. I	Laxmi
27	लोमन पाल	B.A. I	[signature]
28	रुपेश वर्मा	B.A. I	Rupesh Verma
29	दुर्गेश साहू	B.A. I	Durgesh Sahu

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
30	सुशांत	B.A. I	[signature]
31	हेमंत कुमार	B.A. I	[signature]
32	कौशिल्या	B.A. I	[signature]
33	राजन यादव	B.A. I	राजन यादव
34	सोमा लाल	B.A. I	सोमा लाल
35	सागर कोलेश्वर	B.A. I	[signature]
36	गौतम	B.A. I	[signature]
37	लोकेश्वर	B.A. I	लोकेश्वर
38	रूपेश सिन्हा	B.A. I	रूपेश सिन्हा
39	शौम्या बान्धव	B.A. III	[signature]
40	दिव्या मडावी	B.A. III	[signature]
41	मिथलेशा कोडापे	B.A. III	[signature]
42	रुमेश्वर वर्मा	B.A. III	रुमेश्वर वर्मा
43			

प्राध्यापकों के नाम एवं हस्ताक्षर

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
45		
46	डॉ. निर्मला उमरे	
47	डॉ. एस. आर. कन्नौजे	[signature]
48	डॉ. फुलसो पटेल	[signature]
49	डॉ. ए. आर.	[signature]
50	प्रो. अमित चतुर्वेदी	
51	प्रो. स्वाति तिवारी	[signature]
52	श्रीमती सीमा ए. लाल	[signature]
53		
54		
55		
56		
57		
58		

[signature]
संयोजक
डॉ. नागरत्ना गनवीर

[signature]
Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
59			
60			
61			
62			
63			
64			
65			

"अमृत महोत्सव"

पोस्टर प्रतियोगिता / (स्वतंत्रता सेनानी)

25-10-2021

क्रमांक	नाम	कक्षा	
①	जयश्री साहू	BSC I (बायो)	द्वितीय
②	टिकेश्वरी यादव	B A I	
③	किरण सलामे	B.A.I	द्वितीय
(4)	पारस साहू	B A I	प्रथम
(5)	करुणा साहू	B S C I (बायो)	
(6.)	संजना साहू	B.A II	

दिनांक 28.10.2021

आकला प्रतियोगिता (स्वतंत्रता सेनानी)

क्रमांक	नाम	कक्षा	
(1)	संजना — B.A. II		
(2)	ज्योति निषाद	B A II	
(3)	सौम्या	B A III	
(4)	टिकेश्वरी	B A I	
(5)	फुलेन्द्र	B A I	द्वितीय
(6)	करुणा	BSC I	प्रथम
(7)	रुपेश	B A I	
(8)	टाकेश	B A I	
(9)	योगेन्द्र	B A I	तृतीय

Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

आजादी का अमृत महोत्सव

दिनांक 28.10.2021

आज दिनांक 28.10.2021 को शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगाँव में "आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर भारत के स्वतंत्रता सेनानी एवं छ.ग के स्वतंत्रता सेनानियों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कुल 09 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की संयोजक डॉ० नागरत्ना गनवीर ने भारत

विद्यार्थी का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1) अमेन्द्र साहू	B.A I st	अमेन्द्र
2) पारस साहू	BA I st	पारस साहू
3) पुष्पेन्द्र सिन्हा	BA I st	पुष्पेन्द्र
4) सुभाष	BA I year	[illegible]
5) हेमेश कुमार	B.A. I Year	[illegible]
6) मनीष कुमार	B.A. I year	Manish sahu
7) [illegible] साहू	B.A I Year	[illegible]
8) [illegible]	B.A.I	[illegible]
9) [illegible]	B.A.I	[illegible]
10) [illegible]	B.[illegible] year	[illegible]
11) [illegible] साहू	BA I	[illegible]
12) विकास वर्मा	B.com III year	[illegible]
13) रेणुका मारकण्डे	BSC I year	Renuka

नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
(14) अल्पना साहू	B.S.C I year (Bio)	अल्पना साहू
(15) [illegible] साहू	B.S.C I year (Bio)	[illegible]
(16) भूमिका सिन्हा	B.COM. 2 year	Bhumika
(17) अंजली [illegible]	B.Com 2 year	[illegible]
(18) ऐश्वर्या राय	B.A. II year	ऐश्वर्या राय
(19) श्रुति साहू	B.A. II year	Shruti sahu
(20) [illegible] साहू	B.A II year	[illegible]
(21) [illegible]	B.A. II year	[illegible]
(22) साक्षी यादव	B.A. II year	साक्षी यादव
(23) नेहा साहू	B.A. II year	Sahu
(24) दीपा भारद्वाज	B.A. II year	Deepa
(25) निलिमा साहू	B.A - II years	Nilima sahu
(26) डुलेश्वरी मंडावी	B.A - II year	Duleshwari
(27) शारदा यादव	B.A I year	Sharda yadav
(28) ढालेश्वरी वर्मा	B.A I year	Dhaleshwari
(29) कुमेश्वरी साहू	B.A. I year	कुमेश्वरी साहू
(30) मनीषा चक्रधारी	B.A I year	Manisha
(31) नेहा [illegible]	B.A I year	Neha
(32) डिलेश्वरी यादव	B.A I year	Dileshwari
(33) संजना साहू	B.A. II year	Sanjana
(34)		
(35)		
(36)		
(37)		
38		
(39)		
(40)		
(41)		
(42)		

आजादी का अमृत महोत्सव (45)

02-10-21

वीर सपूतों और देश के लिए अपने प्राण को बलिदान करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का संक्षिप्त में परिचय कराया। प्राध्यापक प्राचार्य डा. आई. आर. सोनवानी ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में राजा-महाराजा से लेकर किसान, मजदूर, आदिवासी सभी लोगों ने भाग ले कर अंग्रेजों से टक्कर लिया। स्वतंत्रता की पहली शुरुआत यहीं से होती है धीरे-धीरे अंग्रेजों का साम्राज्य धराशायी होने लगा। महात्मा गांधी द्वारा चलाये गये असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन ने क्रांतिकारियों को अंग्रेजों को भारत छोड़ने विवश कर दिया और हमें आजादी मिली।

(1) करुणा साहू B.Sc. I ने झांसी की रानी लक्ष्मी बाई पर भाषण दिया

(2) सौम्या (B.A. 3) — वीर नारायण सिंह

(3) संजना - (B.A. I) झांसी रानी

(4) ज्योति निर्मलकर (B.A. II) सरोजनी नायडू

(5) समेंद्र साहू (B.A. I) कन्हैया लाल

(6) भुनेश्वरी (B.A. I) पं. सुन्दरलाल शर्मा

(7) पुष्पेन्द्र (B.A. I) - देशभक्ति गीत

(8) रूपेश वर्मा (B.A. I) - रोशनी बाई

(9) राकेश (B.A. I) ठाकुर प्यारे लाल

इत्यादि सभी विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से अपने विचार

(46)

प्रस्तुत किया।

भाषण प्रतियोगिता के विजेता रहे

(1) करुणा साहू (B.Sc. I) प्रथम

(2) पुष्पेन्द्र (B.A. I) द्वितीय

(3) समेन्द्र साहू (B.A. I) तृतीय

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डा. ए. आर. मारवीना, डा. पी. पटेल, डा. हरिशंकर भगत, प्रो. अनिल चन्द्रवंशी एवं सभी स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

उपस्थित प्राध्यापकों के हस्ताक्षर

(1) डा. ए. आर. मारवीना

(2) डा. पी. पटेल

(3) डा. ए. आर. भगत

(4) प्रो. अनिल चन्द्रवंशी

(5) प्रो. स्वाति तिवारी

(6) डा. ए. के. झा

(7) श्रीमती सीमा ए. बोस

संयोजक

डा. नागरत्ना गनवीर

प्राचार्य

Principal
Govt. Shaheed Kaushal Yadav College
Gunderdehi (C.G.)

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित [illegible]

विजेता प्रतिभागी 29-12-2021

मेंहदी प्रतियोगिता		
[illegible]	B.A. - II	प्रथम स्थान
[illegible]	B.Sc. MATHS - III	द्वितीय स्थान
[illegible]	B.COM - II	तृतीय स्थान
पाककला प्रतियोगिता		
[illegible]	MSC - I SEM	प्रथम स्थान
[illegible]	B.COM - III	द्वितीय स्थान
[illegible]	B.A. - II	तृतीय स्थान
सलाद सजावट प्रतियोगिता		
[illegible]	B.COM - [illegible]	प्रथम स्थान
[illegible]	B.COM - [illegible]	द्वितीय स्थान
[illegible]	B.COM - III	तृतीय स्थान
पुष्प सज्जा प्रतियोगिता		
[illegible]	B.A. - II	प्रथम स्थान
[illegible]	B.A. - II	द्वितीय स्थान
रंगोली प्रतियोगिता		
[illegible]	B.Sc. MATHS - I	प्रथम स्थान
[illegible]	B.Sc. MATHS - III	द्वितीय स्थान
[illegible]	B.Sc. BIO - I	तृतीय स्थान
पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता		
[illegible]	B.Sc. BIO	प्रथम स्थान
[illegible]	B.Sc. BIO - II	द्वितीय स्थान
[illegible]	B.Sc. BIO - II	तृतीय स्थान

संयोजक
डॉ. नागरत्ना गनवीर

Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

E/OMHARI/GANVEER MADAM

दिनांक 29-12-2021 मेंहदी प्रतियोगिता की झलकियाँ

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

विधिक साक्षरता कार्यक्रम

एड्स जागरूकता अभियान
एड्स का ज्ञान-बचाये जान

सेवा योजना
विज्ञान महाविद्यालय
दुर्ग

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना

रीय एकता दिवस (31 Oct. 2017) पर डॉ. रमन सिंह सर्म

राष्ट्रीय सेवा योजना
SVEEP
राजनांदगांव

राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान
स्वच्छता है जहाँ स्वर्ग है वहाँ।
शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

स्वच्छता ही सेवा

राष्ट्रीय सेवा योजना
SERVICE SCHEME

मानव अधिकार दिवस शपथ दि. 10.12.17

श्मशानघाट की सफाई कार्य - दि. 10.09.2017

शतप्रतिशत मतदान हेतु जन जागरूकता साइकिल रैली दि॰ 16-3-2019

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम
(स्वीप)

वृक्षारोपण

शत प्रतिशत मतदान हेतु जन जागरूकता साइकिल रैली दिनांक 16.3.2019

ी एकता सप्ताह में विभिन्न विषयों पर चर्चा दि. 19.11.2018

रक्तदान-जीवनदान-महादान

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के
अवसर पर राष्ट्रीय एकता शपथ
दिनाक - 31.10.2018

राष्ट्रीय सेवा योजना
राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

एड्स दिवस

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगाँव (छ.ग.)
एड्स जागरूकता कार्यक्रम
रेड रिबन क्लब अभियान
युथ अफेयर युनिट

सन् 2018-2019 को रा.से.यो. द्वारा उत्कृष्ठ सामाजिक कार्य करने पर प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते श्री किशोर यादव, सरपंच, ग्राम पंचायत रामपुर

इको क्लब द्वारा "विश्व पृथ्वी दिवस" मनाया गया दि.22.4.22

राष्ट्रीय सेवा योजना

रेड रिबन क्लब
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
Gaurav Path, Basantpur, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.087322°
Long 81.025407°
12/01/22 01:51 PM
Google

कौमी एकता सप्ताह
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
Gaurav Path, Basantpur, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat N 21° 5' 14.6316"
Long E 81° 1' 31.62"
24/11/21 11:09 AM
Google

राष्ट्रीय सेवा योजना
(NATIONAL SERVICE SCHEME)
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
Gaurav Path, Basantpur, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat N 21° 5' 14.7156"
Long E 81° 1' 31.7316"
05/06/21 11:59 AM
Google

Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32QF+2VV, Basantpur, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat N 21° 5' 14.4348"
Long E 81° 1' 28.5672"
04/08/21 12:08 PM
Google

राष्ट्रीय सेवा योजना
राष्ट्रीय सेवा योजना

Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
05/06/21 12:13 PM
Google

स्वच्छता के लिये युवा

पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना

सत्र 2021-22

वृक्षारोपण 10.7.2021

SVEEP
मतदाता सत्यापन कार्यक्रम

मुख्यमंत्री युवा स्वालम्बन योजना (MYSY)
MUKHYAMANTRI YUVA SWALAMBAN YOJANA

दिनांक 30.08.2017 को महाविघालय के रोजगार एवं मार्गदर्शन सेल के तत्वाधान में मुख्यमंत्री युवा स्वालम्बन योजना (MYSY) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में चिप्स कार्यालय रायपूर से श्री विशाल सिंह एवं एस्पाइरिंग माईण्डस से श्री निशांत ठाकुर जी ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला का

प्रारंभ करते हुए संस्था का प्रचार्य डा. सुमन सिंह बघेल ने MYSY योजना का महत्व पर प्रकाश डालते हूए सभी विघार्थियों को इस योजना के तहत पंजीयन होने के लिए प्रेरित किये। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा स्वालंबन योजना का शरूआत सत्र 2016–17 में हुई। इस योजना के तहत स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को शामिल किया जाता है। यह योजना भारत देश में केवल छत्तीसगढ़ में ही संचालित हैं जो छत्तीसगढ़ के 4 जिले के 25 महाविघालय में यह योजना संचालित हैं। राजनांदगांव जिले के 5 महाविघालय दिग्विजय महाविघालय, कमलादेवी महाविघालय, खैरागढ़ महाविघालय, डोंगरगांव महाविद्यालय एवं शिवनाथ विज्ञान महाविघालय में संचालित हो रही है सत्र 2016–17 में इस महाविघालय से 90 छात्र छात्राएं रजिस्टर हुए थे जिसमे से लगभग 48 छात्र छात्राएं टेस्ट परीक्षा में शामिल हुए थे। टेस्ट परीक्षा के आधार पर 6 विघार्थी का चयन साक्षात्कार के लिए एवं 25 विद्यार्थियों का चयन प्रशिक्षण के लिए हुआ था ।

कार्यशाला में श्री विशाल सिंह में महाविद्यालय के विद्यार्थियों से वार्तालाप किए। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा स्वालम्बन योजना (MYSY) के तहत विद्यार्थियों का पंजीयन एवं टेस्ट परीक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान की। इस योजना में एक ऑनलाइन टेस्ट परीक्षा होता है

Scanned with OKEN Scanner

और यह परीक्षा AMCAT (ASPIRING MINDS) द्वारा संचालित की जाती है इस परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का आकलन किया जाता हे इसमें दो प्रकार की सूची तैयार की जाती है पहला HireableList और दूसरा Trainable List |Hireable list में शामिल विद्यार्थी सीधे साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है तथा Trainable list में ऐसे विद्यार्थी शामिल रहते है जिनका Performance ट्रेनिंग देकर सुधार किया जाता हैं ।

श्री निशांत ठाकुर जी में कार्यशाला में Testपरीक्षा में शामिल पाठयक्रम को बताया । इन्होंने बताया कि इस ऑनलाइन परीक्षा में गणितीय अभिरूचि, अंग्रजी व्याकरण तर्कशक्ति को शामिल किया गया है। परीक्षा में प्रत्येक भाग में 500 अंक के होते है जिनमें से 350 अंक पाने वाले विद्यार्थियों का चयन किया जाता है । चयनित विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्र जैसे–IT Services, BPO, Banking, Manufacting, Telecom, Electronics में जॉब के लिए प्रस्ताव भेजा जाता हैं। कार्यशाला के अंत में (MYSY) के नोडल अधिकारी श्री अनिल चंद्रवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा स्वालम्बन योजना छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। इस योजना के माध्यम से स्नातक विद्यार्थियों के लिए रोजगार का एक सूनहरा अवसर होगा। स्नातक उत्तीर्ण होने के बाद विद्यार्थी रोजगार की तलाश में भटकते रहते है इसलिए इस योजना के माध्यम से टेस्ट परीक्षा में शामिल होकर लाभान्वित हो सकते है।

Scanned with OKEN Scanner

जीवन कौशल
LIFE SKILLS

दिनांक 04.08.2017 को रोजगार एवं मार्गदर्शन सेल के तत्वाधान में एवं संस्था के प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल के नेतृत्व में"Life Skills"विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ता के रूप में श्री पलास जैन, श्री विशेष श्रीवास्तव, श्री अवनिस जैन एवं मो. आकिब खान उपस्थित थे। व्याखया में मुख्य रूप से उन्होंने Tranasferable skills, Management Skills, Communication, Presentation, Planning, Budgeting, Execution,पर बहुत ही उपयोगी जानकरी प्रदान किए।

श्री पलाश जैन ने अपने उद्बोधन में उन बातों पर जोर दिया जो कार्य को प्रभावित करता है। कार्य को प्रभावित होने में लोग मुख्य रूप से हालात को जिम्मेदार मानते है। उन्होंने बताया की आप जिन भी हालातों में हो उनसे कार्य शुरू कर सकते है। आप कार्य शुरू करे हालात आपके कार्य के अनूकुल हो जायेगा। इस संबंध में विद्यार्थियों से वाद संवाद पर बहुत ही उपयोगी जानकारी प्रदान किये । श्री विशेष श्रीवास्तव ने अपने उदबोधन के द्वाराManagement Skills, Communicationके बारे में काफी रोचक जानकरी प्रदान की, उन्होंने बताया की कोई भी काम छोटा नहीं होता आप जो भी काम करते है उससे आपकों खुद को प्रोत्साहन मिलता है। आप अपने कार्य को व्यवस्थित प्रबन्ध के तहत करेंगें तो आप कभी असफल नहीं हो सकते है। परिश्रमी आदमी असफलता के बारे में कभी बात नहीं करते वे लोग हमेशा अपनी मंजिल की तरफ आगे बढ़ते रहते है। एक सफल आदमी अपने आपको हमेशा प्रोत्साहित करते है उस प्रोत्साहन को हमेशा कायम रखते है।

श्री अवनिश जैन ने बताया कि विद्यार्थियों को हमेशा अपनी रूची के अनुसार ही काम करना चाहिए। हर आदमी हर काम में सफल नहीं हो सकता। कुछ जगह वह असफल

Scanned with OKEN Scanner

हो जाता हैं इसलिए अपने अन्दर छीपे हुए हुनर को पहचानों फिर उस हुनर को पाने के लिए एक जुनुन तक काम करते रहिए निश्चित ही इसमें आपको सफलता मिलेगी। आज के परिवेश में जो कड़ी परिश्रम करते है उनके लिए सफल होने के लिए आपार संम्भावनाएँ रहती हैं। मो. आकीब खान नेPresentation एवं Planningके बारे में जानकारी प्रदान की इन्हें विद्यार्थियों के बीच अपनी बात रखी कि कैसे अपने आपकों प्रस्तुत करना चाहिए। आप आपने आपको जैसा प्रस्तुत करेंगे वैसा अपने आपको पाऐंगे। उन्होंने बताया कि जरूरी नहीं है, कि आपका क्षेत्र पढाई ही हो, हो सकता हैं कि आप पढ़ाई में कमजोर होते हुए भी अन्य क्षेत्र में आप बेहतर कर सकते है, बस इसके लिए अपने आपको सुन्दर तरीके से प्रस्तुत करना होगा।

कार्यक्रम के समापन में रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रभारी श्री अनिल चन्द्रवंशी ने उपस्थित विद्यार्थियों को केरीयर से संम्बधित मार्गदर्शन प्रदान किए तथा व्याख्यान में आमंत्रित अतिथियों का आभार प्रकट किया। आपके द्वारा इतने कम समय में बहुत सारी उपयोगी जानकारी बताई गई। इस व्याखान माला में महाविद्यालय में तीनों संकाय के विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

Scanned with OKEN Scanner

लोक सेवा आयोग (PSC) की परीक्षा की तैयारी कैसे करे?

HOW TO PREPARE FOR P.S.C. EXAMS

दिनांक 09/09/2017 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की बारहवीं योजनान्तर्गत प्रायोजित, रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में तथा संस्था के प्राचार्य डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल के कुशल निर्देशन में एक दिवसीय कार्यशाला का अयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय " लोक सेवा आयोग (PSC) की परीक्षा की तैयारी कैसे करे? था। इस कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में छ.ग. लोक सेवा आयोग परीक्षा में डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित श्री आनंदरूप तिवारी एवं श्री अभिषेक दीवान उपस्थित थे। अभी वर्तमान में ये दोनों प्रशासनिक अकादमी, निमोरा रायपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। कार्यकम का शुभारंभ करते हुए संस्था के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. निर्मला उमरे ने उपस्थित विद्यार्थियों को लोक सेवा आयोग (PSC) परीक्षा का महत्व बताते हुए उनको प्रतियोगी परीक्षा के लिए प्रेरित किए। उन्होंने बताया कि राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षा के माध्यम से उच्च पद प्राप्त कर सकते है।

विशेषज्ञ के रूप मे उपस्थित श्री आनंद रूप तिवारी ने राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोक सेवा आयोग की परीक्षा तीन चरणों में संचालित होता है, जिसमें से पहला चरण प्रारंभिक परीक्षा की होती है प्रारंभिक

परीक्षा में प्रश्न वैकल्पिक होता है इसलिए इस परीक्षा की तैयारी के लिए पिछली परीक्षा के प्रश्न पत्रों का अध्ययन करना चाहिए। साथ में समसामयिक प्रश्नों के लिए प्रतियोगिता दर्पण एवं दैनिक समाचार पत्र का सहारा लेना चाहिए। द्वितीय चरण में मुख्य परीक्षा के तैयारी के लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता होती है। क्योकि इस चरण में प्रश्न वर्णात्मक होते है। मुख्य परीक्षा में सभी विषयो को मिलाकर सात प्रश्नपत्र बनाया गया है। अतः मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए गहन अध्ययन के साथ–साथ लिखकर अभ्यास करना भी जरूरी होता है। तभी प्रतिभागी मुख्य परीक्षा में अच्छा

Scanned with OKEN Scanner

अंक अर्जित कर सकता है। इस परीक्षा का अंतिम चरण साक्षात्कार होता है। जिसमें मुख्य परीक्षा में शामिल प्रतिभागियों में से तीन गुना प्रतिभागी को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता हैं इस तरह से मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार के अंक को मिलाकर प्रावीण्य सूची तैयारी की जाती है। फिर इस प्राविण्य सूची के आधाार पर ही पदों का आबंटन होता है। साथ ही यह बताया कि PSCकी परीक्षा के थोड़ा धैर्य की आवश्यकता होती है। तथा लगन से मेहनत करते रहने से सफलता अवश्य मिलती है।

श्री अभिषेक दिवान ने विद्यार्थियों को अपना अनुभव बताया कि कैसे उन्होंने लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर उच्च पद प्राप्त किया। उन्होंने लोक सेवा आयोग परीक्षा के पाठ्यकम के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताया। पाठ्यकम के अनुरूप तैयारी

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने मार्गदर्शन

मुख्य परीक्षा के लिए आवश्यक होती है, क्योंकि इस परीक्षा में कुल सात प्रश्नपत्र होते है इसलिए पाठ्यकम को ध्यान में रखकर तैयारी करना चाहिए। सभी पेपर को संतुलित बनाना चाहिए। क्योंकि कोई भी एक पेपर कमजोर हुआ तो प्रतियोगिता से बाहर होने का खतरा रहता है। परीक्षा के अंतिम चरण साक्षात्कार भी महत्वपूर्ण होता है साक्षात्कार में कम अंक आपको चयन से वंचित कर सकता हैं इसलिए इस परीक्षाा की तैयारी के लिए तीनों चरण के लिए अलग–अलग रणनीति बनानी चाहिए। कार्यशाला में उपस्थित छात्र/छात्राओ ने प्रश्नों के माध्यम से अपनी समस्या विशेषज्ञ के सामने रखी तथा विशेषज्ञों के द्वारा भी उनकी समस्याओं को बहुत ही सहज ढंग से सुना गया, तथा उस समस्या के समाधान के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिया गया।

कार्यशाला का समापन पर रोजगार एवं मार्गदर्शन प्रभारी श्री अनिल चन्द्रवंशी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। क्योंकि इतने कम समय में इन्होंने बहुत ही उपयोगी जानकारी प्रदान किए। कार्यशाला में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक डॉ. नागरत्ना गनवीर, डॉ. ए. एन. माखीजा, डॉ. फुलसो राजेश पटेल, डॉ. एलिजाबेथ भगत, हेमलता ठाकुर एवं विनीता गजभिये उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

यूथरेडक्रास इकाई

पर्यावरण मित्रदल द्वारा स्वच्छता कार्य

दिनाँक 04/08/2021

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में महाविद्यालय के यूथरेडक्रास इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता कार्य को समय-समय पर सम्पादित करते और महाविद्यालय परिसर को सुंदर एवं साफ रखने प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में पर्यावरण मित्रदल का गठन किया गया है —

पर्यावरण मित्रदल द्वारा दिनाँक 04/08/2021 को समय 2:30 p.m से 3:30 p.m तक महाविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं (पुराने भवन) आंगन, पोर्च, प्रशासनिक भवन के सामने, साइकिल स्टैण्ड, नया ग्रंथालय के आस-पास की सफाई, प्लास्टिक कचरे, घास आदि की सफाई करते हुए गार्डन के अन्दर अनावश्यक घास जैसे गाजरघास, सूखी हुई पत्तियां एवं प्लास्टिक आदि को एकत्रित करके डस्टबिन में डाला गया। स्वच्छता कार्य में महाविद्यालय में नियमित रूप से अध्ययनरत बी.ए. बी.कॉम एवं बी.एस-सी. के विद्यार्थी इस कार्य में अपना योगदान दिया और वर्ष भर समय-समय पर स्वच्छता कार्य करने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने और परिसर में लगे हुए पौधों और पेड़ों की सुरक्षा हेतु महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया तथा सभी प्राध्यापक स्वच्छता कार्य में अपना योगदान दिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से

Signature

राष्ट्रीय सेवायोजना अधिकारी - डॉ० एस० आर० कन्नोजे, डॉ० निर्मला उमरे, डॉ० नागरत्ना गनवीर, डॉ० फुलसो राजेश पटेल, प्रो० अनिल चन्द्रवंशी, कु० सीमा पंजवानी, कु० मोनिका महोबिया, कु० मोनिका, ग्रंथपाल - सीमा ए० लाल, श्री० सचिन श्रीवास्तव, श्री० किशन कुमार कुंजाम, तथा कई विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

पर्यावरण मित्र दल एवं महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता कार्य

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय का आँगन एवं कमरों की सफाई करते महाविद्यालय का स्टाफ एवं विद्यार्थी।

संयोजक
यूथ रेडक्रास इकाई

Principal
प्राचार्य
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

गोदग्राम- कोटरासरार- में जनजागरूकता कार्यक्रम
(मास्क वितरण एवं वैक्सीनेशन जागरूकता)
(स्वच्छता पखवाड़ा)

दिनांक 05.08.2021

शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के युथरेडक्रास इकाई द्वारा महाविद्यालय का गोदग्राम -कोटरासरार में कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ० आई० आर० सोनवानी के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में कोटरासरार गाँव के सरपंच श्री० ऋषि कोराम, सचिव एवं पंचायत के सदस्यों की सहमति एवं सहयोग से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। युथरेडक्रास इकाई द्वारा सर्वप्रथम उपस्थित ग्रामीणों को सेनेटाइजर उपयोग या साबुन से अच्छी तरह हाथों की सफाई के पश्चात मास्क वितरण किया गया। महाविद्यालय के एन.एस.एस. अधिकारी डॉ० एस० आर० कन्नौजे द्वारा ग्रामीणों को व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में इसके महत्व को बताते हुए घर, परिवार तथा गाँव को स्वच्छ कैसे रखें ? और किसी भी तरह की बीमारी से कैसे बचे रहें के संबंध में विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी। इसके पश्चात यूथ रेडक्रास संयोजक डॉ० एलिजाबेथ भगत द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण तथा अन्य बीमारियों से बचने स्वच्छता और विशेष तौर पर खान-पान पर विशेष ध्यान देने हेतु ग्रामीणों को कहा तथा मौसमी फल एवं सब्जी का सेवन करने प्रोत्साहित किया गया। चूँकि कोरोना संक्रमण पूरी तरह समाप्त नहीं होने के कारण ग्रामीणों को विशेष रूप से वैक्सीन लगवाने हेतु जोर दिया गया, वैक्सीन लगवाने भ्रामक जानकारी को ध्यान नहीं देने कहा गया। कोरोना

Signature

से बचने वैक्सीन लगवाना ही एकमात्र विकल्प है। इससे कोई साइड इफेक्ट नहीं होता साथ ही मास्क लगाने, सामाजिक दूरी बनाके रखने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महाविद्यालय के एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. एस.आर. कन्नोजे, इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष - डॉ. फुलसो राजेश पटेल, ग्रंथपाल - श्रीमती सीमा ए. लाल, महाविद्यालय के पाँच विद्यार्थी, सरपंच, सचिव तथा ग्रामीणजनों की उपस्थिति रही।

मास्क वितरण एवं वैक्सीनेशन जागरूकता कार्यक्रम
ग्राम - कोटरासरार

संयोजक
यूथ रेडक्रास इकाई
डॉ० एलिजाबेथ भगत

Principal
प्राचार्य
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

ग्राम कोटरासरार ग्राम पंचायत के सदस्य

ग्राम- कोटरासरार प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थी एवं स्टाफ के सदस्य।
मास्क वितरण तथा स्वच्छता संदेश सुपरवाइजर एवं एन.एस.एस. अधिकारी द्वारा दिया गया।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

यूथ रेडक्रास — पर्यावरण मित्रदल द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम

दिनांक 27/11/2021

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के यूथरेडक्रास इकाई के पर्यावरण मित्रदल द्वारा एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों के सहयोग से दिनांक 27/11/2021 को महाविद्यालय के कक्षाओं, बरामदा, आंगन, पोर्च, गार्डन, तथा महाविद्यालय के सम्पूर्ण परिसर की सफाई विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विद्यार्थियों द्वारा महावि. परिसर को प्लासटिक मुक्त करने का संकल्प लिया गया तथा इसी दिन पूरे सत्र के लिए पर्यावरण मित्रदल का गठन किया गया। इस कार्य में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों का विशेष योगदान रहा। पर्यावरण मित्रदल द्वारा ये संकल्प किया गया कि महाविद्यालय परिसर और कमरों को साफ-सफाई तथा गार्डन की सुरक्षा तथा उसमें लगाये गये पौधों की देखभाल निरंतर पर्यावरण मित्र दल द्वारा किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने महाविद्यालय के गोदग्राम रामपुर की सरपंच - श्रीमती रत्ना बोरकर, राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी - डॉ. एस. आर. कन्नौजे उपस्थित होकर विद्यार्थियों को केवल महाविद्यालय का नहीं बल्कि घर एवं आस-पास के पर्यावरण को स्वच्छ रखने प्रेरित किया।। पर्यावरण मित्रदल में कला संकाय, वाणिज्य संकाय तथा विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं को शामिल किया गया गया है। पर्यावरण मित्र दल में स्वेच्छा से कुल 35 विद्यार्थियों ने नाम दर्ज कराया और स्वच्छता कार्य में अपना योगदान

P.T.O.

दिया। इसके अलावा कई विद्यार्थी स्वेच्छा से स्वच्छता कार्य में शामिल होकर परिसर को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दिया।

स्वच्छता कार्य में महाविद्यालय के डॉ० निर्मला उमरे, डॉ० ए. एन. भारद्वाज, डॉ० कुमारी राजेश्वरी पटेल, डॉ० स्वाति तिवारी, प्रो० अनिल चन्द्रवंशी, श्री कपिल सूर्यवंशी, कु. सीमा पंजवानी, कु. मोनिका, कु. प्रियंका साहू, मोनिका खोब्रागड़े आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण मित्रदल के सदस्य एवं अधिकारीगण।

संयोजक
यूथ रेडक्रास इकाई
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

प्राचार्य
Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

Signature

0.T.O.

पर्यावरण मित्रदल

- महाविद्यालय के पुराने भवन के class Room की सफाई करते हुए विद्यार्थी।

महाविद्यालय के गार्डन की सफाई के पश्चात् स्वल्पाहार हेतु गार्डन में एकत्र हुए विद्यार्थी एवं प्राध्यापक तथा कर्मचारी।

Signature

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

बी.पी.एल. छात्रों को आर्थिक सहयोग

यूथरेडक्रास समिति द्वारा - सहायता राशि प्रदान

दिनांक 12/04/2022

दिनांक 12.04.2022 को यूथरेडक्रास समिति की ओर से निर्धन छात्रों को चश्मा बनवाने हेतु यूथरेडक्रास मद से 2500/- (दो हजार पाँच सौ रुपये मात्र) प्राप्त हुआ है। यूथरेडक्रास समिति द्वारा पिछली बैठक में लिये गये निर्णय के आधार पर 10 विद्यार्थियों को सहायता देना तय था किन्तु केवल 05 विद्यार्थियों का आवेदन प्राप्त होने के कारण उक्त विद्यार्थियों को निर्धन सहायता राशि प्रदान करने का निश्चय किया गया। यह राशि आज दिनांक 12.04.2022 को समिति द्वारा वितरित किया गया। छात्रों के नाम निम्नानुसार है।

क्र.	नाम	कक्षा	राशि	विद्यार्थी के हस्ताक्षर
1.	निखिल कुमार साहू	B.A. I	500/-	निखिल 12-4-2022
2.	रागिनी निमजे	B.com II	500/-	Ragini
3.	चित्रलेखा देवांगन	B.com III	500/-	chitralekha 12-4-22
4.	दिग्विजय साहू	B.sc III	500/-	Digvijay
5.	चैतन्य नेताम	M.sc Chem. (II[nd] sem)	500/-	Chaitanya

यूथरेडक्रास समिति के सदस्य

(1) डॉ. फुलसो राजेश पटेल -

(2) डॉ. एस. आर. कन्नौजे -

संयोजक

डॉ. एलिजाबेथ भगत

PRINCIPAL
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

P.T.O.

Scanned with OKEN Scanner

सहायता राशि प्रदान फोटो

Scanned with OKEN Scanner

पाँच बीपीएल छात्रों को आर्थिक सहयोग

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में 12 अप्रैल को यूथ रेडक्रास इकाई द्वारा प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के नियमित कुल 5 बीपीएल छात्रों को चश्मा बनवाने के लिए प्रत्येक को 500 रुपए की आर्थिक सहयोग दिया गया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को उक्त राशि का सही उपयोग करने के साथ-साथ अध्ययन में चश्मा की उपयोगिता और स्वास्थ्य पर ध्यान देने कहा। खान-पान और अध्ययन कार्यों के लिए समय का प्रबंधन पर जोर दिया। अंत में यूथ रेडक्रास संयोजक डॉ. एलिजाबेथ भगत ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय स्टॉफ, कर्मचारी और सभी 5 विद्यार्थी उपस्थित थे।

हरिभूमि 13/4/2022

बी.पी.एल छात्रों को चश्मा बनवाने हेतु महाविद्यालय के यूथरेडक्रास समिति की ओर से प्राचार्य द्वारा आर्थिक सहायता राशि प्रदान करते हुए।

संयोजक
डॉ. एलिजाबेथ भगत
यूथ रेडक्रास इकाई

Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

Signature

Scanned with OKEN Scanner

गोदग्राम – रामपुर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

दिनांक 31.05.2022

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगाँव द्वारा दिनांक 31.05.2022 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर यूथरेडक्रास इकाई एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में डॉ० निर्मला उमरे – संस्था प्रमुख के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में महाविद्यालय का गोदग्राम – रामपुर में तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रत्ना जोरकर रही। कार्यक्रम के प्रारम्भ में तम्बाकू का सेवन नहीं करने का शपथ लिया गया तथा शपथ पत्र भरवाया गया सर्वप्रथम महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ० एस० आर० कन्नौजे ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिवर्ष लोगों में तम्बाकू के जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से 31 मई को यह दिवस विश्वस्तर पर मनाया जाता है। जनरल एग्रीमेंट ट्रेड इन सर्विसेस के अनुसार भारत में लगभग 27 करोड़ लोग तम्बाकू का सेवन करते हैं इसके अलावा लगभग 12 करोड़ लोग धूम्रपान के आदि हैं। W.H.O के रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग 13.5 लाख लोगों की मृत्यु तम्बाकू सेवन के कारण हो जाती है जो चिंता का विषय है।

यूथ रेडक्रास प्रभारी – डॉ० एलिजाबेथ भगत ने कहा कि भारत में ही नहीं पूरी दिन दुनियां में देखें तो प्रतिवर्ष सिगरेट के उत्पादन में लगभग 60 करोड़ पेड़ काटे जाते हैं जिस कारण से पर्यावरण संतुलन बिगड़ता जा रहा है 22 अरब लीटर पानी बरबाद हो जाता है धूम्रपान से 84 करोड़ टन कार्बनडाईऑक्साइड

उत्तेजित होती है। बार-बार थूकने से स्वच्छता प्रदूषित होती है और इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम मुंह के कैंसर मरीजों की संख्या का बढ़ना है। युवारेडक्रास प्रभारी द्वारा तम्बाकू का पाऊच दिखाकर उस पर लिखे गये चेतावनियों और उसकी कीमत पूछा गया तब पाया कि ग्रामीणों को ~~लोगों~~ यहाँ तक कि कम उम्र के बच्चों को भी इसकी जानकारी है का ज्ञात हुआ। तम्बाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणामों पर विशेष ध्यान आकर्षित किया गया। इस अवसर पर गाँव के 60 वर्ष (सीनियर सिटीजन) को गमछा युवारेडक्रास मद से तथा श्रीफल एवं मिठाई एन.एस.एस. मद से प्रदान किया गया।

इस अवसर पर युवारेडक्रास समिति-सदस्य डॉ० फुलसो रखोशा पटेल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि तम्बाकू के सेवन से 25 प्रकार की बीमारियां तथा लगभग 40 प्रकार के कैंसर हो सकता है अर्थात मुंह के अलावा गले, फेफड़े, ~~ब्लेडर~~ पेट, आंत तथा ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा बढ़ जाता है।

— 4

प्रो० गुणवंता खरे - हिन्दी विभाग के ने कहा कि तम्बाकू के धुंए से 500 हानिकारक गैसें व सात हजार अन्य रासायनिक पदार्थ निकलते हैं जिनमें निकोटिन व टार प्रमुख है।

अंत में ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रत्ना बोरकर ने ग्रामपंचायत की ओर से सभी का धन्यवाद दिया और स्वल्पाहार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

रामपुर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया

नवभारत रिपोर्टर ◆ राजनांदगांव
www.navbharat.org

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव द्वारा 31 मई को नशा उन्मूलन अभियान के तहत ग्राम रामपुर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व भारतीय रेडक्रास इकाई के तत्वाधान में डॉ. निर्मला उमरे संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में मनाया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती रत्ना बोरकर सरपंच ग्राम पंचायत रामपुर रही. कार्यक्रम प्रारंभ उपस्थित ग्रामीणों को तम्बाकू का प्रयोग न करने का संकल्प पत्र भरवाया गया तथा उन्हें नशापान नहीं करने हेतु शपथ दिलाया गया. डॉ. एसआर कन्नोजे, रासेयो अधिकारी ने कहा कि प्रतिवर्ष लोगों में तम्बाकू के प्रति जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से 31 मई को यह दिवस मनाया जाता है, इस बार का विषय रखा गया है- पर्यावरण की सुरक्षा करें. जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड इन सर्विसेस के अनुसार भारत में लगभग 27 करोड़ लोग तम्बाकू का सेवन करते है इसके अलावा लगभग 12 करोड़ लोग धुमपान के आदि है. डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत में तम्बाकू के कारण प्रतिवर्ष लगभग 13.5 लाख लोग मर जाते है जो कि चिंता का विषय है. डॉ. एलिजाबेथ भगत रेडक्रास प्रभारी ने कहा कि दुनिया में प्रतिवर्ष सिगरेट के उत्पादन में लगभग 60 करोड़ पेड़ काटे जाते है व 22 अरब लीटर पानी बरबाद हो जाता है. धुमपान से 84 करोड़ टन कार्बन डाई आक्साइड उत्पन्न होती है. बार-बार थूकने से स्वच्छता दूषित होती है जिससे वातावरण को भारी नुकसान होता है.

डॉ. फुलसो राजेश पटेल इतिहास विभाग ने कहा कि तम्बाकू के कारण 25 तरह की बीमारियां और लगभग 40 प्रकार का कैंसर हो सकता है, जिसमें मुंह, गले, फेफड़े, प्रोस्टेट, पेट को कैंसर तथा ब्रेन ट्यूमर प्रमुख है. प्रो. गुणवंता खरे हिन्दी विभाग ने कहा कि तम्बाकू धूंए से 500 हानिकारक गैसें व सात हजार अन्य रसायनिक पदार्थ निकलते है जिसमें निकोटीन व टार प्रमुख है.

नवभारत 02.06.2022

महाविद्यालय के अधिकारियों के नाम जिनकी उपस्थिति रही।

(1) डॉ० एस० आर० कन्नौजे (एन० एस० एस० अधिकारी) -
(2) डॉ० फुलसो राजेश पटेल - इतिहास विभाग -
(3) प्रो० गुणवंता खरे - हिन्दी विभाग -

संयोजक
रेडक्रास इकाई
डॉ० एलिजाबेथ भगत

Principal
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

विश्व एड्स दिवस

दिनांक 01/12/2021

शासकीय विश्वनाथ विज्ञान महाविद्यालय में यूथरेडक्रास इकाई द्वारा दिनांक 01/12/2021 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० आई० आर० सोनवानी के मार्गदर्शन में "विश्व एड्स दिवस" मनाया गया। एड्स दिवस पर प्रमुख रूप से एड्स रोकथाम जागरूकता विषय पर विद्यार्थियों हेतु पोस्टर मेकिंग तथा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि एड्स एक महामारी है, इसके संक्रमण के कारणों में सबसे अधिक असुरक्षित यौन संबंध, रक्त के आदान-प्रदान और गर्भवती मां से शिशु में संक्रमण को माना गया है। एड्स का इलाज के लिए शोध निरंतर जारी है। युवाओं में यह संक्रमण तेजी से फैल रहा है। समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो देश के अस्तित्व के लिए घातक हो सकता है यद्यपि आज भारत में इससे प्रभावित लोगों की संख्या लगभग 25 लाख है इसलिए आज लोगों को जागरूक रहने की आवश्यकता है, क्योंकि जागरूकता ही बचाव है।

महाविद्यालय के एन० एस० एस अधिकारी डॉ० एस० आर कन्नौजे ने कहा कि एच० आई० वी वायरस शरीर के कोशिकाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है जिससे शरीर को रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाता है। असुरक्षित यौन संबंध एड्स बीमारी का प्रमुख कारण है।

इस विषय पर राजनीति विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ० नागरत्ना गनवीर ने कहा कि यदि एड्स से बचना है तो असुरक्षित यौन संबंध से बचना

गया। अवैध संबंधों से बचें, स्वच्छता का पालन करें, खान-पान पर विशेष ध्यान दें और समय-समय पर जांच अवश्य करायें।

एड्स से बचाव हेतु जागरूकता बढ़ाने यूथ रेड क्रास इकाई द्वारा पोस्टर मेकिंग एवं निबंध प्रतियोगिता रखा गया। प्रतियोगिता में 11 विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता और कुल 15 विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग सहभागिता दर्ज की और इनके माध्यम से समाज में जनजागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को जागरूक किया।

एड्स दिवस कार्यक्रम में सभी अधिकारी, कर्मचारी और महाविद्यालय के विद्यार्थी काफी संख्या में उपस्थित रहे।

उपस्थित अधिकारियों के नाम

(1) डॉ० एस० आर० कन्नौजे (एन.एस.एस. अधिकारी) —
(2) डॉ० नागरत्ना गनवीर (सांस्कृतिक प्रभारी) —
(3) प्रो० अनिल चन्द्रवंशी (वाणिज्य विभाग —
(4) डॉ० स्वाती तिवारी (वनस्पति विभाग —

क्र०	विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	रोशनी चंदेल	बी. ए. (I)	रोशनी चंदेल
2	शारदा यादव	बी. ए. (I)	Shoroda yadav
(3)	कु० संजना सिगोतिया	बी.ए.(I)	Sanjana.
4	कु० कुमेश्वरी साहू	—॥—	कुमेश्वरी साहू
(5)	प्रिया साहू	B.A. I	[illegible]
(6)	लीना वर्मा	B.A. I	लीना वर्मा
(7)	निखिता खरे	B.A. (I) Year	Nikhita
(8)	नेहा देशमुख	BA(I) year	Neha Deshmukh
9)	पद्मिनी साहू	BA (I) year	पद्मिनी साहू
10)	खुशी यादव	B.A.(I) year	खुशी यादव
11)	किरण सलामे	B.A(I) year	किरण सलामे
12)	दीपिका मेश्राम	B.A.I) year	Devika Meshram
13)	कविता साहू	B.A(I) year	कविता साहू
14)	चंद्रिका	B.A (I) year	चंद्रिका
(15)	जितेन्द्र कुमार	B.A(I) year	[illegible]
(16)	लोकेश्वर	B.A. I year	लोकेश्वर
(17)	खेमराज	B.A. I year	[illegible]
(18)	पारस दास साहू	B.A First year	[illegible]
(19)	धुमेन्द्र साहू	B.A. First year	[illegible]
(20)	दीपक चंद्रवंशी	B.A. (I)	दीपक चन्द्रवंशी
(21)	टाकेश कुमार वर्मा	B.A. (I) year	Takesh
(22)	रूपेश वर्मा	B.A (I) year	Rupesh verma
(23)	लोमन पाल	B.A. (I)	[illegible]
(24)	युवराज सोनकर	B.A. (I)	[illegible]
(25)	योगराज साहू	B.A. (I)	Yogra J Sahu
(26)	देवआशीष साहू	B.A (I)	devaash
(27)	डोमन यादव	B.A (I)	डोमन यादव
(28)	भीषम	B.A (I) year	भीषम
(29)	कु० एकता कुमारी	B.sc III	Ekta
(30)	पुर्नेश कुमार	B.sc II	Dungesh
(31)	रंजना	B.sc II	Ranjna
(32)	योगिता ठाकुर	B.sc II	yogita

अंजना साहू B.sc II Sahu

(34) भारती साहू B.sc II भारती

(35) भानुप्रिया चन्द्राकर B.sc II (Bio) Bhanu

(36) कमलेश्वरी साहू B.A. III Kamleshwari Sahu.

(37) मनीष कुमार वर्मा B.A. II Manish

दिनांक 01/12/2021

एड्स से बचाव हेतु चर्चा करते युवारेडक्रास / रा.से.यो.

विश्व एड्स दिवस जागरूकता कार्यक्रम

विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता में सम्मिलित

(5) कु. मोनिका महोबिया (गणित विभाग) —

(6) कु. प्रियंका साहू - अतिथि व्याख्याता (कम्प्यूटर विभाग) -

Principal

Scanned with OKEN Scanner

स्वच्छता कार्य

स्वच्छ भारत अभियान- पर्यावरण मित्रदल का योगदान

दिनांक 01.11.2019

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के यूथरेडक्रास इकाई के पर्यावरण मित्र दल द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ० ज्योत्स्नेश्वरी सिंह के निर्देशन में महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई विशेषकर प्लास्टिक उन्मूलन का कार्य पर्यावरण मित्रदल के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कुछ विद्यार्थियों द्वारा कक्षा तथा बरामदों की सफाई कार्य किया गया। विद्यार्थियों ने इस कार्य को उत्साहित होकर किया तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी स्वयं से होकर महाविद्यालय परिसर की सफाई करते हुए परिसर को पूरी तरह से प्लासटिक मुक्त करने तथा इससे होने वाले दुष्परिणाम के संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक किया और यथासंभव परिसर को साफ रखने विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया।

इस कार्य में प्राध्यापकों में डॉ० निर्मला उमरे, डॉ० नागरत्ना गनवीर, डॉ० फुलसो राजेश पटेल श्रीमती सीमा ए०लाल, कु० सीमा पंजवाणी (अंग्रेजी) हिन्दी विभाग के अतिथि प्राध्यापक श्री मुरारी उपाध्याय तथा पर्यावरण मित्र दल के 18 (अठारह) छात्र-छात्राओं ने इस कार्य में अपना योगदान दिया।

उपस्थित प्राध्यापक

डॉ० निर्मला उमरे

डॉ० नागरत्ना गनवीर

डॉ० फूलसो राजेश पटेल

संयोजक
यूथरेडक्रास इकाई

प्राचार्य
शासकीय विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

01.11.2019

मुख रेडक्रॉस पर्यावरण मित्रदल के विद्यार्थी स्वच्छता कार्य हेतु तैयार।

01.11.2019

महाविद्यालय परिसर की सफाई करते हुए।

अभिलाषा संस्था (दिव्यांग) का अवलोकन

x

दिनांक 21.01.2020

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के कला संकाय के कुल 67 विद्यार्थियों को यूथ रेडक्रास इकाई द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ० उमेश्वरी सिंह के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में ठाकुर प्यारेलाल सिंह नगर पालिक निगम उ० मा० विद्यालय परिसर में संचालित अभिलाषा संस्था (दिव्यांग) का अवलोकन कराया गया। अवलोकन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को (मन में) समाजसेवा के प्रति जागरूक करना तथा गाँव और आस-पड़ोस में रह रहे दिव्यांग बच्चों को उनके शारीरिक मानसिक विकास हेतु ऐसे संस्थानों से अवगत कराना ताकि सभी का विकास हो सके।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी बड़ी सक्रियता दिखाई। दिव्यांग विद्यार्थियों से बात-चीत करके पढ़ाई और अनुशासन में रहकर खुश रहने हेतु प्रेरित किया। Boys और Girls हेतु बने अलग-अलग आवास का अवलोकन किया। उनके पढ़ाई की व्यवस्था, भोजन और संस्था द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में संस्था प्रमुख ने विद्यार्थियों को विस्तार से बताया और इस प्रकार के कार्य को देश सेवा का हिस्सा बताया।

महाविद्यालय के यूथरेडक्रास इकाई द्वारा अभिलाषा संस्था के बच्चों और संस्था को चलाने में सहयोग करने वाले कर्मचारियों को स्वल्पाहार का वितरण कर समाज सेवा का अवसर प्राप्त किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यापकों में डॉ० निर्मला उमरे, डॉ० नगरला मनीर डॉ० फुलसोरशोभा पटेल, कु० सीमा पंजवानी तथा हिन्दी विभाग से श्री. मुरारी उपा... उपस्थित रहे।

संयोजक
यूथरेडक्रास इकाई

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)

प्राचार्य शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

छात्रों के नाम Next - Page पर

अभियान मेगा के (शिविरार्थी) बालक एवं बालिकाएँ

मेगा का अवलोकन करने वाले महाविद्यालय के छात्रों के नाम निम्नलिखित हैं।

(1) मिनाक्षी नेताम B.A I	[illegible] B.A II	कोमल कुमारी B.A II
(2) अरविन्द कुमार B.A III	मधुबाला B.A II	रितेश कुमार B.A I
(3) पवन सिंह B.A III	ओमकार B.A II	अनुराधा निर्मलकर B.A I
(4) दुर्गा यादव B.A III	रेणुका नेताम B.A II	शिवकुमार B.A I
(5) ललिता साहू B.A I	प्रीति B.A III	[illegible] B.A I
(6) गंगा प्रजापति B.A I	युवराज कुमार B.A III	शिवकुमार B.A II
(7) डाली [illegible] B.A I	कविता B.A III	[illegible] B.A I
(8) सोनम B.A I	मेनू B.A III	हिना मरावी B.A I
(9) नीतू प्रजापति B.A I	हितेश कुमार B.A III	नितेश कुमार B.A I
(10) तुलसी [illegible] B.A I	अनिता नेताम B.A III	दिव्या B.A I
(11) नीलम साहू B.A I	मोहन कुमार B.A III	तेजस्वी [illegible] B.A I
(12) मनू साहू B.A II	बोध कुमार B.A III	पुष्पलता B.A III
(13) प्रमिला B.A I	सलिल चौधरी B.A III	अभिषेक यादव B.A I
(14) मुस्कान B.A II	दामेश्वर यादव B.A III	[illegible] यादव B.A III
(15) अनिता निषाद B.A III	चेतन वर्मा B.A I	
(16) कुमेश्वरी निषाद B.A III	भीमा साहू B.A I	
(17) प्रिया यादव B.A III	लोकेश्वर B.A I	

Scanned with OKEN Scanner

सत्र
2018-19

हरिभूमि

साइंस कॉलेज में योग दिवस पर आयोजन

हरिभूमि 02-7-2018

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में गत 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में मनाया गया। योग प्रशिक्षक के रूप में छबिकांत उपाध्याय रहे।

सर्वप्रथम प्रार्थना की गई कि हम सभी प्रेम से मिलकर चलें, मिलकर बोलें और सभी ज्ञानी बनें, अपने पूर्वजों की भांति हम सभी कर्तव्यों का पालन करें। खड़े होकर किए गए जाने वाले अभ्यास में ग्रीवाचालन, स्कंध संचालन, कटिचालन, घुटना संचालन किए गए। योगासन के तहत ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन किए गए। बैठकर

किए जाने वाले आसनों में भद्रासन, वज्रासन, अर्धउष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, वक्रासन किए गए। उदर के बल लेटकर किए जाने वाले आसनों में मकरासन, शलभासन, सेतुबंधासन, अर्धहलासन, पवनमुक्तासन, शवासन किए गए।

प्राणायाम के तहत कपालभाति, अनुलोम-विलोम, शीतली, भ्रामरी किए गए। ध्यान के महत्व को बताते कहा कि यह नकारात्मक भावनाओं को दूर रखता है, भय, क्रोध, अवसाद, चिंता को दूर करता है और सकारात्मक भावनाओं को विकसित करने में सहायता करता है। अंत में सभी को संकल्प दिलाया गया कि मैं सदैव अपनी सोच में संतुलन रखूंगा, मैं अपने कर्तव्य निर्वहन के प्रति, कुटुंब और कार्य के प्रति तथा समाज व विश्व में शांति, स्वास्थ्य और सौहार्द के प्रसार के लिए कृत संकल्पित हूं। अंत में सभी जन शांतिपाठ किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ एवं अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कई प्रजाति के 200 पौधे रोपित

साइंस कॉलेज में पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में गत 19 एवं 20 जुलाई को हरियर छत्तीसगढ़ योजना के तहत पौधारोपण का कार्यक्रम जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अतुल रायजादा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। परिसर में विभिन्न प्रजाति के 200 पौधों को रोपित किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में रासेयो के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि धरती में जीवन को संतुलित रखना है तो प्रकृति को संजोकर रखना होगा। दुनिया में हरियाली व खुशहाली हेतु वृक्षों का होना आवश्यक है। मानव की आबादी बढ़ने के साथ ही वृक्षों की संख्या कम होती गई। मानव ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए प्राकृतिक संसाधनों का उपभोग किया। रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नौजे ने कहा कि वृक्षों को काटने से प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हुआ। धरती की जलवायु प्रभावित हुई। इसका भयंकर असर मौसम एवं जलवायु पर पड़ता दिख रहा है।

पौधे लगाने के साथ सुरक्षा जरूरी

डॉ. आभारानी कालबोर ने कहा कि पेड़-पौधे जलवायु को संतुलित करते हैं। पेड़-पौधे के जरूरी अंग हमें लाभ पहुंचाते हैं, हमें हर स्तर पर इन्हें बचाने, उगाने, इनकी सुरक्षा की कोशिश करनी चाहिए। डॉ. पुलस्से राजेश पटेल ने कहा कि नीम, तुलसी, बरगद, पीपल 24 घंटे ऑक्सीजन देते हैं। पेड़-पौधे ऑक्सीजन की फैक्ट्री हैं। कई तारों के नाम पेड़ों के नाम पर रखे गए हैं। पेड़-पौधों में देवता का वास माना जाता है। डॉ. एचएन मार्कोलेज ने कहा कि हरे वृक्ष है जीवन दाता, प्राणवायु और वर्षा लाता, बादलों को खींचने की शक्ति वृक्षों में होती है, जहां अधिक पेड़ होते हैं वहां वर्षा भी अधिक होती है। अमित चंद्रवंशी ने कहा कि वन है तो जल है और जल है तो रोटी है रोटी है तो जीवन है, यदि जल से भरा जहान चाहता है तो हर खाली जगह पर पौधारोपण करें। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ व अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

हरिभूमि 26-7-2018

स्वयंसेवकों को दी गई गतिविधियों की जानकारी

राजनांदगांव। कार्यक्रम में स्वयं सेवकों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

राजनांदगांव। नईदुनिया न्यूज

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में महाविद्यालय में एनएसएस इकाई द्वारा ओरिएन्टेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नौजे ने एनएसएस के इतिहास, उद्देश्य, लक्ष्य, महत्व के बारे में बतलाया, रासेयो के बैच, डायरी, नियमित व शिविर गतिविधियों, विभिन्न स्त्रोतों के निर्देश, रासेयो के अधिकारियों, गीतगान, रासेयो के बोल, स्लोगन, महत्वपूर्ण दिवस, सप्ताह, एवीसी प्रभाग-पर्वों के महत्व को विस्तार से बताया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि रासेयो निःस्वार्थ भाव से सेवा करने के लिए योजना का प्रारंभ किया गया है, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग नई-दिल्ली द्वारा प्रायोजित है।

विद्यालय के साथ ही महाविद्यालय में यह पद्युक्त गतिविधियां संचालित है, प्रतिवर्ष 100 छात्रों का पंजीयन किया जाता है, 1969 से प्रारंभ होकर आज 49 वर्ष का हो गया है। समाज सेवा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास प्रमुख लक्ष्य है। इस दौरान बड़ी संख्या में स्वयं सेवक उपस्थित थे।

नईदुनिया 26.7.2018

Scanned with CamScanner

प्लास्टिक उन्मूलन जागरूकता पर कार्यक्रम

आयोजन

- विश्व पर्यावरण दिवस पर रासेयो का आयोजन

नवभारत संवाददाता, राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस ग्राम बाघनदाई में डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में प्लास्टिक उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत को मेजबानी दिया है. साथ ही प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्ति शीर्षक के तहत प्लास्टिक समस्या से मुक्ति के लिए जन जागृति पैदा करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भुवन लाल वर्मा सरपंच बाघनदाई रहे.

कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए डॉ.एस.आर.कन्नौजे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में सबसे ज्यादा समस्या प्लास्टिक कचरे की है. भारत में दुष्प्रभाव स्पष्ट दिख रहा है ग्रामीणों में प्लास्टिक कचरों के प्रबंध में हेतु तत्परता एवं सजगता नहीं है. [illegible] सिन्हा ने कहा कि प्लास्टिक में ही कुछ रासायनिक विषाक्त पदार्थ होता है जो पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं वे कैंसरकारक होते हैं. ये पानी नहीं होने के कारण लोकनिर्भर है, खेती की भूमि व मिट्टी को प्रदूषित करते हैं. भुवन लाल वर्मा सरपंच ने कहा की हमें हवा, पानी, भूमि को संरक्षित रखना है. बूंद बूंद जल को बचाना है जल रहेगा तभी कल रहेगा. सभा को छात्र राजेश साहू ने भी संबोधित किया इस अवसर पर समस्त पंच गण, सचिव, ग्रामीण जन मौजूद रहे. रा.से.यो. स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से प्लास्टिक के विरूद्ध जनजागरूकता पैदा किया. छात्र अक्षय वर्मा, विजय कुमार साहू दलनायक ने समूह का नेतृत्व किया.

नवभारत 08.06.2018

नवभारत

पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान

नवभारत संवाददाता, राजनांदगांव

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जंगलपुर विकासखण्ड डोंगरगांव में प्राचार्य श्रीमती नीना गुप्ता के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राध्यापक एस. आर. कन्नौजे ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के विभिन्न उपायों पर विस्तृत चर्चा की. श्री कन्नौजे ने बच्चों से कहा कि आज हम पौधों को बचाएंगे तो कल यही पौधे वृक्ष बनकर हमारे पर्यावरण को बचाएंगे। उन्होंने जीवन एवं पर्यावरण के लिए वनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए छात्र-छात्राओं से पौधों एवं वृक्षों के संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की. विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीना गुप्ता ने अपने उद्बोधन में विद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं को पौधों की सुरक्षा के साथ ही जल के संरक्षण पर जोर देने की बात कही. कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की पर्यावरण प्रभारी व्याख्याता श्रीमती बिन्दु तिवारी ने किया. इस अवसर पर विज्ञान महाविद्यालय के प्राध्यापक चन्द्रवंशी, कृषि इंस्ट्रक्टर सराजीत सरजू, विद्यालय के इको क्लब के सदस्य तथा कृषि संकाय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

नवभारत 25.07.2018

पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान आयोजित

जंगलपुर। नईदुनिया न्यूज

उच्चतर माध्यमिक शाला जंगलपुर में प्राचार्य नीना गुप्ता के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राध्यापक एसआर कन्नौजे ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के विभिन्न उपायों पर विस्तृत चर्चा की।

कन्नौजे ने बच्चों से कहा कि आज हम पौधों को बचाएंगे तो कल यही पौधे वृक्ष बनकर हमारे पर्यावरण को बचाएंगे। उन्होंने जीवन एवं पर्यावरण के लिए वनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए छात्र-छात्राओं से पौधों एवं वृक्षों के संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। विद्यालय की प्राचार्य नीना गुप्ता ने अपने उद्बोधन में विद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं को पौधों की सुरक्षा के साथ ही जल के संरक्षण पर जोर देने की बात कही।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की पर्यावरण प्रभारी व्याख्याता बिन्दु तिवारी ने किया। इस अवसर पर विज्ञान महाविद्यालय के प्राध्यापक चन्द्रवंशी, कृषि इंस्ट्रक्टर सराजीत सरजू, विद्यालय के इको क्लब के सदस्य तथा कृषि संकाय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

नई दुनिया 26.07.2018

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में महाविद्यालय में दिनांक 19 व 20 जुलाई 2018 को महाविद्यालय परिसर में हरियर छत्तीसगढ़ योजना के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन श्री अतुल रायजादा अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति के मुख्य आतिथ्य में हुआ. परिसर में विभिन्न प्रजाति के 200 पौधे छायादार व फलदार रोपित किए गए. अमलतास, गुलमोहर, पेल्टाफोरम, अमरूद, आंवला, शीशु, कचनार के पौधे लगाये गये. डॉ. श्रीमती निमर्ला उमरे, प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में रासेयो के तत्वावधान में आयोजित किया गया. वृक्षारोपण अभिमुखीकरण कार्यक्रम में वृक्षारोपण के महत्व को बताते हुए डॉ. निमर्ला उमरे, प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि धरती में जीवन को संतुलित रखना है, तो प्रकृति को संजोकर रखना होगा, दुनिया में हरियाली व खुशहाली हेतु वृक्षों का होना आवश्यक है, आबादी बढ़ने के साथ ही वृक्षों की संख्या कम होती गई, मानव ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया. डॉ. एस.आर.कन्नौजे, रासेयो अधिकारी ने कहा कि वृक्षों को काटने से प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हुआ, धरती की जलवायु प्रभावित हुई, इसका भयंकर असर मौसम एवं जलवायु पर पड़ता दिख रहा है. डॉ. [illegible], राजनीति विज्ञान विभाग ने कहा कि पेड़ पौधे जलवायु को संतुलित करते है, पेड़ पौधे के अमूल्य अंग हमें लाभ पहुंचाते है, हमें हर स्तर पर इसे बचाने, उगाने इसकी सुरक्षा की कोशिश करनी चाहिए, इनकी जड़ें मिट्टी को [illegible] रोकती है, [illegible] ध्वनि प्रदूषण को सोखती है, कई जीवो के आश्रय केन्द्र वृक्ष होते है. डॉ. सुलसी राजेश पटेल, इतिहास विभाग ने कहा कि नीम, तुलसी, बरगद, पीपल 24 घंटे ऑक्सीजन देते है, पेड़ पौधे ऑक्सीजन की फैक्ट्री है, कई गांवो के नाम पेड़ो के नाम पर रखे गये है, पेड़ पौधों में देवता का वास बताया गया है. डॉ. ए.एन. [illegible] वाणिज्य विभाग ने कहा कि हरे वृक्ष है जीवन दाता, प्राणवायु और वर्षा लाता, बादलों को खींचने की शक्ति वृक्षों में होती है, जहां अधिक पेड़ होते है वहां वर्षा भी अधिक होती है. अमित चन्द्रवंशी वाणिज्य विभाग ने कहा कि वन है तो जल है और जल है तो रोटी है रोटी है तो जीवन है, यदि जल से भरा जहान बनाना है तो हर खाली जगह पर पौधरोपण करें, हर जन्मदिन पर, सम्मान में, सालगिरह में पुष्पहार के पौधे भेंट किये जावे.

नवभारत 23.07.2018

...संस्था के ग्रामीणजन उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

राजनांदगांव • कवर्धा • चौकी • डोंगरगांव • डोंगरगढ़ • खैरागढ़ • पंडरिया

नवभारत

सेवा के माध्यम से छात्रों के विकास का लक्ष्य है रासेयो: डॉ. निर्मला उमरे

राजनांदगांव। साइंस कॉलेज में बुधवार को एनएसएस ओरिएंटेशन का प्रोग्राम रखा गया। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ.निर्मला उमरे, रासेयो अधिकारी डॉ.एसआर कन्नौजे ने एनएसएस के इतिहास, उद्देश्य, लक्ष्य, महत्व के बारे में बतलाया। रासेयो के बैज, डायरी, नियमित व शिविर गतिविधियां, विभिन्न स्तरों के शिविर, रासेयो के अधिकारियों, गोदग्राम, रासेयो के खेल, स्लोगन, महत्वपूर्ण दिवस, सप्ताह, एनोसी प्रमाण-पत्रों के महत्व को विस्तार से बतलाया। डॉ.उमरे ने कहा कि रासेयो निस्वार्थ भाव से सेवा करने के लिए योजना का प्रारंभ किया गया है। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग नई-दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। विद्यालय के साथ ही महाविद्यालय में यह गतिविधियां संचालित है। प्रतिवर्ष 100 छात्रों का पंजीयन किया जाता है।

दैनिक भास्कर 01.8.2018

गोद ग्राम रामपुर में हुआ वृक्षारोपण

नवभारत संवाददाता | राजनांदगांव

शा. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के गोद ग्राम रामपुर में सोमवार को किशोर यादव सरपंच के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. ग्राम में सड़क के किनारे, बाजार चौक, अटल चौक, स्कूल चौक, बस स्टैण्ड में कचनार, गुलमोहर, पेल्टाफारम, आंवला, जामुन, सीताफल, नीम, बादाम पौधों का रोपण किया गया, पौधे रोपकर लोहे के ट्री गार्ड से सुरक्षा व्यवस्था किया गया. महाविद्यालय के डॉ. निर्मला उमरे प्राचार्य, डॉ. एस.आर. कन्नौजे एवं उपस्थित प्राध्यापकों एवं ग्राम प्रमुखों ने पौधे रोपे. ग्रामीणजनों को वृक्ष की महत्ता बताते हुये डॉ. निर्मला उमरे प्राचार्य ने कहा कि हरे वृक्ष हमें जीवन भर छाया देते हैं, जीवनभर के लिये प्राणवायु प्रदान करते हैं, शुद्ध ऑक्सीजन पाकर हम हंसते मुस्कुराते हैं, इसीलिए पेड़ पौधों को ऑक्सीजन की फैक्ट्री कहा जाता है. तुलसी, पीपल, बरगद जो 24 घंटे ऑक्सीजन छोड़ते हैं, हर खाली जगह पर पेड़-पौधों को स्थान देना आवश्यक है, डॉ. एस. आर. कन्नौजे रा.से.यो. ने कहा कि जामुन, कौहा, गुलर प्राकृतिक एनिकट है जो अधिक समय तक पानी रोकता है, जमीन में नमी को बनाये रखता है. हमारे पूर्वजों ने नदी के किनारे मिट्टी के कटाव को रोकने हेतु पेड़ पौधों को स्थान दिया, हम पेड़ काटकर अपनी सांस को बंद कर रहे हैं, आने वाले समय में प्राणवायु भी बोतलों में बिकेगा. श्री किशोर यादव सरपंच ने प्रतिवर्ष एक पौधा लगाकर वृक्ष बनाने का आव्हान किया, पेड़ हरियाली के साथ खुशहाली भी लाते हैं. इस अवसर पर पंचगण, महिला समूह, मितानिन एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे.

नवभारत 03.8.2018

राजनांदगांव हरिभूमि

दिनांक – 03.8.2018

गोदग्राम रामपुर में पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज | राजनांदगांव

शा. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के गोद ग्राम रामपुर में गत 30 जुलाई को सरपंच किशोर यादव के मार्गदर्शन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम में सड़क किनारे, बाजार चौक, अटल चौक, स्कूल चौक, बस स्टैंड में कचनार, गुलमोहर, पेल्टाफारम, आंवला, जामुन, सीताफल, नीम, बादाम पौधों का रोपण किया गया। पौधे रोप कर लोहे के ट्री गार्ड से सुरक्षा व्यवस्था किया गया। इस मौके पर डॉ. निर्मला उमरे, डॉ. एसआर कन्नौजे एवं उपस्थित प्राध्यापकों व ग्रामीणों ने पौधे रोपित किए। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि हरे वृक्ष हमें जीवनभर छाया देते हैं। जीवनभर के लिए प्राणवायु प्रदान करते हैं। शुद्ध ऑक्सीजन पाकर हम हंसते-मुस्कुराते हैं, इसीलिए पेड़-पौधों को ऑक्सीजन की फैक्ट्री कहा जाता है। तुलसी, पीपल, बरगद जो 24 घंटे ऑक्सीजन छोड़ते हैं, हर खाली जगह पर पेड़-पौधों को स्थान देना आवश्यक है। डॉ. एसआर कन्नौजे ने कहा कि जामुन, कौहा, गुलर प्राकृतिक एनीकट है, जो अधिक समय तक पानी रोकता है, जमीन में नमी को बनाए रखता है। हमारे पूर्वजों ने नदी के किनारे मिट्टी के कटाव को रोकने हेतु पेड़-पौधों को स्थान दिया। हम पेड़ काटकर अपनी सांस को बंद कर रहे हैं, आने वाले समय में प्राण वायु भी बोतलों में बिकेगा। सरपंच किशोर यादव ने प्रतिवर्ष एक पौधा लगाकर वृक्ष बनाने का आव्हान किया। इस अवसर पर पंचगण, महिला समूह, मितानिन एवं अधिक संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विज्ञान महाविद्यालय

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में "विश्व योग दिवस" मनाया गया। सर्वप्रथम प्रार्थना की गई, प्रार्थना में भाव है कि हम सभी प्रेम से मिलकर चलें, मिलकर बोलें और सभी ज्ञानी बनें, अपने पूर्वजों की भांति हम सभी कर्तव्यों का पालन करें। खड़े होकर किये जाने वाले अभ्यास में ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, कटिचालन, घुटना संचालन किये गये। योगासन के तहत ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन किये गये। बैठकर किये जाने वाले आसनों में भद्रासन, वज्रासन, अर्धउष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन किये गये। उदर के बल लेटकर किये जाने वाले आसनों में मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्धहलासन, पवनमुक्तासन, शवासन किये गये। प्राणायाम के तहत कपालभाति, अनुलोम-विलोम, शीतली, भ्रामरी ध्यान किये गये। अंत में सभी को संकल्प दिलाया गया तथा शांतिपाठ के साथ समापन हुआ।

24/06/2017

Scanned with CamScanner

नईदुनिया

डेंगू की जानकारी ही बचाव है - डॉ. कुमरे

परिधि 30.07.2018

साइंस कॉलेज में व्याख्यान आयोजित

प्लास्टिक मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा

नईदुनिया. 25.08.2018 www.naidunia.com

डेंगू से बचने किया जागरूक

Scanned with CamScanner

गांव • कवर्धा • चौकी • डोंगरगांव • डोंगरगढ़ • खैरागढ़ •

नवभारत

साइंस कॉलेज में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा

नवभारत संवाददाता। राजनांदगांव

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में रासेयो के तत्वावधान में 1 अगस्त से 15 अगस्त तक डॉ. श्रीमती निर्मला उमरे, प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं एस.आर. कन्नोजे रा.से.यो. अधिकारी के निर्देशन में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है. स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मनाये जा रहे पखवाड़े के प्रथम दिवस 1 अगस्त को प्राचार्य डॉ. उमरे ने सभी विद्यार्थी को स्वच्छता शपथ दिलाई. छात्रों से अपने घर, आंगन, गली, मोहल्ले, कार्यालय, महाविद्यालय को स्वच्छ रखने की अपील की. दिनांक 2,3,4 अगस्त को महाविद्यालय परिसर में उगे बेकार घास फूस को काटा गया, कटीली झाड़ियों को काटकर जलाया गया. पालीथीन एकत्रित किया गया, गाजर घास का उन्मूलन किया गया, इसके दुष्परिणाम से छात्रों को अवगत कराया गया. 6 अगस्त को महाविद्यालय के गोद ग्राम रामपुर में स्वच्छता रैली किशोर यादव सरपंच, महिला समूह एवं रा.से.यो. स्वयं सेवकों ने घर-घर जाकर स्वच्छता चर्चा किया, शौचालय का उपयोग करने व साबुन से हाथ धोने, कचरों को एक निश्चित स्थान में एकत्रित करने हेतु निर्देशित किया गया. ग्रामवासियों के साथ मिलकर सड़क किनारे के कचरे को साफ किया गया, महिला समूह अधिक संख्या में उपस्थित रहे. स्वच्छता अभियान के तहत 7 व 8 अगस्त को महाविद्यालय के कमरों, आंगन, बरामदे झाडू लगाकर साफ-सफाई की गई. 9 अगस्त को त्रिवेणी परिसर की सफाई व परिसर में स्थित डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र, श्री गजानंद माधव मुक्तिबोध, श्री पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी के प्रतिमा की साफ-सफाई की.

नवभारत 13.8.2018

रायपुर, बुधवार, 15 अगस्त 2018
haribhoomi.com

हरिभूमि 15.08.2018

कॉलेज में मनाया जा रहा स्वच्छता पखवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

■ स्वच्छता के प्रति किया जा रहा जागरूक, सभी विद्यार्थी को दिलाई गई स्वच्छता की शपथ

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में रासेयो के तत्वावधान में गत् एक से 15 अगस्त तक प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन एवं रासेयो अधिकारी एसआर कन्नोजे के निर्देशन में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मनाए जा रहे पखवाड़े के प्रथम दिवस एक अगस्त को प्राचार्य डॉ. उमरे ने सभी विद्यार्थी को स्वच्छता शपथ दिलाई। छात्रों से अपने घर, आंगन, गली, मोहल्ले, कार्यालय, महाविद्यालय को स्वच्छ रखने की अपील की। गत् 2, 3 व 4 अगस्त को महाविद्यालय परिसर में उगे बेकार घास-फूस को काटा गया व झाड़ियों को काटकर जलाया गया। 6 अगस्त को महाविद्यालय के गोद ग्राम रामपुर में स्वच्छता रैली- सरपंच किशोर यादव, महिला समूह एवं रासेयो, स्वयं सेवकों ने घर-घर जाकर स्वच्छता पर चर्चा किया। शौचालय का उपयोग करने व साबुन से हाथ धोने, कचरों को एक निश्चित स्थान में एकत्रित करने हेतु निर्देशित किया गया।

खेल चौक में प्रतिमा व परिसर की साफ-सफाई

स्वच्छता अभियान के तहत 7 व 8 अगस्त को महाविद्यालय के कमरों, आंगन, बरामदे, कॉरिडोर को झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की गई। गत 9 अगस्त को त्रिवेणी परिसर की सफाई व परिसर में स्थित डॉ. बल्देवप्रसाद मिश्र, गजानंद माधव मुक्तिबोध, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी के प्रतिमा की साफ-सफाई तथा खेल चौक में स्थित मेजर ध्यानचंद के प्रतिमा व परिसर की साफ-सफाई की गई। 10 अगस्त को औषधीय पौधों के गार्डन में उगे बेकार घास-फूस को उखाड़कर साफ-सफाई की गई।

Scanned with CamScanner

नवभारत

दैनिक भास्कर 9.9.2018

शिवनाथ कॉलेज के बीस विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

राजनांदगांव। शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना व रेडक्रास सोसायटी ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया। इस दौरान कॉलेज के 20 विद्यार्थियों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रक्तदान किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में युवाओं ने रक्तदान कर रक्तदान महादान- जीवनदान को चरितार्थ किया। विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्व व इससे जुड़ी भ्रांतियों की भी जानकारी दी गई। रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों में हरीश कुमार, दिनेश कुमार साहू, जितेन्द्र कुमार साहू, भुनेश्वर कुमार साहू, चंद्रशेखर साहू, परमेश्वर कुमार तुलावी, कुमारी बरखा देवांगन, पुरंजन चावर, नरेश कुमार ठाकुर, कैलाश कुमार धालेन्द्र, घनश्याम लाल चंद्रवंशी, डामेश्वर कोठीसारे, गिरधी कौशिक, चेमन लाल साहू, राजेन्द्र कुमार बढ़ई, कौशल कुमार साहू, मनीष कुमार साहू आदि हैं।

'निरक्षरता रूपी अधंकार को मिटाने के लिए साक्षर होना जरूरी'

राजनांदगांव। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया।

राजनांदगांव। नईदुनिया न्यूज

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि नेहरू युवा केन्द्र के समन्वयक श्रीकांत पांडे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रासेयो अधिकारी डा.एसआर कन्नौजे ने कहा कि साक्षरता वो हथियार है जिससे निरक्षरता रूपी अंधकार को मिटाया जा सकता है, निरक्षरता पिछड़ेपन की निशानी है। साक्षरता मानव को सभ्य, ज्ञानवान, उर्जावान, विकासशील बनाने के साथ ही स्वावलंबन भी प्रदान करता है।

ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पाती योजनाएं: प्राचार्य डा. निर्मला उमरे ने कहा कि निरक्षरता के कारण देश की बहुत सी सामाजिक एवं कल्याणकारी योजना ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पाती, हर मानव सभ्य व स्वावलंबी बनना चाहता है, ज्ञान ही वह साधन है जो अज्ञान को दूर कर विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। शिक्षा सभ्य व असभ्य में भेद करता है। मुख्यअतिथि पांडे ने कहा कि किसी देश या प्रदेश के लिए मानवीय संसाधनों का केवल पर्याप्त होना ही प्रगति के संकेत नहीं होता बल्कि उपलब्ध मानवीय संसाधनों की उच्च स्तरीय गुणवत्ता का होना भी आवश्यक है। अंधकार को दूर भगाएं, अवश्य ही एक दीप जलाएं, राजनांदगांव जिला अन्य जिलों से साक्षरता में अग्रणी है। साक्षरता प्रतिशत में वृद्धि से जनसंख्या वृद्धि दर कम होती है, महिला साक्षरता पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है, हम अपने आस-पास निवासरत भाई-बहनों को अक्षर ज्ञान कराएं, उनका कलम, कापी, पेन से परिचय कराएं, अक्षर दान जीवन का महादान होगा।

नई दुनिया 10.9.2018

युवाओं के अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानने की जरूरत: पांडे

राजनांदगांव। शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा युवा भारत- सशक्त भारत पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान को संबोधित करते हुए नेहरू युवा केन्द्र के समन्वयक श्रीकांत पांडे ने कहा कि एनएसएस नौजवान का संगठन है जो निःस्वार्थ सेवा भावना से ओतप्रोत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली के युवा एवं खेल विभाग द्वारा संचालित रासेयो और नेहरू इकाई कार्यरत है, जो सामुदायिक विकास करता है। रासेयो नियमित विद्यार्थी के लिए संचालित है, जबकि नेहरू युवा केन्द्र गैर छात्रों के लिए संचालित है, जिसमें ग्रामीण विकास एवं छात्रों के व्यक्तित्व विकास शामिल है। भारत में 65 प्रतिशत युवा है हर युवा विभिन्न प्रकार के प्रतिभा से ओतप्रोत है अपने अन्दर छिपी प्रतिभा को पहचानने की जरूरत है। उन्होंने कहा युवाओं में तेजी से बढ़ता नशा चिन्ता का विषय है। आज के समय में नशे से अन्दर ही अन्दर खोखला होते जा रहा है। नशे से दूर रह कर स्वयं व समाज को सशक्त बना सकते है। जिस ओर जवानी जाती है उस ओर जमाना जाता है। प्राचार्य डा.निर्मला उमरे ने सम्पूर्ण जीवन के कार्यों को स्वीकारें बताया। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक सोच रखने और नकारात्मकता से दूर रहने का आह्वान किया। रासेयो अधिकारी डा.एसआर कन्नौजे ने कहा कि इस वर्ष रासेयो का स्वर्ण जयंती वर्ष है जिसमें 15000 स्वयं सेवक इस योजना से जुड़ कर व्यक्तित्व निखार रहे है। (नईदुनिया न्यूज)

नई दुनिया 27.9.2018

साइंस कालेज में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन

नवभारत संवाददाता। राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस रासेयो के तत्वाधान में डॉ. निमर्ला उमरे संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीकांत पाण्डे, समन्वयक, नेहरू युवा केन्द्र राजनांदगांव रहे.

डॉ. एस.आर.कन्नौजे रासेयो अधिकारी ने कहा कि साक्षरता वो हथियार है जिससे निरक्षरता रूपी अंधकार को मिटाया जा सकता है, निरक्षरता पिछड़ेपन की निशानी है, साक्षरता मानव को सभ्य, ज्ञानवान, उर्जावान, विकासशील बनाने के साथ ही स्वावलंबन भी प्रदान करता है. डॉ. निमर्ला उमरे संस्था प्राचार्य ने कहा कि निरक्षरता के कारण देश की बहुत सी सामाजिक एवं कल्याणकारी योजना ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पाती, हर मानव सभ्य व स्वावलंबी बनना चाहता है, ज्ञान ही वह साधन है जो अज्ञान को दूर कर विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकता है. शिक्षा सभ्य व असभ्य में भेद कराता है. श्रीकांत पाण्डे मुख्य अतिथि ने कहा कि किसी देश या प्रदेश के लिए, मानवीय संसाधनों का केवल पर्याप्त होना ही प्रगति के संकेत नहीं होता बल्कि उपलब्ध मानवीय संसाधनों की उच्च स्तरीय गुणवत्ता का होना भी आवश्यक है. अंधकार को भगाएं, अवश्य ही एक दीप जलायें, राजनांदगांव जिला अन्य जिलों से साक्षरता में अग्रणी है, साक्षरता प्रतिशत में वृद्धि से जनसंख्या वृद्धि दर कम होती है, महिला साक्षरता पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है, हम अपने आस-पास निवासरत भाईयों-बहनों को अक्षर ज्ञान करायें, उनका कलम, कापी, पेन से परिचय करायें, अक्षर दान जीवन का महादान होगा. इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफ एवं अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

नवभारत 09.9.2018

Scanned with CamScanner

नईदुनिया

रायपुर, रविवार, 7 अक्टूबर 2018
haribhoomi.com हरिभूमि

खबर संक्षेप

कॉलेज के छात्राओं ने किया रक्तदान

राजनांदगांव। राष्ट्रीय रक्तदान दिवस पर साइंस कॉलेज के यूथ रेडक्रॉस इकाई एवं एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वाधान में गए एक अक्टूबर को प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. एलिजाबेथ भगत, एनएसएस अधिकारी डॉ. एसआर कन्नोजे तथा डॉ. फुलसो राजेश पटेल के सफल सहयोग से जिला मुख्य चिकित्सालय के ब्लड बैंक डिपार्टमेंट ऑफ पैथोलॉजी में 20 छात्रों ने कुल 20 यूनिट रक्तदान कर रक्तदान, जीवनदान, महादान अभियान सक्रिय योगदान दिया। इस अभियान में विशेष रूप से कॉलेज की छात्राओं की भागीदारी रही, जो आगामी अवसर के लिए प्रेरणादायक है।

हानिकारक गैसों से ओजोन परत को हो रहा नुकसान

राजनांदगांव। नईदुनिया न्यूज

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस मनाया गया। इस दौरान पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राणीशास्त्र के विभाग के डा.एस.... ने कहा कि ऑक्सीजन के तीन परमाणु मिलकर ओजोन का निर्माण करते हैं। ओजोन धरती से 15-20 किलोमीटर की दूरी पर होता है, जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को रोकती है। प्रदूषण की यही स्थिति रही तो आने वाले दिनों में घातक प्रभाव दिख सकता है। ओजोन जीवन बचाने वाली सुरक्षा परत है जो विकिरण को सोख कर काफी हद तक प्रभाव को कम करती है। डा. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि ओजोन क्षरण के कारणों में क्लोरोफ्लोरो कार्बन व हैलोजन, है। सीएफसी का प्रयोग फ्रिज, एयरकंडीशनर, छिड़काव प्रसाधनों, [illegible]

राजनांदगांव। ओजोन परत संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित मंचासीन।

[illegible]

हरिभूमि - 17.9.2018

स्वच्छता पखवाड़ा में एनएसएस के छात्रों ने परिसर की सफाई की

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

दैनिक भास्कर 8.2018

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में रासेयो के तत्वाधान में एक अगस्त से 15 अगस्त तक प्राचार्य डॉ.निर्मला उमरे के मार्गदर्शन एवं एसआर कन्नोजे रासेयो अधिकारी के निर्देशन में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से मनाए जा रहे पखवाड़े के प्रथम दिवस प्राचार्य डॉ. उमरे ने सभी विद्यार्थी को स्वच्छता शपथ दिलाई।

छात्रों से अपने घर, आंगन, गली, मोहल्ले, कार्यालय, महाविद्यालय को स्वच्छ रखने की अपील की। परिसर में उगे बेकार घास को काटा गया। कंटीली झाड़ियों को काटकर जलाया गया। पालीथीन एकत्रित किया गया। गाजर घास का उन्मूलन किया गया, इसके दुष्परिणाम से छात्रों को अवगत कराया गया। महाविद्यालय के गोद ग्राम रामपुर में स्वच्छता रैली सरपंच किशोर यादव, महिला समूह एवं रासेयो स्वयं सेवकों ने घर-घर जाकर स्वच्छता चर्चा की। शौचालय का उपयोग करने, कचरों को एक निश्चित स्थान में एकत्रित करने निर्देशित किया गया। स्वच्छता अभियान के महाविद्यालय के कमरों, आंगन, बरामदे, गलियारे की झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की गई। विभिन्न परिसर की सफाई व परिसर में स्थित [illegible] प्रसाद मिश्र, गजानंद माधव मुक्तिबोध, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की प्रतिमा की साफ-सफाई तथा खेल चौक में स्थित मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा व परिसर की साफ-सफाई की गई।

राजनांदगांव। कॉलेज परिसर में इस तरह सफाई की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के इन शिविरों में डलते हैं सेवा के बीज : गांधी

राजनांदगांव। नईदुनिया न्यूज

राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए जाने वाले शिविरों में ग्रामीण पृष्ठभूमि के युवाओं को अपनी प्रतिभा को विकसित करने का अवसर मिलता है इन शिविरों में विविध प्रकार के सेवा कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं के अन्दर एक नई चेतना का संचार होता है तथा युवा अपनी प्रतिभा का विसर्जन कर कुछ नया सिखता है और ऐसे ही शिविर उनके अन्दर सेवा के बीज डालता है यही सेवा भाव उसे आगे समाज जीवन में कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करता है। विज्ञान महाविद्यालय के बी.एससी., एम.एससी. के विद्यार्थियों का ग्राम रामपुर (डोंगरगांव) में आयोजित सात दिवसीय शिविर निश्चित रूप से एक मिल का पत्थर साबित होगा। इस [illegible] के विचार पूर्व सांसद प्रदीप गांधी ने ग्राम में आयोजित शिविर में उपस्थित युवाओं तथा ग्रामीणों के बीच व्यक्त किया।

इस अवसर पर एनएसएस के जिला संगठक डा. एसके परिहार तथा प्रभारी अधिकारी प्राध्यापक कन्नोजे जी ने तथा उपस्थित युवाओं ने मुख्य अतिथि प्रदीप गांधी का बैज लगाकर तथा एनएसएस माला से स्वागत किया। इस अवसर पर युवाओं ने अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा स्वच्छता, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया।

नई दुनिया - 15.10.2018

Scanned with CamScanner

नांदगांव भास्कर

मतदाता जागरूकता के लिए गांव में निकाली रैली

युवा सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर कार्य करें- दिनेश गांधी

दैनिक दावा दिनांक 11.10.2018

Scanned with CamScanner

दुनिया मिरर

रासेयो ने युवाओं को दी स्वच्छता की जानकारी

नईदुनिया सिटी

रामपुर रासेयो शिविर में हुई बौद्धिक चर्चा

//नवभारत 13.10.2018//

रासेयो ने युवाओं को दी स्वच्छता की जानकारी

नईदुनिया 11.10.2018

राजनांदगांव भास्कर

दैनिक भास्कर 18.10.2018

आधुनिकीकरण के कारण वनों और वन्य प्राणियों की हुई क्षति-डॉ. कन्नौजे

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा वन्य प्राणियों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्राचार्य डॉ. गायत्री सिंह के मार्गदर्शन में वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह मनाया गया। डॉ. एस.आर. कन्नौजे ने कहा कि ये प्राणी जिन्हें पालतू नहीं बनाया जा सकता उन्हें वन्य प्राणी कहते हैं। मनुष्य के साथ ही वन्य प्राणी भी महत्वपूर्ण हैं। आधुनिकीकरण गतिविधियों के कारण वनों एवं वन्य प्राणियों की अधिक क्षति हुई है।

डॉ. भुवनेश्वरी राजेश पटेल ने कहा कि जनसंख्या में वृद्धि, बहुउद्देशीय परियोजनाएं, बांध निर्माण, औद्योगिकीकरण के कारण अनेक प्रजातियां विलुप्त के कगार पर है, सफेद बाघ, काला चीतल, जंगली भैंसा, मगरमच्छ, हिरण आदि।

राजनांदगांव. कॉलेज में वन्य प्राणी सप्ताह मनाया गया।

डॉ. गायत्री सिंह प्राचार्य ने कहा कि भारतीय वन्य जीवन बोर्ड की स्थापना 1952 में हुई। बोर्ड की अनुशंसा पर वन्य प्राणियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध है। बोर्ड ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में उल्लेखनीय कार्य किये हैं। सरकार ने पर्यावरण और पारिस्थितिकीय मंत्रालय स्थापित किया है, अनेक कानून भी बनाये गये है। भारतीय वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम 1972 में लागू हुआ, जिसके तहत प्राणियों को विशेष सुरक्षा प्रदान करता है। इस अवसर पर डॉ. निर्मला उमरे, डॉ. [illegible] भारत, श्रीमती [illegible], प्रो. अनिता [illegible], रासेयो दल नायक [illegible] विश्वकर्मा, छात्र दल नायक नितेश साहू आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि 16.01.2018

साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय युवा दिवस आयोजित

हरिभूमि न्यूज >> राजनांदगांव

16.01.2018

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में 12 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. गायत्री सिंह के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। मुख्य अतिथि हरीश गांधी व अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. गायत्री सिंह ने किया। विशेष अतिथि [illegible] साहू एवं श्री ठाकुर रहे। डॉ. एस.आर. कन्नौजे ने स्वामीजी के जीवन परिचय देते कहा कि स्वामीजी के गुरु रामकृष्ण परमहंस रहे। वे धरती में मात्र 39 साल जीवित रहे। उन्होंने पूरे भारत की यात्रा की और सबसे महान कार्य को अपनाया।

हरीश गांधी ने कहा कि युवा देश की रीढ़ है। देश में 65 प्रतिशत युवा है। युवा चाहे तो हवा का रुख बदल सकता है। [illegible]

[illegible] डॉ. गायत्री सिंह ने कहा कि स्वामीजी के गुरु [illegible] महान बनाया है। [illegible] स्वामी जी की जीवनी [illegible] है।

इस अवसर पर [illegible] साहू, [illegible] साहू का उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान अधिक संख्या में विद्यार्थी व महाविद्यालय परिवार उपस्थित थे।

देश के नवनिर्माण में युवा आगे आएं

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

दैनिक भास्कर 14.10.2018

साइंस कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय शिविर ग्राम रामपुर में सात दिनों लगाया गया। शिविर में बौद्धिक चर्चा कार्यक्रम के तहत विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा की गई।

जिला समन्वयक ग्रामीण स्वच्छता मिशन देवेन्द्र चौहान ने ग्रामीणों को अपने घर, गली, आंगन को स्वच्छ रखने की अपील की। स्वच्छ व स्वस्थ रहकर ही बीमारी से मुक्ति पाई जा सकती है। युवा शक्ति-राष्ट्र शक्ति विषय पर श्रीकांत पाण्डेय, जिला समन्वयक नेहरू युवा केन्द्र ने कहा कि युवाओं के आगे कोई असंभव कार्य नहीं है। डॉ.एस.आर. कन्नौजे ने कहा कि देश में 65 प्रतिशत युवा है, यदि युवा संकल्प कर लें तो कार्य पूर्ण होकर रहता है। युवा नदी की धारा को मोड़ सकता है। देश के नवनिर्माण में युवाओं को आगे आने कहा।

राजनांदगांव. रामपुर में लगे रासेयो शिविर में बौद्धिक चर्चा में जुटे ग्रामीण।

डॉ.मुकेश पटेल जिला संगठक ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत विषय पर कहा कि अनेकता में एकता दिखाई देती है। हर विकट परिस्थिति का मुकाबला मिलकर किया जा सकता है। डॉ. [illegible] ने मतदाता जागरूकता पर विचार रखे। डॉ. [illegible] भारत एवं [illegible] ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर जोर दिया। डॉ.भुवनेश्वरी राजेश पटेल, प्राचार्य डॉ. गायत्री सिंह, डॉ.एस.आर. कन्नौजे ने भी अपने विचार रखे।

Scanned with CamScanner

हरिभूमि

साइंस कॉलेज में संविधान दिवस आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 26 नवंबर को शासकीय विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में विधि दिवस (संविधान दिवस) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश विमल मिंज, न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय डॉ. प्रज्ञा पचौरी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा फास्ट ट्रेक कोर्ट शक्ति सिंह राजपूत, द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीकांत श्रीवास, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अंजली सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता नारायण कन्नौजे सहित सभी कॉलेज राजनांदगांव के लेक्चरार उपस्थित थे।

कार्यक्रम में श्री मिंज ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है तथा भारत विश्व में सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। भारत का संविधान बनाने हेतु संविधान सभा की पहली बैठक सन् 1946 में रखी गई थी । उन्होंने कहा कि छात्रों को अपने जीवन में मौलिक कर्तव्यों का और कानून के नियमों का पालन करना चाहिए। आप सभी देश के भविष्य हैं, इसलिए कानून को जानें और उसका पालन करें। द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीकान्त श्रीवास ने बताया कि भारत का संविधान 26 नवंबर 1950 को लागू किया गया। भारत का संविधान 2 वर्ष 11 माह 18 दिन के अथक प्रयास के बाद तैयार किया गया। जिसमें सभी के अधिकारों और हितों को ध्यान में रखा गया।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैककोर्ट शक्ति सिंह राजपूत ने कहा कि संविधान दिवस की शुरूआत करीब 38 साल पहले सर्वप्रथम इस के देश के प्रख्यात विधिवेत्ता डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी के प्रयासों और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा सन् 1979 में प्रारंभ की गई, तब से 26 नवंबर को विधि दिवस मनाया जाता है, जिसे वर्ष 2015 में बदलकर संविधान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय डॉ. प्रज्ञा पचौरी ने कहा कि संविधान के 42वें संशोधन मौलिक कर्तव्यों का समावेश किया गया है। इसके अंतर्गत जैसे हमें राष्ट्रीय ध्वज एवं राष्ट्रीय गान का सम्मान करना चाहिए, जब कोई कानून पारित होता है तो यह माना जाता है कि सभी को उस कानून की जानकारी हो गई है। उन्होंने कहा कि विधि मानवी का विज्ञान है। आर्टिकल 19 में हर व्यक्ति को बोलने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नागरत्ना गणवीर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. फुलसो राजेश पटेल, डॉ. एसआर कन्नौजे, डॉ. एलिजाबेथ भगत, डॉ. निर्मला उमरे एवं ग्रंथपाल सीमा ए. खाल एवं बड़ी संख्या में कॉलेज के विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

हरिभूमि 12-12-2018

हरिभूमि 27-10-2018

विज्ञान महाविद्यालय में मना विश्व खाद्य दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में विश्व खाद्य दिवस गत 16 अक्टूबर को मनाया गया। इस अवसर पर रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नौजे ने कहा कि प्रकृति द्वारा प्रदत्त खाद्य पदार्थ का मनुष्य द्वारा उपयोग कर उत्पन्न किए जाने वाले खाद्य पदार्थ खाद्य संसाधन कहलाते हैं।

शरीर की वृद्धि तथा उतकों के मरम्मत के लिए भोज्य पदार्थ जरूरी है, संतुलित आहार से शारीरिक एवं मानसिक विकास भली-भांति होता है। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि विश्व की जनसंख्या लगभग 7 अरब है, आवश्यकता के अनुरूप उत्पादन इतना अधिक नहीं बढ़ाया जा सकेगा। जिससे समस्या विकराल रूप धारण कर ही है। प्रगति के बावजूद वर्तमान समय में अधिकांश देश भुखमरी के शिकार हो रहे हैं। जनसंख्या वृद्धि के कारण मानव के पास कृषि योग्य भूमि कम है।

प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह ने कहा कि विश्व खाद्य समस्या के अनेक कारण है। जिसमें जनसंख्या वृद्धि, भौगोलिक दशाएं, प्राकृतिक आपदा, युद्ध, पोषक तत्वों का अभाव, असंतुलित आहार, निर्धनता, भूमि का विभाजन, अपर्याप्त सिंचाई सुविधाएं, पुराने कृषि उत्पादन विधि, जल की कमी है, इन्हें दूर कर खाद्य उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। रेडक्रास प्रभारी डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि भारत क्या लगभग 125 करोड़ है। जनसंख्या इसी तरह बढ़ती रही तो सन 2050 तक एक अरब 35 करोड़ हो जाएगी। इस अनुपात में कृषि भूमि की उपलब्धता कम होगी। जिसका प्रभाव खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा। इस अवसर पर डॉ. फुलसो राजेश पटेल, प्रो. अनिल चंद्रवंशी, श्रीमती अडहरि तथा अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

अच्छी पहल • शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज में कौमी एकता सप्ताह का हुआ समापन

महिलाएं अपने अधिकार को समझें: उमरे

दैनिक भास्कर
भास्कर न्यूज़ | राजनांदगांव
03.12.2018

शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज में कौमी एकता सप्ताह मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आयोजित इस सप्ताह में छात्र-छात्राओं को विभिन्न जानकारियां दी गईं। हर साल पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जन्मदिन से कौमी एकता सप्ताह के रूप में मनाया जाता है।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. गन्धेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नोजे ने कौमी एकता दिवस के महत्व पर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री गांधी गरीबों की मसीहा थी, उनके कार्य उच्च स्तर के थे, उन्हें भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया, उन्होंने भारत में रह रहे विभिन्न धर्म जाति, संप्रदाय के लोगों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। महिला जागरूकता पर डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाएं आगे हैं, महिलाएं अपने अधिकार और कर्तव्य को समझ कर अपने जिम्मेदारी का निर्वहन करें। डॉ. फुलसो राजेश पटेल ने सांप्रदायिक सद्भाव व एकता विषय पर कहा कि देश की एकता हम सब के लिए सर्वोपरि है, इसके विकास के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।

राजनांदगांव. कौमी एकता दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का शपथ लेते।

डॉ. नागरत्ना गनवीर ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर कहा कि पर्यावरण बिगाड़कर मानव तू जो करें विकास, के जरिए जागरूक किया।

पेंटिंग, निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिता भी हुई: कौमी एकता सप्ताह के तहत निबंध प्रतियोगिता में प्रथम लिलेश दिल्लीवार, द्वितीय दुर्गेश कुमार, तृतीय डेनिस कुमार रहे। नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम कु. संध्या जैन, द्वितीय निलेश साहू, तृतीय कु. डिलेश्वरी साहू रहीं। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम संगीत आचले, द्वितीय कु. पोणिता ठाकुर, तृतीय केशव कुमार भालेन्द्र रहे। रंगोली प्रति. में प्रथम कु. पुष्पलता वर्मा, द्वितीय कु. प्रीति, तृतीय कु. फलेश्वरी साहू रही।

हरिभूमि 01.12.2018

साइंस कॉलेज में कौमी एकता सप्ताह पर कार्यक्रम

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव में गत 19 से 25 नवंबर तक कौमी एकता सप्ताह रासेयो के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में मनाया गया।

19 नवंबर को स्व. इंदिरा गांधी भारत के प्रथम महिला प्रधानमंत्री के जन्मदिन को कौमी एकता दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ. एसआर कन्नोजे रासेयो अधिकारी ने कौमी एकता दिवस के महत्व पर कहा कि श्रीमती गांधी गरीबों की मसीहा थी। उनके कार्य उच्च स्तर के थे, उन्हें भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च सम्मान भारतरत्न प्रदान किया गया। उन्होंने भारत में रह रहे विभिन्न धर्म जाति, सम्प्रदाय के लोगों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। महिला जागरूकता पर डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाएं आगे हैं, महिलाएं अपने अधिकार और कर्तव्य को समझ कर अपने जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

डॉ. फुलसो राजेश पटेल ने साम्प्रदायिक सद्भाव एवं एकता विषय पर कहा कि देश की एकता हम सबके लिए सर्वोपरि है, इसके विकास के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर कहा कि पर्यावरण बिगाड़कर मानव तू जो करे विकास, एक दिन ऐसा आयेगा तू न ले पाएगा सांस, हरे वृक्ष है जीवनदाता, प्राण वायु और वर्षा लाता, उन्होंने वायु, जल, जंगल को बचाने की अपील की। डॉ.

निबंध स्पर्धा में लिलेश प्रथम

प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह ने कहा कि देश में विभिन्न धर्म के लोग रहते हैं। विभिन्नताओं के बावजूद देश में एकता कायम है, हम सभी का दायित्व है कि देश की एकता बनी रहे। कौमी एकता सप्ताह के तहत निबंध प्रतियोगिता में प्रथम लिलेश दिल्लीवार, द्वितीय दुर्गेश कुमार, तृतीय डेनिस कुमार रहे। नारा लेखन प्रति. में प्रथम संध्या जैन, द्वितीय निलेश साहू, तृतीय डिलेश्वरी साहू रहीं। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम संगीत आचले, द्वितीय पोणिता ठाकुर, तृतीय केशव कुमार भालेन्द्र रहे। रंगोली प्रति. में प्रथम पुष्पलता वर्मा, द्वितीय प्रीति, तृतीय फलेश्वरी साहू रहीं।

एलिजाबेथ भगत ने स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण विषय पर कहा कि हमारे पारिवारिक पर्यावरण स्वच्छ होना चाहिए, हर बच्चे को अच्छे संस्कार मिलना आवश्यक है।

नईदुनिया

पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के योगदानों को किया याद

नई दुनिया 01.12.2018

राजनांदगांव । नईदुनिया न्यूज

[illegible]

[illegible]

हरिभूमि

हरिभूमि 12.12.2018

एड्स दिवस पर महाविद्यालय परिवार ने बनाई मानव श्रृंखला

राजनांदगांव। विश्व एड्स दिवस पर एक दिसंबर को एड्स के विषय में युवाओं को जागरूक करने के लिए शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस इकाई द्वारा विविध कार्यक्रम जैसे निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग तथा एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

एड्स जागरूकता रैली के पश्चात महाविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के गार्डन में मानव श्रृंखला बनाकर एड्स जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. गन्धेश्वरी सिंह ने एड्स से बचे रहने और इस संबंध में लोगों को जागरूक करने अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। एनएसएस अधिकारी एसआर कन्नौजे ने एड्स से कैसे बचे रहें और दूसरों को कैसे बचाएं, के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। यूथ रेडक्रास प्रभारी डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि इसकी रोकथाम बेहतर तरीके से करने हेतु नैतिक शिक्षा, संयम तथा शिष्टाचार समय की मांग है।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के एड्स काउंसलर धर्मेन्द्र वर्मा ने कहा कि यह रोग हाथ मिलाने, साथ में खाने, एक-दूसरे के कपड़े पहनने तथा गले लगाने से नहीं होता। इन्होंने लक्षणों के बारे में बताया कि लगातार खांसी रहना, चमड़ी का संक्रमण, बार-बार दस्त, ग्रंथियों में सूजन, भूख न लगना, पसीना आना तथा वजन कम होना है। ब्लड बैंक काउंसलर जगदीश सोनी ने कहा कि नशे की दवाओं में सुई का प्रयोग, अनेक से यौन संबंध बनाने वालों, असुरक्षित काम, अंगछेदन और टैटू भी इस रोग के वाहक होते हैं। युवा रोग काउंसलर मिताली मेश्राम ने कहा कि यह वायरस हमारे रक्त में स्थित सीडी 4 कोशिका को नष्ट करता है। जिससे प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। यह वायरस शरीर में वैसे ही रहता है जैसे धरती के अंदर पानी, यह एक तरह से खामोश महामारी है। छत्तीसगढ़ में इसके जांच के लिए आईसीटीसी केन्द्र खोले गए हैं।

इस अवसर पर एड्स जागरूकता रैली तथा मानव श्रृंखला की वीडियोग्राफी तथा फोटो संबंधी कार्य महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी परेश वर्मा द्वारा ड्रोन के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

शिवनाथ साइंस कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली

नवभारत संवाददाता। राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज विश्व एड्स दिवस रासेयो व भारतीय रेडक्रास सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. गन्धेश्वरी सिंह, संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में मनाया गया. सर्वप्रथम एड्स जागरूकता रैली बसंतपुर वार्ड में निकाली गई. रैली का नेतृत्व चन्द्रकुमार विश्वकर्मा दलनायक, मिलेश साहू उप दलनायक ने किया. डॉ. एस.आर. कन्नौजे रासेयो अधिकारी ने कहा कि एड्स केवल चार कारणों से होता है, असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित खून चढ़ाने से, संक्रमित सुई से, संक्रमित गर्भवती माँ से बच्चे को. भारत में एच.आई.व्ही. की रोकथाम के लिए सरकारी एजेंसी नाको काम करती है. इसके अनुसार भारत में 21 लाख लोग संक्रमित है. डॉ. गन्धेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य ने कहा कि भारत के बहुत से राज्यों में एड्स अपना पांव पसार चुका है. छत्तीसगढ़ में 25 हजार से अधिक लोग एच.आई.व्ही. जैसे घातक बीमारी से जूझ रहे है. जो चिंता का विषय है. डॉ. एलिजाबेथ भगत प्रभारी रेडक्रास ने कहा कि नैतिक शिक्षा व शिष्टाचार समय की मांग है.

नवभारत 02.12.2018

शिवनाथ महाविद्यालय में विश्व मानव अधिकार दिवस पर संगोष्ठी

नवभारत संवाददाता। राजनांदगांव

नवभारत 14.12.2018

प्राचार्य डॉ. गन्धेश्वरी सिंह के निर्देशन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानव अधिकार दिवस पर संगोष्ठी का [illegible] कार्यक्रम में मुख्य [illegible] आवश्यक है कि व्यक्ति अपनी समस्या को स्वयं बताये. कई बार नहीं बताने के कारण समस्याएं और ज्यादा उलझ जाती है और मानव अधिकारों का हनन होता है. परिणाम स्वरूप आम जनता पीड़ित हो जाती है. जागरूकता के [illegible] की सुरक्षा की गारंटी दी जा सकती है. जब वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी देशहित में अपने कर्तव्यों का पालन करें.

निश्चित ही आज की संगोष्ठी से हम सभी अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का पालन सम्यक रूप से करने का प्रयास करेंगे तभी हमारे देश में भेदभाव रहित समतामूलक समाज की परिकल्पना की जा सकेगी. प्राचार्य - डॉ. सिंह ने विश्व मानव अधिकार दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीवन स्वतंत्रता, समानता और गरिमा से जीने का अधिकार है. इन अधिकारों के बिना व्यक्ति का विकास संभव नहीं है. कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि मानव अधिकारों का प्रारंभ सर्वप्रथम 1215 में इंग्लैण्ड के रनीमेड नामक स्थान से हुआ.

नईदुनिया 16.01.2019

युवा ही समाज में परिवर्तन ला सकते हैं : गांधी

राजनांदगांव। अतिथियों ने युवाओं को नशे से दूर रहने का भी आव्हान किया।

राजनांदगांव। नईदुनिया न्यूज

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद का जन्म दिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। मुख्यअतिथि हरीश गांधी थे। अध्यक्षता प्राचार्य डा.गन्धेश्वरी सिंह ने की। विशेषअतिथि के रूप में स्वयं सेवक नागेश यदु उपस्थित रहे। डा. एसआर कन्नौजे ने स्वामी के जीवन परिचय देते हुए कहा कि स्वामी जी के गुरू रामकृष्ण परमहंस रहे।

वे धरती में मात्र 39 साल जीवित रहे, उन्होंने पूरे भारत की यात्रा की और सेवा जैसे महान कार्य को अपनाया। हरीश गांधी ने कहा कि युवा देश की रीढ़ है, तो हवा का रुख बदल सकता है, अपने अंदर की शक्ति को युवा पहचाने, समाज में परिवर्तन लाने का कार्य युवा ही कर सकता है।

राष्ट्रहित में करें काम

नागेश यदु ने कहा कि आज युवाओं को देश के लिए जीने की जरूरत है, अपने कार्य को राष्ट्रहित के कार्य समझकर पूर्ण करें। ठाकुर ने कहा कि आज युवा नशे के चपेट में है, नशे को त्यागे बिना समाज आगे नहीं बढ़ सकता। डा. गन्धेश्वरी सिंह ने कहा कि स्वामी जी के दृढ़ इच्छा शक्ति व राष्ट्रभक्ति ने भारत को महान बनाया है। युवा तन से नहीं मन से होता है, स्वामी जी की जीवन यात्रा मानव से महामानव बनने की यात्रा है। इस दौरान अक्षय वर्मा, मोहनीश साहू, विजय साहू,

Scanned with CamScanner

नवभारत

रामपुर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

नवभारत संवाददाता। राजनांदगांव

नवभारत दि. 8-6-19

शासकीय शिवनाथ विज्ञान राजनांदगांव के गोद ग्राम रामपुर में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. डॉ. गंधेश्वरी सिंह प्राचार्य के मार्गदर्शन में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता किशोर यादव सरपंच, ग्राम पंचायत रामपुर ने किया. ग्रामीणजनों व रासेयो स्वयंसेवकों को स्वच्छता शपथ दिलायी, सभी ने संकल्पित होकर ग्राम, गली, मोहल्ले को गंदा न करने की शपथ ली.

डॉ. एस.आर. कन्नोजे सहा. प्राध्यापक ने पेड़ के महत्व को बतलाते हुये कहा कि पेड़ के कण-कण में देवता का वास है, डूमर, कौहा, नीम प्राकृतिक ऐन्टीनेट हैं जो ज्यादा देर तक पानी को रोककर रखते हैं, नमी बरकरार रखते हैं, पौधे वातावरण के दूषित वायु को सोखकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन देते हैं. अतः हर खाली जगह में पौधे रोपें. लिकेश्वर सिन्हा ने कहा कि जल, जंगल, जमीन, जीवन के आधार हैं. इसके बिना जीवन अधूरा है. आज शुद्ध हवा मिलना मुश्किल हो गया है. बढ़ते वाहन, पेट्रोल व डीजल की खपत, कोयले के जलने से वायु में प्रदूषण बढ़ते जा रहे हैं, प्रदूषण कैंसर जैसे महारोग को जन्म देते हैं. पानी के महत्व को बतलाते हुये कहा कि हम बूंद-बूंद जल का सम्मान करें. तेजी से पानी की समस्या बलवती हो रही है. कहीं पानी के बिना कंठ सूख जाये, हमें जल का संरक्षण व संवर्धन करना होगा.

पर्यावरण दिवस पर दिलाई स्वच्छता की शपथ

दिनांक 11.06.2019 (हरिभूमि)

पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के गोद ग्राम रामपुर में गत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच किशोर यादव ने की।

इस अवसर पर किशोर यादव ने ग्रामीणों व रासेयो स्वयंसेवकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। सभी ने संकल्पित होकर ग्राम, गली, मोहल्लों को गंदा न करने की शपथ ली। सहा. प्राध्यापक डॉ. एसआर कन्नोजे ने पेड़ के महत्व को बताते कहा कि पेड़ के कण-कण में देवता का वास है। डूमर, कौहा, नीम प्राकृतिक एन्टीनेट है, जो ज्यादा देर तक पानी को रोककर रखते है, नमी बरकरार रखते है, पौधे

वातावरण के दूषित वायु को सोखकर हमें प्राणवायु ऑक्सीजन देते हैं।

लिकेश्वर सिन्हा ने कहा कि जल, जंगल, जमीन, जीवन के आधार हैं, इसके बिना जीवन अधूरा है। आज शुद्ध हवा मिलना मुश्किल हो गया है। बढ़ते वाहन, पेट्रोल व डीजल की खपत, कोयले के जलने से वायु में प्रदूषण बढ़ते जा रहे हैं। प्रदूषण कैंसर जैसे महारोग को जन्म देते हैं। पानी के महत्व को बताते उन्होंने कहा कि हम बूंद-बूंद जल का सम्मान करें, तेजी से पानी की समस्या बलवती हो रही है। कहीं पानी के बिना कंठ सूख जाए, हमें जल का संरक्षण व संवर्धन करना होगा।

प्लास्टिक खतरनाक

सरपंच किशोर यादव ने प्लास्टिक से होने वाले खतरों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हम दुकानों में प्लास्टिक की मांग न करें, हर सामग्री को थैले में लाएं। प्लास्टिक धीमा जहर है. यह बहुत वर्षों तक सड़ता-गलता नहीं है। इसमें मौजूद रासायनिक केमिकल शरीर को हानि पहुंचाते है। सभा को अक्षय वर्मा, चंद्रकुमार विश्वकर्मा, हितेश साहू ने संबोधित किया। सभी ने स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण बनाने की अपील की। इस अवसर पर बीरबल सिन्हा पंच, शिक्षकगण, ग्राम की महिला समूह व रासेयो स्वयंसेवकगण उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

संस्कारधानी भूमि

व्यक्तिगत के साथ सामुदायिक स्वच्छता जरूरी

साइंस कॉलेज में स्वच्छता पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज >> राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 1 से 15 अगस्त तक प्राचार्य डॉ. केशरी सिंह के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। गत 10 अगस्त को केशव चिर्वतकर सेवानिवृत्त वैज्ञानिक चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य आतिथ्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सिंह ने कहा कि विद्यार्थी को जिज्ञासु होना चाहिए, स्वच्छता का ज्ञान सभी के लिए जरूरी है।

मुख्य अतिथि श्री चिर्वतकर ने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ ही सामुदायिक स्वच्छता को महत्व देनी चाहिए। गंदगी से बीमारी फैलती है। उन्होंने कहा कि गंदगी में बैक्टीरिया, वायरस पनपते हैं और खाने-पीने के माध्यम से शरीर में पहुंचकर रोग उत्पन्न करते हैं। हमें अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ानी चाहिए। खाना खाने से पहले व शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोना चाहिए। जिससे उंगलियों में पनपने वाले जीवाणु नष्ट हो जाए। कूड़े को

कूड़ेदान में डालना चाहिए, जलाना नहीं चाहिए, हम सबको स्वच्छता की आदत को अपनाना है, स्वच्छता से अच्छा स्वास्थ्य, मन में खुशी व वैभव मिलता है।

इस अवसर पर डॉ. नागरत्ना गनवीर, डॉ. एस.आर. कन्नौजे, डॉ. एल.एन. [illegible] भगत, [illegible] राजेश पटेल, ज्योति तिवारी ने स्वच्छता पर अपने विचार रखे। व्याख्यान में महाविद्यालय के स्टाफ एवं अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

हरिभूमि 13-8-2019

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मना

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 28 फरवरी को विज्ञान संकाय के तत्वावधान में डॉ. [illegible] सिंह [illegible] के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया. डॉ. [illegible] ने कहा कि डॉ. सी.वी. रमन के [illegible] रमन प्रभाव के नाम से जाना जाता है. [illegible] और वैज्ञानिक [illegible] राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को यह दिवस मनाया जाता है. डॉ. [illegible] ने कहा कि भारत में विज्ञान का दैनिक प्रयोग होना चाहिए, यह देश की [illegible] का एक प्रमुख कारण बन सकता है, आज [illegible] के स्थान पर रोबोट का प्रयोग तेजी से हो रहा है. डॉ. [illegible] ने कहा कि [illegible] विज्ञान का है, किसी भी चीज का क्रमबद्ध व व्यवस्थित ज्ञान ही विज्ञान है, मोबाइल का चलन जोरों पर है.

नवभारत 14.08.2019

रामपुर के युवकों ने गांव में पौधरोपण कर लिया सुरक्षा का संकल्प

डोंगरगांव. डोंगरगांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत रामपुर सरपंच किशोर यादव ने पर्यावरण के विनाश को देखते हुए अपनी टीम एवं मितानिनों के सहयोग से बड़ी संख्या में पौधरोपण किया, जिसमें गुलमोहर, नीम, करंज सहित फलदार पौधों को शामिल किया गया और उनके बढ़ने तक संरक्षित करने का संकल्प लिया. इस अवसर पर पौधों की सुरक्षा के लिए सभी पौधों में ट्री-गार्ड जाली लगाया गया.

नई दुनिया 14.08.2019

एनएसएस की टीम ने रोपे पौधे

खैरझिटी (राजनांदगांव)। नईदुनिया न्यूज

जनसेवा के कार्यों में अग्रणी शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव द्वारा लगातार शिविर लगाकर सेवा कार्यों को संपादित किया जा रहा है। इसी के तहत ग्राम रामपुर में स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है। लगातार गांवों में जाकर स्वच्छता पखवाड़ा तो चलाया ही जा रहा है, पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ा जा रहा है।

कॉलेज की एनएसएस की टीम द्वारा यह पखवाड़ा एक से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा। इसी कड़ी में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण किया गया। हर दिन स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को ग्राम रामपुर में स्वच्छता प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए पहुंचे थे। यहां फल व छायादार पौधे लगाए गए। साथ ही [illegible] के जरिए उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाने का संदेश दिया गया और

स्वच्छता अभियान के तहत आसपास क्षेत्र की सफाई की गई। ● नईदुनिया

रामपुर गांव में चलाया स्वच्छता पखवाड़ा

कई नालियों की साफ-सफाई की गई। एनएसएस संघ के कार्यक्रम अधिकारी [illegible] ने बताया कि उक्त कार्यक्रम महाविद्यालय के एनएसएस संघ के अध्यक्ष एस.आर. कन्नौजे के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

प्रोफेसरों का मार्गदर्शन मिला

एनएसएस की टीम गांवों में विभिन्न गतिविधियों को लगातार अंजाम देती रहती है। इसके विद्यार्थी सामाजिकता से जुड़े तमाम कार्यों को तत्परता के साथ अंजाम दे रहे हैं। इन कार्यों में कॉलेज के प्राचार्य के अलावा तमाम प्रोफेसरों का भी सहयोग और विशेष मार्गदर्शन मिल रहा है। यही कारण है कि एनएसएस की टीम पूरे उत्साह के साथ कार्यों में लगी है। बताया गया कि जल्द ही अगले अभियान के तहत किसी अन्य गांव में जाकर सेवा कार्यों को अंजाम दिया जाएगा।

Scanned with CamScanner

नवभारत

स्वच्छता पखवाड़ा में शिवनाथ साइंस कॉलेज के छात्र कर रहे साफ-सफाई, चला रहे अभियान

राजनांदगांव. छात्रों ने कॉलेज परिसर में की साफ-सफाई।

[illegible] ... हुए। ... डॉ. उमरे ने कहा कि कॉलेज परिसर को स्वच्छ रखना हम सबकी जवाबदारी है। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि स्वच्छता ईश्वरीय देन है, इसे बरकरार रखना है। डॉ. एस.आर. कन्नौजे ने कहा कि स्वच्छता है जहां स्वर्ग है वहां, स्वच्छता से बीमारी दूर होती है। उन्होंने पखवाड़े में होने वाले गतिविधि की जानकारी दी। 3 अगस्त को कॉलेज की कक्षाओं एवं परिसर तथा साइकल स्टैण्ड परिसर की साफ-सफाई की गई। 6 अगस्त को कैंटीन के सामने गाजर घास को उखाड़ा गया एवं खरपतवार की साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर डॉ. निर्मला उमरे, डॉ. ए.एन. कन्नौजे, डॉ. कुलमसे, राजेश पटेल, डॉ. नागरत्ना गनवीर, निर्मल जैन, सीमा ए. लाल, डॉ. एलिजाबेथ भगत, स्वाति तिवारी एवं अधिक संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर 08.8.2019

जेंडर चेम्पियन पर व्याख्यान

राजनांदगांव। शास. शिवनाथ साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 17 अगस्त को प्राचार्य डॉ. गन्धेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में जेंडर चेम्पियन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि भारत में 1000 पुरुष के पीछे 945 महिलाएं हैं। महिलाएं कुछ हटकर नहीं कर पाती। जिससे घरेलू हिंसा की शिकार हो रही है। एनएसएस अधिकारी एसआर कन्नौजे ने कहा कि महिलाएं भावनात्मक रूप से सशक्त होती है। उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव न हो।

सीमा ए. लाल ने कहा कि किसी भी महिला के साथ यदि अत्याचार होता है तो उसे कानून का सहारा लेना चाहिए, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की जरूरत है। डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि पुरानी परंपरा में बदलाव लानी जरूरी है, लड़कियां हर क्षेत्र में सक्षम है, उन्हें कमजोर समझने की भूल न करें। डॉ. एस.एन. माथोजा ने कहा

कि यूजीसी के निर्देशानुसार प्रत्येक महाविद्यालय में एक छात्र व एक छात्रा को जेंडर चेम्पियन बनाया जाना है। जिससे लीडरशीप के गुण हो। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्राध्यापक स्वाति तिवारी ने कहा कि महाविद्यालय में जेंडर चेम्पियन के लिए छात्र प्रतिनिधि के रूप में मिलेश साहू एवं छात्रा प्रतिनिधि के रूप में प्रिया यादव का चयन किया गया है। हमें संकल्पित होकर दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए आवाज बुलंद करनी होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफ एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

हरिभूमि 22.8.2019

साइंस कॉलेज में मना सद्भावना दिवस

नवभारत संवाददाता : राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 20 अगस्त को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जन्मदिवस को सद्भावना दिवस के रूप में डॉ. गन्धेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में मनाया गया. प्रातःकाल राजनांदगांव नगर के शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थी एवं स्टॉफ तथा जिला कलेक्टर एवं प्रशासनिक अधिकारी म्यूनिसिपल स्कूल में एकत्रित हुये, जहाँ से सद्भावना दौड़ का प्रारंभ हुआ. नगर के प्रमुख मार्गों से दौड़ते हुए स्कूल में समापन हुई. उपरांत जिला कलेक्टर ने सभी को सद्भावना शपथ दिलाया तथा राजीव गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला. महाविद्यालय के

विद्यार्थी एवं स्टॉफ सद्भावना दौड़ में सम्मिलित हुये.

महाविद्यालय में सभा को संबोधित करते हुये डॉ. गन्धेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य ने कहा कि भारत में जाति, धर्म, क्षेत्रीयता के आधार पर विविधता है, अपने राष्ट्र को हर क्षेत्र में सुदृढ़ बनाना है. हम एकता के बल पर राष्ट्र को मजबूत व शक्तिशाली बना सकते हैं, अपनी प्रतिभा को पहचान कर राष्ट्रहित में योगदान दें. समाज व राष्ट्र का कल्याण सद्भाव के रास्ते पर चलने से ही है. प्राचार्य महोदय ने उपस्थितजनों को सद्भावना शपथ दिलाई. कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर सहायक प्राध्यापक ने इस अवसर पर कहा कि सद्भावना का मतलब है एक दूसरे के प्रति अच्छी भावना. हम सभी जाति, धर्म के प्रति शुभभावना रखें, लोगों में प्यार बांटें और प्यार पायें. उन्होंने कहा इस दिन को हीन का पाठ सिखाया जाता है.

नवभारत 23.8.2019

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 1 से 15 अगस्त तक डॉ. गन्धेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है. 2 अगस्त को डॉ. निर्मला उमरे प्रभारी प्राचार्य ने सभा में उपस्थित विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टॉफ को स्वच्छता शपथ दिलाई.

नवभारत 07.8.2019

शिवनाथ साइंस कॉलेज में स्वच्छता पखवाड़ा

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज ने राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 1 से 15 अगस्त तक डॉ. गन्धेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है. दिनांक 02 अगस्त को डॉ. निर्मला उमरे प्रभारी प्राचार्य ने सभा में उपस्थित विद्यार्थियों एवं महाविद्यालयीन स्टॉफ को स्वच्छता शपथ दिलायी. डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखना हम सबकी जवाबदारी है. डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि स्वच्छता ईश्वरीय देन है, इसे बरकरार रखना है. डॉ. एस.आर. कन्नौजे ने कहा कि स्वच्छता है जहां स्वर्ग है वहां, स्वच्छता से बीमारी दूर होती है. उन्होंने पखवाड़े में होने वाले गतिविधि की जानकारी दी. दिनांक 03 अगस्त को महाविद्यालय के कक्षाओं एवं परिसर तथा सायकल स्टैण्ड परिसर की साफ-सफाई की गई. दिनांक 06 अगस्त को कैंटीन के सामने गाजर घास को उखाड़ा गया एवं खरपतवार की साफ-सफाई की गई.

नवभारत 8.8.2019

नवभारत 25.7.2019

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में महाविद्यालय में 23 जुलाई को वृहत पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया. इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य, एनएसएस अधिकारी महाविद्यालय के अधिकारी/कर्मचारी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा नीम, गुलमोहर आदि के पौधे रोपे गये.

नवभारत 12.8.2019

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 1 से 15 अगस्त तक डॉ. गन्धेश्वरी सिंह संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है. 10 अगस्त को श्रीमान के.आर. विर्वतकर सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य आतिथ्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया.

Scanned with CamScanner

नईदुनिया

साइंस कॉलेज में ओजोन दिवस मनाया

राजगढ़लालबाग। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस डॉ. निर्मला उमरे प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में मनाया गया।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर ओजोन बनता है, जो वायु मंडल में 10 से 15 किलोमीटर की दूरी पर एक पतली परत बनाते हैं जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को धरती में आने से रोकती है।

नई दुनिया 23.9.2019

ऑक्सीजन के तीन परमाणु से बनता है ओजोन : उमरे

राजगढ़लालबाग। नईदुनिया न्यूज

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस डॉ. निर्मला उमरे प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में मनाया गया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ.निर्मला उमरे ने कहा कि ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर ओजोन बनता है, जो वायु मंडल में 10 से 15 किलोमीटर की दूरी पर एक पतली परत बनाते हैं जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को धरती में आने से रोकती है।

घातक गैसों की दी जानकारी

ओजोन के क्षरण होने का प्रमुख कारण है, मानव निर्मित यौगिक क्लोरोफ्लोरो कार्बन व हैलोन गैसें। इन गैसों का उपयोग फ्रीज, शीतलन उपकरणों, छिड़काव प्रसाधनों, स्वास्थ्य उत्पादों एवं उद्योगों में होता है। डॉ. एसआर कन्नोजे ने कहा कि ओजोन की परत को सर्वाधिक नुकसान अंटार्कटिका क्षेत्र के ऊपर हो रहा है, इसी कारण पराबैंगनी किरणों का ज्यादा दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है, त्वचा कैंसर जैसे भयंकर रोग पनप रहे हैं, यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है, जिससे संक्रामक रोग की संभावना कई गुना बढ़ जाता है। सहायक प्राध्यापक स्वाति तिवारी ने कहा कि पराबैंगनी किरणों के घातक प्रभाव से पौधों के उपज में कमी हो रही है, समुद्री जीवों की संख्या भी घट रही है, ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बलवती हो रही है, श्वसन संबंधी समस्या बढ़ रही है, मानव में टीबी, दमा व अन्य घातक रोग पनप रहे हैं, मोतियाबिंद व अंधापन रोग पनपने लगा है, मानव और पर्यावरण का आपसी संबंध बहुत ही नाजुक है। हमारी धरती एक है आसमान एक है, फिर भी हम क्यों विकसित व विकासशील देश में बंटे हुए हैं। हम ओजोन मित्र उपभोक्ता बनें, ओजोन मित्र नागरिक बनें।

ओजोन संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को दी जानकारी। फोटो : नईदुनिया

हरिभूमि 18.9.2019

साइंस कॉलेज में मनाया गया विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

राजगढ़लालबाग। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 16 सितंबर को विश्व ओजोन संरक्षण दिवस प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में मनाया गया।

सभा को संबोधित करते डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर ओजोन बनता है, जो वायु मंडल में 10 से 15 किलोमीटर की दूरी पर एक पतली परत बनाते हैं जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को धरती में आने से रोकती है। ओजोन के क्षरण होने का प्रमुख कारण है, मानव निर्मित यौगिक क्लोरोफ्लोरो कार्बन व हैलोन गैसें। इन गैसों का उपयोग फ्रीज, शीतलन उपकरणों, छिड़काव प्रसाधनों, स्वास्थ्य उत्पादों एवं उद्योगों में होता है।

डॉ. एसआर कन्नोजे ने कहा कि ओजोन की परत को सर्वाधिक नुकसान अंटार्कटिका क्षेत्र के ऊपर हो रहा है। इसी कारण पराबैंगनी किरणों का ज्यादा दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। त्वचा कैंसर जैसे भयंकर रोग पनप रहे हैं। यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है। जिससे संक्रामक रोग की संभावना कई गुना बढ़ जाता है।

सहायक प्राध्यापक स्वाति तिवारी ने कहा कि पराबैंगनी किरणों के घातक प्रभाव से पौधों के उपज में कमी हो रही है। समुद्री जीवों की संख्या भी घट रही है, ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बलवती हो रही है, श्वसन संबंधी समस्या बढ़ रही है, मानव में टीबी, दमा व अन्य घातक रोग पनप रहे हैं, मोतियाबिंद व अंधापन रोग पनपने लगा है, मानव और पर्यावरण का आपसी संबंध बहुत ही नाजुक है। हमारी धरती एक है आसमान एक है, फिर भी हम क्यों विकसित व विकासशील देश में बंटे हुए हैं। हम ओजोन मित्र उपभोक्ता बनें, ओजोन मित्र नागरिक बनें। इस अवसर पर छात्रों में पर्यावरण के प्रति जनजागरूकता जगाने के उद्देश्य से निबंध प्रतियोगिता विषय ओजोन परत धरती की रक्षा कवच का आयोजन किया गया।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस मना

नवभारत संवाददाता। राजगढ़लालबाग

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 16 सितम्बर को विश्व ओजोन संरक्षण दिवस डॉ. निर्मला उमरे प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में मनाया गया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि ऑक्सीजन के तीन परमाणु से मिलकर ओजोन बनता है, जो वायु मंडल में 10 से 15 किलोमीटर की दूरी पर एक पतली परत बनाते हैं जो सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को धरती में आने से रोकती है।

ओजोन की परत को सर्वाधिक नुकसान अंटार्कटिका क्षेत्र के ऊपर हो रहा है, इसी कारण पराबैंगनी किरणों का ज्यादा दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है, त्वचा कैंसर जैसे भयंकर रोग पनप रहे हैं, यह शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है, जिससे संक्रामक रोग की संभावना कई गुना बढ़ जाता है. स्वाति तिवारी, सहा. प्राध्यापक ने कहा कि पराबैंगनी किरणों के घातक प्रभाव से पौधों के उपज में कमी हो रही है, समुद्री जीवों की संख्या भी घट रही है, ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बलवती हो रही है, श्वसन संबंधी समस्या बढ़ रही है, मानव में टीबी, दमा व अन्य घातक रोग पनप रहे हैं, मोतियाबिंद व अंधापन रोग पनपने लगा है, मानव और पर्यावरण का आपसी संबंध बहुत ही नाजुक है. हमारी धरती एक है आसमान एक है, फिर भी हम क्यों विकसित व विकासशील देश में बंटे हुए हैं. हम ओजोन मित्र उपभोक्ता बनें, ओजोन मित्र नागरिक बनें.

नवभारत 18.9.2019

Scanned with CamScanner

नवभारत 18.9.2019

शिवनाथ साइंस कालेज में सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन पर व्याख्यान

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन के संबंध व्याख्यान का आयोजन डॉ. निर्मला उमरे प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में किया गया. प्रो. विजय मानिकपुरी समाज कार्य विभाग, शास. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे. विशेष अतिथि डॉ. सुरेश पटेल रासेयो जिला संगठक उपस्थित रहे. डॉ. निर्मला उमरे प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि प्लास्टिक पर्यावरण के लिए प्रदूषणकारी है, प्लास्टिक हलका, मनभावन व सुविधाजनक है, हर घर में हर व्यक्ति के चलन में है, इस पर कड़े प्रतिबंध होना चाहिए. प्रो. विजय मानिकपुरी ने कहा कि पालीथीन मौत का दूत है, यह जलाने से भी नष्ट नहीं होता, जलाने से क्लोरोफ्लोरो कार्बन निकलता है जो वायु मंडल को क्षति पहुंचाता है. प्लास्टिक को सड़ने में कई वर्ष लग जाते हैं, कभी भी गर्म वस्तु को पालीथिन में नहीं रखनी चाहिए, इसके कण खाद्य पदार्थ के साथ शरीर में पहुंचते हैं, ये जमीन को बंजर बनाते हैं व जमीन की उर्वरा शक्ति को नष्ट कर देते हैं.

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में कार्यक्रम

हरिभूमि - 10.9.2019

जल संरक्षण संवर्धन पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में जल शक्ति अभियान के तहत स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत 4 सितंबर को जल संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर प्रो. केके द्विवेदी शासकीय कमलादेवी राठी महाविद्यालय राजनांदगांव का व्याख्यान प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

सभा को संबोधित करते प्रभारी प्राचार्य डॉ. उमरे ने कहा कि जल ही जीवन है, जल ने हमें नई सभ्यता दी, शरीर के प्रत्येक भाग में 70 प्रतिशत जल है, 97 प्रतिशत पानी समुद्री जल के रूप में है, 02 प्रतिशत बर्फ के रूप में जमा है, मात्र एक प्रतिशत पानी पेयजल के रूप में मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या के सामने कम पड़ते जा रही है। जल की कमी बुरे से बुरे दिन दिखा सकता है।

बूंद-बूंद पानी बचाएं

मुख्य वक्ता प्रो. केके द्विवेदी ने कहा कि जल से शांति व शक्ति मिलती है। बड़े-बड़े उद्योग चलते हैं, हर घर में वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल का संचयन किया जा सकता है। बूंद-बूंद जल बचाकर मानवता का परिचय दें। आने वाला युद्ध यदि होगा तो जल के लिए ही होगा। रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नौजे ने कहा कि धरती में छेद करो और पानी निकालो की प्रवृत्ति ने धरती को खोखला कर दिया है। आने वाला समय मुश्किल भरा होगा, हम बूंद-बूंद जल बचाएं और जल से भरा जहान बनाएं। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफ एवं अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर - 12.9.2019

संसार में एक प्रतिशत पेयजल बचाना बेहद जरूरी: डॉ. उमरे

साइंस कॉलेज में जल संरक्षण संवर्धन पर व्याख्यान

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान कॉलेज में जल शक्ति अभियान के तहत स्वच्छता पखवाड़े में जल संरक्षण और संवर्धन विषय पर प्रो. केके द्विवेदी ने प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में व्याख्यान दिया। डॉ. उमरे ने कहा कि जल ही जीवन है। जल ने हमें नई सभ्यता दी। शरीर के प्रत्येक भाग में 70 प्रतिशत जल है। 97 प्रतिशत पानी समुद्री जल के रूप में है। 2 प्रतिशत बर्फ के रूप में जमा है।

मात्र 1 प्रतिशत पानी पेयजल के रूप में मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या के सामने कम पड़ते जा रही है। जल की कमी बुरे से बुरे दिन दिखा सकता है। प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि जल से शांति व शक्ति मिलती है। बड़े-बड़े उद्योग चलते हैं। हर घर में वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल का संचयन किया जा सकता है। बूंद-बूंद जल बचाकर मानवता का परिचय दें। आने वाला युद्ध यदि होगा तो जल के लिए ही होगा। डॉ. एसआर कन्नौजे ने कहा कि धरती में छेद करो और पानी निकालो की प्रवृत्ति ने धरती को खोखला कर दिया है। आने वाला समय मुश्किल भरा होगा। हम बूंद-बूंद जल बचाएं और जल से भरा जहान बनाएं। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरिभूमि 26.9.2019

साइंस कॉलेज में व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 17 सितंबर को प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में यूथ रेडक्रास इकाई द्वारा नेत्र रोग एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी शासकीय अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद लोहिया एवं डॉ. यामिनी रावटे द्वारा व्याख्यान एवं परामर्श दिया गया।

डॉ. विनोद लोहिया ने कहा कि आंखों में समय-समय पर विभिन्न प्रकार की विकृति आ जाती है। जिसका समय पर ईलाज जरूरी है। विटामिन ए की कमी से होने वाले रतौंधी रोग। जिसमें रोगी को कोई वस्तु दिखाई नहीं देता, मोतियाबिंद (कटेरेक्ट) जिसमें लैंस में धुंधलापन आ जाता है, लैंस को साफ कर रोगी को ठीक किया जा सकता है। निकट दृष्टि दोष व दूर दृष्टि दोष तथा वर्णान्धता (कलर ब्लाइंडनेस) जिसमें रोगी रंगों की पहचान नहीं कर सकता। इसके अलावा आंखों में होने वाले बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया गया और व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने जोर दिया। डॉ. यामिनी रावटे नेत्र रोग विशेषज्ञ ने कहा कि नेत्र रोग जांच (परीक्षण) को सुविधा जिला चिकित्सालय में है। उन्होंने नेत्रदान के विषय में विस्तार से बताया। आंखों को रोगमुक्त रखने के लिए विटामिन ए तथा प्राकृतिक खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित रूप से करें। उन्होंने आंख को समय-समय पर ठंडे पानी से धोने कहा तथा रेटिना का विशेष ध्यान रखने कहा। प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि नेत्र अनमोल है, आंख है तो जान है, जहान है, नेत्र की समय-समय पर जांच जरूरी है, चश्मे के नंबर की जांच जरूरी है। विद्यार्थी आंखों के बारे में सजग रहें। इस अवसर पर डॉ. एसआर कन्नौजे रासेयो अधिकारी, डॉ. पुलसी राजेश पटेल, डॉ. एलिजाबेथ भगत रेडक्रास प्रभारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

Scanned with CamScanner

दैनिक भास्कर

आप पढ़ रहे हैं देश का एकमात्र नो निगेटिव अखबार

दिनांक 17.9.2019

नांदगांव हरिभूमि 14

सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन पर व्याख्यान

कॉलेज के छात्रों ने किया रक्तदान

दैनिक भास्कर 10-10-2019

जमीन को बंजर बनाता है प्लास्टिक

नई दुनिया 23.9.2019

राजनांदगांव-जिला

नवभारत दिनांक 26.9.2019

Scanned with CamScanner

दैनिक भास्कर

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में कार्यक्रम

हरिभूमि - 10.9.2019

जल संरक्षण संवर्धन पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में जल शक्ति अभियान के तहत स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत 4 सितंबर को जल संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर प्रो. केके द्विवेदी शासकीय कमलादेवी राठी महाविद्यालय राजनांदगांव का व्याख्यान प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

सभा को संबोधित करते प्रभारी प्राचार्य डॉ. उमरे ने कहा कि जल ही जीवन है, जल ने हमें नई सभ्यता दी, शरीर के प्रत्येक भाग में 70 प्रतिशत जल है, 97 प्रतिशत पानी समुद्री जल के रूप में है, 02 प्रतिशत बर्फ के रूप में जमा है, मात्र एक प्रतिशत पानी पेयजल के रूप में मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या के सामने कम पड़ते जा रही है। जल की कमी युद्ध में युद्ध दिन दिखा सकता है।

बूंद-बूंद पानी बचाएं

नवभारत 18.9.2019

दैनिक भास्कर - 12.9.2019

संसार में एक प्रतिशत पेयजल बचाना बेहद जरूरीः डॉ. उमरे

साइंस कॉलेज में जल संरक्षण संवर्धन पर व्याख्यान

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान कॉलेज में जल शक्ति अभियान के तहत स्वच्छता पखवाड़े में जल संरक्षण और संवर्धन विषय पर प्रो. केके द्विवेदी ने प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में व्याख्यान दिया। डॉ. उमरे ने कहा कि जल ही जीवन है। जल ने हमें नई सभ्यता दी। शरीर के प्रत्येक भाग में 70 प्रतिशत जल है। 97 प्रतिशत पानी समुद्री जल के रूप में है। 2 प्रतिशत बर्फ के रूप में जमा है।

मात्र 1 प्रतिशत पानी पेयजल के रूप में मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या के सामने कम पड़ते जा रही है। जल की कमी युद्ध में युद्ध दिन दिखा सकता है। प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि जल से शक्ति व शक्ति मिलती है। बड़े-बड़े उद्योग चलते हैं। हर घर में वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल का संचयन किया जा सकता है। बूंद-बूंद जल बचाकर मानवता का परिचय दें। आने वाला युद्ध यदि होगा तो जल के लिए ही होगा। डॉ. एसआर कन्नौजे ने कहा कि धरती में छेद करते और पानी निकालने की प्रवृत्ति ने धरती को खोखला कर दिया है। आने वाला समय मुश्किल भरा होगा। हम बूंद-बूंद जल बचाएं और जल से भरा जहान बचाएं। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरिभूमि 26.9.2019

साइंस कॉलेज में व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 17 सितंबर को प्रभारी प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे के मार्गदर्शन में यूथ रेडक्रास इकाई द्वारा नेत्र रोग एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी शासकीय अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद लोहिया एवं डॉ. यामिनी साव द्वारा व्याख्यान एवं परामर्श दिया गया।

Scanned with CamScanner

नवभारत

दि. 28.9.19 राजनांदगांव हरिभूमि

शिवनाथ साइंस महाविद्यालय में किशोर पोषण अभियान कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में गत् 21 सितंबर को प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में किशोर पोषण माह के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सौरभ अमन स्वस्थ भारत प्रेरक महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया कि 10 से 19 वर्ष के बीच शारीरिक व मानसिक विकास तेजी से होता है। शरीर को इस समय अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। वर्तमान में हृदय संबंधी रोग ज्यादा हो रहे हैं। शरीर व मन के स्वास्थ्य के लिए योगा, व्यायाम जरूर करना चाहिए।

रीति मोहबे एसपाइरेशन जिला फेलो ने बताया कि महिलाओं को ... की समस्या होती है। समस्या जो देखने को मिलता है उनमें व्यक्तिगत व सामाजिक समस्याएं होती है। तेजी से बढ़ते जनसंख्या के बारे में जागरूक करते कहा कि असुरक्षित यौन संबंध, एल्कोहल व अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से, सुरक्षित साधनों को नहीं अपनाने से जनसंख्या बढ़ रही है। ...

प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन लेना चाहिए। दूध व दूध से बने उत्पाद, हरी सब्जियां, फल-फूल, अंकुरित अनाज, सूप, जूस व संतुलित आहार लेना चाहिए।

स्लिम व फिट दिखने के लिए समय पर खाना, सोना व जागना चाहिए। तनाव मुक्त रहें व प्रसन्न रहें। इस अवसर पर महाविद्यालय के

नवभारत 06.10.2019

शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में महात्मा गांधी जयंती मनी

• नवभारत न्यूज। राजनांदगांव.
www.navbharat.org

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 30 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक विविध कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी प्राचार्य प्रो. निर्मला जैन एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. नागरत्ना गनवीर के निर्देशन में किया गया. गांधी जी की 150 वीं जयंती कॉलेज में बहुत ही हर्ष एवं उल्लास से मनायी गयी. 30 सितंबर को महाविद्यालय में गहन स्वच्छता अभियान चलाया गया. सभी विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं प्राध्यापकों ने कक्षा, बरामदे, लैब एवं पूरे महाविद्यालय परिसर की सफाई की.

1 अक्टूबर को महाविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. विद्यार्थियों ने बहुत ही अच्छी तैयारी के साथ भाषण प्रस्तुत किया. भाषण प्रतियोगिता में 11 विद्यार्थियों ने भाग लिया.

भाषण प्रतियोगिता में कुल 11 प्रतिभागी रहे जिसमें प्रथम अनुष्का कोराने (बी.एससी. तृतीय वर्ष बायो), द्वितीय-सुरेन्द्री (एम.एससी. प्रथम सेम.) तथा अरविन्द कुमार (बी.ए. तृतीय वर्ष) तृतीय स्थान पर रहे. निबंध प्रतियोगिता में लगभग 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया, विजेता प्रतिभागी - अरविन्द कुमार (बी.ए. तृतीय वर्ष) प्रथम, हेमलता उइके (बी.एससी. प्रथम वर्ष बायो) द्वितीय तथा लक्ष्मी साहू (बी.एससी. प्रथम वर्ष) तृतीय रही.

महाविद्यालय में महात्मा गांधी 150 वीं जयंती के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. विद्यार्थियों ने बहुत ही सुन्दर ढंग से स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ को सुन्दर रंगों से उकेरा. इस प्रतियोगिता में 7 विद्यार्थियों ने भाग लिया. विजेता प्रतिभागियों में पुष्पलता (बी.एससी तृतीय वर्ष) प्रथम, गौरी बांधे (बी.एससी. प्रथम वर्ष बायो) द्वितीय एवं गुलेश्वर कुमार (बी.एससी तृतीय वर्ष बायो) तृतीय रहे. पेंटिंग प्रतियोगिता में 6 विद्यार्थियों ने भाग लिया. केशव कुमार (बी.एससी. तृतीय वर्ष) प्रथम, कमलनाथ निर्मलकर (बी.एससी प्रथम बायो) द्वितीय, आकाश (बी.एससी प्रथम बायो) तृतीय रहे. प्रश्नोत्तरीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के चार ग्रुप बनाये गये- सत्य, अहिंसा, स्वराज, समर्पण. विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से क्विज में भाग लिया. इस कार्यक्रम का निर्देशन डॉ. ए.एन. मारवीजा ने किया. प्रतियोगिता में स्वराज ग्रुप प्रथम स्थान एवं समर्पण ग्रुप द्वितीय स्थान पर रहा. विजेताओं को पेन पुरस्कार के रूप में दिया गया.

Scanned with CamScanner

बापू 150 [illegible]

नवभारत

साइंस कॉलेज में वन्य प्राणी संरक्षण पर रैली एवं निबंध स्पर्धा

• नवभारत न्यूज | राजनांदगांव. [illegible]

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 4 अक्टूबर को विश्व वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह (02 से 09 अक्टूबर) के तहत प्राणी विज्ञान विभाग के तत्वावधान में वन्य प्राणियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता जगाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया. रैली महाविद्यालय से प्रारंभ हुई. विद्यार्थियों ने वन्य प्राणियों के संरक्षण पर नारे लगाये. वन्य प्राणियों के संरक्षण के प्रति चेतना जगाने के [illegible] संरक्षण आवश्यक क्यों? विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. महाविद्यालय के 26 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र व पुरस्कार दिये जायेंगे. डॉ. एम.आर. कन्नौजे, सहायक प्राध्यापक प्राणी विज्ञान ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जीव जन्तु धरती के श्रृंगार है, धरती का संतुलन इन्हीं जीव जन्तुओं से बना हुआ है. [illegible] (प्राणी विज्ञान) ने [illegible] प्रत्येक जीव का अपना स्थान है, [illegible] प्रत्येक जीव एक-दूसरे से जुड़े हुए है, जीव जन्तुओं का संरक्षण हम सभी का दायित्व है. कार्यक्रम का आयोजन [illegible] के मार्ग निर्देशन एवं महाविद्यालय के स्टॉफ के सहयोग से पूर्ण हुआ. इस अवसर पर अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

नवभारत 06.10.2019

शिवनाथ कॉलेज में मना कौमी एकता दिवस

कौमी एकता दिवस पर छात्रों ने [illegible]

[illegible]

नई दुनिया 26.11.2019

हरिभूमि 07.11.2019

कोटरासरार रासेयो शिविर में बौद्धिक चर्चा

हरिभूमि न्यूज ›› राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय विशेष शिविर स्वच्छता के लिए चुना ग्राम कोटरासरार में प्राचार्य डॉ. संजीवनी सिंह के मार्गदर्शन एवं रासेयो अधिकारी डॉ. एम.आर. कन्नौजे के निर्देशन पर गत 18 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। बौद्धिक चर्चा विषय के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर प्रो. के.के. द्विवेदी ने कहा कि धरती में जल सीमित है, सोच समझकर व जल का मूल्य समझकर उपयोग करें, बढ़ती हुई जनसंख्या के सामने हमारे प्राकृतिक संसाधन दिन-दिन कम होते जा रहे है, हम पानी धरती से निकालते है, उतना धरती में नहीं भेज रहे है, ऐसे में एक तरफा व्यवहार कभी सफल नहीं हो सकता।

स्वयं में बदलाव लाएं तभी बदलेगा समाज

[illegible]

महिलाओं का परचम

[illegible]

Scanned with CamScanner

हरिभूमि

साफ-सफाई जागरूकता के लिए निकाली रैली

हरिभूमि 05.11.2019

कोटरासरार में रासेयो शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना का 7 दिवसीय विशेष शिविर स्वच्छता के लिए युवा ग्राम कोटरासरार में डॉ. गंगेश्वरी सिंह प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं डॉ. एसआर कन्नौजे रासेयो अधिकारी के निर्देशन पर 19 से 25 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि [illegible] साहू, भूतपूर्व विधायक तथा अध्यक्षता नारद साहू भूतपूर्व सरपंच रहे। डॉ. एसआर कन्नौजे रासेयो अधिकारी ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि ग्राम के 5 हेक्टर रकबा की साफ-सफाई की गई, तालाब व बोरिंग की सफाई, स्कूल परिसर व स्कूल के मैदान की साफ-सफाई की गई तथा जन जागरूकता हेतु रैलियों का आयोजन किया गया। बौद्धिक चर्चा के तहत विषय विशेषज्ञों द्वारा नशा उन्मूलन, स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, प्लास्टिक उन्मूलन, चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण पर जानकारी दी गई।

डॉ. गंगेश्वरी सिंह ने कहा कि जीवन में स्वच्छता का महत्व है, प्रतिदिन शौचालय का उपयोग करें, स्वच्छता को अपनाएं, जल को स्वच्छ रखें, छात्रों द्वारा दिये गये संदेशों का पालन करें। डॉ. निर्मला उमरे सहा. प्राध्यापक ने कहा कि संगठन के बल पर कार्य करने से हर कार्य सफल हो जाता है, ग्राम लोगों ने हमारे छात्रों को सहयोग प्रदान किया इसके लिए आभार व्यक्त करती हूं। [illegible] साहू मुख्य अतिथि ने कहा कि अथक परिश्रम से सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने पेड़ पौधों को बचाये रखने की बात कही। नारद साहू कार्यक्रम अध्यक्ष ने कहा कि शिविरार्थियों ने श्रमदान कर ग्राम के महत्व को बतलाया है। जनक सिन्हा सरपंच ने महाविद्यालय का आभार माना। छात्रों ने शौचालय के महत्व की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. धनराज साहू, डीएस सिन्हा, भागवत साहू, कन्हैराम साहू, श्री [illegible] एवं ग्राम पंचायत के पदाधिकारी तथा स्व सहायता समूह की महिलाएं एवं ग्रामीणजन तथा महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहे। शिविर संचालन में छात्र निलेश साहू छात्रनायक, चैतन्य नेताम एवं गुलेश्वर [illegible] उपछात्रनायक का योगदान रहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में छात्रों ने लोगों को किया जागरूक

राजनांदगांव। नईदुनिया प्रतिनिधि

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों ने कोटरासरार राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत शिविर लगाया। जहां छात्रों ने ग्रामीणों को स्वच्छता प्रति जागरूक किया। प्राचार्य डॉ. गंगेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन और डॉ. एसआर कन्नौजे की अगुवाई में शिविर का आयोजन हुआ। समापन में पूर्व विधायक [illegible] साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं अध्यक्षता पूर्व सरपंच नारद साहू ने किया। डॉ. एसआर कन्नौजे ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान साफ-सफाई की गई।

छात्रों ने तालाब, बोरिंग, स्कूल परिसर, स्कूल के मैदान की साफ-सफाई की गई। इसके साथ ही गांव में जनजागरूकता रैली निकाली गई। बौद्धिक चर्चा के तहत विषय विशेषज्ञों द्वारा नशा उन्मूलन, स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, प्लास्टिक उन्मूलन, चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण पर जानकारी दी गई। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ गंगेश्वरी सिंह ने जीवन में स्वच्छता को महत्व देने की बात कही। सहायक प्राध्यापक डॉ निर्मला उमरे ने कहा कि संगठन के बल पर कार्य करने से हर कार्य सफल हो जाता है, वहीं छात्रों को सहयोग करने के लिए ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। पूर्व विधायक [illegible] साहू ने कहा कि अथक परिश्रम से सफलता जरूर मिलती है, उन्होंने पेड़ पौधों को बचाए रखने की बात कही। इस अवसर पर डॉ. धनराज साहू, डीएस सिन्हा, भागवत साहू, कन्हैराम साहू, [illegible] सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

शिविर को संबोधित करती कॉलेज प्राचार्य डॉ. गंगेश्वरी सिंह। ● नईदुनिया

नई दुनिया 06.11.2019

जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करें: द्विवेदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई संस्था प्राचार्य डॉ. गंगेश्वरी सिंह के निर्देशन में सात दिवसीय विशेष शिविर डोंगरगांव के ग्राम कोटरासरार में आयोजित किया गया।

स्वच्छता के लिए युवा मुख्य केंद्रित विषय पर आयोजित शिविर के विशिष्ट अकादमिक महत्व के बौद्धिक चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत विषय विशेषज्ञ के रूप में नगर के पर्यावरण विद् प्राध्यापक कृष्ण कुमार द्विवेदी को आमंत्रित किया गया।

प्राध्यापक द्विवेदी ने जल संरक्षण एवं संवर्धन समय की मांग विषय पर शिविरार्थी छात्रों तथा ग्रामीणों को व्याख्यान चर्चा में बताया कि नित्य जीवनचर्या में स्वच्छ मीठा पेयजल एक अनिवार्य आवश्यकता है। वर्तमान समय में देश-धरती में निरंतर कम होती स्वच्छ जल की मात्रा समग्र विश्व के चिंता का मुख्य विषय है। घोर मानवीय लापरवाही तथा चतुर्दिक बढ़ते अत्यधिक प्रदूषण के कारण स्वच्छ जल का संरक्षण एवं संवर्धन आज प्राथमिक आवश्यकता बन गई है और रासेयो स्वयं सेवकों का यह मौलिक दायित्व हो गया है कि वे विशेषकर नगर, ग्राम, कस्बों में स्वच्छ जल के संरक्षण के लिए जन-जन को जागरूक करें तथा प्राकृतिक जल स्रोतों नदी, तालाब, नालों को भी स्वच्छता के साथ जल से संवर्धित करने के लिए विशेष पहल करें। कार्यक्रम का संचालन रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नौजे ने किया।

इस अवसर पर सरपंच श्री. सिन्हा तथा अन्य वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित थे।

हरिभूमि 05.11.2019

Scanned with CamScanner

हरिभूमि

कमला कालेज एवं शिवनाथ कालेज में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

• संवाददाता | राजनांदगांव.
www.haribhoomi.com

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा 16 जनवरी को शासकीय कमला देवी राठी कन्या महाविद्यालय एवं शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रवीण मिश्रा संविधान की प्रस्तावना के संबंध में विद्यार्थियों को विस्तार से बताया. उन्हें प्रस्तावना के प्रारंभिक पांच शब्दों संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक एवं गणराज्य के संबंध में विस्तार से बताया. उन्होंने न्याय अथवा सामाजिक आर्थिक स्तर पर न्याय को बताते हुए स्वतंत्रता समता, व्यक्ति की गरिमा राष्ट्र के एकता एवं अखंडता एवं बंधुता के बारे में विद्यार्थियों को प्रेरित किया. सचिव प्रवीण मिश्रा के विद्यार्थियों को प्लान ऑफ एक्शन के अन्तर्गत संविधान की प्रस्तावना के विषय में बताया कि प्रस्तावना कि शुरुआत हम भारत के लोग से शुरू होती है और संविधान वास्तव में समाजवादी समानता की बात करता है, जिसका मतलब है, भारत में रह रहे हर नागरिक को महसूस हो की यहां एक समान है. भारत ने लोकतांत्रिक समाज को अपनाया है. सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक स्तर पर भारत के संविधान के तहत न्याय दिया जाएगा, लेकिन किसी भी जाति, धर्म विशेष पर न्याय नहीं दिया जाएगा, क्योंकि भारत के संविधान में पंथनिरपेक्ष की बात की गयी है, जिसमें राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है.

प्रवीण मिश्रा के ने प्लान ऑफ एक्शन के अंतर्गत हमर अंगना अभियान के तहत महिला प्रकोष्ठ एवं परिवार परामर्श केन्द्र नांदगांव में इसी तरह घरेलू हिंसा के अंतर्गत शारीरिक भावनात्मक मौखिक आर्थिक और यौन शोषण सहित विभिन्न रूप से हो सकते है.

जिसमें घूरेला से लेकर विवाह व बलात्कार यौन संबंध और हिंसक शारीरिक शोषण भी शामिल है. इस प्रकार विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान कि गई. अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुरेशा चौबे एवं महिला प्रकोष्ठ उप पुलिस श्रीमती मोनिका पाण्डेय एवं पुलिस रक्षा टीम वहां पर उपस्थित रहे. इसी प्रकार अधिवक्ता राजेश सिंह चंदेल द्वारा साइबर क्राईम से होने वाले घटना की जानकारी विस्तार रूप से [illegible] जानकारी दी गई. कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य [illegible] डॉ. [illegible] एवं शिक्षकगण यहां उपस्थित थे.

हरिभूमि 06.12.2019

साइंस कॉलेज में कौमी एकता सप्ताह आयोजित

रायपुर, मंगलवार, 21 जनवरी 2020
haribhoomi.com
हरिभूमि 21.1.2020

खबर संक्षेप

साइंस कॉलेज में विधिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में गत 16 जनवरी को प्राचार्य डॉ. गंगेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में विधिक साक्षरता कार्यक्रम के तहत भारत का संविधान विषय पर प्रवीण मिश्रा न्यायाधीश जिला न्यायालय राजनांदगांव के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. गंगेश्वरी सिंह ने सभा को संबोधित करते कहा कि हमारे देश के संविधान की प्रस्तावना भारतीय लोगों की आत्मा की आवाज है यह संविधान का सार है, सभी को भारतीय संविधान को जानना है, संविधान को ध्यान में रखकर नया भारत का निर्माण करना है। राजेश चंदेल अधिवक्ता जिला न्यायालय ने कहा कि जिज्ञासा से ही खोज प्रारंभ होती है, भारत के लोगों के लिए कानून बनाया गया, संविधान समिति ने दूसरे करीब 60 देशों के संविधान का अध्ययन कर समतामूलक, न्यायसंगत संविधान का निर्माण किया। जन्म के साथ ही मूल अधिकार व्यक्ति को प्राप्त होते हैं, कानून से ही देश चलता है, हम सभी को संविधान की मूल भावना को समझना आवश्यक है।

प्रवीण मिश्रा ने कहा कि संविधान के अनुरूप सभी के लिए न्याय समान हो, हर व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व, अपने विचार को रखने का अधिकार है। इस अवसर पर डॉ. एसआर कन्नौजे, डॉ. निर्मला उमरे, प्रो. निर्मला जैन, डॉ. नागरत्ना गनवीर, डॉ. पुलसो राजेश पटेल, डॉ. शैलेन्द्रेश भगत, डॉ. एलन खाखोजा, स्वाति तिवारी, प्रो. अनिल चंद्रवंशी, डॉ. अवधकिशोर झा, सोना ए. रावल एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

रायपुर, सोमवार 16 दिसंबर 2019
haribhoomi.com
हरिभूमि 16.12.2019

खबर संक्षेप

साइंस कॉलेज का छात्र निलेश सम्मानित

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के दल नायक निलेश साहू ने महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। भारत सरकार द्वारा विश्व एड्स दिवस एक दिसंबर 2019 को केदारनाथ साहनी आडिटोरियम नई दिल्ली में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा रेड रिबन क्लब के अंतर्गत राजनांदगांव जिले में उत्कृष्ट कार्य करने पर राष्ट्रीय पुरस्कार से पीयर सदस्य निलेश साहू को सम्मानित किया है। महाविद्यालय में गठित रेड रिबन क्लब द्वारा समय-समय पर एड्स के विरुद्ध जनजागरूकता जगाने का कार्य निरंतर किया जाता है। जनजागरूकता के लिए विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, भाषण, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दिया जाता है। छात्र निलेश साहू को राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होने पर प्राचार्य डॉ. गंगेश्वरी सिंह, रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नौजे, डॉ. नागरत्ना गनवीर, डॉ. शैलेन्द्रेश भगत, डॉ. निर्मला उमरे, प्रो. निर्मला जैन, डॉ. एलन खाखोजा, डॉ. पुलसो राजेश पटेल, प्रो. अनिल चंद्रवंशी, डॉ. अवध किशोर झा, स्वाति तिवारी, गिरीश कुमार सिंह, दीपक हरिहारनो ने बधाई दी।

Scanned with CamScanner

नईदुनिया

रायपुर, बिलासपुर, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और दिल्ली-एनसीआर | राष्ट्रीय संस्करण

दि 21/10/19 नई दुनिया

कोटरासरार में हुआ सात दिवसीय शिविर

जंगलपुर। नईदुनिया न्यूज

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव द्वारा सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर ग्राम कोटरासरार में 18 से 24 अक्टूबर लगाया गया है। जिसका उद्घाटन 18 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सरपंच ताराम लाल साहू थे, अध्यक्षता प्रज्ञा गुप्ता अध्यक्ष महाविद्यालय जनभागीदारी समिति जी कर रही थी। रासेयो अधिकारी डा. एसआर कन्नौजे ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि शिविर का थीम स्वच्छता के लिए युवा के अंतर्गत सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत ग्राम में गलियों की साफ सफाई व इसके लिए गांव में जनजागरूकता लाने हेतु पर्यावरण नशामुक्ति मतदाता जागरूकता अभियान जलसंरक्षण के लिए रैली निकाली जाएगी जल संरक्षण हेतु सोख्ता गड्ढा का निर्माण किया जाएगा एवं समय समय पर विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान किया जाएगा। प्राचार्य गणेश्वरी ने कहा कि शिविर के माध्यम से व्यक्तित्व का विकास होता है। शिविर के माध्यम से स्वच्छता का कार्य कर संदेश दे जल बचायेंएजीवन बचायें। प्लास्टिक का उन्मूलन करें थैला लेकर साथ चलें। इसके बाद मुख्य अतिथि ताराम लाल साहू ने कहा कि शिविर में जाने से एक युवक में परिपक्वता व परिपक्व बढ़ता है गांव में सेवा कार्य करना चाहिए हम गांव की तरफ से पूर्ण सहयोग करने को तैयार है कहा। कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रज्ञा गुप्ता ने शिविरार्थियों से कहा कि सक्रिय होकर कार्य करें गांव में जल बचाये जीवन बचाये, प्लास्टिक उन्मूलन के लिए जनजागरूकता अभियान चलायें। सरपंच जनक सिन्हा ने कहा कि हमारे गांव का सौभाग्य है कि यहां शिविर लगाया गया है पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और शिविरार्थियों के साथ ग्रामीण भी सहयोग प्रदान करेंगे कहा। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ व प्राथमिक व मिडिल स्कूल के समस्त स्टाफ मौजूद थे।

शिविर में बड़ी संख्या में युवा वर्ग शामिल हुए। ● नईदुनिया

प्रोफेसरों ने दी एड्स के विषय में जानकारी

हरिभूमि 04.12.2019

कॉलेज में विश्व एड्स जागरूकता सप्ताह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में विश्व एड्स जागरूकता सप्ताह प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन एवं रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नोजे के निर्देशन में मनाया गया।

प्राचार्य डॉ. सिंह ने कहा कि एड्स पीड़ति सामान्य तौर पर युवा वर्ग होते हैं। जिसका कारण अज्ञानता ही हो सकता है। इस वर्ग को इस रोग के प्रति जागरूक होना नितांत आवश्यक है, क्योंकि यही देश के भविष्य हैं। गत 27 नवंबर को डॉ. बीएल कुमरे जिला चिकित्सालय राजनांदगांव विषय विशेषज्ञ ने कहा कि भारत में 50 से 60 लाख लोग एड्स पीड़ित है। इसमें युवा वर्ग की ज्यादा हिस्सेदारी है। यह रोग रेट्रो वायरस से होता है, केवल मनुष्य में ही यह जीवित रहता है। एचआईवी वायरस शरीर में उसी तरह छुपा रहता है जैसे धरती के अंदर पानी, 10 वर्षों में कभी भी सक्रिय हो सकता है, ये शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है। जिससे दूसरे जीवाणु व विषाणु अपना प्रभाव दिखाने में सफल हो जाता है।

28 नवंबर को एड्स के प्रति जनजागरूकता के लिए आयोजित भाषण प्रतियोगिता विषय में एचआईवी संक्रमण से बचाव में प्रथम प्रियंका शुक्ला, द्वितीय डेविड साहू, तृतीय अनुष्का कोर्राम रही। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम नरेश उईके, द्वितीय पुष्पा साहू, तृतीय अरविंद वर्मा रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम केशव कुमार, द्वितीय पुष्पलता वर्मा, तृतीय राममनोहर रहे। 30 नवंबर को गौरवपथ बसंतपुर में एड्स जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने एड्स को रोकने के लिए नारे लगाए। छात्रों को एड्स संबंधी वीडियो दिखाये गए। सभा को धर्मेन्द्र वर्मा आईसीटीसी काउंसलर जिला चिकित्सालय, अभिषेक राजपूत परियोजना अधिकारी आहाना प्रोग्राम, नागेश भुंजारे परियोजना प्रबंधन समता जनकल्याण ने संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रासेयो के स्वयंसेवक एवं महाविद्यालय के स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा।

Scanned with CamScanner

हरिभूमि

हरिभूमि 17.3.2020

साइंस कॉलेज में मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में गत 8 मार्च को प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। उन्होंने महिलाओं को अधिक से अधिक शिक्षित होने तथा संघर्ष से न घबराने के लिए प्रेरित किया। डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि ईश्वर की हर रचना में स्त्री का खास महत्व है।

आप अपने आपको प्यार करो, अपने आपको देखभाल करो तभी आप दूसरों को भी प्यार कर सकते है। उन्होंने कहा पहले पितृसत्तात्मक समाज था, पर आज समय बदल गया है लड़कियां पढ़ कर आपके बराबर नौकरी कर रही है। ऐसे में दोनों को साथ मिलकर काम करना होगा, तभी परिवार खुशहाल हो पाएगा।

प्रो. निर्मला जैन ने कहा कि महिलाओं को हर बाधा पार कर पढ़ना है। दूसरों से सहायता लेना भी सीखना होगा, तभी आप संसाधनों के न होने पर भी आगे बढ़ सकती है। प्रो. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि गाड़ी के दोनों पहिए में हवा बराबर होने से ही गाड़ी अच्छी चलती है। वैसे ही परिवार रूपी गाड़ी दोनों के सामंजस्य से मिलकर काम करने से ज्यादा अच्छी चलती है। प्रो. फुलसो पटेल ने प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय की शक्ति संपन्न विद्वान महिलाओं के बारे में बताया और कहा कि महिलाएं सशक्त है। उनकी शक्ति पर संदेह का प्रश्न ही नहीं है, जरूरत है समाज में पुरुषों की सोच में परिवर्तन लाने की।

महिला दिवस पर डाला प्रकाश

[illegible]

साइंस कॉलेज में एड्स जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि 20.3.2020

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में गत 27 फरवरी को विश्व युवा दिवस के उपलक्ष्य में प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय द्वारा एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला चिकित्सालय की ओर से जगदीश सोनी व प्रधान जिला काउंसलर उपस्थित थे।

प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह ने सभा को सभा को संबोधित करते कहा कि इस वायरस से युवा ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। इसके बारे में जानकारी होना अति आवश्यक है, क्योंकि एड्स जैसी भयावह बीमारी की दवा का अभी तक ईजाद नहीं हुआ है। रोकथाम के लिए सावधानी ही किया जा सकता है। डॉ. एसआर कन्नौजे ने कहा कि अशिक्षा व अज्ञानता से यह रोग तेजी से पांव पसार रहा है। भारत के बहुत से राज्य प्रभावित हैं। यह एचआईवी वायरस शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देती है। यह शरीर के अंदर उसी प्रकार से रहता है, जैसे धरती के अंदर पानी। जिला काउंसलर जगदीश सोनी ने कहा कि एड्स केवल चार कारणों से होता है। असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई के प्रयोग से, बिना जांच खून चढ़ाने व गर्भस्थ माता से शिशु को। यह रोग हाथ मिलाने, एक-दूसरे के कपड़े पहनने, साथ में खाना खाने से नहीं फैलता है। एड्स की जानकारी ही बचाव है, युवाओं को इससे सावधान रहने की अपील की। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ व अधिक संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे। रेडक्रास प्रभारी डॉ. एलिजाबेथ भगत ने आभार व्यक्त किया।

Scanned with CamScanner

हरिभूमि

हरिभूमि 11.6.2020

साइंस कॉलेज में पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

- प्रकृति एवं मानव के बीच संतुलन जरूरी

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 5 जून को प्राचार्य डॉ. आ ई आ र सोनवानी के मार्गदर्शन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के गार्डन में फलदार पौधे, जामुन, बिही, सीताफल, करौंदा, आंवला का रोपण किया गया।

सभा को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. सोनवानी ने कहा कि प्रकृति व मानव के मध्य संतुलन रहना नितांत जरूरी है। दोनों के बीच संतुलन बिगड़ने से पर्यावरण संकट उत्पन्न होता है। मनुष्य अपने विकास को छोड़कर प्रकृति का विनाश कर लेते हैं। फलतः पर्यावरण संकट की भयावह स्थिति आज मानव समाज को देखने को मिल रहा है। हर मानव का कर्तव्य है कि प्रकृति व पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें और मानव जीवन को बचाने में मददगार बने। सहायक प्राध्यापक डॉ. एसआर कन्नोजे ने कहा कि दिनों-दिन प्राकृतिक संसाधन कम होते जा रहे हैं।

बढ़ती जनसंख्या के सामने वायु, जल, सब कुछ कम पड़ते जा रहा है। वन नष्ट होने से जल, पशु, पक्षी नष्ट होते हैं। जिसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। हम प्रकृति के साथ चले, इसी में मानव की भलाई है। प्राचार्य ने विश्व पर्यावरण दिवस व कबीर जयंती की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

हरिभूमि-28.11.2020

साइंस कॉलेज में मना संविधान दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज में 26 नवंबर को राजनीति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में प्राचार्य डॉ. आईआर सोनवानी के मार्गदर्शन में संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. सोनवानी ने संविधान के उद्देशिका का वाचन किया, जिसे सभी ने दोहराया।

प्राचार्य डॉ. सोनवानी ने कहा कि भारत का संविधान एक राष्ट्रीय ग्रंथ है, भारत के संविधान का पालन करना, जानना तथा समाज को जागरूक कराना आवश्यक है। भारत के संविधान में सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को समावेश किया गया है। स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व की भावना सबसे पहले फ्रांस में शुरू हुई। भारत जैसे अखंड देश के लिए संविधान जीवनरेखा है। डॉ. नागरत्ना गणवीर ने कहा कि भारतीय संविधान को बनाने में 2 वर्ष 11 महीने व 18 दिन लगे हैं। यह विश्व का सर्वाधिक विस्तृत संविधान है। इसमें समय व परिस्थिति के अनुसार संशोधन किया जा सकता है। डॉ. एसआर कन्नोजे ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकार किया गया तथा 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 नवंबर 2015 से प्रतिवर्ष संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया।

डॉ. फुलसो राजेश पटेल ने कहा कि पहले भारत में विधि-विधान नहीं था, संविधान बनाने समिति का गठन किया गया, विश्व की सभी अच्छाईयों को लेकर विश्व के समस्त देशों के संविधान का अध्ययन कर एक सशक्त और मजबूत हस्तलिखित संविधान तैयार किया गया। डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि जाति धर्म के ऊपर लोकतंत्र का अर्थ लोगों का शासन, जनता अपने अनुसार अपने जनप्रतिनिधि का चयन करते हैं। संविधान को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

डॉ. निर्मला उमरे ने कहा कि संविधान एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां सभी भारतीय एक साथ आ सकते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी तथा 150 विद्यार्थी ऑनलाइन जुड़कर कार्यक्रम में सहभागिता किए।

Scanned with CamScanner

हरिभूमि

हरिभूमि - 03.12.2020

कार्यक्रम के जरिये किया गया प्रेरित

शिवनाथ साइंस कॉलेज में मनाया गया विश्व एड्स जागरूकता दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में एक सेमिनार को एड्स के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्राचार्य डॉ. आईआर सोनवानी के मार्गदर्शन में सांसेवी एवं यूथ रेडक्रॉस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सोनवानी ने कहा कि यह रोग अशिक्षा व अज्ञानता के कारण तेजी से पाँव पसार रहा है। वर्तमान में हम आधुनिकता की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। प्राचीन समय में आश्रमों की व्यवस्था थी, यदि हम गृहस्थ व ब्रह्मचर्य आश्रम का पालन संयम, निष्ठा और पवित्रता के साथ आदर्शों का पालन करें तो स्वयं व समाज को बचा सकते हैं। डॉ.

निर्मला उमरे अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका से इस रोग की शुरूआत हुई, आज पूरी दुनिया के लिए चुनौती बन गया है। अनदेखी व लापरवाही ने इस रोग को बढ़ाने में मदद की है। विश्व में करीब 3 करोड़ 86 लाख, भारत में करीब 21 लाख, छत्तीसगढ़ में करीब 25 हजार लोग एचआईवी या एड्स से संक्रमित हैं, जो हमारे लिए चिंता का विषय है।

दी गई जानकारी

साईंस कॉलेज में मना राष्ट्रीय मतदाता दिवस

पत्रिका 06.8.2020

पौधे रोपकर लगाया सुरक्षा घेरा

जंगलपुर @ पत्रिका. ग्राम भोरठाभाठा में 4 अगस्त को तालाब के किनारे पौधारोपण किया गया। पौधरोपण शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव के राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी एलआर कांडे के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान फलदार व छायादार पौधे रोपे गए। पौधों की सुरक्षा के लिए जाली तार से घेरा किया गया व सभी ने पौधे के बड़े होने तक देखभाल करने व सुरक्षा का संकल्प लिया। पौधरोपण में प्रमुख रूप से ग्राम के सरपंच ऋषि ठाकुर, सचिव राजकुमारी खोब्रागड़े, पूर्व सरपंच शरण लाल साहू व पंच उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner

साइंस कॉलेज में मनाई गई विवेकानंद जयंती

हरिभूमि 18.1.2021

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में प्राचार्य डॉ. आईआर सोनवानी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब, इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मनाई गई। स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सोनवानी ने कहा कि स्वामीजी के विचार युवाओं को प्रेरणा देने वाले व सफलता का मार्ग दिखाने वाला है। युवाओं के जोश व होश, युवाओं की सोच, समाज व देश को एक नयी दिशा दे सकता है। एक बेहतर कल्याण के लिए, राष्ट्र निर्माण के लिए युवा शक्ति को दिशा देना जरूरी है। रासेयो अधिकारी डॉ. एसआर कन्नोजे ने कहा कि ऊर्जावान और महत्वाकांक्षी युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति होती है। युवा हर स्थिति में

चुनौतियों को स्वीकार कर सकता है, उनका साहस, सजगता और सहयोग बेहद जरूरी है।

डॉ. स्वाति तिवारी ने कहा कि युवा जल की दिशा को मोड़ सकता है। युवा कभी भी खुद को कमजोर न समझें, युवाओं की शक्ति समाज व देश की धरोहर है। प्रो. अनिल चंद्रवंशी ने कहा कि स्वामीजी कहते थे कि युवाओं को चेतना संपन्न होना चाहिए, जो जैसा सोचता है, वह वैसा बन जाता है। डॉ. फुलसो राजेश पटेल कहा कि स्वामीजी ने युवाओं से आह्वान किया कि उठो जागो और तब तक न रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

इस अवसर पर विश्व एड्स दिवस पर आयोजित निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता विषय एचआईवी संक्रमण से बचाव पर निबंध में प्रथम ईशिका गुनवानी, द्वितीय अर्पिता लोहिया, तृतीय लिलेश ढिल्लीवार, पोस्टर में प्रथम मार्गेट टोप्पो, द्वितीय मुक्ति तुरकिया, तृतीय संस्कृति यादव शामिल है। वहीं राष्ट्रीय युवा दिवस अवसर पर आयोजित निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता विषय एचआईवी/एड्स के जागरूकता में युवाओं का योगदान पर निबंध में प्रथम चैतन्य नेताम, द्वितीय फलेश्वरी साहू, तृतीय लिलेश ढिल्लीवार, पोस्टर में प्रथम देवकुमार, द्वितीय अलिशा टोप्पो, तृतीय अंजली रजक को नगद राशि व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मतदाता जागरूकता एवं विभिन्न स्पर्धा आयोजित

राजनांदगांव। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. आईआर सोनवानी के मार्गदर्शन में विगत दिनों ऑनलाईन मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता रश्मि सिंह-जिला परियोजना अधिकारी ने कहा कि मतदाताओं को जागरूक करने प्रचार निरंतर चलते रहना चाहिए। सभी विद्यार्थी जो 18 वर्ष के हो गये है वह ऑनलाईन वोटर कार्ड बनाने फार्म भरें या फार्म नंबर 6 भरकर भी वोटर कार्ड बना सकते है। वोटर कार्ड बनाने, त्रुटि सुधार कराने, स्थानांतरण होने पर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने आदि काम बहुत आसानी से ऑनलाईन या ऑफलाईन करने का तरीका बताया। प्राणी शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. एसआर कन्नोजे ने कहा भारत में युवा ठान लें कि हम 100 प्रतिशत वोट डालकर लोकतंत्र को मजबूत करेंगे तो यह बहुत अच्छे संकेत होंगे। पढ़े लिखे लोग राजनीति में आयेंगे तो भारत के विकास की गति बढ़ेगी। नोडल अधिकारी डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा वोटर कार्ड बनाने एवं मतदान करने जागरूक रहना चाहिए। इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. फुलसो पटेल ने कहा कि अच्छी सरकार बनाने की जिम्मेदारी आप युवाओं की है आप लोग लोकतंत्र को मजबूत बनाने सारथी की तरह डटे रहें। समाजशास्त्र की प्राध्यापक डॉ. एलिजाबेथ भगत ने कहा कि हमें लालच में नहीं आना है उन्हीं उम्मीदवारों को चुनना है जो देश व समाज के लिए काम करें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी वाट्सएप्प से जुड़े थे। कार्यक्रम में डॉ.एस.आर. कन्नोजे, डॉ. फुलसो पटेल, डॉ. एलिजाबेथ भगत, देवशरण आदि प्राध्यापक उपस्थित थे। पेंटिंग प्रतियोगिता में आकाश मानिकपुरी, जीया मानिकपुरी, सागर यादव ने पुरस्कार जीता। निबंध लेखन में ईशिका गुनवानी संजना साहू, जय श्री विजेता रही। नारा लेखन में सागर यादव, अंजली रजक, रूपलाल जीते। सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

हरिभूमि 12.01.2021

नवभारत 18.1.2021

शिवनाथ कॉलेज में विवेकानंद जयंती मनी

राजनांदगांव. शासकीय शिवनाथ साइंस कॉलेज में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में डॉ. आई.आर. सोनवानी, संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब, इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मनाया गया.

Scanned with CamScanner

आयोजन • शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर [illegible] ने कहा

बोलने, काम करने के तरीके में दिखे आत्मविश्वास

[illegible]

राजनांदगांव. साइंस कॉलेज में हुए कार्यक्रम में अतिथि।

[illegible] के तरीके सिखाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं [illegible] ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन महिलाओं के सम्मान का दिन है। भारत में इंदिरा गांधी, प्रतिभा पाटिल, मीरा कुमार, सुमित्रा महाजन जैसे महिला नेताओं ने अपने काम के कारण भारतीय राजनीति में नाम कमाया है। भारतीय संविधान ने [illegible]

महिलाओं को अधिकार [illegible] बनाया है। पुरुषों की मानसिकता में बदलाव आना आवश्यक है क्योंकि महिलाएं [illegible] परिवार समाज और देश के उत्थान में अपना योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य [illegible]

[illegible]

दैनिक भास्कर 13.3.2021

सत्र - 2019-20

Extention Activities -

(1) गोद ग्राम रामपुर में "विश्व पर्यावरण दिवस"

दिनांक 05.6.2019 को गोद ग्राम रामपुर में "विश्व पर्यावरण दिवस" श्री किशोर यादव जी, सरपंच के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। सरपंच श्री किशोर यादव जी ने सभी को स्वच्छता शपथ दिलाया व अपने घर, आंगन, गली को स्वच्छ रखने का संकल्प दोहराया। डॉ. एस. आर. कुम्भकार कार्यक्रम अधिकारी ने "वायु प्रदूषण को रोके" विषय पर अपने विचार रखे व बताया कि पीपल, गूलर, नीम के पेड़ प्राकृतिक एयरकूलर हैं जो भूमि में नमी को अधिक देर तक बनाये रखते हैं। पौधे विषाक्त गैसों को सोखकर बदले में प्राणवायु देते हैं। श्री शिवकुमार सिन्हा ने कहा कि जल, जंगल, जमीन जीवन के आधार हैं, वर्तमान में शुद्ध हवा मिलना मुश्किल हो रहा है, पेट्रोल व डीजल बेधड़क फूंके जा रहे हैं जिससे वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है।

श्री किशोर यादव सरपंच ने कहा कि प्लास्टिक कचरे से सभी सावधान रहें, इसका प्रयोग न कर जूट के थैले का प्रयोग करें, जानवर प्लास्टिक खाकर मर रहे हैं, समुद्री जीवों पर खतरा बढ़ा है, संकल्प करें कि इसका उपयोग नहीं करेंगे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के पदाधिकारी श्री वीरबल सिन्हा पंच, महिला समूह, मितानिन व रासेयो. स्वयं सेवक उपस्थित रहे। छात्र संख्या - 37

Scanned with CamScanner

2. **रामपुर में स्वच्छता, व प्लास्टिक उन्मूलन कार्य -**

दिनांक 12-03-2019 को गोद ग्राम रामपुर में अटल-चौक में स्थित गार्डन में उगे बेकार घास-फूस व खरपतवार की साफ-सफाई की गई। गांव वाले भी पूर्ण सहयोग किये। ग्रामीण जनों से स्वच्छता की बात की गई इन्हें समझाइश दिया गया कि शौच के बाद व भोजन के पहले साबुन से हाथ अवश्य धोयें। गलियों में फेंके गये प्लास्टिक को एकत्र कर उसका निपटान किया गया, प्लास्टिक का मोह छोड़कर थैला अपनाने कहा गया। पौधों में पानी दिये गये व सुरक्षा व्यवस्था किया गया। इस अवसर पर श्री किशोर यादव सरपंच, श्री हीरालाल सिन्हा पंच, ग्रामीण व महिला समूह तथा स्वयंसेवक के वालिन्टियर्स उपस्थित रहे।

छात्र संख्या -40

3. गोद ग्राम रामपुर में जल संरक्षण पर व्याख्यान, रैली व प्लास्टिक मुक्ति अभियान —

व्याख्यान —
दिनांक 07.09.2019 को गोद ग्राम रामपुर में शा० पूर्व मा० शाला रामपुर में डॉ. एस. सार. कुलकर्णी रा.से.यो. अधिकारी ने छात्रों को संबोधित करते हुये कहा कि धरती में जल सीमित है, जल बचाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, वो कितना मुश्किल भरा दिन होगा जब जल को पैसे में खरीदना पड़ेगा, वायु प्रदूषण पर भी जानकारी दिया गया। जल कम है और जनसंख्या ज्यादा, आवश्यकता के अनुरूप जल खर्च करना बुद्धिमानी है।

रैली — मिडिलस्कूल के विद्यार्थियों के साथ मिलकर ग्रामजनों ने जल संरक्षण हेतु "रैली" निकाली। हाथ में बैनर, पोस्टर - स्लोगन लेकर ग्राम के गलियों में भ्रमण किया गया, सभी से बूंद बूंद बचाने व जल बेकार न फेंकने की अपील किया गया।

तालाब की सफाई — ग्राम के तालाब की सफाई की गई, तालाब में फेंके गये प्लास्टिक व अन्य कचरों को निकाला गया, दातुन व मंजनों के डिब्बों को हटाया गया।

प्लास्टिक उन्मूलन कार्य — ग्रामीणों को सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन के बारे में जोर से बतलाया गया प्लास्टिक के स्थान पर थैले के प्रयोग करने कहा गया। प्लास्टिक के दुष्प्रभाव को बतलाया गया। सभी गतिविधियों में ग्रामीण जनों का सहयोग रहा।

संख्या - 32

N.S.S. Officer
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

Scanned with CamScanner

(2) **कोरोना वैक्सीन के प्रति जन जागरूकता —**

जागरूकता —

(A) दिनांक 06-06-2021 को रा.से.यो. द्वारा ग्राम रामपुर व गोद ग्राम मोटरासरार में कोरोना वैक्सीन के प्रति लोगों में जनजागरूकता जगाया गया, ग्रामीणों को टीके के महत्व को समझाया गया, उन्हें स्वयं टीके लगाकर स्वयं सुरक्षित होने व परिवार को टीके (2 डोज) लगवाने हेतु टीकाकरण केन्द्र जाने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच, ग्रामीणजन, महिला समूह उपस्थित रहे। कोई भी व्यक्ति टीकाकरण से न छूटे, यह ग्राम प्रमुखों का दायित्व है। टीके से शरीर में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, बाहर से आने वाला वायरस अपना प्रभाव नहीं दिखा पाता, संक्रमण, कोरोना में टीका ही अचूक हथियार है। सभी का साथ जरूरी है।

(B) दिनांक 13/6/2021 रविवार को रा.से.यो. इकाई द्वारा ग्राम-जंगलपुर व ग्राम करहद में कोरोना वैक्सीन के प्रति लोगों में जागरूकता जगाया गया। लोगों को टीका के महत्व को बतलाया गया तथा टीके के 2 डोज लगवाने हेतु समझाईश दिया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत जंगलपुर के सरपंच श्री घनश्याम साहू व ग्रामीण जनमानस उपस्थित रहे। ग्राम करहद के सरपंच श्रीमती आरती ठाकुर, श्रीमती मंजू देवांगन, ~~मित~~ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

(C) दिनांक 14.6.2021 को रा.से.यो. स्वयंसेवक गणेश मरकाम B.Sc. 3 वर्ष द्वारा ग्राम जोब व मरकाकसा (दुरिया) में कोरोना वैक्सीन के प्रति जन जागरूकता जगाया गया। सभी को अनिवार्य रूप से वैक्सीन लगाने की अपील की गई। इस अवसर पर ग्राम की महिलाएं व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

DATE:..................

(D) – दिनांक 10.7.2021 को ग्राम बोरिदोह, जिला बालोद में स्वयंसेवक राकेश नामक द्वारा कोरोना वैक्सिन के प्रति जन जागरूकता जगाया गया, लोगों को टीकाकरण के फायदे बताया गया, घर के हर सदस्य को 2 डोज लगाने हेतु प्रेरित किया गया।

(E) दिनांक 15.7.2021 को ग्राम रानीतराई जिला-बालोद में रोमेश नामक स्वयंसेवक द्वारा ग्रामीण महिलाओं को कोरोना वैक्सिन लगाने हेतु बताया गया। टीके के स्वयं को सुरक्षित करने व परिवार को शतप्रतिशत टीकाकरण करने हेतु बताया गया।

(F) – दिनांक 05.8.2021 को गोद ग्राम कोटरासरार में कोरोना से बचाव हेतु टीकाकरण कराने का आव्हान किया गया, ग्राम के सरपंच, सचिव, महिला समूह व जनसामान्य को टीकाकरण के महत्व बतलाये, कोरोना से बचाव हेतु आवश्यक उपाय बताये गये।

(G) – दिनांक 09.8.2021 को ग्राम-डिलापहरी में कोरोना वैक्सीन के प्रति लोगों में जन जागरूकता स्वयंसेवक टोपचंद यादव B.Sc III (Bio) जगाया गया। दिनांक 10.8.2021 को ग्राम-डिलापहरी के दूसरे मोहल्ले में लोगों को कोरोना वैक्सीन के प्रति समझाईश दिया गया।

(H) दिनांक 23, 24, 25 अगस्त 2021 को ग्राम भानपुरी (गुधरा) में स्वयंसेवक लोकेश्वर वर्मा B.Com. I द्वारा कोरोना वैक्सीन के प्रति ग्रामीणजनों को जागरूक किया गया। उन्हें टीकाकरण के फायदे बताये गये तथा परिवार के प्रत्येक सदस्य को टीकाकरण केंद्र में वैक्सीन लगाने प्रेरित किया गया।

(I) दिनांक 02.10.2021 गांधी जयंती को गोदग्राम कोटरासरार में कोरोना वैक्सीन के प्रति जागरूकता जगाया गया, [illegible] लोगों से टीका का 2 खुराक लगवाने की अपील किया गया, मास्क लगाने, भीड़ से बचने व सेनटाइजर का उपयोग करने कहा गया।

(J) – दिनांक 02 से 08 दिसम्बर 2021 तक रा.से.यो. 7 दिवसीय शिविर [illegible] रामपुर में कोरोना वैक्सीन के प्रति जनजागरूकता जगाया गया।

10. स्वच्छ भारत कार्यक्रम — (01 अक्टू. से 31 अक्टू. 2021 तक)

A — दिनांक 02.10.2021 गांधी जयंती पर ग्राम कोरासरार में "स्वच्छता अभियान" व "गांधी जयंती" मनाया गया। ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम सभा को संबोधित करते डॉ. एस. आर. कुंजाम रासेयो अधिकारी ने कहा कि गांधी जी के विचार आज भी प्रासंगिक है, गांधी जी ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने अपने कार्यों, विचारों और आदर्शों से एक नए युग का सूत्रपात किया, उन्हें महात्मा व राष्ट्रपिता का संबोधन भी दिया गया। सभा को ग्राम प्रमुख श्री सिन्हा जी ने भी संबोधित किया। स्वयंसेवकों ने पंचायत भवन, आंगनबाड़ी, स्कूल परिसर की साफ-सफाई की, गुम्बज पाइन्ट प्लास्टिक को एकत्रित किया गया। जल संरक्षण का संदेश दिया गया, स्वच्छता रैली का आयोजन ग्रामीण जनों व स्वयंसेवकों द्वारा किया गया।

B — दिनांक 03.10.2021 को (रविवार) को रासेयो. स्वयंसेवकों द्वारा महावि. परिसर की साफ सफाई की गई, साइकिल स्टैंड के आस-पास तथा ग्राउंड में उगे बबूल कांटों को काटा गया, स्वच्छता अभियान चलाकर कचरों की सफाई की गई। प्लास्टिक कचरों को एकत्रित किया गया।

C — दिनांक 09.10.2021 शनिवार को महाविद्यालय परिसर के अंदर व बाहर की साफ-सफाई किया गया। नये बिल्डिंग के कमरे नं. 11, 12, 13, 14, 15, 16 व बरामदे की सफाई, तथा पुराने भवन में कमरों, बरामदों व आंगन की साफसफाई की गई। रासे.यो. स्वयंसेवक, विद्यार्थी व स्टाफ ने मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया।

D. दिनांक 24.10.2021 रविवार को महावि. परिसर में उगे बेकार घास-फूस व कटीले बबूल को काटा गया एकत्रित किया

Scanned with OKEN Scanner

DATE:........................

गया, तथा परिसर से प्लास्टिक, गुटखा पाउच को एकत्रित किया गया।

E. दिनांक 27.11.2021 को महावि. के गार्डन की साफ-सफाई का कार्य किया गया। बी.एस.सी. भाग 1 वालों के विद्यार्थियों द्वारा गार्डन में उगे बेकार घास-फूस की सफाई की गई व पौधों में पानी दिया गया।

विज्ञान महाविद्यालय

P.T.O

Scanned with OKEN Scanner

21. रा.से.यो. विशेष शिविर ग्राम रामपुर में –

दिनांक 02/12/2021 से 08/12/2021 तक 7 दिवसीय विशेष शिविर ग्राम रामपुर में "ग्रामीण विकास के लिये युवा" शीर्षक के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती रत्ना बोरकर सरपंच रामपुर ने कहा कि शिविरार्थी ग्राम में रचनात्मक कार्य के साथ जागरूकता लाने का प्रयास करेंगे। श्री मनीष साहू जनपद सदस्य डोंगरगांव के कार्यक्रम अध्यक्ष ने कहा कि युवा देश के कर्णधार हैं युवाओं के कार्य से ग्रामीणों को अवश्य प्रेरणा मिलेगी। श्रीमती पुष्पा गुप्ता अध्यक्ष जनभागीदारी समिति एवं विशेष अतिथि ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की योजना "नरवा गरवा, घुरवा, बारी" को मजबूत बनाना है, गांव समृद्ध होगा तभी समाज व देश उन्नति कर सकता है। डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य ने कहा कि महात्मा गांधी ने कहा कि गांव का विकास ही देश का विकास है, भारत की आत्मा गांव में बसती है इनका सुदृढ़ होना जरूरी है।

परियोजना कार्य के तहत गलियों, स्कूल, तालाबों की साफ सफाई, मैदान की सफाई कार्य, गंदे पानी की निकासी कार्य किया गया। बौद्धिक चर्चा में अनेक विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा चर्चा किया गया। स्वच्छता रैली, मतदाता जागरूकता रैली, स्वास्थ्य रैली, नशामुक्ति रैली निकाली गई।

दिनांक 08/12/2021 को समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री टिकेश साहू अध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव ने कहा कि युवाशक्ति राष्ट्रशक्ति है हर परिस्थितियों में जीना जानते है। श्री मयंक साहू अध्यक्ष एवं सरपंच आमलडबरी ने कहा कि युवा समाज का मार्गदर्शक होता है, स्वच्छता सभी ग्रामीणों को अपनाना है। श्रीमती रत्ना बोरकर सरपंच रामपुर में शिविरार्थियों द्वारा किये गये कार्यों की प्रशंसा की। डॉ. निर्मला उमरे प्राध्यापक ने कहा कि विद्यार्थी द्वारा किये गये व बताये गये मार्ग का अनुसरण करें। डॉ. एस. आर. कन्नौजे रा.से.यो. अधि. ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पंचायत की ओर से भोजन दिया गया

Scanned with OKEN Scanner

3. वृक्षारोपण कार्यक्रम -

महाविद्यालय परिसर में दिनांक 20.7.2020 "हरेली त्यौहार" के अवसर पर डॉ. कार्तिकराम सोनवानी आचार्य के मार्गदर्शन में 100 छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान दलेश्वर साहू जी विधायक एवं अध्यक्ष अन्य पिछड़ावर्ग प्राधिकरण द्वारा शासन रहे। महावि. परिसर में श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख महापौर, श्रीमती प्रभा गुप्ता अध्यक्ष जनभागीदारी समिति ने वृक्षारोपण किया। साथ ही जनभागीदारी समिति के सदस्य उपस्थित होकर पौधरोपण किया। इस अवसर पर श्रीमती जानकी रगाड़े, श्री मनोज चौधरी, श्री आनंद वर्मा, श्रीमती शुचिस्मिता वासनिक, श्री रूपेश श्रीवास्तव, श्री अशोक फड़नवीस, श्री आशिक अली, श्री अवधेश प्रजापति, श्रीमती सरिता शर्मा, आदि एवं महावि. के स्टॉफ उपस्थित रहे।

दिनांक 04.08.2020 को गोदग्राम खैरासरार में "वृक्षारोपण कार्य" किया गया। तालाब के मेड़ पर, गौठान में, नये तालाब के मेड़ में आम, गुलमोहर, अमलतास, करंज, कटहल के 100 पौधे लगाये गये। पौधों की सुरक्षा हेतु तार की जाली बनवाकर लगाये गये, इस अवसर पर ग्रामवासियों को मास्क का वितरण निशुल्क किया गया तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने तथा सेनेटाइजर का प्रयोग करने कहा गया। इस अवसर पर ग्रामपंचायत के सरपंच श्री रिशी कोरम, सचिव श्रीमती खोब्रागड़े, पंचगण, पूर्व सरपंच श्री जनक सिन्हा व श्री [illegible] लाल साहू, महिला समूह तथा गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

[stamp] विज्ञान महाविद्यालय

महावि. में दिनांक 01.12.2020 को एड्स के प्रति जागरूकता
लाने की दृष्टि से डॉ. आई. आर. सोनवानी संस्था प्राचार्य के
मार्गदर्शन में रा.से.यो. इकाई व रेड रिबन इकाई द्वारा "विश्व
एड्स दिवस" मनाया गया। डॉ. सोनवानी ने कहा कि यह रोग
अशिक्षा व अज्ञानता के कारण तेजी से पाँव पसार रहा है,
वर्तमान में लोग आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं, यदि हम
ब्रह्मचर्य व गृहस्थ आश्रम का ईमानदारी से पालन करें तो हम
स्वयं को व समाज को बचा सकते हैं। डॉ. निर्मल कुमार ने कहा
कि दक्षिण अफ्रीका से पैदा हुआ यह रोग हमारे लिये चुनौती है
अनदेखी व लापरवाही ने इस रोग को बढ़ाने में मदद की है। डॉ.
एस. आर. कुलमित्र ने इसके कारण लक्षण व बचने के उपाय बताये।
डॉ. प्रमोद ने जनजागरूकता को रोकथाम के लिये जरूरी बताया।

5. स्वच्छता पखवाड़ा (01 से 15 अगस्त 2019) -

रा.से.यो. के तत्वाधान में महावि. में "स्वच्छता पखवाड़ा" मनाया गया, पखवाड़े में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

दिनांक 02.8.2019 को डॉ. निर्मला असरे प्रभारी प्राचार्य ने सभी को "स्वच्छता शपथ" दिलाई, अपने घर आंगन, परिसर को स्वच्छ रखने की अपील की। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि स्वच्छता ईश्वरीय देन है, स्वच्छता हमारा मूलमंत्र है। डॉ. एस. आर. कन्नौजे रासेयो अधिकारी ने कहा कि जहाँ स्वच्छता है वहाँ स्वर्ग है, स्वच्छता से बीमारी दूर होती है, माननीय प्रधान मंत्री जी के स्वच्छ भारत स्वप्न को साकार करना है।

दिनांक 03.8.2019 को महाविद्यालय के कक्षों 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, बरामदा व आंगन की सफाई की गई, परिसर में पड़े कागज के टुकड़े, प्लास्टिक कचरे को एकत्रित किया गया, महावि. के शिक्षक स्टॉफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनांक 06.8.2019 को साइकिल स्टैंड के पास, फुटबाल ग्राउंड में उगे गाजर घास (पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस) को साफ किया गया, कैंटिन के सामने खरपतवार को साफ किया गया।

दिनांक 07.8.2019 को नये भवन के सामने, मंदिर के सामने बेकार कचरों, खरपतवारों को साफ किया गया।

दिनांक 08.8.2019 को गार्डन में उगे कांटेदार बबूल के पेड़ व कचरों को उखाड़ कर साफ-सफाई की गई।

दिनांक 10.8.2019 को डॉ के. आर. चिरवलकर सेवानिवृत्त वैज्ञानिक छत्तीसगढ़ प्रशासन ने "स्वच्छता के वैज्ञानिक पहलू" पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के कम होने से शरीर को रोग हो जाता है, साबुन से हाथ धोये, कहीं पर भी गंदगी न करें। डॉ. मधेश्वरी सिंह प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थी को जिज्ञासु होना चाहिये, स्वच्छता सभी के लिये जरूरी है। स्वच्छता से स्वास्थ्य, खुशी व वैभव मिलता है। इस अवसर पर महावि. के शिक्षक स्टॉफ व स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

PTO.

Scanned with OKEN Scanner

Camlin Exam
DATE: ....
www.camlin.com

दिनांक 12.8.2019 को गोदग्राम "रामपुर" में "स्वच्छता अभियान", "वृक्षारोपण", "प्लास्टिक उन्मूलन" का कार्य किया गया। अटल चौक में स्थित गार्डन में उगे बेकार घास-फूस की सफाई गाँव वालों के साथ मिलकर किया गया। ग्रामवासियों को खाने के पहले व शौच के बाद हाथ धोने की (साबुन से) अपील की गई। शौचालय का उपयोग व महत्व बतलाये गये। गलियों में पड़े प्लास्टिक को एकत्रित किया गया, प्लास्टिक को छोड़कर थैला अपनाने कहा गया। इस अवसर पर गली व स्कूल के सामने तथा स्कूल के खेल मैदान में गुलमोहर, शीशम, नीम के पौधे रोपे गये व सुरक्षा व्यवस्था की गई। श्री किशोर यादव सरपंच, उपसरपंच, श्री बीरबल सिन्हा पंच, मितानीन दीदी, ग्रामीण भाई बहन व स्वयंसेवक उप. रहे। कुल 120 छात्रों ने भाग लिया।

[illegible] 20.8.2019

Scanned with OKEN Scanner

DATE:........................

18- जल शक्ति अभियान के तहत स्वच्छता पखवाड़ा – (1 से 15 सितम्बर 2019)

A- जल संरक्षण एवं संवर्धन पर व्याख्यान – दिनांक 06.9.2019 को प्रो. के.के. द्विवेदी शा. कमला देवी महिला महाविद्यालय राजनांदगांव का व्याख्यान रखा गया। श्री द्विवेदी ने कहा कि जल से शक्ति व शांति मिलती है, जल बचाने का ज्ञान हमारे पूर्वजों ने दिया है, जल बचाकर मानवता का परिचय दें। डॉ. निर्मल उमरे प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि शरीर के प्रत्येक भाग में 75% जल है, धरती में मात्र 1% पेयजल है, बढ़ती जनसंख्या के सामने स्रोत कम पड़ते जा रहे हैं, जल की कमी बूंद से बूंद रिसाव रोक सकता है। डॉ. एस.आर. कन्नौजे ने कहा कि पेड़ कटे और पानी निकाले की प्रवृत्ति ने धरती को खोखला कर दिया है, जल बचाकर जल से भरा जहान बनाये, इसी में भलाई है।

B- गोद ग्राम रामपुर में "जल बचाओ - जीवन बचाओ" पर व्याख्यान – दिनांक 07.9.2019 को गोद ग्राम रामपुर में शा. पूर्व माध्यमिक शाला में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये डॉ. एस.आर. कन्नौजे रा.से.यो. अधिकारी ने कहा कि जल है तो कल है, धरती में सीमित है, कितना मुश्किल भरा दिन होगा जब हमें पैसे से पानी खरीदना पड़ेगा। जल बचेगा तभी जीवन बचेगा। ग्राम में जल संरक्षण हेतु जनजागरूकता रैली निकाली गई, विद्यार्थी के साथ शिक्षकगण भी शामिल हुये।

C- जल संरक्षण हेतु "जनजागरूकता रैली" – दिनांक 07.9.2019 को शा. पूर्व मा. शाला रामपुर के विद्यार्थी के साथ मिलकर ग्राम में "जल जागरूकता रैली" का आयोजन किया गया, बूंद-बूंद जल बचाकर धरती के भंडार को भरने का आह्वान किया।

D- प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान – गोद ग्राम रामपुर में दिनांक 07.9.2019 को "सिंगल यूज प्लास्टिक" उन्मूलन के बारे में ग्रामीणों को अवगत कराया गया। ग्राम के चौक, गलियों से प्लास्टिक को एकत्रित किया गया, इसके दुष्परिणामों से अवगत कराते हुये थैला का उपयोग करने हेतु कहा गया। प्लास्टिक मुक्त ग्राम बनाने का आह्वान किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

E- रामपुर में जलसंसाधन की सफाई – ग्राम रामपुर में दिनांक 07-9-2019 को पर्यावरण संरक्षण के तहत जलशक्ति अभियान में तालाब की साफ-सफाई की गई। तालाब में फेंके गये प्लास्टिक को निकाला गया। डोर टू डोर जाकर प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु अनुरोध किया तथा जल के महत्व से अवगत कराया गया।

F- महावि॰ परिसर में प्लास्टिक मुक्ति अभियान – दिनांक 8.9.2019 को महाविद्यालय परिसर में फेंके गये प्लास्टिक, पालीथीन को संग्रहित किया गया, महावि॰ के आंगन, गार्डन से प्लास्टिक निकाला गया। डॉ॰ निर्मला उमरे प्र॰ प्राचार्य व स्टॉफ साथ में रहे।

G- महावि॰ में प्लास्टिक उन्मूलन पर व्याख्यान – दिनांक 09.9.2019 को प्रो॰ विजय मानिकपुरी, समाज कार्य विभाग शा॰ दिग्विजय महावि॰ राजनांदगांव का "प्लास्टिक प्रदूषण" पर व्याख्यान रखा गया। प्रो॰ मानिकपुरी ने कहा कि पालीथीन मौत का दूत है, इसके जलाने से क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैस निकलती है जो वायुमंडल को हानि पहुंचाती है, गरम वस्तुओं को पॉलीथीन में नहीं रखनी चाहिये। गायें खाकर मर रही है, ये जमीन को बंजर बना देती है। डॉ॰ सुरेश पटेल रा॰से॰यो॰ जिला संगठक ने कहा कि केन्द्र सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय का निर्माण किया है, जल का संरक्षण-संवर्धन समय की मांग है, जल के प्रति स्नेह दिखायें। डॉ॰ निर्मला उमरे प्राचार्य ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषणकारी है, सस्ता, हल्का व रंगीन, मनमोहक है इस वजह से हर घर में अपनी पहुंच बना लिया है, इसे प्रतिबंध जरूरी है। डॉ॰ एस॰ आर॰ कन्नौजे रा॰से॰यो॰ अधिकारी ने कहा कि प्रकृति से दुश्मन तीन-पाउच, पन्नी, पालीथीन।

H- महावि॰ में टीम का गठन – माननीय राज्य एन॰एस॰एस॰ संपर्क अधिकारी व पदेन उपसचिव डॉ॰ समरेन्द्र सिंह, छ॰ग॰ शासन उच्चशिक्षा विभाग, रायपुर के पत्रानुसार दिनांक 30-8-2019 के अनुसार विषय– "जलशक्ति अभियान के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा", महावि॰ में "जल संरक्षण एवं संवर्धन" तथा "सिंगल यूज प्लास्टिक" से मुक्त करने हेतु टीम का गठन किया गया है जो संबंधित कार्यों एवं गतिविधियों के मानिटरिंग का कार्य करेंगे।

Canlin Exam

DATE:.........................

I –

<u>जन जागरूकता रैली एवं स्वच्छता अभियान</u> – दिनांक 1 से 15 सितम्बर
2019 तक मनाये जा रहे जल शक्ति अभियान के तहत स्वच्छता
पखवाड़े में दिनांक 15.9.2019 को महावि. से प्लास्टिक मुक्ति हेतु
जनजागरूकता रैली निकाली गई, जनमानस को प्लास्टिक से होने
वाले खतरों से अवगत कराया गया, थैले का उपयोग करने हेतु
सलाह दी गई। महावि. परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया
गया, बेकार उगी घास फूस व खरपतवार की सफाई की गई,
प्लास्टिक को एकत्रित किया गया, गार्डन की सफाई की गई।
कुल 150 विद्यार्थियों ने भागीदारी की

17. **कालेज के 16 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया—**

दिनांक 01.10.2019 "स्वैच्छिक रक्तदान दिवस" महाविद्यालय के 16 विद्यार्थियों ने 16 यूनिट शा० जिला चिकित्सालय जाकर रक्तदान किया। प्रो. निर्मला जैन, प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में रा.से.यो. व रेडक्रास के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रक्तदान करने वालों में - मिथलेश कोड़पे, ललित शर्मा, करण कुमार आचले, ललित धामकर, निलेश साहू, गणेश मरकाम, डलेश्वर, केशव कुमार, तपन यादव, रामअवतार निषाद, अभिषेक साहू, टाकेश्वर, पुरुषोत्तम हरमें, आशीष होगा, चन्द्रकुमार नेताम, किशन कुमार कुड़के, विश्वनाथ कोरेटी रहे। प्राचार्य महोदय ने सभी रक्तदाताओं को बधाई व धन्यवाद दिया।

Scanned with OKEN Scanner

22. विश्व एड्स जागरूकता सप्ताह मनाया — 88

शासकीय शिलनाथ विज्ञान महावि. में एन.एस.एस. के तत्वाधान में विश्व एड्स जागरूकता सप्ताह डॉ. गन्धेश्वरी तिर्की प्रभारी प्राचार्य के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। डा. सिंह ने कहा कि अशिक्षा व अज्ञानता इस रोग को बढ़ाने में मदद करता है, सभी लोगो को एड्स के विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं को समझने व बचाव के लिये प्रयास करने की जरूरत है, पीड़ितों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण के साथ संवेदनशीलता व सहृदयता की जरूरत है।

दिनांक 27.11.2019 को डॉ. वी.एल. कुर्रे जिला चिकित्सालय मानसिक रोग विशेषज्ञ ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि भारत में 50 से 60 लाख लोग एड्स से पीड़ित है, जिसमें युवावर्ग की ज्यादा हिस्सेदारी है यह रोग वायरस से होता है, जो केवल मानव में ही जीवित रहता है, यह वायरस शरीर में प्रतिरोधक शक्ति को कमजोर कर देता है, जिससे अन्य जीवाणु व विषाणु आक्रमण करते हैं।

दिनांक 28.11.2019 को एड्स के प्रति जागरूकता जगाने के उद्देश्य से विषय "HIV संक्रमण से बचाव" पर निबंध प्रति. में प्रथम कु. प्रियंका शुक्ला, द्वि. डेविड साहू, तृ. कु. मेनुका कोराम रही। निबंध प्रति. में प्रथम नम्रता उइके, द्वि. कु. पुष्पा साहू, तृ. अरविंद वर्मा रहे। पोस्टर प्रति. में प्रथम केशव कुमार, द्वि. कु. पुष्पलता वर्मा, तृ. रामभरोस रहे।

दिनांक 30.11.2019 को शोरनपम चांपातपुर में "एड्स जागरूकता रैली" निकाली गई, विद्यार्थियों ने एड्स को रोकने हेतु नारे लगाये, छात्रों को विडियो भी दिखाया गया। सभा को श्री धर्मेन्द्र वर्मा आई.सी.टी.सी. काउंसलर जिला चिकित्सालय, श्री अभिषेक शर्मा जिला परियोजना अधिकारी आशान प्रोग्राम, श्री जाबिर कुंजरे परियोजना प्रबंधक जिला स्वास्थ्य समिति जनकल्याण ने संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महावि. के स्टाफ का पूर्ण सहयोग मिला, संचालन व धन्यवाद डॉ. एस.आर. ... ने किया।

Camlin Exam

DATE:....................

15. **कॉलेज के छात्रों ने रक्तदान किया** –

दिनांक 1.10.2018

महावि. के 20 छात्रों ने 20 यूनिट रक्तदान श्री. जिला मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में जाकर किया, रा.से.यो. एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वाधान में किया गया। छात्रगण – हरीश कुमार, दिनेश कुमार साहू, जितेन्द्र कुमार साहू, डुगेश्वर कुमार साहू, चन्द्रशेखर साहू, परमेश्वर कुमार कुलाली, कु. वर्षा देवांगन, पुष्पन पात्र, नरेश कुमार उइके, केशर कुमार शैलेन्द्र, सुमन लाल सिंहवंशी, डोमेश्वर कोसिमारे, रिश्री कोसिम, पेमन लाल साहू, शैलेन्द्र कुमार वर्मा, कोमल कुमार साहू, सतीश कुमार साहू, होमन कुमार साहू, रोशनलाल साहू, कु. श्री त्रिवेणी रही। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के स्टॉफ डॉ. वाम्केश्वर, श्री सोनी, शर्मा, उषा कोरकर, चन्द्राकर का विशेष सहयोग रहा।

16. **रा.से.यो. विशेष शिविर ग्राम ... में** –

(1) विश्व पर्यावरण दिवस मनाया -

दिनांक 05 जून 2018 को ग्राम - बागतराई में रा०से०यो० के तत्वाधान में "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस वर्ष मेजबानी भारत को दिया है, भारत ने प्लास्टिक के दुष्प्रभाव को देखते हुये शीर्षक दिया है - "प्लास्टिक प्रदूषण की समाप्ति"। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री भुवन लाल वर्मा, संरपच ग्रामपंचायत बागतराई रहे।

कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुये डॉ. एम.आर. कन्नौजे, रा०से०यो० ने कहा कि विश्व में बड़ी समस्या प्लास्टिक कचरा है, भारत में स्पष्ट प्रभाव दिखाई दे रहा है, नागरिकों में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन हेतु तत्परता एवं सजगता नहीं है। श्री ललितेश्वर सिन्हा ने कहा कि प्लास्टिक में मौजूद रसायनिक विषाक्त पदार्थ होता है जो पर्यावरण पर खतरनाक प्रभाव डालते हैं, ये कैंसरकारक होते हैं, ये काफी सस्ते होने के कारण लोकप्रिय हैं, खेतों के मिट्टी, भूमि को प्रदूषित करते हैं।

श्री भुवनलाल वर्मा, संरपच ने कहा कि हमें हवा, पानी, भूमि को संरक्षित रखना है, बूंद बूंद जल को बचाना है, जल रहेगा तभी कल रहेगा, सभा को राजेश साहू डाग ने भी संबोधित करते हुये स्वच्छ पर्यावरण बनाये रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर रा०से०यो० स्वयंसेवकों ने कला, गीत, नाटक, प्रहसन के माध्यम से पर्यावरण को स्वच्छ रखने व प्लास्टिक का उन्मूलन न करने का आह्वान किया। ग्राम पंचायत के पंचगण, सचिव, महिला समूह, उपसंरपच व अधिक संख्या में ग्रामीण जनसमूह उपस्थित रहे। छात्रनायक अजय वर्मा, उपछात्रनायक विनय साहू ने सहयोग किया। 32 छात्र उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया -

दिनांक 01 से 15 अगस्त 2018 तक महाविद्यालय में "स्वच्छता पखवाड़ा" मनाया गया। दिनांक 01 अगस्त को डॉ. श्रीमती निर्मला कुमारी प्राचार्य ने उपस्थित समस्त जनों को "स्वच्छता शपथ" दिलाई। दिनांक 2, 3, 4 अगस्त को महावि० परिसर में उगे बेकार घास-फूस को काटा गया, कटीली झाड़ियों को काटकर जलाया गया, प्लास्टिक को एकत्रित किया गया। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी अपने घर, आँगन, गली, मोहल्ले, ग्राम को स्वच्छ रखें। छात्रों ने गाजर घास को उखाड़ा एवं इसके दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।

दिनांक 06 अगस्त 2018 को गोद ग्राम "रामपुर" में सरपंच श्री किशोर यादव, महिलासमूह, पंचगण, मितानिनों के सहयोग से ग्राम में "स्वच्छता रैली" निकाली गई, घर-घर जाकर स्वच्छता संबंधी चर्चा की गई, शौचालय का उपयोग करने व साबुन से हाथ धोने, कचरों को निश्चित स्थान पर डालने हेतु अपील किया गया। ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाकर सड़क किनारे उगारे बेकार घासफूस की सफाई की गई। दिनांक 7, 8 अगस्त को महाविद्यालय के कमरों, आँगन, बरामदे, गलियारे की सफाई की गई।

दिनांक 09 अगस्त को त्रिवेणी परिसर में स्थित प्रतिमा डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र, गजानंद माधव मुक्तिबोध, बलदेव प्रसाद मिश्र व स्टेशन चौक में स्थित अमर स्वामी दयानंद की प्रतिमा की सफाई की गई। दिनांक 10 अगस्त को महाविद्यालय परिसर में स्थित "औषधीय पौधों के गार्डन" में उगे घासफूस की सफाई की गई, गार्डन में फूलदार व फलदार पौधे लगाये गये। रा.से.यो. स्वयंसेवकों ने पूर्ण सहभागिता की। पखवाड़े के कार्यक्रम 170 विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने भागीदारी की।

22. **विश्व एड्स दिवस मनाया** – दिनांक 01.12.2018 को म.रा.वि. में "विश्व एड्स दिवस" मनाया गया, सर्वप्रथम "एड्स जनजागरूकता रैली" महावि. से बसंतपुर वार्ड में निकाली गई। सभा को डॉ. एस. आर. कन्नौजे ने संबोधित करते हुये कहा कि यह केवल 4 कारणों से होता है, असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित खून चढ़ाने से, संक्रमित सुई से, संक्रमित गर्भवती माँ से बच्चे को। डॉ. शंघेश्वरी सिंह प्राचार्य ने कहा कि भारत के बहुत से राज्यों में एड्स पांव पसार चुका है, छ.ग. के 25000 लोग संक्रमित हैं। सभा को श्री धर्मेन्द्र वर्मा, एड्स काउन्सलर जिला हास्पिटल, श्री जगदीश सोनी ब्लड बैंक काउन्सलर, श्रीमती मिताली मेश्राम STI गुप्त रोग काउन्सलर जिला हास्पिटल ने संबोधित किया। जागरूकता हेतु भाषण, निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अधिकारीगण / कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कुल 86 विद्यार्थी ने स्वयं भाग लिये।

DATE:........................

"स्वच्छता अभियान" के तहत किये गये कार्य -

* दिनाँक 28.07.2018 को महावि० में स्वच्छता अभियान चलाया गया महावि० के स्टॉफ व विद्यार्थी मिलकर सभी कमरे, बरामदे, आंगन, कक्षों की सफाई की गई, दीवालों के जाले निकाले गये, कचरों को जलाया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा - छ.ग. शासन के निर्देशानुसार दिनांक 01 से 15 अगस्त 2018 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" मनाया गया, दिनांक 01.8.18 को प्राचार्य डॉ. निर्मल उमरे ने स्वच्छता शपथ दिलाई, परिसर की सफाई की गई। सभी को महावि० के अधिकारी डॉ. नागरले, डॉ. भगत, श्री पटेल ने संबोधित किया।

* दिनांक 02 व 03 अगस्त 18 को महावि० के दीवार किनारे उगे घास-फूस व कटीले झाड़ों को काटा गया।
* दिनांक 06 अगस्त 18 को गोद ग्राम रामपुर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। ग्राम में रैली निकालकर गलियों की सफाई की गई।
* दिनांक 07 व 08 अगस्त 18 को महावि० के आंगन, कमरे, गली की सफाई की गई।
* दिनांक 09 अगस्त 18 को त्रिवेणी परिसर में कचरों को साफ किया गया, प्लास्टिक को एकत्रित किया गया, खेल चौक की सफाई की।
* दिनांक 10 व 11 अगस्त 18 को महावि० के गार्डन, (औषधीय पौधों) में उगे बेकार घास-फूस की साफ-सफाई की गई।
* दिनांक 2.9.2018 को (रविवार) को औषधीय पौधों के गार्डन व समीप में स्थित गार्डन की साफ-सफाई की गई।

स्वच्छता पखवाड़ा (15 सितम्बर से 2 अक्टू.18)

* दिनांक 15 सितम्बर 18 को विद्यार्थियों को "स्वच्छता शपथ" दिलाया गया, छात्रों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बतलाया गया, हर जगह को साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया गया।

Scanned with OKEN Scanner

* दिनांक 18.09.2018 को रा.से.यो. छात्र अन्य विद्यार्थी द्वारा गौरवपथ में सड़क की सफाई की गई, ऊनपिर्क से खेल चौक तक सफाई की गई। प्लास्टिक कचरों को एकत्रित किया गया, झाड़ू लगाया गया, इस अवसर पर नगर निगम रायगढ़ के अधिकारी, कर्मचारी, सुंदरानी स्कूल के विद्यार्थी व स्टॉफ स्वच्छता कार्य में सहयोग प्रदान किया।

* दिनांक 29.09.2018 को महावि. में "स्वच्छता व्याख्यान" का आयोजन किया गया, डॉ. एस. आर. कन्नौजे रा.से.यो. अधिकारी ने शौच के बाद व भोजन के पहले हाथ धोने का महत्व बतलाया। डॉ. निर्मल उमरे प्राचार्य ने कहा कि व्यक्तिगत सफाई जरूरी है। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि शत-प्रतिशत शौचालय का उपयोग करने की। छात्रों द्वारा "मानव श्रृंखला" बनाई गई।

* दिनांक 23.09.2018 रविवार को महावि. विद्यार्थियों ने झाड़ू लगाकर कमरों, आंगना की सफाई की गई, प्लास्टिक कचरों को एकत्रित किया गया, महाविद्या. में "स्वच्छता अभियान" चलाया गया, विद्यार्थियों ने स्वच्छता बनाये रखने हेतु "स्वच्छता जन जागरूकता रैली" निकाली, बैनर, पोस्टर के माध्यम से ससेतपुर वार्ड में रैली आयोजित की गई।

* दिनांक 28.10.2018 को महाविद्यालय परिसर में उगे कटीली झाड़ियों को काटा गया, खेल मैदान की साफ सफाई की गई। परिसर में पड़े बेकार प्लास्टिक को एकत्रित किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

DATE:..................

* दिनांक 02-11-2018 (रविवार) को महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया, दिवाल किनारे की बेकार झाड़ियों को काटा गया, कचरों को एकत्रित कर जलाया गया।

* दिनांक 21.12.2018 शुक्रवार को जिला कलेक्टर श्रीमान [illegible] के निर्देशानुसार, श्री आर.एन. सिंह प्राचार्य दिग्विजय स्नातकोत्तर महावि. के निर्देशानुसार नगर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। होटल अवाना के सामने सुधासागर के सामने कचरों की सफाई की गई, रेल चौक मेजर ध्यानचंद चौक से साइंस कॉलेज तक सड़क किनारे दोनों तरफ झाड़ू लगाकर सफाई की गई। प्राचार्य डॉ. गंधेश्वरी सिंह व महावि. के स्टॉफ व अधिक संख्या में विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया।

* दिनांक 10-01-2019 शुक्रवार को महाविद्यालय परिसर में प्लास्टिक कचरों को एकत्रित किया गया, गुटखा, पाउच को संग्रहित कर निपटान किया गया, कूडाकरकट को एकत्रित कर जलाया गया।

N.S.S. Officer
Govt. Shivnath Science College
Rajnandgaon (C.G.)

प्राचार्य
शास. शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

2. **महावि. में वृक्षारोपण कार्यक्रम** – महाविद्यालय परिसर में दिनांक 20 व 21 जुलाई 2017 को सघन वृक्षारोपण कार्य किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमान अब्दुल रायमार्या अध्यक्ष जनभागीदारी समिति रहे, उन्होने हर खाली जगह में पौधे लगाने कहा, प्राणियों का जीवन वनस्पतियों से ही है। डॉ. सुमन सिंह बघेल ने कहा कि पेड़ ही वर्षा कराते हैं, भूक्षरण को रोकते हैं, दूषित वायु को सोखकर प्राणवायु ऑक्सीजन देते हैं। प्रो. एस. आर. कलोले ने कहा कि वनस्पतियों में देवताओं का वास बताया गया है, ताकि पर्यावरण की दृष्टि से हरा-भरा बना रहे। इस अवसर पर विभिन्न जाति के 400 पौधे लगाये गये। पौधों में अकेशिया, शिशु, कचनार, नीम, आंवला, अमरूद, सीताफल, गुलमोहर, अमलतास, केसिया सामिया, सीरिस, पेल्टाफोरम, बांस, सम्हार है। इस अवसर पर महावि. के अधिकारी, कर्मचारी व अधिक संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

4. स्वच्छता अभियान -

राज्य शासन छ.ग. के निर्देशानुसार 1 से 15 अगस्त 17 तक महावि. में रा.से.यो. के तत्वाधान में "स्वच्छता अभियान" चलाया गया।

दिनांक 01.08.2017 को संस्था प्रमुख डॉ. श्रीमती सुमनसिंह बघेल (प्राचार्य) ने उपस्थित समस्त रासेयो स्वयंसेवकों व अन्य छात्रों को "स्वच्छता की शपथ" दिलाई, सभी ने अपने महाविद्यालय, अपने आसपास, गांव, गली, मोहल्ला, नगर को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

दिनांक 02.08.2017 को महाविद्यालय के गोद ग्राम "रामपुर" में स्वयंसेवकों ने ग्राम के गलियों की सफाई की, बोरिंगों से निकलने वाले गंदे पानी की व्यवस्था, तालाबों की सफाई की। सभी को अपने ग्राम को स्वच्छ रखने हेतु समझाया गया जिसमें ग्रामीणों का भी सहयोग मिला।

दिनांक 03.08.2017 को बसंतपुर वार्ड में "रैली" निकालकर स्वच्छता के संबंध में बताया गया, अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने व किसी प्रकार के कचरा न करने समझाईश दिया गया। नशा मुक्ति रैली भी निकाली गई।

दिनांक 05.08.2017 को महाविद्यालय में स्थित परिसर, गली, ग्राउण्ड, खेल मैदान, साइकिल स्टैंड, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, कमरे आदि की सफाई की गई। अधिकारी, कर्मचारी व विद्यार्थियों ने झाड़ू लगाई, जालों को निकाला, टेबल कुर्सी की साफ-सफाई की, हमेशा साफ रखने का संकल्प लिया।

DATE:

दिनांक 11.08.2017 को महाविद्यालय के विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से "स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत" विषय पर [illegible] में "निबंध प्रतियोगिता" का आयोजन किया, छात्रों ने भारत व अपने महावि. को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भूमिका को बतलाया। छात्रों ने स्वच्छ भारत बनाने अपने विचार रखे है।

दिनांक 12.8.2017 को महाविद्यालय परिसर में उगे लेकर घास-फूस को उखाड़ा गया, घासों की सफाई की गई छात्रों ने आंगन की सफाई की। औषधीय पौधे गार्डन में उगे घास फूस को साफ किया गया।

दिनांक 14.8.2017 को महाविद्यालय से "स्वच्छता रैली" निकाली गई, रैली दिग्विजय महावि. में जिले के सभी एन.एस.एस. स्वयंसेवक एकत्रित हुये। माननीय श्री आर. एन. सिंह ने स्वच्छ भारत पर अपने विचार रखे, छात्रों ने स्वच्छता हेतु अपील की रैली सड़क मार्ग से स्वच्छता नारे लगाते हुये मानव मंदिर चौक गांधी चौक होते हुये दुर्गा चौक, गौरव पथ होते हुये शा. कमला देवी महिला महावि. राजनांदगांव में समाप्त हुयी। सभा को डॉ. श्रीमती बी. एन. मेश्राम, प्राचार्य, प्रो. सुरेश पटेल, जिला संगठक रा.से.यो., कार्यक्रम अधिकारी व छात्रों ने संबोधित किया।

Scanned with OKEN Scanner

DATE:......................

1. यातायात शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम -

दिनांक 13/09/2017 को रा.से.यो. के तत्वाधान में "यातायात शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन कक्ष क्र. 8 में किया गया। श्री एम.एल. चन्द्रा उप अधीक्षक यातायात राजनांदगाँव ने पावर पॉइंट प्रिजेन्टेशन के माध्यम से यातायात संकेतों व रोड साईन के बारे में एवं बिना लाइसेंस वाहन न चलाने, यातायात सिग्नल का पालन करने नाबालिक बच्चों को गाड़ी न चलाने की समझाईश दिया, वाहन चलाते समय मोबाइल न करने तथा हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की समझाईश दिया गया। इस अवसर पर लगभग 100 विद्यार्थी व महावि. के स्टाफ उपस्थित रहे। छात्रों ने प्रश्न रखे जिनका समाधान किया गया। श्री शिवनारायण देवांगन प्रधान आरक्षक, व नरेन्द्र देवांगन उपस्थित रहे।

12. "स्वच्छता ही सेवा" स्वच्छता पखवाड़ा
(15 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2017)

दिनांक 15 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2017 तक भारत शासन के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा छ.ग. शासन के निर्देशानुसार "स्वच्छता ही सेवा" के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन महावि. में किया गया।

दिनांक 16-09-2017 को डॉ. श्रीमती सुमनसिंह बघेल प्राचार्य के मार्गदर्शन में डॉ. बघेल ने उपस्थित छात्रों को "स्वच्छता शपथ" दिलाई। छात्रों से अपने परिसर को साफ सुथरा रखने तथा कूड़े कचरों को कूड़ेदान में डालने कहा।

दिनांक 20-09-2017 दिन बुधवार को महावि. के रा.से.यो. के छात्रों ने महाविद्यालय से बसंतपुर तर्ई में "रैली" निकाली, गली मोहल्ले, नालियों को स्वच्छ रखने की अपील की, निर्धारित स्थान पर कचरे डालने कहा गया, स्वच्छता नारे, बैनर का उपयोग किया। महाविद्यालय पहुँचकर छात्रों ने "मानव श्रृंखला" बनाई, सामूहिक रूप से स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

दिनांक 21-09-2017 को महाविद्यालय में "स्वच्छता सभा / सम्मेलन" का आयोजन किया गया। डॉ. श्रीमती सुमनसिंह बघेल प्राचार्य ने स्वच्छता के महत्व बतलाये, डॉ. एस. आर. कन्नौजे रा.से.यो. अधिकारी तथा डॉ. श्रीमती फुलवती राजश्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करना है, गाँव गली को स्वच्छ रखना है। संकल्प लेकर कार्य करें। स्वच्छता हमारे स्वभाव में होनी चाहिये, सेवा कार्यों को प्राथमिकता देकर स्वच्छ भारत बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर महावि. के प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं रा.से.यो. के स्वयंसेवक अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

दिनांक 22.09.2017 शुक्रवार को "स्वच्छता" विषय पर "नारे" (Slogan) एवं "चित्रकला (पेंटिंग)" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वच्छता विषय पर 21 छात्रों ने "नारे" लिखे जिसमें कु. शोभना BSc II Bio - प्रथम, कु. नमिता सिन्हा BSc II Bio - द्वितीय, कु. योगिता देवांगन BSc II Bio तृतीय रहे।

स्वच्छता विषय पर आयोजित "पेंटिंग प्रतियोगिता" में कु. लुकेश्वरी BSc III Bio प्रथम, केशव कुमार BSc I - द्वितीय, भेमचंद BSc III तृतीय स्थान पर रहे।

दिनांक 23.09.2017, शनिवार को "निबंध प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया, विषय रखा गया - "स्वच्छ भारत बनाने में मेरा योगदान" प्रतियोगिता में प्रथम कु. सरिता जैन BSc II Bio, द्वितीय - दिनेश ठाकुर BSc III Bio, तृतीय - कु. शबाना कुरैशी - BSc II (Maths) रही।

दिनांक 26.09.2017, मंगलवार को "सामूहिक स्वच्छता हस्ताक्षर अभियान" चलाया गया, इसमें 250 छात्रों ने व स्टाफ ने स्वच्छता के प्रति सजग होकर हस्ताक्षर किये।

दिनांक 27.09.2017 बुधवार को महाविद्यालय में "अस्वच्छता दहन" किया गया, एकत्रित किये गये कचरों को जलाया गया। कार्यक्रम अतिथि वक्ता दिलनायक विनय साहू उपदलनायक के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

दिनांक 02.10.2017 को "गांधीजयंती" के अवसर पर रा.से.यो. इकाई द्वारा गोदग्राम "रामपुर" में गांधी जयंती, लालबहादुर शास्त्री

DATE:..................

जयंती . पं० दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म शताब्दी वर्ष मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम में चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया। श्री किशोर यादव सरपंच ने गांधीजी व पं० दीनदयाल उपाध्याय के जीवन चरित्र को बताया तथा उनके बताये मार्ग सत्य व अहिंसा को अमल में लाने कहा। डॉ. एस. आर. कुम्भारे ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छ भारत का सपना देखा था जो अब साकार हो रहा है। लोगों ने संकल्पित होकर देश को स्वच्छ बनाने का ठान लिया है।

ग्राम पंचायत रामपुर में "स्वच्छता अभियान' चलाया गया, गलियों की सफाई की गई, बेकार पड़े गुटखे के पाऊच, कागज, कचरे आदि की सफाई की गई। इस अवसर पर सरपंच, उपसरपंच, पंचगण, महिला समूह के सदस्यगण व ग्रामीण जनमानस ने स्वच्छता अभियान में भरपूर सहयोग किया। उपस्थित जनों को "शपथ स्वच्छता" का दिलाया गया।

13. **नशा मुक्ति अभियान** –

दिनांक 07.10.2017, शनिवार को एन.एस.एस. एवं भारतीय रेडक्रास सोसायटी के तत्वाधान में "नशा मुक्ति अभियान" चलाया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय से बसतहर वार्ड में "नशा मुक्ति रैली" निकाली गयी, जनमानस को नशा न करने का संदेश दिया गया, रैली में नशा विरोधी बैनर, पोस्टर, स्लोगन लिखे हुये थे।

महाविद्यालय में डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल - संस्था प्राचार्य ने नशा के विरूद्ध "शपथ" दिलाया, सभी विद्यार्थियों से संकल्पपत्र भराया गया - मैं स्वयं नशा नहीं करूंगा तथा समाज को नशा मुक्त बनाने में मदद करूंगा।

सभा को संबोधित करते हुये प्राचार्य महोदय ने युवको को आव्हान किया कि सामाजिक बुराई को दूर कर स्वच्छ व स्वस्थ समाज बनाने में भूमिका निभाये। सभा को संबोधित करते हुये डॉ. एस.आर. कुर्रे, डॉ. कुलेश्वरी लोकेश पटेल, डॉ. हरिशंकर भगत ने कहा कि नशा नाश की जड़ है भाई, इसका फल अति दुखदायी। बीड़ी सिगरेट और तम्बाकू, ये सब है तन मन के डाकू, सभी से नशामुक्त समाज बनाने का आव्हान किया।

नशा विरोधी अभियान के तहत छात्रों में "नारे प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने भाग लिया। छात्रों में जागरूकता लाने की दृष्टि से "निबंध प्रतियोगिता" विषय - "नशामुक्त भारत बनाने में मेरा योगदान" का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जावेगा।

14. रक्तदान एवं रक्त परीक्षण -

दिनांक 10.10.2017 को रा.से.यो. एवं रेडक्रास द्वारा महाविद्यालय में "रक्तदान एवं रक्त परीक्षण" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के 17 छात्रों ने "रक्तदान" किया तथा 100 छात्रों ने "रक्त परीक्षण" कराया। शा. चिकित्सालय के डॉ. तिवारी, डॉ. विकास वाम्बेसर, श्री मोती, श्रीमती उषा बोरकर, श्री एम.के. चन्द्राकर, श्री सी.के. कश्यप, श्री आर.एल. शामला, श्रीमती साधना रानी पाल, हेमकुमारी साहू, श्रीमती शर्मिला ठाकुर ने सहयोग किया। प्रभारी प्राचार्य श्रीमती निर्मला उमरे, डॉ. श्रीमती नम्रता गणवीर, श्री जगदीश सोनी ने रक्तदान का महत्व बतलाते व अधिक से अधिक छात्रों से रक्तदान का आव्हान किया। डॉ. एस.आर. कन्नोजे व डॉ. ए. भगत के निर्देशन में कार्यक्रम सफल हुआ। छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किये गये व सभी को Blood group से परिचय कराया गया।

15. कैशलेस के संबंध में जानकारी -

दिनांक 16.10.2017 को अपरान्ह 3.00 बजे श्री एस.के. शर्मा DIO NIC एवं श्री सौरभ मिश्रा - EDM. DEGS (Chips) महाविद्यालय पचारकर विद्यार्थियों को Cashless के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि Account को Bank से link होना जरूरी है, Cashless से होने वाले फायदे के बारे में बताया कि कहीं भी जाये नगद राशि लेजाने की जरूरत नहीं है। छोटी व बड़ी राशि का भुगतान Digital Payment से कर सकते हैं, शासन ने BHIM APP निर्मित किया है जिसका लाभ सभी को लेना है, व आस-पास के लोगों को भी BHIM App की जानकारी देना है। Cashless बनाने हेतु सभी की भागीदारी जरूरी है।

18. ## विश्व एड्स दिवस मनाया गया –

दिनांक 01.12.2017 को महावि. में रा.से.यो. के तत्वाधान में "विश्व एड्स दिवस" मनाया गया, प्रातःकाल में विद्यार्थियों ने बहादुर वार्ड में एड्स के प्रति जन जागरूकता जगाने के उद्देश्य से रैली निकाली, रैली में बैनर, पोस्टर, स्लोगन, नारों का प्रयोग किया गया। सभा में डॉ. बी.एल. कुमरे, जिला चिकित्सालय राजनांदगांव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। देश में तेजी पाँव पसार रहे एच.आई.वी. वायरस ने चिंता की लकीर खींच दी है राजनांदगांव जिले में इस वर्ष 134 प्रकरण दर्ज किया गया है। डॉ. कुमरे ने कहा कि यह रोग केवल 4 कारणों से होता है, असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित सुई, संक्रमित खून चढ़ाने से, गर्भवती संक्रमित माता से शिशु को। एड्स के लक्षणों को बताया व समाज को जागरूक करने का आह्वान किया। श्रीमती सुमन सिंह बघेल ने कहा कि हाथ मिलाने से, गले लगने से, साथ में सोने से, एक दूसरे के कपड़े पहनने से, नहीं होता, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जानकारी ही बचाव है। डॉ. एल.के. भगत रेडक्रास प्रभारी ने अशिक्षा, अज्ञानता को कारण बताया, पलायन करने वाले लोग अधिक जिम्मेदार है। इस अवसर पर महावि. के स्टाफ व विद्यार्थी अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

मानव अधिकार दिवस मनाया गया –

दिनांक 10.12.2017 को रा.से.यो. - ईकाई के तत्वाधान में "मानव अधिकार दिवस" महाविद्यालय में मनाया गया। प्रो.-रा.से.यो.-अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 10 दिसम्बर 1948 को मानव अधिकार दिवस मनाने का निर्णय लिया गया, व्यक्ति को समान काम, समान वेतन की स्वतंत्रता, विश्राम तथा सामाजिक भरण पोषण का अधिकार, शिक्षा के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार, जीने का अधिकार, इसकी प्रस्तावना में मानव जाति की जन्मजात गरिमा और सम्मान तथा अधिकारों पर बल दिया गया है। प्राचार्य डॉ. [illegible] गौर पटेल ने इस अवसर पर शपथ दिलाई। डॉ. नागरत्ना गनवीर ने कहा कि अधिकारों के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती, राज्य का सर्वोत्तम लक्ष्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का पूर्ण विकास है। विश्वशांति तथा सुरक्षा को कायम रखने के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय समाज बनाने की जरूरत को स्वीकार किया गया।

विधिक साक्षरता कार्यक्रम –

दिनांक 13/12/2017 दिन बुधवार को सुश्री अंजली सिंह - व्यवहार न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा आडिटोरियम में "विधिक साक्षरता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। उन्होंने कानून व्यवस्था को समाज के व्यवस्था हेतु जरूरी बताया, निःशुल्क विधिक सेवा योजना के तहत दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में, ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा के संबंध में, घरेलू हिंसा, सूचना तकनीक, रैगिंग प्रताड़ना, पाक्सो एक्ट, एफ.आई.आर. की विस्तार से जानकारी दी, पाक्सो एक्ट - 15 वर्ष से कम उम्र के साथ यदि कोई लैंगिक उत्पीड़न करता है तो उसके लिये एक्ट न दिये जाने वाले सजा के बारे में बतलाई, किसी भी प्रकार के निजी नम्बर शेयर न करने की सलाह दी। बैंक ऐसी जानकारी नहीं मांगती।

Scanned with OKEN Scanner

21. राष्ट्रीय युवा सप्ताह मनाया गया—

महाविद्यालय में दिनांक 12 से 18 जनवरी 2018 तक स्वामी विवेकानंद जी के जयन्ती "राष्ट्रीय युवा दिवस" के रूप में मनाया गया। दिनांक 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की जयन्ती मनायी गयी, विशेष अतिथि के रूप में श्री प्रभात सोनी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक कार्यकर्ता, प्रो. के.के. द्विवेदी, श्री हरीश गांधी समाज सेवी उपस्थित रहे। डॉ. एस. आर. कुजरोले ने स्वामी जी के चरित्र पर प्रकाश डालते हुये उनके व्यक्तित्व को जीवन में उतारने कहा, स्वामी जी ने देश व विदेश में यात्रायें की, वे दीन हीनों को करीब से देखे, उन्होने कहा कि अंहकार को त्यागे बिना सेवा जैसे महान कार्य नहीं किये जा सकते।

डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल संस्था प्राचार्य ने कहा कि नरेन्द्र जी का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था, उन्होने अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस से शिक्षा व दीक्षा ली, उनकी वेदान्त व अध्यात्म में गहरी आस्था थी, मानव सेवा को सच्ची सेवा मानते थे।

श्री प्रभात सोनी ने कहा कि नेतृत्व क्षमता प्रबल होनी चाहिये, संगठन में शक्ति होती है, भारतीय समाज संगठित हो जाये तो ताकतवर बनकर उभरेगा, अपने लक्ष्य पर निगाह रखे, अपनी प्रतिभा का उपयोग राष्ट्रहित में करें।

प्रो. के.के. द्विवेदी ने कहा कि सेवा कार्य हेतु स्वामी जी ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, स्वामी जी जिज्ञासा का वैज्ञानिक हल चाहते थे, स्वामी जी ने शून्य पर अपने भाषण शिकागो में दिये, वे दलितो की सेवा को ईश्वर की सेवा मानते थे। श्री हरीश गांधी समाज सेवी ने कहा कि जिस ओर जवानी चलती है जमाना उस ओर जाता है जोश व होश के साथ राष्ट्रहित के कार्य करे, स्वामी जी की जीवन यात्रा मानव से महामानव बनने की यात्रा है।